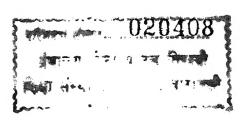


and the second s



न्याद्र स्था महिन्य स्था निया स्था



ا احت. المنابع

ज्ना नास्या		
2	इन्यह्न नगर्भमा	****
3 944° V	यर त्रेटमही	
n del. 30	सर केंद्र नदा केंद्र सहित्य हैं स	49 40
३७ वस 🗝०	चरागुरी चोर्साया चेराख्यातब्साच	* **
100 del. 20	वरामेतुरासुमाया जेराकुँ वरेया	C 46 5 9 G
S= 44.57	बरमेदु वहीचा वेर्प्रा हिमानळेंग	3'471
no am. Joa	यर मेह हैं ये। यह व पहेंचा	
20v gar 233	वर लेख द्वा व व के नुस्त्र	** 71
१३३ ब्रा १४०	वर सेवु व दुव व वहव व व व व व व	[यम
१४० इस १४४	बर जुड़े नकेंद्रिया के बर बर बर के	
१५५ व्या १८०	वर लेवु द्रमु मा बेट विन् ।	****
१७१ ब्रा. १३१	वर ये दुःव द्वा इ स्व के कि म	
333 del. 3=1	तर सेतु नढ महिनामा कर व तुँसा	
201 \$11.31.5	तर भेतु पर निष्या मुक्स पर से सि	र् केंब्राया
3vu 48. 373	चर. जु.च इ.च श्रमः म। द. श्रे. दे ह.। स.	
४८३ दुझ. ३०३	नर मिस्निद्दा न्दानि द्वारी द्वारी	174.
-	र्दुव्यन्धः वरुद्। """ """	****
३०० देख. ३८७		_
	द्रनमः गुःइम् वुद्रः न् सद्द्र। ""	794 12

Sometime and the state of the s	HAT TO BE UP THE CONTROL OF THE PARTY OF THE	वेंद्र वर्डेश देव सेन	ONE TO SECURE OF SECURE AS A PERSON ASSESSED AND SECURE TO SECURE THE SECURE TO SECURE THE SECURE TO SECURE TO
ब्रॅन	জীনা		वड्स.
ग्रीटक्ष.	₹£.		
39	クロ	मोब्रुश्नमी.	भाविष्य
32	33	व के हिन	84.4.4 <u>\$</u>
<i>3</i> e	2	ন্ র্ন েহ্র	HRACE
3V	23	ନ୍ଦ୍ର ଅନ୍ତି .	लें है.सै.इ.चबी
200	9	र् "वान्त्रेमा	5 শেৰী ন্ত্ৰ সা
≈ γ	33	, z. z. g.c.	.
ve	3	ผมริจิริรัฐ	ଜୟ .ଣୁଜା
ပ္	32	द्रवाश्व.चा ² थे.चांशिश्व.	ইনাধ্যনাধ্যমা
Go	<i>33</i>	वडस.बंश.	वक्य-मान्द्र-दया
<u></u>	24	원·작·작년.	원·文·호·교회
رحی	ש	3 ₹'¤'	55.81
v=	<i>ე</i> ၁	ना दुवस.	म िन् रः।
VL	23	৺৺৵.ঐ.জ.	ৰ ই্ল-শ্ৰূমা
200	۷	बद सेर	र्नेन यन सेन्।
20L	2V	यक्टेब	यहन
238	٧	२ ८.र्च८.मु,	26.345.3
234	<i>37</i>	34F.	39TFI
200	9 h	5 8/23 8	5 N.9130

ब्रा.	পুনা.	वृङ	বৰুশ
चेट्य.	स्रेट.		
256	32	वंद्रं के द्वट वहेंद्र	55.0.20E.6.54
2°V	20	श्रवः द्वाश्रः	इ.ट्रेनेश
30L	33	ইনা নহাৰ ইয়া	मिट हि. हैंगी चरी थ. देश
2°8	٨	म्बटकाश्चिमावईन	क्षेत्रहा हिना स
373	クロ	अर द्वेंश यहेंद्	लूट्रन्स. लेश. चहुरी
23G	22	इन्हिः देव	क्षे.चिट.वस.ब्रे.ह्व।
3 ~ 3	ş	चे द्वा प्रहेटसः चे द्वा प्रहेटसः	ट्रह्मा ट्रिस्ट्रीस्ट्रिट स्थिम्द्रिटा द्रव्य स्थिम्द्रिटा द्रव्य
१७७	2 3	न्त्रं निद्यः	44.9.4cm
३५७	٧	ন্ত্ৰ মাৰ্ক্তহ'	र्च.भ.ष्ट्रश
2V*3	20	₫.₫₹.gc.	57.8E1
27.6	32	ब्रिय:य े.चबुट.	4 x. E. 2. 1 3 E. 1
22°	3	gan.	दे और हिंशस
320	3 L	ĝą arā	नुंदेव अट. व्
3 20	22	35 3 ac.	वर्षे से सरा
32L	e	ame.	AK WET
230	٧	RRVVA.	12.18131 12.18131

* A'A' \$ 64 4 4 4 4 4 4 5 1

- ६ ही.ज. ४००४ ब्रूर.चबेबाब.प्रियु.बेट.सुर्य.पपु.सै.चर॥
- द्वे म् १०३० सूर् सेचा उड्टर रेश में सर प्रचश सेवस
- शह.हुर.तर्र्य्याः वटा चर्नेयाः स्था। इ चर्नेट.र्टा सु.स्ट.वृश्यरचार पश्चिम्य प्राचित्र वटर सिना है।
- न्। रहतवा क्रेयसाचर वक्रयसाय सुर्भा वर॥ च व्यास्त्रा विक्रिक् क्रियं वर्ष विवर्षा व्यास्त्र
- v गुःभेरेनिकेयभेनिक्यमेन्सरहे वे ब्रायेन्स
- < दूरवर्गी: सबै सुद्रम्**सब** हो दूरा।।
- त्यस्त्री केस.स.हुन । प्रासर्ट्स स्त्री हरान्यस्य मुस्याः
- e देवत्र,भे कुस्तप्ति हैं स्थित हैं स्थापन हैं स्थापन हैं स्थापन
- ०० देवे.४ वेर वर्वे हुट इ.वर्बे. १ थ. वेट वर्ष वेश हैं टश कू में
- ११ हैं के १०८१ व दे सुप्रा
- ही. जू. २७४० जू. देव. पंचा तथा. वंचा तथा. वंच

- १ क्रैं तो १०४० तेर सु स दश कु मार द सेवस पहेंद सा
- मिलिट.सि.स्मेन्य स्ट्रिट.स्ट्र.स्ट्रिट.स्ट्र.स्ट्र.स्ट्र
- चक्राचर् श्रुप्ता के स्वाप्त के स वक्षाचि स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के सम्बद्ध के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्व
 - म्युःसदः द्वुशः स्राप्तकः चाँक्सः प्रसः दे हिन्द्यम् म्युदः मान्दः यतः ।
 - ड न्निन्यून्या। सर्द्रत्विन्या।
 - थ द्वाव : इत द्वार : चेवस : स्व र कु कैवस : ह्वा अवा : द्वा र
 - ८ वर्डेन्। रे.च्.के.देन्। देश देश तर कुण न।
 - e मुश्रापुष्ठायदे भ्रिद् के में प्रदान महेद के के में मार्च्या मार्च्या महेदा
 - ० हें ने रेव में के**वे न**्यु में मी मार्बर अटस मुख्या
 - १० वित्रसम्बर्गः स्त्रेन प्रते केन्द्रः स्वन्ति महा।
 - 23 यद् वर्तिमानु स्वाचित्र सुत्रे महिटा वर्ष महित्र हें वर्ष हिला
 - १३ मेर् में अम सर्वे देव।।
 - ०० स.सर्वे है.चोटश.हेर्ट्र.चे.चेचस.चट.चुंस.चंचस.चा।
 - अत्सार्ग्ह् तुन् कृतसारे ज्यासार् हुन् या स्तार्थ स्तार्य स्तार्थ स्तार्थ स्तार्थ स्तार्थ स्तार्थ स्तार्थ स्तार्थ स्तार्थ स्त

क् में तर के क्य निश्च तर्ष अष्ट निरा

- वेर्न्स्मनामें हिन्स् इन्मनारीना
- यनसन्दर्भस्यसम्बद्धान्दर्भन्द्वान्तरम्
- ३ अ:सर कुंद्रसर खेंनासर 'तर्जुर 'स्नायशस्त्र सें' हें द्राद्रा गुः ३ असर कुंद्रसर खेंनासर 'तर्जुर 'स्नायशस्त्र सें' हें द्राद्रा गुः
- नाबर ना। च क्रिका १००० व्यापत् केर पुरादे संप्राप्त करें
- प्रवस्ता। भ वर् भुरे भुर्चेहर वयश क्षेत्रश्चित्र क्षेत्र है । हे दे हैं । हे दे हैं ।
- ब्रीट्र प्रमुख्याचा। ७ ब्रीट्र प्रमुख्याचा।
- थ श्रेन्ब्रॅन्यू किट्या
- र व्याप्तर्यन्त्रक्षे॥ ८ व्याप्तर्यन्त्रक्षे॥
- हिंस् १००० हैं नेबंश देश के प्रत्या निकार के के हिंदी प्रति की का
- ३१ तर्में अंतर॥ १० मोअपर्सें १. इ.ह्र. जामोर्स संचया ग्री. मोवेट मंत्रर प्रहें में येट...
- ०० | विस्ताप्ते विस्ताप्ता विस्तासु श्रुपः पु र विस्तास्य ।
- ०२ जुन्नर शेर हेर्न ने न द मळेन र द हर पत्ना स जै भ पर।।
- 93 N.B. Z. XEM. H. 44 E. 211
- १० हैं ते १००० मेर हैं संबंध में नर रे से तर तमा है संस्था

क्ता १३.ट्स.तूर् क्रिट्स.श्र.श्री सविष.क्ष.तर श्रीच.तप्.तूर् क्यात. र्थातम् राष्ट्रीय स्थाप्त स्थापित स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत **भक्ष्यास्रीया।वनाने अञ्चराने तुर्**ता क्षेत्रा वर्ते र वर्ते श्रास्त्र न क्ष्या होता यह **अवशाप्तेन वह्माब्री**माळे राजे ते स्थानिकायान्य प्रतिन्तु के रहेते हो। सर दशार्चेर् कु महत्त्र द्वायाम्य स्वायः नार के त्युर खन्य विद्या **देव-मृब्धे-म्**बर-प**रस्यसाधिय-त-पर्-प्रै**चित-क्रम्बर-क्रुम्बर-क्रुम्बन-क्रुम्बर-सराध्यारे वसुभायुरावासून। देनारा नी व्यानुष्यान्यक्रवा हिना चॅर् कु नरेश सदे नाश्यासना या कुर नश्यासी मा केंगा रिश में नरे बुरा कु.मैम.थर.लूच रे.चबैर.श्र.चपु.चहूर.हचर.चारू. चूर. विशाने विशासायने निमार्ट्र ब्रीटा र टान्यटा यर मिटा वशासिन ড়৾ঀ৾৾৽য়৾ঀ৾৾৽য়ৼ৾৽য়য়ৢ৽য়৾ৢ৾৾ঀ৾৾৽য়৾ঀয়৾ৼ৽য়৾ৼ৽য়৾ৼ गु.ष्ट्रंपारी मी.चीर.तश्रेपहताही.रथाश्रापार्वश्री रे जपु सि महा है जू ७०८४ में या येथे र यते द्वेश केर द्वा विंद रम ले ०३६ क्रिना त्राप्त व्यापित्रे संभाने मार्थ



क्षेत्र-मही

्रा । में ल. १७०० म. में मु. धर मं ते दे रेशनी देश हुई वर स्राहर कुं.चूरं.चर.कुंचांबाग्री.साचांब्याचडीट.क्षेचश.ट्श.टेटा। ट्रा.ग्री.धु. भटः रसःचटः कुषु अनसः वृशः अः मुन्तु मुन्तु अः नुः वृशः ने अधरः स्र असः ः ल्ट.चर्च.बचश.चुंश.बे.उंच्र.केट.वेश.चूरी श्रेश.केट.चर्चा.हैंर्चर. विकार् द्रेय तय चार त्यर का वैरा / व्रेर पर्ट देना नी नोका का नहर नर. र्सार्यस्य सः सं सं वर्षः ग्रीय विच हेना हो। तहें से दिन वर्षः तसः वास्त्रेन केशन्ता वना वेन होन ही स्ति हता ने ने वि वि स्वना स्नना मी.च्रीट.वंबासेच.ता.शरशासीशामी.वंशातपु.क्र्यान्वं.पु.पु.च्या. र्चर रु रर न सम्बद्धित वहा सुदा न भी वा र र के किया सव मी मुला सव हिंसा मु मि त्र निर्देश स्था हिर मु तर् दिन स्था क्षे चुेर्'य' वेग' फेर्र' स्वसं र्यथ ' द्विं ' चुै ' सर्वु र **मुे र** 'देई संस चें 'सेर् ''' राप्तु .चिर्च चित्र.चित्र.चीलव्.चेना.ची.रू.चेश्चरभाभुरे.क्षेत्रशःची.श्व.रेश्चरः त्त्रं प्रत्ना पुर विना र रहें त्यस क्षे प्रत्र हुता 🗸 स्नायस देर र रहें साय वेह्न विस् निर्देशकार्यमा वेह्ना निर्देशकार्य है । में किर नु क्षु कंप निर्देश लटां रेभरात्रारीना नीमानीसायहँगासारे हा हु तु रटा रेयटा भेषसा ८९म्'यते'श्रम्'कर'सेर'रम्स'र्वर'सेर्'रु'तर्गेर्'वहमाय'रेरा यद् व.रेवट.चोश.पहूँचो.पद्धेचो.तपु.च्रीश.भवीव.रुट्ट.एक् पु.चिंबट.चीश.. ह्यें स्था से न गुमा दे तामशायेव सामुशाव ने त्यशासमा निर्देश मार्सिन

रा.हेर्.मुब.कैर.रे.ल्ट.मै.ट.क्रूब.चेबल.त्र्र.अहट.चेचेबा स्था मधुकादे द्वाद्या द्वाया देवा मेक्स या मध्य प्राप्त हो । प्रते मे महाया दे नसःसैना तपु रेपोठ राज स्रापितिर केर छेर हो राज राज राज स्थानी स्थानी समुक देर क वहिंगा से हिंदा समु से दुर । विक कुर में का समुक देवे बट मी देंब कं ब समस्य है । लेगा यर दिन गार्स दे । ह्यु । दिना भी । दे गें साम्य द्याता पर्ते व राम्या रेव स्वर क्षा सर मा सी सी मि रहा है साम नावसा तर.च¥अ.चचुचश.वेश.स.मुरी∧्ट्रे. हेंश.च्रं-वेट. वेट. वेट वेचश. ईचीश. वैदात्त्रं, नोवंशाक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्षिताक्ष्येत्राष्ट्रीय होत्याक्ष्यात्याचे वादे ङ्ग्रन 'बुदे 'दर 'बिद'क' प्रोर्च 'प्यंद' पर्चेच । देव 'पर्दे वे 'दर देश 'दश' र कें ' च्रि. शु. क्षु. शु. क्षु. से दश से रे. ह्रेय विवश विश ल्री र हेरे कर मोर्था क्षा हैं में मूं बुना मुंशा सहमा नहीं साम मुरी रिवट परे कुरा में ८चूँ स्ट्रास्त्रम् संस्थाने संस्थान स्थान स्थाने स् म'न्लिन'नस'नेन'पनेते सम्।सहना'नु'दर'म'सरस'कुस'मते केंस'मी'स यपु.येबायाचीबाराल्यं.कुटा लटाभु.कु.र्ह्यची.यर्ह्या,वेबायट्री.यपु.सर. चर्नेर्न्स्य द्वान्य मी प्रमार्क्य मी क्रिन्य हो हैया । ल्या र स्त्रमा जा तेया केया केया नेया नेया नेया नेया नेया है है ने प्रते केया म्बाह्य पर नावेनाय पर अयु प्रयास हिट देर स तिस्य पर हें व परे ... शरश मेश मुश स्ना अर नश्चरश निरा र हू ते से रवस पर्रेर में मरमी क्रियरियर मेर्ड में अनु इस स्वर है स लग मेर मार्ट पर्द रहें " स्त्रेन्द्रियत्रात्रसार्दराबुन्स्याय्त्रे हेसायह्नायाः विनास्वर्धेरायरायहेत्। ८. ष्ट्र्य प्रत्यतः भ्रीय. कुरे अष्ट्र्य कर. चुरे भ्रीरे . चुरे . त्रेर . ह्र्या स. वस र्ट क्विय होत प्रवित स्प्री मार्डिन करी प्रवित हिंद होते प्राप्त हिंदा न्दा मी

क्~~~क्~~~क् रेट.च्री श्र.थंभ्र.राष्ट्र.वी

द्वी येचश्वाक्तम्ब्रीस्मान्द्रस्ययं साम्यान्त्रम् स्वान्त्रम् स्वान्त्रम्यम्यस्वान्त्रम् स्वान्त्रम्यस्वान्त्रम्यस्वान्त्रम्यस्वत्यम्यस्य

ब्रिट नहीन देने हैं देश में निमालक अस सर्वे न लिना अंद न देरे

भुट.पा.था.भुश.भु.इ.चुरा सीता.भु.कूश.इ.चावभाता.चांचेचा.भावव.त्तर. चुर-(बेटा) र.ट्रेर-स्रीज-झे.चोबस्य-तर-योचीस्य र.झॅट-ज.चुट-बेचीस्र. **५८। देवे.**ब्रॅन.रे.सिर.र्डा देवे.ड्रेन.संग.र्डा लट.ड्रेन.सरसंय.स. ल्र्स् कुटा चेटकार् स्विरार्थ अधिरामाय विषया विषय हो स्व इ.र्वु.विट.ल.वैचा.च.रटा विश्वार्ह्स्य बेर्याच बु.पर्वेषु.र्यवश्च्ये. न्वैदावन्नवानुः व्यूदायां सदायां निष्या सान्त्रायां सदायां स्यूनः चि.रटा चुवि.क्र.क्र्माश.रटा चु.२माश.नी.चा मिटा झुवि.रटा माख्य. मात्र मात्रेन दिया सर्वे स्वाय प्रिंत हिंदी हर्षे वे खुया से सह है। ব্দানান্দ্রবাধার্যমধার্থ নান্ধ্রি নেষ্ট্রমান্ধ্রমধার দ্বন্ধার ব্রমধা द्धाः कुः विक्तान्त्रः विक्तान्त्रः विक्ताः विक्राः वि विन वटाक्च सदी पटा श्रेन दिसादि ने विन पदी विनास प्रेमा निर्मित याः देर-रुअन्स्यअप्यञ्जयिव प्रदेष्य हेर्स्ट्राय-याळेद्राय-अद्यामुअन्ते क्रिं क्षेत्र विना सरामानुमार्था नावरा सही पारेता हेते क्षराया निवास मा मक्रियायालीमार्थित। देवे मेदायायामद्गिष्ठाष्ट्रदार्भिताचेता दम्रि सुवा रे यायहेब हे अद्रायशकाश स्ट्रास सहस में हा देवी र यदे अदार्शना नु नासेर बदस ग्री कु सेवस ५६। दे विदेश हिंस ग्री विदर्भ में દ્રા-દુનાચ-નાકુશ-મુખ્ય અવલ-નાકુશ-સુ-વનુત્ર-વ-સંનાચ-ઍન્ -ના-વેચા न्मिंद्रायाने निवेषयानमें रामह्यानियानहेन क्याया वदा विवान् सामनी

श्चु'नाश्चर'बुग्रस'हेद'सर'वस'सुर'य'देदे'दर'य' इ'केद्र'वेना'द्वर'कर' य रेत्। मूर न्युक्षेय ग्री क्षेत्रक्ष रुत् प्यते द्याक्ष सक्ष मुक्त प्यतः य कंद सर् विना नर दर हिना भेरी मेन पहर के में वस पर सामय हैना ही अ.कस.चुड् .च्.चूं। चूं.खेवा सम.वा ना मरा हा कट.खेश.व. रक्षामुक्षःच्ड्रक्षःचःब्रियाःचड्रकःसेत्। 🔨 वदःचत्रे क्षेःक्षं प्याः सुत्रे क्षेत्रः पश्चमः वितायर सेरा झे हैं नशास्त्रण्या हिरा मर्टा मन्दा में रि. है चार्यानार्वेशानीटार्वेटा। इत्यूरे.क्वी.चचरे.चवर्रार्घेन्यटात्रास्त्री सेचस. इश्रस्तर्भः स्वात्त्रम् स्वात्त्रम् स्वात्त्रम् स्वात्त्रम् स्वात्त्रम् स्वात्त्रम् र भर। माल र मुं र्श्वना निर्दर मुं र्वेद स्मे रहेर सम दिसम दिंग बुरि.कुटा रट.ची.कुरे.टे.कुरे.तर.ब्रूचे.टेट.चेल.बुरे.तर्जूच्य. हैना इंब निर्म हमाह्म हव व कर हमा नु महे न मेना प्रमा में लिया 러턴마·너탈마·얼퍼의·출·단마·뭐·너림和·스다. 콩·너도·석다.ろ는, 를 티 मुं गरा रश्रं स्वाय स्मिने ने दर्ग मुन सा स्मिय मुं हूं दे क्या स्वाय । व्रास्त्राहे के हिट होता से सट मी मिन करा है में ने मिन करा सिन मीक्र मुं सि.मीश्रायमाश्रावित्रमा म्यूप्त झेश्राली मूट सुर्वासा सै.स. पा.श्च.र्ट्रत्यत.म्.पक्टमा लया.येचा.सैचा.सैचा.पवेच.ही ट्रे.वटा.मूम्. क्याप्रहिना मी रेत्र में विष्या मार यर सु य मी में सेर्य से सू ने या स्रेर श्चिर रिश्व र्षंत्रशावशान्य मीशान्त्रशान्त्र मुप्तानु सुरा सेर्पान् रेरा मेर पर्यापर मुंब मी रहेरा रक्षेत्राय स्थान मी रेश श्रेन्य मा भीर रेश विश्व

अम्.मियःवंशःभुदःअक्षश्चरानःश्चितशःतपुःमिवःकःपर्त्वाकःतःरः। निवर-वेश-श्र-प्रदास्त्राचनाश-चर्त-स्र्-श्रुद्द-। चनाश-च-स्रवन-चिद्ध-बर-पे.विश्वास्त्रा . बरःम्बेदःस्यापळ्रः बरःयाः भ्रीत्र्म्यदः ळेबः कुरःहेदः छेदः स्रेटः कु कुदः क्षद्रै :रेम्बरायान्नाव चें चेता ५ : दूराक्षेद्र नमदाहमासा मुद्रा नोर्दर मुद्रे तश्रामा तमा त्रा त्रा में पश्चीशाया कुशा द्राशाय हो र स्वितशाया चे र स्वितशाया चे र स्वितशाया चे र र्ख्रा के.श्रूर ने रेज्ये नार्टा के. कि. घर खर खर श्री श्रूर मश्रामक्री विद्यान्ता क्रिंग यम विदेयस्य पर विद्या निता सार्या हैते. वर्क्के निवे हे बन् विदेश के बार के विदेश मार्थ है है वा विदेश मार्थ है वा विदेश मार्य मार्थ है वा विदेश मार्य मार्थ मार्य मार स्रे, तथा वि.सैंच. १८ . हैं तहूर वेच. १ व व अ.पीट हुरे ने शिक्ष लूरे. श्रद्भ की किटा ने तम्में मिटा ने कार मूर्त कुर स्त्र है स्त्र है सार्थ लिए क्षीयर प्रेले कर्मा निया मार्चे प्रमुख्य मी प्रमुख्य हर्। रहामीयः Eटानीशक्तिमुन्द्रिन्दुयासटार्यान्तेन्गुन्देन्। - श्रेराङ्गाख्यारे नुहासा नीर्न्यश्चरंश्चर्न्यप्यस्यास्य स्थान्त्रं केशान्त्रम् स्थान्त्रं प्राप्ति स्थान्त्र यस.स.प्तर.यधुरस.त.रेटा अष्ट्रं रचिता रचेता.त्र.स्रीय.न्रेट्रास्त्रेची. विंश्रं श.मि. व्याप्तर तथा ने विष्य वित्तम हो ति के कर विश्व नु सर्हर निर्मेश्वर रे प्यर हरा नि नि तु द पर पहुंद प्य नि रे हिंदा भूर.भहर.रे.पडेच ।रेश.रेश.शि.मिश.श्र.रंश.रेग्र.ररेग्र.रयेगे.संग. त्र .ष्ट्र- लट मक्टे- ने त्रिमश क्टिट है .रेटी शहरा में श.में .से .ह .से त हर्मा मिन्द्र हिंदा क्रिन्द्र सर से त्रवया की रेदा सर्वे प्रसंस्था की स्था है.च तस हैं नय है। वेदा रदान है रिनी रचन है। न की राजदा हैंस

कुनिश्रातकाकुनितारेता श्रीमाहता महित्त्र्येनक्या प्रताष्ट्रीया श्रीया र्गि विश्वराष्ट्री है स्वरायाल्यी भ्राम्याल्येर चन्नरार्या सहरास्त्रेया केश्चित्रम्बर्दे प्रति । मी र्षेत्र चित्रित्र हिमाने विकास व भार्स्सारमञ्जीसानुना मिन्ने भिन्नामार मिन्नसासु स्मिन्नामार इन्धानक्रीत्व प्रकार्य (प्रविधास्था ऑटा माले गार्थे। दे ऑटा ब्रुट्साई। क्राल्य स्मृश्मी नायमा स्मृत्य (मृत्यम् स्मार्थ से से से स्मृत्य मृत्य सर त्राचनमानव र्यात्र प्रे हिंदा क्रिया क्रिया हर्ष स्थानव द्रामानव द्रामानव द्रामानव द्रामानव द्रामानव द्रामानव त्र-सिन्धासासद्भसासुः सिनाग्री (सन्। **स्त्रीत्रीत्राम्यास्त्राम्यान्।** दिंद्रमा द के वे खुय क्षेत्र माय वेंद्र द्वास्त्र में वे प्राची दुसना मे न्वनार्केर वर्म । वे मानेस केन प्रनामि दे रना वस मुना देर निर्देशक्रामित्राख्याम्भरावरायदाय्ये रात्नुसाम्बर्धिये करानीख्या भरायन्तरायकाराहेकाळ्याचा प्रवेशवा सवुरासाय विसावार्या विराधायाक्त्रके बेरावासुन्तु हेर्। रास्त्रै विरावी से रवसाम्ह्रेस दशसान्त्रिन्देवे न् र्कं नक्तर्यात्रान्त्रेय देवे के नाम ह्ये म्राप्तकावडात्रेच । क्राप्तमानद्र मिमाएट रायप्त्रिका वर्षा ल्टाचावद्गरामुद्रान्यावाचावद्गावद्गा वित्राद्धाः स्वत्राम्ब्राम्बराम्बराम्बरा वसाल्यानवे नावसार्वमानदे ना नहीं ने ने ने लिया विस्तान वे हिसा जार में येचे येथा के र जूचे जूर प्राचे प्रमाल र खेचे प्रेचे र साम **वि**चे द्यास्त्रीरातरा दे अपकार हा साम्राज्या मिया पर में राज्येय ज्याहर पर्-अव्दायक्षाम्बीशः स्वेयशयाः कृत्यत् । स्रेशः वृता । हा**स्रीशः श्**रः बुनार्च रदा। मर्च र्च विनाय हुनार्च के मर्द्ध नी यदे सून है अद्दर्भ ने अद्दर्भ अप्रमानि अप्रमानि अप्रमान

द्या विमाने मान का मान के प्राप्त निहेर्ज्ञानिहेश्ल्यी टार्के.ज्ञानिहेन्स् हेरान् ल्या कुटा। रपु.श्चेर.सर.से.सेंबा.पर.रेंबाअसिंद्या.बेटा। र**मी**.क्टा.रेंकायका मूरियान नुन । मराक्षा कराया यह ने प्रदेश ने में त्या पर मार्थ कि । दिश स.चैशक्षेटा है जिनेश ज्राज्य राज्य विन १८। विट अटश ज्राविन ग्रीट देन भेरास्त्रमञ्जूनार्कुरारीमध्ये अर्थेन मिनामुग्रास्टार्ब्स्यसः इंदर्शना स्वरंता स्वरंत्रेयाला स्वरंति ब्रुट विद्ना नुह विविद्ना है । अगायर दाया नार विविद्या । ड्रेल.भर.स.. (१.मी.५८) ५.मि.५.मे. १.मि.५.मे. पुरा चर्द्रशवयश्वातात्रारामानशाच्यात्रात्री पर्दालाशानुमशास्त्रमश केर संबिगान्ने। कर सर सर्भेमरा नेर हरा। दरेर मा में मालर हुर्र्भाशः पराच रे. में. हुर्रा मिर्रे रे. यु. कुर्रु हुर् र म्रे प्रमेर नेयस. महेते दरायमाना दाना हो। विदासे करासर पहेलान दे हिंग्नर नश्रमञ्जू कु रे ने निर्देशमा विष्णे है। हेर् रहारू स्थि मु सदे हिंश उहुरे.वेश.हुश.पूर.चुश.बैंग.चे.चेथरे.क्शश.ज.झूंच.कूंट.लच.चू .खूंच. ह्यूर-मुद्रे रक्षेत्रसायस्य मु त्यान प्रवेश मार्गः य र रा।

च.सैंगंश.स्र्गंथ.पोट. गंस्. १४.४८.। क्ष.बंट.लंट.पंटी ४.८८.। इ.प्.वंट.लंट.पंट.गंस. १४.५८.। क्ष.बंट.लंट.पंटी ४४.लंका.पंटा। ४.८८.। ३.चर्रे.चर्चे.छं. रु.चर्चालाचीच ट्र्यालाचिहें . लेला पट्चा मु.ल्र्रा। सर ख्रुच्या ने बुद्दालयाचार स्थाना विद्या साम क्रिया च्या ने ता व्या दें . इरा रूट हुर स्थाय रुथा स्थानाया क्रिया च्या स्था हुरा प्राप्त साम क्रिया हुरा प्राप्त साम क्रिया च्या क्रिया साम क्रिया साम क्रिया च्या क्रिया साम क्रि

पत्रै कर माल्य द्वा माट चुट के खेट पत्रि चुन कर ने हिंदी माट प्रिया कर माल्य प्राप्त माल्य माल्य माल्य प्राप्त माल्य मालय माल्य मालय माल्य मालय माल्य मालय माल्य मा

न्युन्यत्त मुन्नुन् । त्याष्ट्रियः नुन्दः निव्दः निवदः निवदः

श्चर प्रकृत पा अट दुव से स्व की वर्षा

सक्स-नेभर, क्ट. भन्न. ट्यांट्र के ट्यांट ज्रांस्य स्थित त्यांच्य अस्य स्थान नेभर, क्ट. भन्न. स्थान स्

क्रेंबस'य'दिनेस'बर्केर वेस'यणद'मार्ट'दिना॥

चक्षर-र्श्वर-र्ख्ना चूर-क्री-स्मिर-क्षर चूर-र्ख-स-स्मिर-स्मिर-क्षर-प्रमिर-क्षर-प्रमिर-क्षर-प्रमिर-क्षर-प्रमिर-क्षर-प्रमिर-क्षर-चूर-रख-स्मिर-क्षर-प्रमुख-प्र

तृ त्यत् स्वास्त्र म्हा त्या महास्त्र प्राप्त स्वास्त्र स्वास्त्र

द्वास्त्राम्यायाः क्षत् स्वतः द्वास्त्रायः स्वतः न्तृतः वित्रास्त्रायः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्व स्वतः क्षेत्रा स्वतास्त्रातः स्वतः स्व स्वतः क्षेत्रा स्वतः स्

क्ष-देत्र-प्रह्म-मुन्द-प्रक्ष-प्रश्न-प्रक्ष-प्रक

मार्था द्या रे विधा त्य्या पर र्धि र वर्षेया से मार्डे भारता। मार्थिमा त्र.चक्ष्मा चक्कामुका नृत्राचानेत्रात्रका हेन् चार्डेका त्रममुका खानिहेन दे 'बर'य' देर'वर्क्चिद हर। देने स्नवस विरार्क ने ने ने नित्र हे का से र ज्रामिद्दे हा मे दु कदारी इस्ते के प्री इस्तु हा मिद्रा मी सामिद्र में दि मुखा र्टा हेर्ट्स में नवद् में रवद् रेश रेग् तेष्ट्र रेले रे मिय की संस्था मिट. ट्र. चाल्चा चहिंश ने च्हें ने अपूर चेश मिट हूं मिट चर्न चेश हैं है. पर्हिश शि. प्रति म् अपका दर्ष त्या के का ने हिं हु सा ने का से पका हैं . पा वा म वैश्वायाने निंदा के वे विने विद्योग विद्योग रेन प्रेमी हुं शान के विद्या मेवु कंट म्राम्परा मल्याना वय कंट नु प्यलगा है। देर मिंद केंस स्नामु रूट रहर ने नहें न उटा सुनामु रहर रहर ने स स मार्सिर मान्द म् सर्वे यह दुः स्ट्रिन पुरु ति स्तुन । यम् सं स्ता हेना स्तुन हेने स्रिन यदे हास्रे क्षे था य कुमान्वर विरास्ते सुना सेर विना विकार निरास बुनानुस्येदान ने दिसारहिरानुसारे पर्राटासार्श्वर दिन्सायन स्वसात मसः ८ द्राप्तेश्वराश्चर् हिन् नश्चरश्चर। श्चन नश्चरार नुष्या अर्घेन संस्कृष्णणारेन वहिता देव के से स्कृष्ट से देव दित प्रता दिवस म् सम्बद्धान्य द्वार्य दे शुर्दे देश द्रि स्नाय सुना गुर्देश पर्दे केंद्र

मान्य क्षयं ना मुं कु डिर यर नियम क्षा रहे नी नियम क्षयं कु या मिन कु या मि

स्वान्तिकः निहेना तिन्तः ल्याः देश द्वाः निहेश्याः स्वान्तिकः स्वित् स्वान्तिकः स्वानिकः स्वान्तिकः स्वान्तिकः स्वान्तिकः स्वान्तिकः स्वान्तिकः स्वानिकः स्वान्तिकः स्वान्तिकः स्वान्तिकः स्वान्तिकः स्वान्तिकः स्वानिकः स्वान्तिकः स्वानिकः स्व

मिंदा सदी प्रेश मदी खेदा मारी पर साह्य दश है क्षेत्र मुंदि पर मारी है है स हेरायाकेरार्धि महिकारिष्ठेरायक्षाप्त्याप्त्याप्ति प्रति महिकार्धि । तिहें पान्ता देहेशतामा के कियाना में यर भ्रद्भान यह मात्र हा में हे ना देश है के ना हुआ वर्ष राया मार्थ रामी के स्वा हे दित्। मुर्का सहस्य विश्वस्य निष्या निष्या निष्या मित्र सुत्र निष्या निष्या दशःदुदःयःदेःम्। स्मर देः लयः दर्देन स्मर्यः दर्योयः स्मर स्वर्यः स्मर रे.थश.रोपर.चीचा.चा३श.सैंट.वैट.च.४श.रोपर.चीचा.**६श.श.टुर.**पेक्ट. दशासुदार्खस[्]रायक्षायुकादे देवसद्वायदे स्वासदे स्वीदाय**दे** स्वादसः तर्चा । दश्यतिहर मुनाया शे क्षेत्र प्रतर मिंद क्षेत्र प्रथम मुन्ति । श्चेत्रात्रीयर,चैंचा.हिंश.भ.ट्रे.लट.श्चेवश.र्वचीज...चेंज.टेवट.ग्र्ट.भश. . न्यूसराहेरान्नासान्तर्विनातासुरा देशागुरानेतुर्दर्दे वे ते ते त मान्द्रमा स्थान स्था स्था न्या प्राप्त के स्थान क्रेन्पर भेन् केश के दे क्षेत्र या रेन्। मुल क्य मुल कर्ता मुमार्थ भी मे नासुसार्ची दे त्यदर प्येदा हे सा गुरा हुव है। प्यानी दार्ची प्यादी प्या सर्दे विश्वासुयामेट द्रा गाने सुप्त विश्वास देवे त्या देवे र्वेशनेते भेराभेना नरावें भेदादमा भरादा गामा भीने नाहे सावें दे नींद्र मार्शन की देशे हो दार करिया मार्श्व स्थाय के हैं हिये द्वीं दार र्दे द्रम्य मळ्य भेय मी रेना

त्रा देते स्वासाम् द्वारा न्यास्य स्वास्य स्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य

त्रुंत्रके त्रिया सहाय स्वार्त्त विद्या स्वार्त्त विद्या स्वार्त्त विद्या स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त स्वार्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार स्वार स्वार्त स्वार्त स्वार्त स्वार

म् द्वित्तास्तर् त् वितानु स्थान स्टू स्वतानु स्थान तास्तर स्टू स्वतानु स्थान स्टू स्थान स्

चर्यात्र वे स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्थान

शुः द्वा द्वारा द्वार प्रात राय दे दे दे स्राय तु द्वार में भी भी दे स्राय

च्रुब. ब्रुम. पंजूर. पर्जूब. प्रमान व्याप्त क्ष्यां व्याप्त क्ष्य क्ष्यां व्याप्त क्ष्य क्ष्य

रे क्रिंग कर हैं प्रतिरामी शाहे वर् प्रसार्थ र है ता सारी प्रहेन का ही र च्रीलार्च्ये जनम्बाक्षाक्षाक्षाक्षात्राह्य नहेरी व मी नहेरी केंचरा चीर्या च कु बे जूर विका है। लार ही र अपूर्ण की खेर थी। ये चूरे रियनी कें वे प्येन हे साने प्रवेश्या सार्वे अवसाय विनास सुदाय विना कें मीर्राह्म मीर्राह्म पुरानुसाम के किया मिर्म के म ची.लट.ह्येट.लु रे.च.ट.टेच्ट्श.लुटे.च.घ.इटी ट.जू.वे.ह्ये. **ઋતસ**.ભ.મ.ખત્તાસ.યેજ.૨.ભ.મુંુેજ.મુંદ.મી**લેય.૮**૯.મુ.*પે*ટે.**વર્ત્વ, સ્**નોજ…. सक्तिन्दर उर त्यार प्रशास्त्र गास्तर यो तर्न विद्रात्र होर निर्मानी रोमसाया द्रमार्दिना के राया लेना व्यन्यारेत्। नाम व्यवस्त्री स्ता म् स के वे चे वि न ने मु है त्रिष्ट्र राज्ये सुता देर देगाय हम के वे चे ल्रा देश पह रे सूरा हेरा हा सामीश राष्ट्र में राष्ट्र प्राप्त है यो र पेष्ट्र-पिट.तयु.ह्र्य प्रचेश.पा.शरे.श्रम.रेटा। वर्यायश.प्रा.श्रेश.वैट.च. दे.ज.लेज.ध्र.ष्ट्रश.लेज.वेश.वेश.वेश.वेश.क्षे.वेश.लेज.लेज.लेज.ले. न्त्रवसंभित्रं तात्र विश्वात्रीत विश्वा झनायर त्त्रे वतारे र वताक्षे र्र्कस न्यात्रात्माक्रेन सं मुद्दान रहेन दर्भ माने में मर्कन चेशा मु से दें ही दास ही शायर है ना ना है शास सा नि दा ना न नहीं नहीं स

हे.च व्रिम. अ. अ. अ. च ले : अ. मेंच . तर . त्रंच तर . त्रंच तर . त्रंच तर . त्रंच तर . मुर्नेर्न्स्त्र्रम्वि सेर्न्यर प्यर प्यर मिल्रा व्या वर मी सहित् मिल्रिस् सर्व सक्र में अस्माया वर्षाया नावट सहर हटा। सुर समारे स्वित हता शर.च बेनाश.स.ट्रे.पाश.पो.श.श्चेर.तर.वेप.च.पेट्र.चाश्चर.श्नेपशा य. र्भःत्रभः रः रंगः पर्वेगः पश्चरमः है। यदश्यायते छित्रः रे सः स्वेशः स्वाप्तः वर्षे र्वाश मिश्रदश तर्म । श्र.श्र. तर्म र त्र में प्रश्नर हेर स्वर र र्नोर पर वर रे पर्या ल्या ल्या हरा हेरे समस्य ए या मासुमार मासे नस মারিম.ব.ট্র.ব≡েবরাম.মাইব.দু. ሌ সে.গ্রীবরাব.ম.মাইরা.১.১ট্রাই.বহ... ल्रं शिका. ह्या व्याप्त प्रमाना रेषा श्रीय श्रीय प्रमाण विषय हो प्रमाण मार्थ शर म्प्रे अपश्राम्य हेर् से हेर्म श्रामेर पश्र हि पश्ची पश्ची पश्ची पश्ची नार्वःश्चितःश्चितःश्चितःश्चरःश्चितःत्रम्नाःत्रःश्चनाःवश्चरःत्रे स्मवशःरे द्नो न्वरः मुकासाम् में में मार्था तर स्त्राप्त स्त्र स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्र स्त्राप्त स्त्र स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्र स्त र् दे लार रेव नेश्रम् के तिना रेने नेव क्रियं लेव स्वस नस्म निर्दे श्चिन खुक नेते स्टा हेन स्मिकाया जिट व्यवस जिन्याम सेना

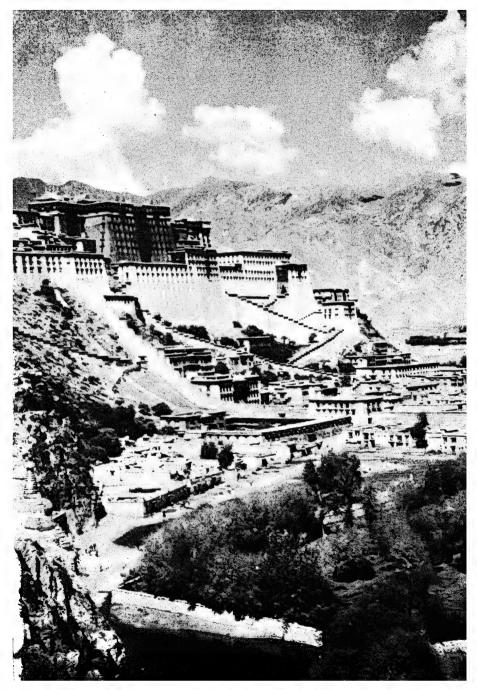
वचार नियम् मा हे सामर ना वसा ना मूर है मुर्ग सामव वस मान ना स् र.च्. र.च. हे. ये. र. . से. क्यांप्रसायका वर्षा माले वा चाहे सर. ह्या ्या ःक्षासर परे स्रीत्र पुरामक्ष्यस सु त्रुवर पूर्व रामर मेशर संश्रामी ने प्राप्त प्रमान द्वारा है जिस् में से स्वाप्त स्व स्वाप्त स्वा तत्र त्यवत्र का क्रामिक्या महिरा देवी शामि देवी समाने विश्व मि वना पवरी तुर्भार हा के र प्रमुद्ध हुन सुर्भा स्त्री प्रस्य सुर्भा मुंकिंगामि वि गायदशक्षवश्रम् नामयानारे सर दिन परि क्षा द्वारे श्र.श्र.वयदाश्वर्वश्वर्धश्वरे द्वायर वर्ते वर्ते र विद्यर विद्या विद्या वर्षे व स्रीतपु पर्वे द्वा त्रिन हुन हुन एकू न खेन देश हुर ने जन पर है... मिश्रं या (व या पार्टी या प्रतास के विकास के विकास के विकास के प्रतास के विकास के विकास के विकास के विकास के व ब्रा साल्या हे देश स्वासानलना से सेनसा निसानु यान ने नुसा हैं. स्वै:क्री मैं.अक्षेत्री अत्राधरामरामारापटाल्याकारा मिनेर देवल वैद व देरी द के विवास हेर लेट सेवल हुए रेट से. कू.रटा चूर.मी.सी.क्या चारका नासूर वचा रुटा जासीर भारत है. कु. चडरासी ४०६ स. ५८ । ६ द्वेया ३४० झूर खेरी साम्राष्ट्रसाट दे नाहे रे. स्चितात्र्यं द्रिम्बैयात्र्या ७८८। स्थितवरात्रस्याचीर्यात्रा लास्रीयसात्रा मग्रमानु तिहित् सेवला नेता ने नुका सेन् अता तिही साति हिंदा लिं इत्याम् वस्य परियास हैता वस्य नहुत्र द्या हेर्ने कुर हैया चिमरा बट :ल्ट न : लेरा चे चे च चे मरा विषय : पर्से हे हे हे भामा हेश ही स्रायर तिया स्री रायरे । प्रायह व से रेटा केरीयाल्रीसराट्यारटालटास्ट्रीटीप्यूजामीवरास्त्रीसार्थार्

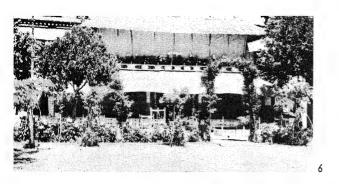
स्मान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् स्मान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् स्मान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् स्मान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्

पश्चिमः स्वास्त्रस्य द्याः विद्याः वि

द्भा ।दे. थ्र. १ थ्र. १ म्. १

त्रे. थ. १३४. ४ चीय. चीय. हुं , ४ चीय. कुंब. खुंब. चार्य. चुं स्ट्रे



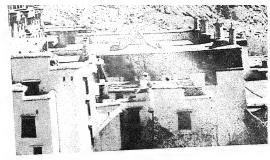


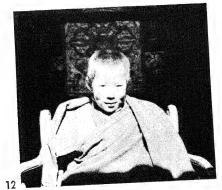


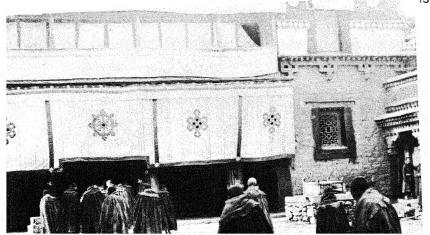


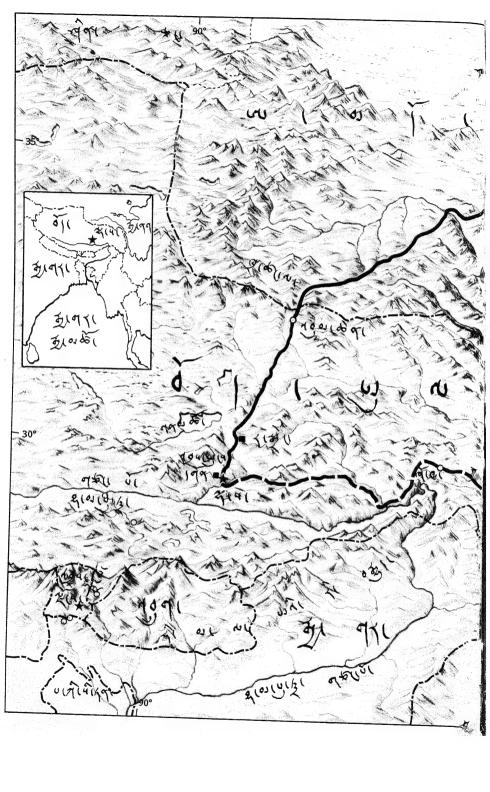


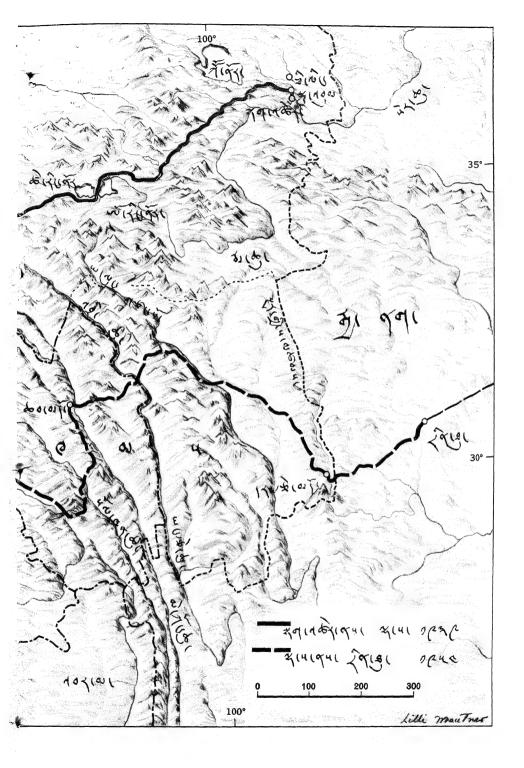


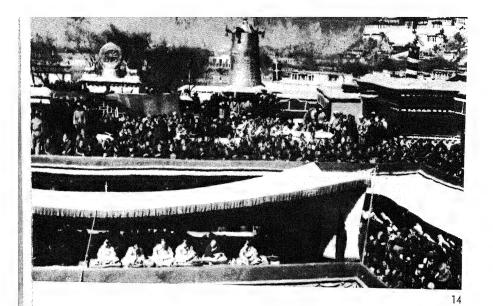




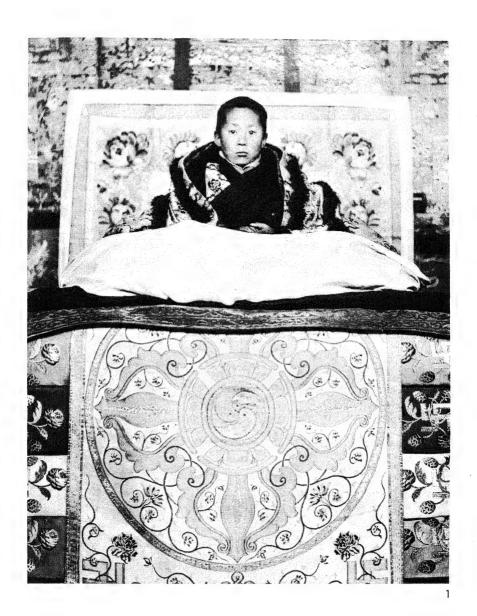


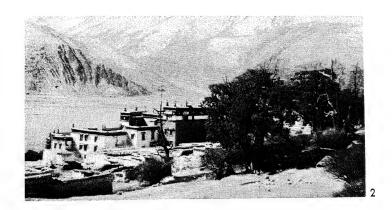
















चार्यः ने र चित् मानुदान् वित् र मान्यः वित्ता नुदान् र रेता।

हेत्। मान्य मानुका प्राप्त मानुका मानुका प्राप्त मानुका मानुका प्राप्त मानुका प्राप्त मानुका प्राप्त मानुका प्राप्त मानुका प्राप्त मानुका मानुका मानुका प्राप्त मानुका मानुक

इ-ड्रेल-सदार्च-सुना-सूदा देवे-वर्गाविद्विद्वानाव-वनाद्वा नाव्य-सद र्चित्रहित निर्वासानासुसानी भराके से सिनासानी सारामाना निर्मा सहरूभानेत्र माह्यस परेना चुटा द्वार रेमास रे केंस वर् की कुल कवा रेटा कूर्याकारों चयायाना प्रवासका क्रामका रे त्राप्ता से मासे हिटा चक्रचित्रम् देश देश में श्रामधु न चु त्यते हे ही न की की ने विना दिन । प्रमा । दे वसारसास वसाय मुंदा करा सुदा दे मा करा मुंदा प्राप्त वा ट्रे.बंश.सें.चक्र.च.४चोठ.चंश.चंबन.चैंट.। ट्रे.बंश.चंबंट.कुंचश.चेशश. नुनावर ख्रां न ख्री होता दार् दे के क्या नाया हे का ख्रा है व तर्मा । त्रमारिष्यार्मित्राचार्मा मूरिः मार्श्वा करासरा ह्या स्था न्नी नन्न कें न्या केर क्षेर क्षेर प्रेट ना नुम्नी ना रेट कें नियान ना भक्ष्र-जुर्चाश्चर् दु.ह्र्चा.वंश-वंश्वर-वर्श्वेचाश-ग्रीश-जनानानेश स्वतः स्... श्चर-दे-रिचार-चर् द्यार-चुर-र्-रास्य-रचार-चश्च-देन् कुर-रिचा । त्या म्पेयश.विश्वसं,यंश.वें.यंश.भू.क्ट.श्रसं,यंगीर.श्री यु.भूमा.क्ट.यं रा.चं.र श्रम्भी तर्म । श्रामार्थामाट सर र्मार्म्य श्रुरे ह्या मिल्सर्ट ल्पस मुन्मिमास्त्रिक्तरत्रीमा।

दे दशम्यायः केवे सम्मदशस्त्रमः नुवः सम्मदः नुः हो नशः विदः। देरः च्रं मु.चेयाक्तर्तरा है। हियामान्य च्रं यथार्याय स्थानाय रहे दे हे र र्नोर्यस् केरानाश्वमः नर्भराया नाजुरः श्रेतः र्नारायशुर्दिम कुं हे याने वर्ते मुश्चर व्यक्तियस स्नियस सुराया ने रायने स वर्ते ग्री श्रीन ह्यूरे. दरा चर्नायः पेचा रित्यूरे. रूचीश पर्सूश श्रदः भ दरः। चार्यः साश्चिमा मिल्यारम्ब्रियसम्बर्धाः मिल्या । मिल्या स्थान्त्री स्थयसम्बर्धाः स्थ देन देर झ्रासर व्येन् पर्ये न्येन हे वे सुर्क्य में प्रमेन ने दिन हे दुः रे उर र सर.८८। चज.लीजा अर्चेच । मि.रचा.से.श्च.चक्स.रस.८चाठ.चश्च.बेस । दे वसार हैं दिविद्र न्तु स्ना सर वे दुसान इससार नाय दिन दे.क्ष. अर. पश्चेर् अपशायमाना कर मार्ल ४ र मा. पा. हे. ए. स्मा अर. ह. प्रमा मक्रें इस क्रें क्र्येश के अर क्रेंट पश्चेत्र अरें पर्वेत्र अरें रिमा सर वेंस निव मश्चि मालसन्त रिय क महिंद मी वर्म विंद है। **रमनाञ्चरःद्धरः अदेः ५वीं रमना** वयः उः नञ्चीरः क्रीयः नुयः ५ तुरः क्रीरः क्रिः। वॅर्न् अस्य स्पर्न पदी सेर क्षुचि कें क्षेत्र विश्व पर मासुक्र स्विहिन्स दशः मुर्गः क्रसः प्रेटः पूर्वः भी वाचा सक्र मुखः हे 'दावादः वश्चः दहा मुखः तर्रातुः वरः श्चेत्रः तर्ना । से दे र्वेश र श्चेरः पदः है स्याप्तः स्ट्रेट लेसः श्चेन.पर्येच.प.षह्र्य.वैदा ट.रट.वु.श्च.लश.श्चश्चरत.केर.ब्रीट.चा.ये.कुर्य. ह्म. वृत्रा दर: र दविष मीस भ्रेस पर से ज्ञा भ्रेम ह्मास पवर केरा भ्रेम ब्रुटः पर्श्वभायश्वभाष्टिशः द्वैः द्वः प्रश्वभाषः प्रदेशः विदेशः मोर.क्रेयका.यक्ष्मेर.त.के.ये.चे.अट.जुट.पर्टे.जुट.कु.व.प्रयेच रिट.रेयट. यरे.मुर्-डेश.च.प.स्न्थायात्रे.मु. १ नुस्य ५ मा मिति . लूट्बी. चीट . हुं . झे. अर . उत्तुर . चुने. चैश . मीट . कुं . जाय . हैं . चैते . कैट . च . .

स्मान्ति दे हैं के क्रांति होता। इसमान्त्रि स्मान्ति प्रति स्मान्ति समान्ति स्मान्ति समान्ति स

 क्रामन स्वयाहर मालन स्थल क्री हो तोन प्रमा प्रमान स्थल क्री न

सेट मिन्ना नासेट मिन्न ने निक्षान ने निक्षान ने निक्षान ने निक्षान निक्षान निक्षान ने निक्षान निक्षान

न्दंशःसुत्रा नेत्रः कुः स्ट्रा स्ट्रिशः स्ट्रिश

भक्ष. र . चीचास. रे. चर्चा. तुस. चर्ट. इस. से. चीर. चुरी हे. हुस. चार्ख्य. रस. यरेना है रेम यस कट सर निर्मा हिस देवस देश प्रेम प्रमुख मु देन वर्ने हें वे भ्रवसानान्य सवे सामसायाना केस वस हेंस ही निर्मा ब्रोट द्रा दे हिंश सुना ना तनाय प्रायस रेवा क द्रा वहार हे नार विष्या लटाक्स की नर्ने ह्योटा सहना संवित दे हुन है। देवे स्मनशार्क सन के रे दे दे दुवर सुचे र पदे प्राचया विद्वित संस्था सुमार्थे स्तिमार्श्वे सटामी कुर नश्चीनामारी। हे सक्षमसामिता क्वा क्या प्राची मिल मी सहस्यात्रहेगा हे रायदे र व्यादात्री देश लेग कुषा योगि दाय विस्पारिया है या वसायपाठ प्रचारा। चक्रमावसास्त्री मियासिय स्त्रायरे ना से मियास्य वस्यत्र्रायत्रात्युर्देशान्त्रात्रेशान्त्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्र **इ.** र्टायक्स यदे अट दें यक्ति अट हो र खुक रेट वर्डे य के य खेट र्टास्युक् सर दिश चेर् मानुट से सट सेर सि प्रिस हिंग्स क्रामासेर सि - पासद्य निर्मा विदायि निर्मा यर विर् कु छूब होर रूर कुब रूर। के अर यरे हीर खर छेर र र क्रें क्रेट् क्रेंद्र 'द्रमेंश'माश्चरमा दे हे स क्रेंद्र मानुदा दस 'द्रमा रटार्ची चोश्रराष्ट्री दिल्ला रेट्स होरा ने हे हे से होरा ने है स मु र्यट कर् र्यायासक्य रेप प्या प्रेश सेन्य रहें स्था में र रखेश मु हनासासकंद्रवम् विसाहनासावकुर। कुयाचे विप्रेमासाकु खुदार्केनासा मीता हीर है। यरे ब हार्या हरें है। यर मुं अर मुं अर हीर तथ होर तथ र अपरेग प्रमुश.पर्रंर.पंरीज.पीश.पुर.॥

सिमार्यटार्टा ट्रे.वंशास्त्री.वीलाश्चे.व्याष्ट्रशाभावतार्टरार्ट्याश्चेत्राश्चेत्रास्त्राताः ट्रे.वंशाभावतातित्रु.श्चेत्रशामार्ट्यात्त्र्यात्राच्यात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्ता श्चे क्ष्यं देश या अर्थे या क्ष्यशाय दिशाय राजीश अहमा प्राप्त हिंदा हिंदी मुद्दशः इससः सर्गोर् नाकेर के व संविधः सहायः दर विद्याः स्त्रीता । दे वसः হুষপ্রপ্রথ বিধ্যাপ্ত বাল্লীনাধানে বুলি বেরপ র্মুনা প্রশান্ত বালা বালা दे हिस्र देश प्रस् क्षा स्तर प्रत्ये स्तर हेर् हिस्र हार प्रदानार द्वा प्रदा क्षेत्रा हा दे व वित्रमा के त्रात्र है निर्दे हैं दर्सन्य है दे त्रा विचा मुद्रिय ना नीया नहीं नीया वेश सीयाया नहीं दे मह ही मीविश निर्दे द ना ... र्मा दे हे संस्थान्य मुन्तर मुन्तर मुन्तर स्थान लट.चील.र्ज्ञ्स.प.च्रूट.चर्.ची.च.च्रेश.र्थस. लूट. ४४. चार. प्रस्ता व्रं मुभ्यत्रस्य वरमी व्रमुख्य मुक्तमा व्रम्भार व्याप्तियः सहना निर्मे ह्योदः यान्ते यान्ते सार् यह सस्य की सार् स्थले ह्या सार् स क्र. इ. च्र. चर्य प्रत्रा क्र्य. दं मुक्ष ख्र. च र पाई ख्र. यह मीविर मीर्वरः करे देना के वरे दर। अर मुक्ष अर व के निका मी के निका मुन्। दस विट मार्डेस ग्री र ट में में हम समाय पर तार मार वि दे हैं र ट देस मिर्टामिक्रेश्वायान्त्रमाश्वायस्यामी सुना निर्दान । निर्दानम्यार नास्त्र दे वसामह्दे मुंचीया मह्दे में दे मुद्दे दे प्रीति प्राप्ति में प्राप्ति से र भु द्वर्र रेन्स द्यस द्य र व्य हिंद हिंद की द मुद्द से देर हिंद ... र्बेट्सर्टा चे.बेट्स.में) र्थें प्रचिर रे.वट लगे. तु.चैट खूट खुंशरेचीर. च् नेर्के त्रीत रे वसान ने अवस्ति के विकास पर्टे त्री का वर दे हैं व यक्षेत्र स्वर्क्ष्म्य पर्टेर्न प्रियः लेखः यात्री पर्टेर्न परि मुन्य श्रम्य उर् तम्बुदान्त्रेक्षायान्त्रेत्। देवै दरामाक्षेत्राष्ट्री सद्दामाक्ष्यामी सहदार्श्वेर व्यद् यते द्वित्र रेग्बासक्ति व कटास वेवस हे हु यदे हा सदे द्वर करे द्वर ब्रुना इमस दाया हो दे दसकी ना कारमार निया दार्मे पार्ट्स पदेश्ल्राच्युः स्टामिल् व्यासाना न्यस्य स्त्री।

पदेश्ल्राच्युः स्त्राच्या स्त्री स्त

ক্রিকেক্সেক্টের নাইপ্রনা বিদ্রেব্যবর্ত্থ্যানা

वर्षामना रे. नाकुषार्श्वेच श्विंद ग्वेंद रहेदा दे. प्यदासद हेश स्तर क्रेय. त्या । इत्य क्रिय क्रय क्रिय गुरुमार्ड वर्ष्य हिरानेर पदि महिरा हमा परारा है। रेमाया मार्ग क्रेंन्यर रेमाया वर्षे रेमाया बट रेमाय हे त्यायरे क्रिंग्री यक्ष केर चरुराता सर्वे चत्रा हे चते रेगा ना वस सुँच हंव सुनेरा हे हैं है विंद्र वसः सद्यतः सः दे नायः के विद्याध्येव विदः। दे त्याध्यदः विदः नासेसः नामासः केः यर अन्यासमा सुक्षाना संर्क्षिति स्त्रीति महित्यार से ना वहिते देव वेस रवाणुः खार्रेवासुकाया प्रदान्ति प्रदान्ति प्रदान्ति सहुसन । १२९८ द्वा नुवु सद्दे त्यम विद्यास मृत्य स्वर् गुष्टे सद्यद्य न्या न्या स्वर् हु दू स्व बेशायार्केशपन्ताया ष्याद्वीह्रसावेशायार्केशसदेन्या स्परास्यामन बेस य ढं र स रेना य हे ख़र्स्र । रहें स रहे स हम य र स द्यावर रूपा तर्ने ग्राह्म क्षेत्र अर। अव समा स्त्रे वर तहना निर्मार प के त्या प्राप्त त्या स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्व ल्रें च रेत्। वेना के स्वाय गुं केंस क्रें द्रमस ने विस्स दुर मेर् य रे क्यश वर रे सिन हुँद व रनिया हिंग की सिन हुँद सद है न मुन हिंग र्गान नसरे तार्सेन हुँद नी घनस नेस इस मादस सद वी ने र नेस्सा

वर्त् कुर्ति श्वितः श्वितः स्ट्रिसं त्रेसः सुदेः त्रेसः सुदेः देनः मान्सः स्मासः सासः स्मासः सासः स्मासः स्मासः स

त्रस्तिन्त्राच्यात्र्यं त्रम्यात्राच्यात्राच्यात्रस्य त्रम्यात्राच्यात्रम्य त्रम्यात्राच्यात्रम्य त्रम्यात्रम्य त्रम्य त

म्निस्त्रं स्थानस्य स्थित् स्थान्त्रे स्यान्त्रे स्थान्त्रे स्थान्त्यान्त्रे स्थान्त्रे स्थान्त्रे स्थान्त्ये स्थान्त्ये स्थान्त्रे स्थान्त्ये स्थान्त्ये स्थान्त्ये स्थान्त्ये स्थान्त्ये स्थान्त्ये

द्रियं बक्ता क्षा ना ना क्षित्र प्रश्चात क्षेत्र प्रमानिक प्रमानि

स्ति, प्रमानस्य त्य भ्रम् निर्मानस्य स्त्र त्य स्त्य स्त्य स्त्र त्य स्त्र त्य स्त्र त्य स्त्र त्य स्त्य स्त्र त्य स्त्य स्त्य स्त्य स्त्य स्त्य

रवः रेवः देनः विद्यान् वित्रः क्ष्यः वित्रः क्ष्यः वित्रः क्ष्यः वित्रः क्ष्यः विद्यः क्ष्यः वित्रः वित्रः क्ष्यः वित्रः क्षयः वित्रः क्षयः वित्रः क्षयः वित्रः क्षयः वित्रः वित

सट्चित्रस्य नुस्ति।

सट्चित्रस्य नुस्ति।

स्टिश्चित्र नुस्ति।

स्टिश्च नुस्ति।

असश्चर्त्वन्त्रः स्वतः मी.चर. प्रच्योशः सी.चर् स्वतः सीयशः सी. सरसः मी.व.प्रक्रः स्वरः प्रच्योगः प्रच्योगः सी.चर् सी.चर् सी.चर् सी.चर् सी.चर् सी.चर् सी.चर् सी.चर् सी.चर् सी.चर असशः मी.चर.चर्चा सी.चर.च्याचा सी.चर्चा सी.चर्चा सी.चर्चा सी.चरा द्रमश्राह्मकाश्रादम्भ्राष्ट्रम् स्राह्मकाश्राद्रम् स्राह्रम् स्राह्मकाश्राद्रम् स्राह्मकाश्राद्रम् स्राह्मकाश्राद्रम् स्राह्रम् स्राह्मकाश्राद्रम् स्राह्रम् स्राह्मकाश्राद्रम् स्राह्रम् स्राह्रमकाश्राद्रम् स्राह्रमकाश्राद्रम् स्राह्रमकाश्राद्रमकास्रमकास्राह्रम् स्राह्रमकास्राह्रम् स्राह्रमकास्राह्रमकास्रमकास्राह्रमकास्रमकास्रमकास्रमकास्रमकास्रमकास्रमकास्रमकास्रमकास्रमकास्रम् स्राह्रमकास्रमकास्रमकास्रमकास्रमकास्रमकास्रमकास्रमकास्रमकास्यमकास्रमकास्रमकास्रमकास्रमकास्रमकास्रमकास्रमकास्रमकास्रमकास्रमकास्यमकास्रमकास्रमकास्रमकास्रमकास्रमकास्रमकास्रमकास्यमकास्रमकास्यमकास्

्रिंट्र्यक्तित्वार्त्त्राच्छात्त्राच्छात्त्राच्छात्त्राच्छात्त्राच्छात्त्राच्छात्त्राच्छात्त्राच्छात्त्राच्छात् च्रित्र्यक्ष्यः च्रित्रच्छात् व्रित्रच्छात्त्रच्छात्त्रच्छात्रच्छात्रच्छात्रच्छात्त्रच्यात्यात्रच्यात्य

मिश्विद्धान्य नवका मुन्ति द्वाद्द्धान्ति । स्वाद्धान्य स्वाद्धान्

हुँ अप्यत् देश देश देश त्या विता हुँ दे मिला स्त्री।

स्त्री स्त

स्ट्रिक्त स्वाक्ष्य निष्ठित स्वाक्ष्य स्वाक्य स्वाक्ष्य स्वाक्य स्वाक्ष्य स्वाविक्ष स्वाविक्ष स्वाविक्ष स्वाविक्ष स्वाविक्ष स्वाविक्ष स्वाविक्ष स्वाविक्ष स

वसम्भानित्राच्यान्त्रित्त्रम् स्वात्राच्या देश्यात्राच्यान्त्रम् यते में व में अपनाय स्या हे व से मुस्लिम। हेर्न याने हैं ह हैं न सम्मिन यर में में दर्भार गुरा देन र दामी श्रूर दिर खुर के सार हिन्स सा है सु वैट। दे.यथ.सटस.चीत.पश्चा.संय.परेश.मीश.प्रचाश.पर.चिश्वटश.पप्रु. ষ্ট্র গ্রমান্ত্রির স্থ্রির মেনের বিধার সামধানা সমরের প্রাব্রধার ক্রীন্ वीयातास्याकाणीकार्यातास्त्रीतुःस्यकाताःकृषात्सीकाविता प्राणितास्य माकुरास्य अवस्तिमा ग्रीटा अटसा मुक्षा ग्री मित्र दासा स्वीता ग्री सरा नु केश मु अवत् विया मु अर्राय अर्र इस या २ नुम । द्वेश मु हिंदा हिंदा नुस्य न्या ला मिना नम्या मुंब देर पत् भन व क्रिंग मुंग के पर होर के हिन ना न्म न्यायात्रात्रां के किंद्र के किंद्र के कार के प्राप्त के किंद्र के कार के प्राप्त के किंद्र के कार के किंद्र के कार के किंद्र के कि यह्यानाद्यात्राक्षेत्र व्याद्धेत कुष्य वृत्ता वर्षेत् वृत्त कुष्ट्रिय प्रा रटार्ट्रेरटमान्यञ्चित्रभूत्राच्यानात्वर्यात्रात्त्राच्याः स्वर्याः स्वर्याः स्वर्याः स्वर्याः स्वर्याः स्वर्या वर्मो च सेदे रे नाय द्याय द्या होना कनाय हु न दर्मो हुं व रे य से द से स्थ वर क्टा भर रेट्र अपनेता पड़े श्रेसका भ्रेष्ट वी हुर या वे स्था पारे सका सुधि विशावा भन्त्रिम् शक्ते प्रचुट लेटा र्ह्स लेश सेट अङ्ग्राम प्रमुख्या प्रमुख्य स्था गुर्म इ.च.क्षेत्रलामाने,च.रेरा वर्त्तीमाल्यासरावीचरे.ल्रा.स्वरू नुदायादे स्टाली । अस्य यात्र दासेदावा प्रदंशासीटा वटा नुवा हिया हिया स्व क्ष्मान्ता मेरावामा स्वार्वित स्वता स्वार से त्राचे स्वार मार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स व्रुवायाद्गा आ

क्र्यामे लूर्क्यत्रा टर्ने यपुष्टिंश भूर.

मां अप्तिरं ता कूर प्रकाश्चिर परे पर श्राम अपि श्राम अप श्

टार्केस मु मर्का मिटस न्ना मीय प्येन हे स होन मिन या है। से न्दर बुन्। क्याया है त्र लिया में कि हा ख्रिय क्रें या से या प्राप्त के या पर्ते रासे या स कुरायरे सेचा जार तर वैराय हे से या हुई साम जाय के शाचार वर्ष पत्रे प्रचल स्टर नहेर वहा चेट बुटा र झेट ही न परी माने तका नांसूची हिट्या गुरासी सदी वरे सुना देर त्नुर न नार भर वर्ते सुन पर्दे तायह सम गमा लेशका देशर्र्रत्यम् वस्य मेर्दा मेर्वसर्ग्रम् लूट् । स्वाःगीर बु.चर् सर त. हुन् रेश रे चूर नर ही नर में रेक्ट न रही नैतृत लेशयात्ररायात्ररामवित्मत्रेरमायामारायास्त्रेति हेरा हेते बटारेशाम्बु स्थायरथामेशामी सुन्दरम्बटमार्थे सुन्द्रिस्म्रेरेष्ट्रश वैदान क्षामा विषया पहुंचे संभग ही तेच। है पाह्निमा क्षेत्र प्रिमा क्षेत्र प्राप्त संभग कर् देशरारट नी याम हुंद न्यूनारा साम नुराया त्यात्यात स्मार सेता न्यान मुन्दा मुक्ता मुक विया स्थान के दूरमाय महत्य मारा मुरा है। वह ना देमाय रमन न न किया से स्वाप की में हैं यह न न न न किया से मार्थ मुद्दा प ल्री लट.थे वर.च.क्र्य.चर्टी भ.क्र्य.चर्ड.३४.४८.भु.श्रुच.च.रेटी श्चरातान्त्रणाणात्रप्रदेश श्चरा स्थान्त्रप्रस्थात्र वर्षस्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र

द्वे. त. त्रिं स्वे. स्

यर प्रदेश थर भू पेर ला खेल ने क्रिस्त प्राप्त के स्तार के स्तार प्राप्त के स्तार के

क्रम् स्तर्भः मृत् व्याद्रः नाञ्चेनाशः हो। दे त्रमः प्त्रे स्याद्रम् स्तर्भः मृत् स्तर्भः स्तर्भः मृत् स्तर्भः स्तर्भः स्तर्भः स्तर्भः स्तर्भः स्तर्भः स्तर्भः स्तरः स्तर्भः स्तर्भः स्तर्भः स्तर्भः स्तर्भः स्तरः स्तरः स्तरः स्तर्भः स्तरः स्तरः स्तरः स्तर्भः स्तरः स्तरः स्तरः स्तरः स्तर्भः स्तरः स्तर्भः स्तरः स्तरः स्तरः स्तरः स्तरः स्तर्भः स्तरः स्तर

तिस्तरस्यान्तर्भेन्तिन्त्रिन्त्वर्भेन्तर्भेन्ति

वट मेने देव नावद दे के वे बट ल दस मे स देनास स्वर से लेट नी. ल्री र.कर.कर.अंचल.वंस.चुन्यत्र.चंच्याची. न्यवित्र में मिर्ट्र रहा का अपूर्य सर ने उटा खेर हूर में अ में हर नश है र वर्टा बुना नुनै नादश दुवा खुद नु स द्वा मा लेग र द र द र भेर हो है। वनायः व्यावसाना द्वायः द्वी नर्डे वामदाक्ष स्वर सद्वामी व्यादे स्वी गारा म् रे.ज.रे.दे.लटस.चेट.मे.ड्र.च.खेच.लूरं.चस.चह्य.मीट.वट.चीवट.च. के विस मिना भी व पर पहिं के भी भी निम मिन में विर पहें ग्रीट माश्रद प्रते मिट प्र क्रिंग में स्था मिट पर दे के निमानी हैक कन्याभ्येत्ति। देन्द्राम्द्रित्वाच्येत् विनाभ्येत्। देवेत्या १३० विना म्रेम्मेम्यात् सूर्यत्व स्मयात्स सूर्यास्य स्मयान्य प्राया प्रिया ने प्रवेदस पर ल.मैंदे.रेशरचश.चक्र.चरेश.चंद्र.थर.प.रें.लंद्र.धं.भ्रे.संट.र्ज.चंत्र.में मक्किन् नायदः मारेना नेये प्रति मार्गियः नुः भूमा मार्गियः मार्गिय न-देश्यश्मिट्-मी-नगत-द्रा-नशुन-ते-विदश-भीटा व्या-नहेन्शः मिन्नेशास्त्रमाश्चित्रात्रम्परामित्रात्मित्रात्मित्रात्मित्रात्मित् बुर्द्र वर्षे र्षा श्रायवस य सम्रोति । सिंद नीस हो क्षेत्र व्या सुवादवर र्ट केर सेर मालक कर में शास में के से हैं निहेट से निहु के मी अस मार सर में के " नेत्रक्रारेखेनाम्बर्धाः मन्त्रम्ब्राम्बर्धाः मन्त्रम् द्वेष्ट्रीर वसर् व्यवे मु म वर् नवे द्वे प्व वर्ष विवा वर्ष य है वर्ष वर्ष दे या वर्ष य नित्। मित्नीसप्पत्सेत्सुर वृत्रकेत् हैना दे लेना नी से त्र नु स्था

वेशन्तिं वुशन्तरे देत्यत् अत्ये निविद्या विश्व

मु अर् पर्रा म्बराया द्वाना सुमा देश हैं देश केर्ना देश देश कर रेश संग्राय प्रदासहिंग यह रेकिनेश में भेरी ने दे के दे दार है लाते स्यास सु देट न जुन की सु मार्ने ट न जुना का खाला ना केर मा करें र है वा रें इ.डे.४.४२.भी.संचीर वर्षसूर्य वर्त सीसी श्रिमान वर्ष भाविसामालूरी चार् यदे विच देश क्रमश हेश शु मु प्वश्चे र विषाय हो। देश वट मु पायमु र ट सर्वित्वे देव स्वामाणे वित्तम् । वित्यम् तिर्माणका वित्याप्ताप्ता कु.क्येश लेजन्दा गूट विर वश भन्ने व्यत्सी तवि वर्गे लूरे तपूर कुरान्नेनाक्दाना नेपार सूर्वाचायात्रमार के लूरी चैवाने सूर्याका नेपाने हु क्रियु सु मु ने १ जु स स कार मेर किर। देवे हिम लेगा का सु मुदेर स मन् सर्न माइस शर्के ग्रम्पारमा के सार्च स्त्रानु हिना सर द्वेश ने माइत '१४४ विद्वार्थित प्रमा देन प्रत्ये क स्मृत्रा महाम्या ने प्रत्या प्रमान भ्रम्य हिना विन्य में देशकाया अदा अदा हैन हिन हिन के जिन

मुर्ये.ज.रे.जुन्य.१८। झीमरा ध्रुत्यमी र् स्रीतायक्य.जुराता मात्रत्रा महिंद्रकेर् से लेग गुट रेत्। देवे र्या में साम स्वाधिता य. बुट. स्वायट रा. लुट हुटा घट पिट वा ४ वश लू. हुट स्वा झेचा क्य. र्रेट नवर प्पेरी इर में ब्रेट स्नामिक र सम्मिन्स में नुसाम नेर् के मुक्त में कूर.सी.येच.रेट.। अ्च.त् प्रे.स्ट.भाश्चेश.प्रेश.परीक.यर.सिक.यप्रे.

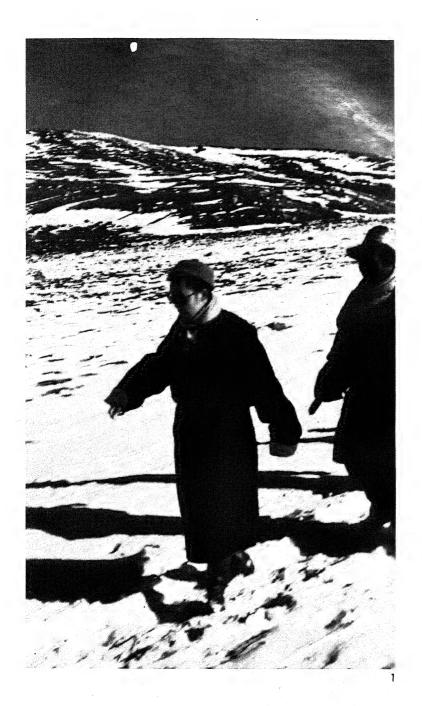
में दू यह है ने दु न वुड क्य दर्ने हें या हमा दरा दसमा है। यहा वुदास्त्राक्षामा हुद् नुदान सम्। इसा हुन्सं स्त्राक्षामुकाना प्रदेश मर्देन्साचे स्प्री , नकार्ये नुस्यते त्रास्येन्यते वरास्टेन्ने हिन्दा अप्रानादानुष्ठार्भेद्रात्माद्रसान्द्रित्वेषाक्रीः से द्रात्मा अप्रे.प्रत्मा<u>र्मेर त्रिष्ठ र प्रमाय विशास</u> कार्य स्त्र ह्या स्त्र ह्या स्त्र ह्या स्त्र ह्या स्त्र ह्या स्त्र ह्या सर्व वर्ष सम्मार स्वेदाया द्येराया दे व्योदार देव स्वी गायर वर्ष व्योस्त्री बुनिश्चित्रं प्रश्नित कुन कुन हो हिन्दु प्रश्नित्र है । इत्या कि हिन्दू । इत्य सरायाष्ट्रवार्वेट कु ते ने देव क्षेत्र की विषय हैं कि प्रा हुन मीप्रे.श्रेपश्रामी हेरास्त्राधार्था राट्यीयात्त्रा इप्राचारम् में अर्गुत्युटा दे हिं दे नाइका हुंदा यहें र साम्ब सेना टाइटा हुट हुट हुन २**बुभः**कशायान्त्रात्रार्याभेरायानेशायाम्यानुः क्षेत्रेक्षः क्षेत्रं कर्याम्यकान्तुः । रता भ्राप्त मी.चड्डारश्चारायवितास्रियाल्यानाल्या प्राप्त रहे. र्केर मुद्दे हैं हो से पहें साम हिंदर पर्दे पास हिंदर सर है पास है । क्रिय्यवेग्रार रे हे इर यह शर्षर सेर हेंग लिय हुर रे खता हेर ह्यूर हूर " नविश्क्षेत्राष्ट्रनाकुः भेर्नाकुः भेर्नाक्षात्रान्ते नहत् हर्नाह्या स्वरूप

वर्गे वर्षे ४ वर्ग सिनास महीदस में गुरु दें दे स परि हेर कश क र्दरमिकेना सेर् दे। देशद्रिंशमा द्रश्राया स्त्रिना नीश सामहित नेरिंश किन्दा मिन्स्मिम्यम् किल्पिन् हेर्यास्मिन्यक्त केर केर नात्वना नश्चरेत् केंद्र नेद्र केंद्र नेद्र केंद्र नेद्र केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र वट दस मुन्न नो तस गार्च नादस द्वाय होना होर या दे दस मुन् मनुने नावद हुन्। भर नेश वैटा। ट्रे.ज ब्रिन्। श्रुट् संनाश भट वे लूट् वर केश होन विशाने मानद्र देससामानेशाचर नहिमा सरामित्र मेने मिर ने मेरे की छो। दे हैं सम्मिन दे ते त्यना वहेंनास रहे हैंदर हैना नकी नास नहीं नास मुद्रा सुदर हुटा है कूर्रेट्रेन्नक्र्रक्राम्य्येनस्यक्षान्त्र्राच्यास्यक्षान्त्र श्चर पश्चिमान पर देश र र र में इसे र र व में र र व में र र व में

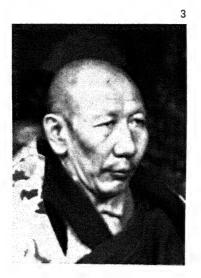
ल्यामाराशतमार्थतमाष्ट्रशामुन्दे दे देत देव मुन्देश द्वरा मुनाशामी । द्वा महिर मर व्यवस्थ नेवा कुवा स्थ रेव हैटा वे विषर दर दे सेद हर्षा अन्य में महर्में महर्में महर्में अहर् च रे प्राप्त त्राची हर के हैं के मन पर में एक्ष से में में में में में हिना स्त्री दे मनस निवस निवस निवस मिन स्वर्थ सहत में दे म्बर्भाः इ.क.च्. टे.क्रूर. टे.क्ट्. पर्टे. प्राट्.ची.ल्.ची.ल्.ची. टे.प्र. २४ स्मापन. टे.प्र. रत्याहियासुक्षेत्र। वर्ष्तु सदिख्यादिस वर्ष्तु मुक्ति दीस दीमान्ता व्या लूट्सर्यहूर् स्म.त। भक्र खेर्यसङ्ग् चिनेवेट.ची,जस्पिटस.पंचीर. न्यानक्यान्त्रम् नुसानु में नार केर नार निर्मा देवे सम्म झ रादे से कट स सहयामर प्येंट नी रेडा वेंर सुन्नीट मार दम्में सुनेर क्रिन्द्रनात् व्यास्ति हिर् विक्रिया विक्र विक्रिया विक्र वि

स्वास्ति कर्मा सर्रावस्त्र में स्वास्त्र स्वास्ति स्वास्त्र स्वास

पर्वेजार्याप्रम् .ला.क्शानुसार्याम् ज्यात्राचा वेतास्याना नेत्रा स्टास र्टा देश से असामिय के र मी दश्य महिल्य में से हेर्ग श मिता है दे अ क्रिंग में र अवस तस अट अट वर्ज वर्ज के अर् सर लर् परे में हर हैर पाना सुमार्च रे भारेत हुँ र तुसाय की हैं ल्. ४७४ १ वट क्रेर्तिपुर्सिक हुए ल्.स.पीय हुर तर्प स्. प्रेस येश . . न्दि ग र्डिश गुले प्रियं प्रारा निदेश प्रस्थित स्वेता अता है ब्रॅं १२३१ इट वि (यदे हते हें बेर पदे व्रॅं हें र बेर के वर के वर्ष में की की मार्क् भुग्रामायावन्यमामार्नुदालेगा देख्यक्षेत्रायाण्यदेश्वराय ववेगमाने वचेरास्टर्म रि.मीट.रे.चन्नी गमान्त्री ज्येर.से.चीर. साम् गर्ने गराहेशने नगाने मुंदी सामुद्रायम विराधन प्रतिसाम वित्रा स्वर्थ पर्वत मीय प्रतेया । १ क्ष्. योर्ट विया पाय स्पर्टेर के श्रे स् विष्य स्वयं मी यो राजा स्थ. नि हें दे दा कि के में दे ते नी के त्रमें के ता प्रमा किया है सा स्रेचकार् क्रि. म्हार प्रताप्त क्रि. मानका खेला हिना हो सि मानका स्राप्त क्रि. मानका क्ष्मानेसान्द्रिकार्यार्भे स्त्रा स्त्रा है पर निर्मा वर्षा सा वित्। रे.चल्रेश्यासिल् गर्ल्र्यायाच्यामात्रामा स्टार्ट्स्याचीयाचनुस्य हे.चना रैंट ने खुया ने के विजय की के क्षेत्र ख़रक है जह विना भेर्न नव कुका पर न बिर्तान् के अर्थ र हो र नर्ष भ श हो न गुर प्रत्ना न र हो ये ना नुमार से न है । १४ ८४ रेन ब्रेन १४ ८ है । है र हर्से हर दर्ने नव नश्च पाली हर है है र्सन्केर्निन्द्रिस्तरम् द्वाराम् स्त्रिस्तरम् श्च ग ने र भेग ना सर में न पु न ने र में न सर देने ने द सर होने ने द सर होने ने द होने ने द होने ने द होने ने द













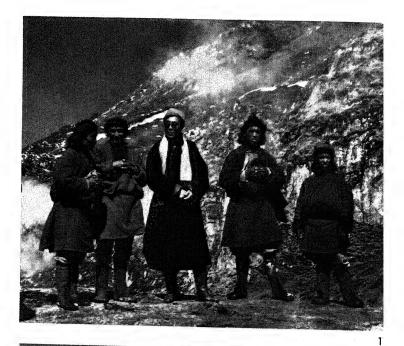




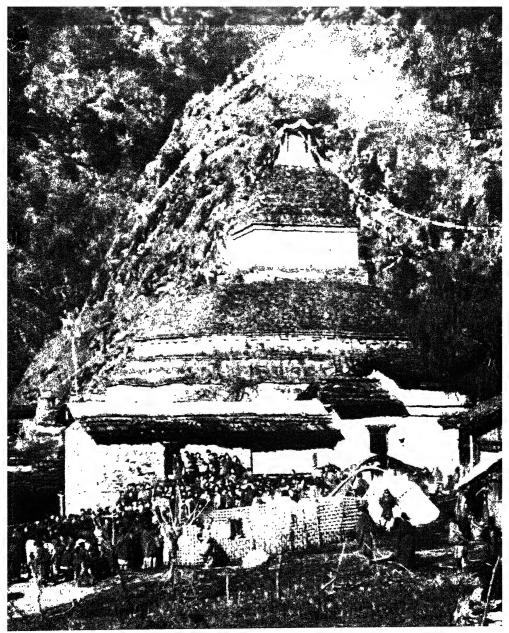
















स्त्रिंग् हिंद्र स्त्रिंग स्तिंग स्त्रिंग स्तिंग स्त्रिंग स्त्रिं

मुन्तितिहिन्द्रित्व हर्ष्यान्त्रेत्।

स्वान्त्रस्य मुन्नित्ति स्वान्त्रम् स्वान्त्रस्य स्वान्त्



चित्रकाच। येदःगुःवदेःच।

मु न्द्र नर हे केर हुँट् व्यत्मान्य क्षेत्र प्रह्त मु जी। चुट्र ने हुना नहीय स्थानी नावस द्वेत सन्दर्भ नोट चुट्र से हैं न्दर हुन

च्ट्रें बचा केट्र मिया सष्ट्र सम्बेग रिया सरा च्रा स्त्री न्तर दरा बेरा मार्चे वेच रेट सूर्च त्रा निर देर भी शु वव चक्स लूर्। मैं चरा ठेवर. स्। यम.लीमा वर्षसापरीया.चस्स.सूर्.ग्री.झू.सूर्यास.सी.लूर्। येच. ह्यें मं सं सं ता जी हु। सं सं दे दे ता व्यान व स्था दे सी है। सी सं सं सं सं सं सं से से से से से से से से से के स्प्रेर् पर हेर्। रुकार वक्ष अदः वि वे रहेट विश्व अहेरा मुका हिन है है चिर्शावशासर सुर्टा पर्रेमाच सुरा हिना सना सर मु नर दिर हुस मु त्रेत्रयानः हेत्रः व्यक्तान्याम् हेत्रच्यानी स्त्रानी त्रि अपास्तरम् म्राप्त्राचुरावाके। बराविते द्वेंशावित्तुत्रम्भवशावित्तु भीनो होत् मर महेब केंब इसका मेर् सेक नेक हें नक बुन मने हैंब र मेर केर हैं ज में लिग र्नोंश या चुट है। मुनार मु भी मोर र्ये हार स रे प्रवंश। मु वनार्टा स्नाच्नोत्रस्यालाः ह्यास्ति कुरावाना वृत्ता तर.च.रा चर.रे.मू.झ.वर.त.लट.उत्तेल.च.चे गश.ष्ट्र.वैट.हु.रेश. र् इंप्यट पर प्रदि वेर् की करा में बाइस पात्र प्राप्ट व्यर् पर् के करे विक्राबर पुरायम के मुख्य देने वित् वित् कर्ता कर हैं । हर सेर दे में प्रेप्त में प्रमान में स्थान के स्वाप्त में प्रमान के स्वाप्त में स्वाप्त मे क्र-मुद्दान्या वर्ग्णेकेरम्यक्षेरेनायम्बर्ग्नावर्ग्नाम्य र्रे. हुर्गे. इर्रे ए. चेडिर्म स्टिया सर्जा विनास सूज. मस्यामुस्यास्त्रसम्बद्धान्यस्य स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः देन्यसः स्यान्त्री, स्वर्यक्ष क्षेत्र स्वर्यक्ष स्वर्यक्ष क्षेत्र स्वर्यक्ष स्वरत्यक्ष स्

मुकेर सु हे वहंश ब्रीट नाट शब्ध सेनस सामद केर दनाव नसु लु मु

चिर्द्ध ते दिना नी त्यस्य स्था के न्यर से म् सु स्था निर्द्ध ते दिना नी त्यस्य स्था के न्यर स्था निर्द्ध ते ते स्था निर्द्ध त

स्ति भूर्। मूर्ट्स्स कुर्स रूर्य स्थान स्था स्राप्त स्थान स्यान स्थान स

में के स्त्रा स्तर के स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्रा स्त्र स

त्र-तर्ग्रेट्रवेत-त-इरी। १८८२वेजन्त्र्यंभाभूट्र-वर्ष्ट्रन्थायोटःकुश स्त्रेत्यायंश्वाकेटशः शर्व्यः १८४२वर्षः संस्थितः पश्चायिका त्रकेति सूत्री ह्याः

दसन्दिस स्पेन् ग्रे सिक्य निरम्भ तस्ति । वित्र स्वर्थ स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्व

द्र्वोर्गमनावरामिर्द्रार्द्ध ते द्र्वोर्षा समित्वे अम्बन्धी मा देना सामा नेसन्भर्दिहा। तमान्यस्य हिन्दिस्य गुरुष्द्रित्। द्रमेद यान्त्रात्रः त्रसायः सर्हेर् मिविसासास हेरे यो पेर्ने स्टिश वनातः त्रसायाः स য়ৣ৾ৼ৽ঀৼঀয়৽ঀৢ৾৾ঀ৽য়ঢ়য়৽ড়৾ৼ৾৽ঢ়৻য়য়য়৽য়৽ঀ৻ঢ়ৢ৾য়৽ঢ়৽ঀয়ঢ়৽ড়ঢ়৽য়য়য়৽ बुरी मिट.कूर, सुर, त्मान, यक्ष, रर, प्रविता, वे, क्षांत्र, क्षट, त्र ह्या, प्रचार, निमानमानिकानीत्रामित्रम् स्थानमा यदे मि क्षेत्र केर में भेर सम्बर्धां मार भेर । क्षेत्र पर्ट मिट के दे द्वार पर्वेत वर्द्धिया होटा देश सेन् हैटा। सटाया देश वर्द्धि स्वस्था नुद्धा ता नेदे वर्ष्ये द्वारा सेन्। मीबिट, मीलवी ह, सर्। अस, दुनाय, यक्ष, मीख्य, अर, विश्व, सहर, निह, वह दे के दे अंट महत्र दी। इट निविश शासिय श्री है वे मिटश हिया दिया रेदा दश्यन्थन् सेरे स्रूर महेद्रिया द र्वेर द्श्यम् से स्पूर्ण्या स्राट स् मेर्। असारमान मोर्ड 'चें देशासकंसरा श्रुट हींच रटा मानुट मी नामार लिस्त्रिं सेन् प्रे देनाहा श्रुट प्रे निम् श्रुट प्रे में दिन प्रे में दिन प्रे में प्रे प्रे में प्रे प्रे में म्यदेष्यम्यद्वात्रः वद्यानेद्वायाभेदा क्षायि वदायम् राम्यान्या स्थापित

भ्रह्मसुरु:र्यक्षर्टा टक्सॅटरक्स्चरक्रियं सेर्यक्ष इर-रु-गुरा २५५५ भ्रेनारा छेर। इसना मे प्रेन हैं के के कारी पा मर्टन विनामित्। विष्युवर्षसर्गीःनिद् इंसु व्टिश्य द्यमा से इयय देट दुसंदट सप्ति राम हें हेट ही मुलावस रेनांम्यर्भवायः निमास्य सुराष्ट्रिः हेन्यास्य नायरः विदा हे स्यास्य मुकासर र्रेयाना लिना केनाया या सर्ने नाया स्वत्या मना नारेना वा खा र सुन् । मिनी, नोकुकी, प्राप्त, सुनी मिनी, नोकुकी, प्राप्त हैं, प्रक्या ग्री, शिनीया हुँ प्राप्त हैं । श्रुंच श्रुंट विश्व तर देवे इंदे ले गश्र श्रुंक दे वे श्रुंगश्र प्र वेट सेवश पूरे.. रसना दसस्य देविय हुन समस्य स्ट्रा स्त्रीन तहन्य प्रस्त रहे। देविय हुने न्ने न्वर्के वेर् वस कुर ने से वेन नि नि स केर स कुर रे र केर केर ০০০০ বন্দ্রনাস্ট্রণ্ট্রাস্ট্রনাস্ট্রনাস্করণবৃত্তীর শ্বন্ত্রনার্বণ স্ট্রন্ট্রণ্ট্রনাট্র वॅर्भूर्वर प्रम्थन सेर्गु सेर हैंन रेप्र प्रेर्प्य संदेश निवस क्रमावट प्रमाधना हट यो हेर पर प्रमाधन क्रम हो ने साथ स्थान मुक्षमियात्, भ्रैत्करीय । दुषातासून सासूर तारूर। त्र मुश्करमीवका कुं, कुन, राज्ञ, जेश अधिय, लूट, केट, तुर्व, बंज्ञ अत्तर्हें दे के दे हैं के दे हैं की दे हा हो है है रेन। वॅर्न्स्मन्द्रिंग्रेन्ट्रिंग्न्यमुत्रमदेश्युक्षात्रश्यद्वेत्रक्रमेन्हुर् नुरक्रिःसविवानुवावह्स्याच्युरायसा सुनुत्रामान्यान्यान्या वेंब्रियाद्यमा में वेदी इसका केंट दूवा डेबरक्ट भुँग व्यन्य रेना निष्या सेर् देर्पयसमा की सेर् हो से से स्थार मात्र ही दस से न सामान श्वन्यम्भः अत्। मिट्र हैं द्यारः सहंदस्य दास्य वार्मेर् या हेत्।। टच्.चन्नम्नःचरःसुःमुक्तःसःरेन्सःचर्रः ५ वर्गे सार्वे कुरास्रास्त्रे स्रो

बद्धिं विकार्ये देन देन के किया विकार के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्य क सहर में दे रिन्यर दर्श देश हैं निम् । विर्देर से प्राप्त निम् में से से हैं महिंदा मुन्ने मिन्ने महिंदा मिद्दा मिद्दा मिद्दा मिद्दा दिया देवर देश दे विस् म्ब्रीट न निर्दे त स्व स न विद्यान सह में मुक्त अदि तर्न ख्रिय से तार्ने बैदाल्येर्पार्ट्स दे हैं वसायिंग विद्युत्त पहेन दसा सामित्र निर्मा के स्ट मुराम्बरमार्भर सर स्त्रिम् मुना हार हो है ते वह तहे का वर्में हैं मि मुन भ्रवस स्वर्ति में साम मिर्ट हैंस दिन के के न में स भिर्द ही ' रेड़ा द्वर-र्बा श्वीर-वर-४ न्यूर्य-दे-द्वर-स्थर-विद्य-वेद-यदे-श्वी-स्थर-विद्य-लुवा ह्य.सह्य. सु. रूचायायहाय मुस्यायायायायायायाया एत्र कु कु रू दान्या ने दे कु ए ने दे के अपस्य देश स्वर पान्न नुषाः विदायक्षेत्रारेता द्वराया व्यार्थास्त्रात्मा हेर् म्रीटर् में स्थानर स्थानस में देश। विट हूस ट स समूह मार्ट स है स है। रस सह मी बट बका सङ्ग्र भी भिन्न गुट ही र सन्देश सम्बद्धा सार्के दे साबका द्वारा देरामर्स्नि विगानहें देश वेदासे केंबर हैंबर हैंवर में केंबर हैं दे रिवास दहा। प्रसम्भास्त्रीत्राकृत्त्रात्रे विभिन्ना हरान्त्रास्य सहित्त्राच्याया न्नात सं चेत् सं भेता तुरा क्या के कि स्वार के कि स्वार स र्बर्यः अन्यदेख्यानी द्वारा द्वारानाया है य विवारिता व्या मुन्यस्यसम्बद्धं न्यत् प्राप्तः ने स्ट अव सेद से वेस गुटा कुर नु मार र्मेर्निर्परि परि तुमा स्रवस्था सार मिं विना किर मेरिनी मेरिन मेरिन समस्य वे कुर तु र्बेस-द्रा-द्रन्य-भुन्द्र-द्रा-भूत्र-विना-भेन-वि-। नुस्नःभ्रतसः दन्दाः क्चराकुर विद्या मान्त्रीयार गार्ड हिन स्त्रिन्ता निवान वहां मानि हिन कि 可有一种"别"之气

स्राच्छेना स्रेया स्राचित्र में स्राचन स्रा

वर्निम्यारे अर्वे दे नावमाना वैश्वाद्धना में ना वासका स्वर्ध या सिन्दर्रिक्तिमा नर्द्धन्तस्यरिर्ह्हित्यले अप्येश न्रे सवतः वत्रहेत् क्षेत्रस्य स्वर्धा क्षेत्रस्य द्वी क्षेत्रकेतः । अस्य द्वी ह्यानित्रेश्वराम्यास्य सामार्येर् क्षेत्रे स्वार्थे स्वार्ये स्वार्थे स्वार्थे स्वार्ये स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार न्यन्य अन्दर्भ सुन्य देते हीं देते प्रति देवे देव स्थानिया केर्यने नहंत्राक्षेट वट नी नवस हैया शट अयह वेट देश अर् या राहेत्। दर्भन्तरि वेद्रं हता संस्थित सम्प्रेति । व्यून्यान्देन्। वेद्निक्षे'क्सकाक्ष्मेन'वन्द्रः वुसकाकेसकाक्षे पुराप्तर विद ष्यराद्धरामाने पर्या के अधिकार के प्रमुख्य विस्तायनात्मवर्षेत्रयायाय्येत्। द्ये न्वेन् वर्देत्त् न्वेन् वर्देत्त् सन्दे व्या मिर्देश्वयकेरिक्षित्यका भेगपना मिर्देशिक्ष नुन'हम्'मि'देम्ब्र'णुट'ॲर्। देर'महेन्स्टिई दे'हे ब्लेर'म्बिर'टन्स पान्सान्मिक्रम् वर्गान्मान्ते हिर्दे वर्गान्ते मान्यान्त्र स्रायस्य र्भुव केन विमुत्र में हम्मा में बर्भ वर्ष ने विमुत्र के ने ने विमुत्र के कि श्रुरिविदः वरः,श्र,पितानविद्यः ततु, विश्वशः रूचिद्यः देशवा हुसवा, श्रित्रे हे. ह्यूर् सिम्ब स्त्रेब ब स्तर । मिर हूं स,रेट् स सू च विव रे च तस सु सरे हैं रू

त्यार्यं विश्वः सः द्रा।

स्रीत्रायः क्रीतः सः द्रा।

स्रीतः त्यार्वः विश्वः सः द्रा।

स्रीतः त्यार्वः वित्वः त्यार्वः त्याः त्याः त्याः वित्वः त्याः त्याः

तालुब्र-स्टार हुर्स-स्टार-कुर्स-स्टार-कुर-मी-त्रम्-मी-स्वारम्-स्टार-स्ट

करं तिचारं त्यां सार्च चर्यां चे स्था स्टारम्य स्था चे स्था चे स्था चे स्था सार्च चर्यां सार्च सार्च चर्यां सार्च सार्च चर्यां सार्च सार्

क्ष्यत्मीन्ध्रम्भन्त्व् । दिन्तिः नश्चिः मुद्दे व्यत्याः अवन् स्त्रः स्त्रात्मे व्यव्यव्यक्षाः स्त्रात्मे व्यव्यक्षाः स्त्रात्मे व्यव्यक्षः स्त्रात्मे स्तर्यः स्त्रात्मे स्त्रात्मे

सर.च.लुरा। तर.चट.वैट.चभ्रैज.८र्ट्रेट.भ्रु.कुन्!त्व.वब्र्य.कुटः। ध्रि.क.लट.चभ्रैर.र्टे.

सास्यान्तर्याः स्थान्त्रः स्थान्तः स्यान्तः स्थान्तः स्थान्तः

रसः श्रुट्ट अहम ने ना सम्मार ने स्थित सम्मार ने स्थान सम्मार सम्मा

्रेश्वर्थत्वार, सुर्टा, सुर्ट्रा, स

मधुर प्रहेश माया मान्य के जिस ने के र छैल पहेंग सिंद छेर परे म्बिस्याम्बिक्यस्य देवा देवस्य स्त्रित् देवस्य स्त्रित् स्त्रिक्ष बर द्विय द्वर देवे च विया दया ना वृद्ध वयस नास स्यादि स्विता त्यदःवयःवयः नाजुदःवयः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः विकागितः व्यायः वस्य मि सेमा देशका अविद्यालय ने दे हैं। विद्याल है जि की ने कि मिलिए विनका क्षेत्र निर्मे प्रमृतिका होत् हैं भारी हो हो निर्मा है है । वित्राक्षित्वायाः विष्यु पारे विष्यु मातुः मी वर्गारे विक्रिताः नुः क्षेत्। विटिश्च स्थाने समानी समान द्वित स्थाने हैं निया कर्षेत्र व्यद्रिक्ता द्रास्त्राचयाकेराक्षांसरार्बेर्प्त्र्नेस्यरावित्राप्तराकारे चिंदार्ड दे मारेर स्मार्केर स्मार्केर स्मार्केर स्मार्थ यार्टा नगर नग वया सर मी खनक स्तर है कर निमा लिया वता न विस्ति, तसस क्षितं प्रविद्रं विद्रां मधिल रिमी कुष स्त्रास्त्र कुर मिलिट बहेब विद्यु दिन क्षेत्र प्रति बह से के दिन के विद्यु विद्यु विद्यु ल्वसं से वर्गे दे दे ता विनासं स्ट्रिंग् सं लिट दे दे ससं से दसः या है र वर्गे मुं वरसं पुत्र के प्रति के प्रत

मुक्षाना स्वस्ति क्रिन्य नाक्रान्ति क्रिन्य नाक्रान्ति स्वस्ति । स्वस्ति क्रिन्य नाक्रान्ति स्वस्ति क्रिन्य नाक्रान्ति स्वस्त्र स्वस्ति । स्वस्ति क्रिन्य नाक्रान्ति स्वस्ति स्वस्ति

सम् द्वार्त्ता स्त्री स्त्रात्त्र स्त्र स्त्रात्त्र स्त्र स्त्रात्त्र स्त्रात्त्र स्त्रात्त्र स्त्रात्त्र स्त्रात्त्र स्त्र स्त स्त्र स्त

म्ह्रीत्र म्ह्रीत्र म्ह्रीत्र मह्नी स्वार्ण द्रित्र स्वार्ण स

नेर-वर्देशकंट सञ्जित सं र्लिन्य-देन। वर्देन्य-व्यक्त वर्देन्य स्मान्य केत्र स्मान्य समान्य स

দ্রীপা নির্বিশ দ্রিম সেই র'ন্তু'রনা।

स्विस्र त्रिन्त्रे न्यू क्षेत्र हिंद्र त्रे न्यू क्षेत्र क्षे

मर्के म्रेट के व चे मेरे देन सर्या ए प्रत्या पुरस्य वह प्रति । जे त,रेट.। टु.यंश्व.इस.मुंश.भुंश.भुंश.मुंश.चैट.वंश्व हु.पंचटस.मुं.यंथ. दाख्ट : बद् देंद् दे दावाद विवाद स से र्के नाय दी दा की दार दि दा ता हैंर विर्तर र विर पश्चा सदे दिल ने निवस लूरे पा हरे। लू हेर हैंर स्या, यो, यो ट. भु. पूर्या श. दे. १ शशा. कुया, श्रीया मी श. यूरे. यी पा ट्या यूट, या ट्या यूट, यूट, या ट्या यूट, यूट, या ट्या यूट, यूट, या ट्या यूट, या ट्या यूट, या ट्या यूट, या ट्या यूट, मारेमा'न्'मुर लेरा नेट नुस ऑस्स मार मु मर दर मी महे रहेंया केर. हुरे. त. चींगे. वेच. त. श. ८४. पश. ८८श. व्यत. पहेरे. यश. प्र. ८०४ श्रम् हिमा ही ल्या मानुमानि राष्ट्र १४० म्मा दिम् हिमाल मानुमान र्याः पश्चरः यपुः मुत्रः य पुः स्त्रासः मा३४ सिः पद् व सः युः युः। देः र्था.मितानमेर हेर नरेब हर न्ये में के क्यारा मितार प्या हेर. पर्येट.त.डे.<u>व</u>..व्.इ.च.चे.च.व.व.व.चे.क्षपत्र.श्.सरस.येस.ग्री.कूस. म्री न्यम. से मा. ने . सर् . तम. ने मा. नप . क्रम. में . ने च ने मा. माम . श्र.चिश्वम.प. प्रूस.चैता.श्रॅट.चद् व स्था.त्.क्री.त.चीचेच १.प् ३५०३ रेटा हैं जू. २४७ श.मिट जूर प्रसिट्या क्र्य मैपार हुन से मूल्य वरी नेश स्व भाषी मार ने मने मने मार सिर प्रसिर हिश न हेरी ने ने प्रमा न्द्र-१३-इन्नास्य-प्रमम् १३ स्था इ. ११ र्गा न्यान्य-प्रा क्रमान्द् मिर्देश नवायत्रत्र नहिन्द्र नहा मु नत्र मिर्देश मिर्देश मिर्देश मिर्देश मिश्रिम, चक्स, पद्धेव, मूर, पहिंचा है, पूर्वे तियी की वे रेटा है, पूर्वे यस्त्रे हे. मानव द्राया (स्वर स्वर स्वा सर द्र्येर केने से परेतुः संस्थात्य र ते स्था सकेत् नार्या परेन्य न्या ॥ इःस्य स्था यदे मिर्येन लम् निट.र्ट. र म् कु मिर्येन लम् निट सूरे हैं निट भूट.

स्यवेटका स्रेटिन्द्रस्य स्टिन्स्य स्वरादेर में द्यार वना रटा चया खेता खेरा वसा चर्चा रेनासाया स्ट्रांचि त्येरा का सटाचा नर्मा मियान्य में स्वमानिय नियानिय निय नियानिय नियानिय नियानिय नियानिय नियानिय नियानिय नियानिय नियानि वर् श्चिर मुकायर महर रे। मुलार वका सं तुना व मुला वे हि हे चिद्धचा,चरेथ.रथा भुशाक्षचा.ष्ट्रभाची.रेश.ची.रचा.रट.च्रे.चालीजा. ्विर वैर सेवश व्र में में में में में में में प्राप्त निर विर वर्ष पर्य में र्माम् खुयाम् अट सं मेर्डस मिर् वे में सम्मित्र में सामि में स्टारेट सट चिं तु त्यते सतु व त्याचित् वेद्दे पति तद्याचे १३३८ दर्। ही चिं ४०० क्र-दे.जूर,चैल,रचश्राज्येयेत.क्र्याचेल.च्राञ्चेत.क्रि.कुंचे.चर्यासी.... अवस्था चीता त्र्रेन भी हरा ता ची मार वंश सारव के व हैं है. "अ.रे.रेट.। श्रुच.रेत्र.वश्च.कु.ड.प्र.श्रूचेश.चेरेब.एटाका रेतेज. यक्षत्र.लग्न.प्रचीर क्रिये मीश चीय तप्रची विष्या त्या विष्या न्द्र वर्षेरे प्रकृश कुश अट पूर् पूरे की अरे कारी वर्षेरे अर्थ निम्मार्थ,इस.स.मु.मु.सुर,८८। हूर्,तु.हूरस.चैर्यस.पुर.टे. क्षी हुंश्चर्यं १८१४ ल्या १८०० रहा है क्या ८८० से मियार नकाराष्ट्री नकार क्या के वार्ष मानिया मिरिया यम्बद्धा न्नो.पर्व.कु.कृ.कु.यु.कर.न्म श्रेयस.र्नर.लट. चूर्रान्ता मु.र्या.भाभवेर.तर.चूर्र्यमा.र्था.मी.र्या.मा.सी.र्या. मर द्राच्ड्रम्बा च्रे.मे.ज्राच्यात्रा मी.वना.मी.चर्च्यात्रात्यात्रा

सट. त्रंभ, चर वर्षे भश भह्य मी. यी. ये. ये. यो. ती. यी. मी. ही. ही. ही. ही. वर्षे ८८.मी.४च.स.भक्षस.मी.क्र.२चीत.र्.४८.पदीचीत्री स.भक्षस ড়ৢ৾৾৾৽৾য়ৼ৾৽ৼ৾ঀৗয়৻৸য়৻ঀয়৸৻৾ৢ৽ৼয়৸৻ঀয়ঀ৻য়য়৻ড়৾য়৻ড়য়৻য়৾ৼ৻ৠৣয়৻ঢ় यते.मु वर् कु रे में रे रे रे रे रे रे र मु के रे खेर हर । इस यर असु यद्वम्यायते द्रारी त्यापत्रिया स्राप्ति हा सद् द्रारी द्रारी त्यापा स्राप्ति हा श्र.चिद्वच,जची,चट.ची,भरें १.४,लूरी चिज,रचश्र.श्र.चिश्वभारा.रेटी सं मन्त्रामा मही महामा भर्ते द्रम्यामा स्रेस निर्देश स्था महिस हिस श्चर, येचेश्व, कु.र. ए. किया त्राचीश्वय, रे. त्राच प्रहरे कीश हे ट. श्वर लट. . प्र-भ्र-भ्रमभावमा प्रमाण है। है भारती है। मिक्टमाना मिटारें र भाष्य हुर्यात प्रेर्था प्राप्त १००० हैं स्रा ६०० ब्रानु विवासी नुषाया विवासी वि বর্ষ্ট্রবর: বু. কুম. মূর্ট, কুম. মূর্ট, রুমে. দীবাধা বেছা, রু. ধ্রম বর্ষীরগা च्रि:मीश,चील,हुरे.जु.चेथ,चश्चरका हुश च्रि:चर्योट्स, परेचा विलान् छ. र्मनासानाअत मित्रवर्षाम् वया सार प्राप्त सार्थ सेना प्यानियः रवसःविःविःविःविन्विनःदेदःस्योः २०३१ सम्बद्धःविःदिद्ये ग्रीः क्र्यासी रेविया है रथा है प्रेये में रेसरा

स.स.ष्ट्रं प्रस्ति श्री.क्य.श्री.पश्चीयात्रां हुंचा पक्ष. का.स.ष्ट्रं प्री.क्य.विवास स्था.व्यं प्रस्ति हुंचा पक्ष. विवास स्था.व्यं प्रस्ति हुंचा पक्ष. विवास स्था.व्यं प्रस्ति हुंचा पक्ष. विवास स्था.व्यं प्रस्ति विवास स्था.व्यं प्रस्ति हुंचा हुंच

নাৰ্থ দেবা স্থা প্ৰবিশ্ব নাধী সংস্থা ত্ৰু ক্ৰি ক্ৰেই নাধী প্ৰবিশ্ব নাধী সংস্থা ক্ৰিক ক্ৰি ক্ৰি ক্ৰি ক্ৰি ক্ৰি কৰি কৰিব নাধী সংস্থা কৰে।

त्तर श्र.म.में.तुर त्यारे वर्ष र क्रूर श्रीर में महिर मी की र है के वर्ष शरश में अ.में. पर्या १४७० रेटो हैं. मू. ७८८४ सूर में. येचे. भवे. हर्न मुल से जिला स पुन हरा मु निन पुन पुन से सिन से सिन से सिन स दशः व्याप्ता स्त्रा नीयान है अवेद्या के वृत्या (द्यार नय से देन मा है या द सार् माने श्च.भ.रूभ.तस.रेयट.यश्चेर.चोषट.य.वश्च। रेश.रयश.७७ य.द्रभः नर दें लपु मि सार्टा में क्या मूर अपू रचर पड़े में में में हिए हिं। दे दे सुन्य मार्डमा स्था द्वा सुन्य मार्डमा स्थेद ग्री देनी दिन्न पर मार्द्रेश निर्देश प्रतिशा मिंदा क्षेत्र निर्दा का मादा प्रक्रेश स्पेत्र गा मा न्यः करे तृ यदे हा अदे मानु द्वार ने ने दें ने ने हों ने ने ने का दिका स्टि: क्रि. रेयट. क. वेशवारा हुनी » स्था तर हैं जह सि सामी हुट. पष्टः नश्चिमः राष्ट्रे : नुष्यः शुः वेदः नुष्यः शुः वेदः विवा स्रावे । द्रावेषः यः विशानुद्र। मिर्दा वशानुर मुद्र पहुर पहुर प्रायम मुखा रहा। द्रमा मुद्र । श्चैना विवास पहेंसा वहीं नास मार्थ पर में राज्य प्राप्त होते । *ब्रिं*ट क्षास्त्री सुभानमा भावते भाना सहन दे क्रिंच सुना नहरान ना त्रं वर श्रीमा निरंदर। ये त्र त्र हर दिया मी ये में प्राप्त स्र नहीं ब्रिट-१२ मासर नहीं निष्या श्रुट के । (हैं की) मासर च्रे.की.रहता ५.कर ल्रे.की.क्री.नार्डर रेटिंग की ५.सूर. क्रे.क्ट.<u>पू</u>चा.<u>रटिल.क्</u>ष्र.क्ष्य.चेटक.घट.<u>त</u>्चकट.े.तट.उच्चेश्वरा... सूर्याका-मैलारिय, क्यांका-क्ष्री क्र्य, मिया विश्व सूर्य हैं। सिर्याक्ष भर्तर रचा ला र हु ग्रामार्य र के बिरा सिर्या तर मध्य है र

श्चर्यान्तेर पर्या में श्रूर रिमायकर के वृत्य रहिंग खेल रिटा मैं गरा ब्रूं । स्थर नीरश भूत्रे , इस क्षेत्र मी । मी वश पडिर , वृर । पर पति । मीयाक्यान्नातास्त्राष्ट्रीतायरार्ध्यानम् राष्ट्रीतात्वस्यायानात्वा पवंचस.रच. वृर.में कु. भह्री मूट्.मी.सें.ेश.खे.मीत.हीं वृ. वट.मूँश. सर्वे त्याद न्या प्राप्त र्या र्या र्या प्राप्त प्राप्त सहना न्या मर निवेश मानुद मीश चेर नदार्के र निवेश ने र निवेश मानु है सामा भरे के निकु कि प्रिकेश में प्रिकेश में हिंदू पा क्टा इ तमान प्राचुराय दे सेर विदे दट कु दग खु या वी वर्षर होत र्त्यासाम्बर्गन्ते रहिसाहसामहारामान न मुरा के वा ४११ वर है र्रा नविष्य प्रतानविष्युं में में १००० वर भेगा के नविन पुराना स मी निश्च रिट्मी वर्ग रवर केटल की गर्लेट स नामस मार्व वस मुरामिं पासरे । देर वहें र न्ये रहे अस के के मार्थ सुन् में ने भि में राष्ट्र वर ने के वर ने के वर्ष में वर्ष ने वर्ष किया प्रविता है.श.भश्यश्चर्याच्चर तिमान्त्र विश्वर्ते व्यासिक्ष द्वारा स्त्रे हैं। या सिक्ष विश्वरा सिक्ष विश्वरा सिक्ष विश्वरा सिक्ष विश्वरा सिक्ष के स्त्री सिक्ष के सि ह्याचर नार तक्षका नीना निवेद हर वुर लिया वेद गुर विद्याना विद मीय.ष्ट्राच्यालेमा.ट्रे.जा.इ.एड्रारेट्य.ध्र.परीमा ।रनुबहुर्रा. खे. भूषु भ्री. व्याचेत्राच्या भक्षाचा भ्राप्त भ्राप्त व्याचा व्याच व्याचा व्याचा व्याच व्याचा व्य न्म्ने स्रित्यका निर्मे हिंदा हुर में ह्रें वर ह्यस पन से ह नुर्भवसः त्रं नीजेट वसंमी वना नीस श्रुट स्माश नेम् रेतर श्रुटस मिन देश व्रावर वर वर वेश केन खनशा वृह् न परेन व्रावह वर् भुर् रट.चीचुंश.धु.पेहभ् १वं.लुवं.हेंचश.चे भुर् लाभ.चवं.शु.ह्या... भटात् त्रित्र प्राप्त विष्या प्राप्त मान्य मान्य प्राप्त विष्य

च्र-नःमुल श्रुवे मूंब अनुव वहें ग'वर्दे नुदःव ने हें ना माणेश क यर कु कि अर वर्षेट त. १ श मी अ मी १ मी विट ल सूर भी अह सूची ... ৻য়৾৽য়ৢঢ়য়৻ড়৸৻৸য়ঢ়৻ৼ৸য়৻ড়৸৻৸ড়৻য়ড়৻ড়৻৸ড়৻৸ড়৻য়ড়৻৽ वेर्'कु'र्रार्'र्यर'र्रायक्ष्यप्रेष्ट्रीपर्देर्'खर्मार्रे'खर्मार् मन्त्रिन्यान्यसम्ब्रादित्रार्भिर्यान्यस्त्रेत्। द्वीत्रहरार्द्धरार्द्धरार्व्यावरः इसरासानुदान द्रा सामर्क्ससानु र्द्रन्त्रमासामान्त्रमास्त्रसङ्काः दर्देरमार्यस्यायास्य पुराविदाविदा। कुमारावदाद्वी रहेरे स्राह्य लूर यो.पा.श्रुवे वंश पहें र यात्रा मी वेर्ग वंश पूर्र ने देवर क. लूर् क्या दे . होर होर में . यह . हार सा ने ना रहे । हे स . होन स में है स जार . सरिति लूरे के प्राप्त में प्राप्त निष्य वैदाय है। वृष्य पहित् र्लर परेचा १४७०३ जू. व्रिट्येश झे. शर. रेशची. रेवेट . ख्नी. परेट . प्राणश. रे.लिंग.४-ग्रेंग.कुर्ग.त्.वैटा अंचर्य.र्ज्य.चर्रा.वंद्य.रेकुर.हुर्ज् न्मना नविद्वासर सहसात्यन नुपर्मे कुरे त्यु रामदान प्राप्त विद्वा नीवे : नीवा के सार्था स्थास्त्रका नव रावर्ती द्वासा नव ना नव निवास कर्ता निवास ৾ঀয়৽৴ঀৢ৾ঀ৾৴য়য়৾৸৸৸ঀঀঢ়৾ঀ৾৸৸ৢয়৸ৢঢ়৸ঀৢ৾ৼ৸ঀৢ৾৽৺য়ৢ৾৸৸৾ र्यटाभक्ष्या पर स्मित्रास सिंह्य स्वयं स्य द्वैवाहे सु सर प्रहेर हे विर्पावुद दर केदस स्मान हेना यवना है। अपन्न देर देत्वर में भाषा प्रीमेश हेत्य में भाष्ट्र व्या दे तर में भग्रु.रेश.सैवा.सव.कृटा चयार्य.तेबा.रेटा कूचंश.कुवी झ.उटेश. र्नात.मशिभावनामिट.रभास्या.सन.पर्ने रिट्स.एड्राम.येश.व. # PAN - בי בַל . מא . של מי \$ לשר . על בר . על . מעל . מעל

मयुक्तिना नवना पर रेत्। केटस स्मिना देश सरमक्षमस न्दा। र्हेट नी विन वट इससामसाये र विसादा हैता केटसासना देवे वट र पुरे नाबुदःनी नाप्र तिर्वित्र से र्वे र्वे र्वे र्वे नाम्यान्य न व्य र्वा सुर्य ग्रेट हु दैश भु देर त इंश पर्या लिया कर्र र में रेया ये श्रेट चाट.लट.चाशम.८पूर्अं अंतर्श.क्रे.चीम.मु.वीश.भु.वीर.पर्य.प्रांच्य श्र.ची. यता. गोर् पाश ट्रांश कुटश ल्या. ट्रे. यहाँ ज. पेह्र्या. हुर पंस्ता न्तुव हेवे नमन नस्ट वॅन वर्ष स्तुर नवेब नुर । ने हेब पहचारा केट.चाट.लट.चक्षेत्र.लूर्.च.भ.मूरी ची.येचा.चीर.चीरा. ष्ट्रदश्यामान्त्रेयाच्याचारानुस्य स्थातेनुना वित्तानुस्य हेरा १००७ बट.र वुर हुई छूट मी तुर्च बट हुर मी बचा चार्चेट बस हु वैश विशास द्रुचास हुस नुष्ठेर हुस कु रचा नि मूस सतुद लेग नलग छेट । मूस म्बर् देने पर देवेर वेद की केरस भेग दे निया केर वस भेर पर नरे १ ने वे १ हे ते उद्देश वे व व व त्यार प्रमान के ते दर सक्षा होते ... इस्तर्ता मुक्तः हेते मूक्तासत्त्र दे हिरामान मान स्तर् वर्षे वर्षे म्. भुट्ट . रचट कट्ट द्वेस्थ डिमा क्ष्यं ट्रेश ह्माश नेट। रेर्ड विट. र्नुव हेश हेश स्र्र पद्व प्राप्ट नुश लें पा म देत। भूपरा देर र्मेन्द्राह्र,रेटा इ.श.चेरेश्राह्याचालपुरं वट रेचटानीचाश्राप्योव, यपुर र्स.भैचरा.चेचा.लुसा ०००० ज्.र्डिय.इ.चाडेस.यस.चींस.भवेय. ब्रिमा नविना सन् रह नारेश मार्था में निया है मुका है ने पार्टी नाया हे.च्रीललबुजाव.बेट्टीस्बर्चेटाब.बेची.बचा.चबैटि.बेटीची.बेबालटीचा म्रास्य सम्बद्धाः त्रीसः सम्बद्धाः नाल्यः द्याः क्ष्यः म्राचः त्यायः स्यः ट्के वे खुया न मु मेरायना ये में में में नि निर्म क मह स्ट

बेर्'सर्हेत्र'देशकुराबद्दे हत्रवराहिँदार्थेर् प्राचित्रशताहरी चूंबासवुदान्देबारार्द्धं दे खुरात्तु सेने सुदादार विस्वा नीर्नासाक्षात्रस्यान्देशस्यानानेत्। सुन्दारशामितेरानानेपसु र्दायदे केर हिन रहेर रे गणस्य में मेर यर्दा नहिंद लेग हेत्। नेवै:वन्नेय:रश्रानु:बन्नोस्टा**न्य:अर्न्**यवै:न्कुनकिनानी इति र ते भित्रेर ते वी विद्यारे भारतात्वर माराधराधित यावा देत्। माबुरादे स रूराद्वराष्ट्रिके कुंक इस हुद्दां रू भी ইন্দ্র মুন্র এই ইন্ট্রের ইন্ড্রন 5=1 द्वर वि'रेब य' बर वें बिन दे विंद्र हुंद र्षेद्र य' रेप महिन हुस ब.सूर्.र्टा मि.रचार्यना ०४०० वर मि.पम्रे.प.सू.प.प्रेय.सूर्यासा यदे हिन देश है। केंद्र केंचा रहेश हमा है विहारे के बाज गाए। 5 र्राक्षेत्रक्षित्राचेद्रे नेद्रे देवायह्व नाता भरायुदा भेदी सामा है त वर द्वा क्षेत्र में प्रतिमान ने दुर मेर स्त्रा अम्बर् ने स्त्रे क्ष ५८१ मर् इ में स्मित्यर मु प्रमेशन दे हुर मेर हिरा दे द सिर पर सुनिक्ष मु तर्वे भाव है र या सर वि वुर प्येर या रे किंर खुव सुनिका यदै से किन वेंन क्षाने देव हुर हिन अदे राज्यात वेट। देवैश हसायहत में में नेंद्र पर मु मर्डन निहेन है। निहे हैं मेंद्र निहेन निह ब्दस येम्स चें भेर् य रे र केंद्र भन् नासर य रे स ने रे सेर स्वयः उ.स्या चेर् याचे चुयासे त्युर हेर् र्वे रहेश देर् याचरणर" तम्रियान नेत्रमु दे प्रविना पारेता म्यू सक्ता नहिना ही व्या सदे केदस ल्मनान्दरम् । नाकेश्वरमानाकेश्वरम् नान्द्रम् नानुदर्भेशः मल्या यद्रा महास्यायकी विद्राह्य वरमी द्रीद्राम्बुर मोश्रामल्या **ব**ম দেই য়'ব্যব্যস্ত রু ট্রিদ শ্বেদমানামম দ্রিনাম সমুদ্র দে মইবা **५**८१ वेर्-रवर पर सुनिक कु त्रवेषाय रे खोट यह दट यह कु नार बटानाबमार्द्रनाबाचुन नार्योटाद्रनीबा नाटाबुमालटा केटबालेना न्यायार् र विर्द्रात्या कु र्यायार्थेयाय्याया स्वायार्थेर्या स्वर इतर चेंद्र वस कु वना ने सुद्र हं रव जेर देश देश होत देंद्र खेंद्र या म रे**रा ५** ५३४:३:अ.स.५३४:५४:५४:५५४:५५४:६४:५५४:५५४ <u>त्र्राप्तामी या मेरियर पीरा भिष्यामे लार्</u>या या या ही प्रवासी स्राप्ता पीरा हुनामा वैदान रेटा। रेट्डिश हा खेराल ने हिमान रेटा लाखेर हिनास स धुरायराची. भुराचारार्ट्री अंसाम्बनायारुरी वास्तुराकुटसास्त्रेना विद्या नेर पहेत्र कु रमा मेशन्त्रीय हि नदा स्र स्यान् मोस्य स्र विना ल्रि.मी.मीश.च्र.पायद्ये विहास.देश.ने। ट्रेंप्यं में मालट वश्चर व्यस्ययस नावर दर्ग्स हुर विरा वेरस दरेर कु नार दु रिने १ हरे सुर हुन देन स्वयाय रेता १००० के सेर नमन निहा क्षेत्रर तिर्देर ग्रीटा अश् हिंदे मिल रूप्त सहन दिन्स हेर प्लेर हुटा १०० व्यक्ति वनानु द्वायना कुर हे चेत् वर मे कु के व न्युर प्रान्य हैं दे र्नोस मिन हर रे कु रमन रमन रचेंद्र हैं र दर द्रार पर केन विटा व्यापट ल्यान्य त्यामान स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप में किया सवर श्चित वर्ट हे वें र्रा रात्या रात्या वर्ट स्मर ...

मुर्यारेता १६०१ दस १८० सरमु दसर हैस दि वरावह द पहुंसासानुकानरानुकार्या। मुल्काक्षरास्यान्त्रीवरान्याकास्या स्र्यालरामुरी मी.भूषु । नदीरारेभनी भवर मि. १ १ १ ४ व मा. १ १ १ १ १ सन्तुःनार दशःसुराबेनशः कुसःचें द्राप्ते प्रताप्तर प्रतापत करि मुलाम्य हेना क्रियाय में स्वर्थ महायाय हुना स्वर्थ । स्वर्थ कर्मा अपिक दे व्य हर मि अनार्या महर्राम् दायद्वेया स्रायका श्रामीय मना स्थापिया वर्षा राज्या दुन्-तिरामर मिन् ह्रिया हु सेशाह्म परिन् सेर इस हे न सि प्या हर विन्तु भीनाक वन्य नियम समित्या सम्बद्धार मुख रव् (म्रीनरन्भिः प्रदेशहाक देशमास्यसम्बर्धानादि स्टानेस शर्षेत्रात्यम् है तस्य विश्वास्य वर्षेत्रास्त्र स्वास्त्रा है दुर विन् नुभर भन्दर र स्वर्ष र भिन्य हो । । स्वय यहूर हुबार दे <u>ইঅস্থাৰ্ম্ব্ৰমণ্ব্ৰাউন্মাৰ্থমিশ্ৰী (বলজ্বানীস্থাৰুল</u> महिनास्तर स्रिन्धरमानेर खेरात्राचा । वर स्रवसास मिनान्य कुरश्राक्षत्राचाराभ्यायवनाचरायहेराराष्ट्र हे र्रेट्यार् राम्ची पदा <u>रवटार्यायव्याने हिंदा खंद्रमा क्रिये नामका स्टूट्या स्ट्रास्य स्ट्रास्य</u> इरामपुरायारेदा २०१३ इरामा १ देश दे और भेगदीन सामाज तित्यार्ष्यराहेन्यू प्रदाः। कुष्मेत्रे सुरहंपामेनायदे हें वायपूरा र्वृक्ष्ट्रसार्य्रायश्चितायुष्। श्चिष्ठायायश्चर्यायकृतायुक्ति। वंशासहतात्रह्संशाग्नीशात्तेवी, इटामी, यर्चे राष्ट्रेशाह्रेशास्त्रामी, वियो वर्जेशनानेते वरान्ते वर्षा देते के के रामे में किर्या की वर्षा वर्षा मि.श्रर वर्द वर मी.रर रेवर रेज्र अंदिय ल प्रतर वर्षे व विश्व पर्वे । मु दना अ . क्व. दस में स म्युद दे ते वि में मर निय ते द नुय गुर दे ...

हुस्र मु द्वा मित्र मेर मेर देवास तम्दि मु से से देवा महित स्वरा वेद् 'द्वैद'म्किस'द्रस' सेट'६मास' वर्गेद् 'हेट'। कवस'हेमा खर रू नाश्रयः पश्चीताश्वः भी का ना क्ष्मा प्रश्चेशः सः देरः मु द्रमा द्रशः के द्रशः सः भैना-देर-सेट-इर-स-वर्गेद्-पर-देवे-दट-नास्वय-कु-दना-मी-वर्ष-घटः । मीस स्नेट द्वास वर्णे द से द स्वयं द्विसस सिमास स्वा वस मु वना मी मिर्मा शुः दुन्यने निरमः श्चेतानार प्यर प्रेन्य मन्ते देव दे:खर:वर्राकुंद:५दे:क्रॅर:ब्रोट:क्रॅय:द**म**:वुट:य:कुंक्रिय:वॅर ५दे:कुं: दनानी क नश नी ना भेद रहिया नहें द ग्री भंद ग्री मा नंद द द मा सेदे रियमा अपन्य च्रिन विश्व में नियम के नि पत् अपसा शुः भर वर्षे पर ना वसा शुः पर्र हो। वर्ष प्रमु ना नार दशः मु दना पु दशना समि वे स्था सु द निर्देश स्व स सु स सु स स स प'म'रेद्। दुस्नाभ्रवस'देर'वहंम'त्रीट'क्षेर'वेद्'सेवै'रट'द्वट'रट' मद्रिनिद्रशःश्चेतः चुर्-पद्रः तकामाः नुनाका के स्वरु मिद्रशः के स्वरु मिद्रशः स्वरु मिद्रशः स्वरु मिद्रशः स्वरु **अवसः देर** दे विद्रः विवादेशः वर की द्रविश्वादः सुरा अर्थेदः की व्येदे ... न्त्रम वित्रणुट स्नित्र रे कुयामन मित्र न्ना मी केर स्टर स्य मिट **ૄર્જ્સ-માનુસ-**સુદ્રસ-દ્રે-૬ના-મિસ-એન-કોન-જી-પ્રાંતુ-પાને-સ્તિક્સ-સુત-કુદ-नर्मान्तर्वरात्रा हिंग्यर १०५० यर देव हे स्रराखेर पायदेखेल मिना मी मुं द्वन हैं हिं न १ १ भेनस नें र गु मुं दव कुर है। वें र गु । मुल-दर लट.मुल-प्रवानियानी मुल-दर दर माज्या दुर्वा ल्र्नियान्ता व्याप्ताने के वे क्रिंग्स्य स्था मार हिन क्रिंग्स्य स्था

चर्सेर्थान्यात्रिक्ते स्वास्त्रात्र स्वास्त्र स्वास्त्र

क्यन्तरावरात्रात्वर के क्या स्थानिक क्षा स्यानिक क्षा स्थानिक क्षा स्थानिक क्षा स्थानिक क्षा स्थानिक क्षा स्

द्वेमान्हे। मुप्तमानुरा-पुनाराके विद्या वेदासुरा-पुनारा वर्षा नर्-देशः अपसारेचेरः पेशः ताकीः स्रशः त्र्रे देशः देशः वेशः पद्रः र्भाष्ट्रसम्बद्धः चुद्दान्तः चर्रेत्रः त्रेत्रेत्रः त्रेत्रः त्रेत्रः त्रेत्रः त्रेत्रः त्रेत्रः त्रेत्रः त्रे बटायरेशत् वृत्रवामी बचारी त्वर्रात्रहा निशास कटा मैं भ्रमाच्रीनुन्नान्त्रे काप्यस्परित्यम् मह्रीयार्वस्यस्य मिटशासिट, यटा त्राट अटी ७७०४ वया व्याटवी, ७७०० जू. यर पूर्ट तथा मुयानव निवर्तना भे वे रे ट्रिंग रें ब मु रहार हरा रहा पर विवर्ग या ... लूट्य.श्र.श्रे.सेंट.कुटा। ड्रियश.पीचाश.मी.चार्यहर्षा.मीट. ४७३४ थट. . र्ष्य्र यादे रावि । याद्र याद्र । मान्य स्ट्र यादे द्रमा ता हे कर मिता है । विषय रे सम्बाध के लिया प्राप्त मान्युन लिया बन ... विशाल्ट्राचार्टी स्थानी भर्ते व्याविश्व साम्री पर वित्रास्त्रा स्थान ब्रिटाझ (न्यूनाबाड्या के दूर्यावाया देव। १०४० व्यूटायर प्रदेवका पुरा मर्दे च्रेर्-र्टाष्ट्रियश्चित्रश्चेर-वर्क्षर्रेर्-रेवःस्रुस-द्वेयःकुयःकुयःक्रेर-श्रुद्धान्त्रदेते वरहान्यस्य रहेर्त्व। १०१२ वर मु संस्वर सुर वित्रभ्रवसः वित्रणे नावसः स्ट्राच दे निर्देश दे र में पर दिवर रहा वहनः । क्रोरेनर ट्रापेहरे वेश क्र्ये । विषय तिर्था के वृत्ते दश किर में बन विद्यमिन्नियां के द्याया बदायते के अर्वन वृष्य पुना वा उन स्पेद मन्त्र। देन महेत्र १००० -१००१ मु मानस्य द्धारा देन नोस चेन बु-र्ट्य-र्व-रटा हिम्ब-तिन्य-पिश्चापे, सून्विक्य-मी. वेनामय. ज्याशासी र द्वार र त्यद्व में मुराय के ना अर त्यसे र में त्राप्त ना कुश्रक्षेत्रं श्रुटः विश्वः प्रदेगी

मेतु सूर्या पर्वतः तह्या वित्रास्त्रा

श्रु-, चक्रे. खुंच. खु

सुरी।

चूर.कू.क्ट.थब.रेच.तू ठु.लब.र्रें चेट.लट.रेब.ल्रं.त.

चश्चिम.ची.चेर्ट्चेय.हुं .चूंट् ! जट.रेब.चूंच.रेच.रेल.रे.ल्ट.च.....

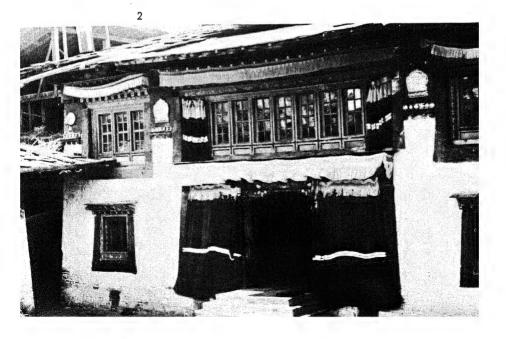
चश्चिम.ची.चंर.ची.चेर्ट्चेय.हुं ! जट.रेब.चूंच.रेल.रे.ल्ट.च.....

चश्चिम.ची.चंर.ची.चेर्ट्चेय.हुं ! जट.रेब.चूंच.रेल.रे.ल्ट.च..... च्यावेश.चंर्च्चांच्ट.चंश्चिम.ठी.दुंचेटा। चथिर.चंश्चम.ची.रेट.व्य. स्वम.चंर.चंट्चेय.चंटा। ट.कूं ठु.चवेट.व्य.चेट.पंट्चेर.लब.मा.स्री. स्वम.चंर.चंर.वट.सुं.चोण.मु.ऱ्चंच.व्य.चेर.व्य.च्या.च्या.ची.कं.व्र. चूंच.क्य.पंचा.चूंचा.चंरा.वंया.चंया.चेर.वंया.चा.चा.चं.चे.कं.व्र. चूंच.क्य.पंचा.च्या.चंया.वंया.चंया.चेर.हुंच्या.च.च्या.चा.चा.चं.व्य.च्या.च्या.चे.कं.व्य.च्या.च्या.चेर.लं.चेर.लं.च

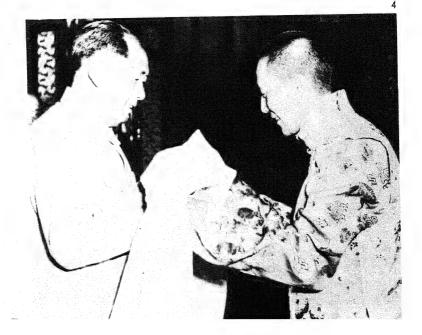
मानाश्वरात्त्रभेत्त्वी प्रत्तात्त्री।

यात्ता विद्ध्यात् क्ष्यं त्यात्त्री विद्या क्ष्यं विद्या क्षयं विद्या क्ष्यं विद्या क्ष्यं विद्या क्ष्यं विद्या क्षयं विद्या विद्या क्षयं विद्या विद्या क्षयं विद्या क्षयं विद्या व















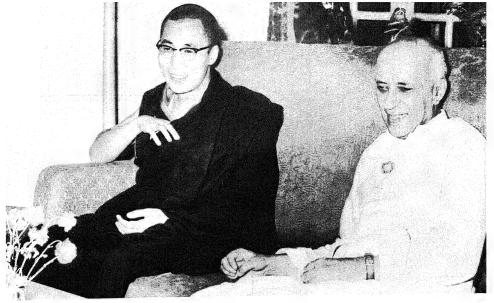


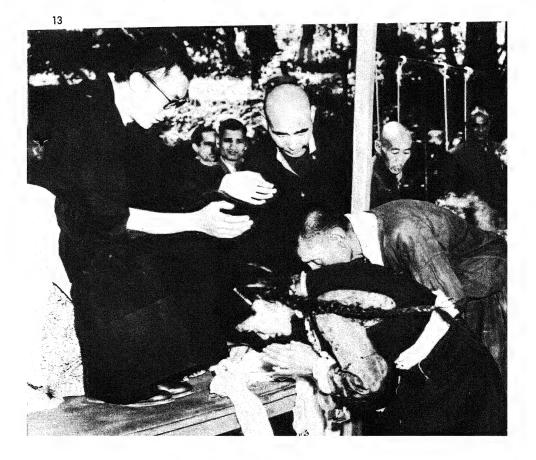












कामारी 3/14/941 विष्टिए **के** 2646 大(也の(美のいてあく(れの) givi कोत्वर्गिका 5 (2) (Little mauto をきて Minister 6120 न्द्र । बिलाएप(६) glimmi न्य प्र JIPVE 500 ٢٥٢١٥١١ छ। ५। १। था

क्षेत्र.वे.पवेत्र.केर.क्ष्य.वचा.चब्द.ट्री टिवेब.इ.ट्रेटा क्य.ट्री की.चोटा यता.सीता.यवश्व.तर.रूत्राश्व.रथ.वी.वसीता.कुर.सी.क्व.कूत्राश्चाराची... चढ़ी चर्सेश हुन सि. १५८ १ . में सार्थ सार्च में मार मिया है है . मिलिट त्यादा के वे प्रदार प्रदार प्रदाय के वा भी स्थाप हो है । वा प्रदार के वा प्रदार के वा प्रदार के वा प्रदार . क्षेत्र महिंदा महिंदा <mark>महिंदा महिंदा महिं</mark> लय अर्वेर अर्म । रिवेशमानु । वस्य मानु नार ल र र वस व स्थूर होर होर पर परेत्र वेंद् कु सारुद स्वास प्रवस द्वास र मास रस होद वंतरा नेपात सार्व में दें ने के किंद में के सार्थ में के मार्थ में मार्थ मह्री क्षारी निवानका मिरायर पर्ने नवा सुनिवा समुद्रा निवाने टार्क्ट दे सुरक्षर दायो र वस मे भे भे भे भी वि भार भावेट वस टार्क्टर ध्रुंच र्रे ब विश्वानीश्राप्ती वि. चीर निविद्य विश्वार्यने सुर्वे रूपीश रशः ही . भु वियाता योश मात्र तहर्ताता ना भक्ष में कर प्रविद्या है। देवीयो वयश्यात्मात्मेर पर १२००० क्षेत्र त्यारे के दशारे र हा नहेर मीका ले ज्यारा चित्राच प्रमात्रा क्षेत्रा चर्हेद् प्रमात्रा द्वा दे दे का वृत्रा दा क्षेत्र चाहिता खुर । मावसाया वेस हे ग्रायुट्या

लिम् क्ट. भारीय क्षेत्रा यहूरे त्यरायहेरे से मि होम जून ने से ने से से मिन् क्षा प्राप्त क्षेत्रा कष्त्र क्षेत्रा क्षेत्र क्षेत्रा क्षेत्र क्षेत्र

 こるまでは、
 これでは、
 <

द्यानुं न्यानु स्थान्त । क्यान् ते न्यानु द्यानु न्यानु स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

भ्रमम् स्टार्च सर्वे सुर व्याप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत

त्र. पर सुनाम सामा क्या द्वा हा देना हन भी दे हु सूना त्र दे होता.

लूट,श्रेचस.झ.सर.चूर.चीबेट,वस.झे.रेट.। चि.स.कु.चिना.कूर.धूंच. हूं र बिश है। मूर हू द नश्चर प्रेर जय हूं र मुक्स नार प्राप्त च्रं कु. तना १. दवर स्व. वस. वहूर , देर्च्स. वहूर , वैर. विर. वि. से स्व. सि. पश्चिम: दे. केंद्र: चेंक. वे. लटा। अपक. देर. ट. जू. पक. चेंचे <u>बुटा क्ष्याकु सूच माने र व मैं अटा स्वायस्य प्रत्रायामा वहंसा</u> मुट्ट, ची. चोषसाक्त. पुंसामी कट्ट, खुटा। सुर्ट्र, ची. अससाब्र : चीटा लट सेरी हेर वहेर ट्र हेन सर वगद वन व जुन द्वट मेंट मश्रास्त्र मिष्ट्रिश्रात्माद्रायलेशान्नाद्रायः वर्षेत्रायः प्रेत्रायः प्रतेत्रायः यहेत्र'र के.जू. व.कट. यस प्रमार प्रमार का विया क्षेत्र यहूर या लेवा है. लर्ने म्च साम्नु में हो से से ते दिनर मुन हव में दुस खुर है हार्वे र हा क्ष् पु.चविट.चु.क्रय.होट.क्ष्यकान्यकाक्षाक्षिय.लूट्.च.रट.। स्वर्.जू. व छट अपन्य टा क्रू ते निवेट वट भागवित नाग्न निवस क्षा मैंट बुटा क्य.शुर्-श्रुट-इंटस.मिट-३मस.सीर-मिट-१.भु.सम.कु.चस.टचीर.... नवर भागाम् भाष्यम् द्वेन पर्वे नुसानिन नु द्वेवस स्प्री न क नह न पहिंताची हे बर्रा हु ते हिन प्रमान है ते हिन प्रमान है ता स्वार स्वार स्वार है र याद्वरायान्या अयाकी करामशान्या मान्या देता अया है। स्वार्ध मा स्य द्या में केंग हिंस पर पहेंच केंग से केंग केंग से हा मानि ने में दे तर्व साक्षा के वे वे सामुन में वे ने साम पर परे वे ८.९ ४ .मीज. रतस. ४८.मी.चोरस. १०.३५.८चीय. २४.८ .४२५ . अंतर. रदः में त्याव त्यार दिदः दृष्य स्तर स्वरं यद्या वयस स सुदः हिदः। वंर ज. र.कट, टे. लुर, मेटा कट, टेंट्र, टेंश, श्रेंचंश रे. सेंच प्रसेंट, स्मी रर. ट्र्स. वंस. चोट. सैच. ग्रीस. रट. चो. खट. राजु, जंजी व्याचित हो च

विनास द्व मी मु दसर मी नि ल मुरे चते विना र विनर दे में नालेट र्टानरमाये र्वोश मुट्। युनाम स्था स्र में अर्दर ही सर्दर ही स्वार विभारे देवत. क. क्रांस में स्था स्थानी भारत स्था विभार होता पर्मेचीया मुक्षार्वद् वर वर्डे व पार्थेद् कंद् ब्रिंद् वर्षेया रहाद्वर द्वार व प्रवा श्रेयका उर्दर स्वराची मान्ने राज्य स्वरा स्वरास्त्र स्वरास्त्र स्वरास्त्र स्वरास् ह्यानिक्ट. रे. सुरक्षा क्षे. कु. कुर्ड स्टान्ट ह्या हिंद स्थापन ह्या निव्ह स्थापन ह्या निव्ह स्थापन चित्रादेर उटा गो पदे नाबुदा मी ही 'छिन' साह्य स्वर नी 'द्यदा का प्रेर वंदर। मुद्रामधरायामुद्रमरामु द्वराद्वमा वर्षेरावाम् हेर् रटार स्मा कर मी नावल द्वार मिडिना नार्रेन सार देवे वट मी नसर द्वेश नहें निस्तर है। द द्वेश से सद हिंद च नदा द्वेश नहें ৼৼ৻ৼ৾ঀৼ৻য়ৄ৾ৼ৾৽ড়ৢৼ৾৻ড়৻য়৻য়ৢ৾ৼৼ৻ড়ড়ঀ৻ঀ৾৾ড়য়৻য়ৢ৾৻ৼঀৼ৻ড়৻৸ড়ৼ৽৻ म दर्। रह हैर बुर बुर सम्म मह र लेना है प्रमर में दे के हैं र हूं र हैं र श. भवेर र ने सार र स्थार है । अधर में अभ हिर ल नहें र देन हैं। नेर्ने ने ने के लेखा ने ने हैं र हैं के ने र लेखा <u> इचायाचित्या हे चूर्तिन संदेश इट अचाया श्रामच्चित्र में त्यारा श</u>ासना मह्रे. हुए। डे.वस.ह्रा.झ.सर.मे.रेथर.में.से.क्व.झ.क्व.चर.चरेट.हु टर्फ. में बेर. में देशर. में देशर. में स्वीत के कि हैं हैं कि हैं हैं वसुभ हेर दर्नेश सत्नास निन्न । नाम हेर विंद दस पर दर्र हैं त्याच ४ मेर् में मेर मेर मर् च लेग हैं र मुके राम्य येय प्रमा र ने तर मिंद नीस दें दिर अद से दे पहुँ , अद् , यह रें , यह ते , यह

मुक्ष व र श्रेमा केव र भेर पर र मर्घर मा मा मा मी मी मिरी प्रकर रेव रहेका वंतरं व्यवहर् निर्मास्य विदेशमी यस त्यात्यात्र स्वर् वाया स्वर् ने ने व्या क्रसःसबुद्दानुत्रात्वाद्धसायत्ना ।देसानुःसदीःस्वाद्वाःदसःवरःदेः झ सर दर्वेर हैं सं की सेदी है र सि है जिर है कि नी समान श्रद मी वन्न । स्रवसानेर वन ने ने पन पन वर्ष सहस्र होना मीत क्र्याश शि अंश तर्य सीता होर्. प्रतार प्रथम तर्या होता थरू. लकार्द्र है कु नार कु ह्यून हेर हेर है स्तार मुनिका धनका है कु रहा मि.श. वश.मोत्र. 'तेचीताहा कुर. भान्येरा मु. (कु.पर्जेश.ल्ट. बनश. वश. ब क्षेत्र है। कव सर् वे नसन निर्मान है। वना नीविर व प्यानी संदर्भति दर्भ दर्भात्र सार्श्वर संदर्भत्र कुष्मा द्वर था एमुलातमार्ह्याम् स्पूर्वात्या । र.क.स्यारायमायायाया तर यहे १ र ८ र छ , रवर किर की अहर सेंचिश ए मेल लग न न र कु... यश्चर मोर्स होर पर्रेर स्पर् समाय पर्रा मेर् र समा प्रहेष यह है सार क्षसः क्षेर पत्रे र न्त्रेस सन्दर्भ महित्य भी।

अन्याने न्यान्ते स्थाने क्षेत्र क्षेत

भ.वैट.च.लटा वर्गान.चेचा.वंश.चह्र्ट.वंब.कु.वट.चंद्रेव.भंधर.वेचा. चिंदः क्रू तु. दु. तुर्दूरं ता ३४ . तुर्हूची चिंता या ली वा चरा क्षेत्रा सी वदा सी वदा सी वदा सी वदा सी वदा सी लट.लट.लूट.ची.लूट.च। रेन्ट्.च। टक्.रट.चढ्री.ची.चश्रम.थ्रैज. ल.ट्र-रह.च.चे.चे.चे.चा चेनास.चह. बचा क्षात्राची के सह ल.ट्राच्या र हेर.ह.तर.वै:.१८.४८.मी.वर्ग्स्यत.भक्षेत्र.वे.ह्य.तर्ट्र.ल्र्.विटा त्र से क्ष्य ने तप्त सं मद से से से ते व ने से कुर पहें बिटा दरा रट.हेर.ज.श्रीट.श्रेच.वेर.वेर.चश्रा.च.जश्र.क्ष.क्षेची.च.श्र.भट.वश्र. विस.चेटा भ.च्रेर.च्रट्.ह्रेर.ह्रेर.च्रेस.चर्ड्र.च्रेड्च.ह्रंच. श्चित्रहारम्या विसादा। महिनाहिल्लासम्बद्धारम् श्चर द्वा मिट प्रामुर्ग मिट मोड्स मान्यर क. इट स हिंद हे त्या र वितर अक्षेत्र ने ने ने नहन होंने नित्र नाय के ते हैं के ने में हैं हमारास महिन्द्रास्त्रास्त्रः समुद्रासः द्रमेह्राः बेह्राः स्ट्रासः सम्बन्धः सः स्वत पश्चे.स्ट्राम् क्षेत्राचर् र पहिलाक्षेत्रराट तर्ज स्था हे से वर्षा हेर कु अहूर स्वीता रेश चोल र रेट ज स्वर ता चार र चे सार हुई ... क्ष् द्र. प्रसम् क्ष्या क्षेत्र. स्रोतेन द्राया स्ताना निह प्रक्रम् के.स.चेस.पंचस.जिंद्स.श्री.परेट.कु.जु.ट्चीप्र.इट.प्वेची.त.... देश.सवर.ट.कूर.ट्रांस.सच्.कुर.त्.वैट.। स्ट्रेस.एवेंन.क्ये.कूर्यंत. कूर्यास. कुरे. रेस. चूरे. ट्रेंड. श्रेंड. चूर्या होर. कु. चुर. पर्य. प्राचेश. ख्रेंच. हीर्य. बुना में व्याप्त में प्राप्त में में स्थानी मार्थ से गुरा संभाग से से से प्राप्त से म्य द्वाया वे नर्व नर्व नाव नावस खोता है वर छी देश हैर नहीं जूर

स्ता स्त्री विष्ट्र स्त्री स्वर्ण स्वर्ण स्त्री स्वर्ण स्

माठ्या सर्भे स्वयं के राद्य स्वरं स

मिर सुर् क्रि. क्

र्स.लेर.इट.व्रु.इस.च्रूट.क्रु.सर.वेर.ज्या.इर.वस.स.... मर्निम्याट क्रिंश मिंट क्रिंश है नुसालिय माया नेस हेन्या सामुट लेट । श्रेयस.र्रेर.चिट.क्र्स.क्षेत्र.क्रेट.बि.चाराजा चिट.क्र्.पेव्रेट.चेर्ट.के.वची. सर मु मेदे मु दंव दें हें मुंद चुय खनाया दें नय दिन सर दें र १९ मा से दे सु द्वा नहें ने द्वा देव देव पढ़ वित् पदे में वा स्मुद् बुर चुरा भूम, हूर ताम हेर मट म् नर्बेर चेरा चूट। ट कू ह से द्यः द्वार् संत्र रटः वद्यं प्येषं तिवाशः वहूरं हे विदशः श्रेणः सटः वृत्यसः ल्ट्.योटा ची.भुस.ट्.हॅट. ६भ.लट.भ.चेंस.तर.भव८.भर.ची.भुस. वडः वर्डस' ग्रैस मूँ स'सबुद डिर दीस दें द' कर पाउ वर्ष पर्न पाद वर्ष पाद पाद वर्ष वर्तेष हे हे झेना होत प्रवस्य सेन पति दस्य तमुर पर्व हरा हे त्यार हैं ते सु दव हैं स वसमा वहर वहें के या दा। वर्जे वहें स हो द स वड्ना पर हुन्। मिट हूर रथप रववया रटा कून के वहूरी मिट कू ए जिस सूच जिप र पहुंची स र्वर मधीय। चूरे भा भर हूच रे जिस इना मुनासके इनार्ने मुरे क्यारमुर मंद्र ने दर्ग ने ल.ट्रे.श्रॅर.वुर.टे.चड्या.श्रु.पर्या

मृत् स्रं ने ने ते भाम र भ ने द. से यश भवर ने यह भवे र ले वा निहार्ष्ट्र स्त्रीय स्त्

म्नी स्वाप्त निर्मेश निर्मेश निर्मेश निर्मेश मित्र मि

द्यान देश प्रमान क्षेत्र प्रमान क्

ष्ट्रभः सहित्कृतः॥ स्त्रीं त्रां कृत्वाक्षे स्वर्धे कृत्ये व्यां कृत्ये व्यां कृत्ये व्यां क्षेत्रः स्वर्धे कृत्ये व्यां कृत्ये कृत्ये व्यां कृत्ये कृत्ये व्यां कृत्ये कृत्ये

न्त्रान्तर, तर्ने के ज्ञान कर्ति क्रान्य क्रान्त क्रान क्रान क्रान क्रान्त क्रान क्रान

म्. के. तम्राची अप नं वार्ष क्षण नं स्वा क्षण नं स्वा क्षण वार्ष वार वार्ष वा

मिट दूस नगेर्न पर में स अविय मी पहरा अनिश कूर सूर नियंश कूट. नदे रे न ने दे के लिया प्येषा में सम्बद्ध स्था से द दे मारा नियं है स र्रामिन पार्के में मुं कंप केंब्र मुंदा प्रमेन पर्वा पर्वे र परवे र पर्वे र पर्वे र परवे र र्भना र्वेड्यम् इर छर है। शर्र में क्वर वर्षेश्वर व्यामाया है। मूट. चूरे. चर. चक्री. वस. भूरे. चर. मी. चर. चक्री. लूट. मी. लूरे. च. रूरी अनम् देर वर वूर् की मामक्षमं वट में भूट छट हिट । में भू में मर दि वर् की माबुद प्रमामर कर् सूर्यस मिंद वर् सर वीसस या भेदे दमन द्वर दम। दमन द्वर न्वर न्वर मा अवेट खेट भेद गुट र्भनासः नस्यः सर्वेटः तर्हेर्-माटः स्यटः सेर। ्मिटः मीसः सहतः नहेः र्टः र्या तील मी देश प्रीय है पर्य लेगा हुन मी लेव ता लट सेश ग्रीट कूरे. द्यना न्यात य हिना हेता मुझ अबुद देर औट देना स न्याद हिस दि बिवशारियार निवात निवाणी प्रथम क्षिया या परेष त् व व व व व के मिन मेर्पारम् मारार् के वार्यमायायायायाया सम्माति । रे मेरासवार्वत म् तर्रेर मिट हूर भट त् वेश्वास्त्र रेथमी रेव्यू है स उद्देश पर म्नेन हूर ग्रेश सिंह नी देश विचीर ता परेचा रेशर होर की विश स्दर्दे के के स्ट्रिंग प्रतिन कु प्रत्य प्रति स्ट्रिंग कि स्ट्रिंग कट. बुचा. में . मुद्दा प्रायहका प्रस्त . चुट . चुच चुच . भ्रेभ.मी.सून्। वकार्यंट मैंकु तट्ट्राय वेका केवकात्ट्र जिनास जानारेव मर्वे.रमर.स्चांत्र.ग्रे.रेपांठे.रपांत्र.त.स्त.क्टे.क्ट.सर.र्बेट्.स्नेचांत्र. म् मुन्य ने म् मुनय ने मिर्द्र त्र विन स्पर् से द्रा स

सन्तर्भातम्। दे दुस्यस्य ह्रियः हे तुरः द्वां से तिनुनागुरा ८ कें दे द्वेंद रे न्य मुंद क्य द्वर सेर मुंद य कें दे हिंद दु मुंचेंस वुट सर्नेन निया जीन लु है ह्वीन उद मुंद मर्द से स्थाय मादन सेन है मु नासुमान नुमा । मे स्यापा ने प्रांत मे समस ने स्र प्रांत मु स्रे प्रांत । दरा नदर सेर दे नशस दुवार सालिन रेप वेद मुहा विहार है न्निरं वट स्वर में स्ट्रिंग सर तिम् स्माप्ति नमन द्वर दे सहत पहेते. इस.एसीर.वर.भु.कृरे.त्र.५%भस.८८.देश.एसीर.धर.त.ध्रेम.८२म। भ्रे.मालव.मार्केश.वे.मिट्नमी.र्ममश.२८.भेट.महिन्नही मिट्नीयम्पर्स. हैं दित्ती तानी बिना सैंट वैतानय वित्यम् स्वेश सरीय की यहूर क्रमा कर सुस म् इ.मैजानम. मिम.क्ट. १३१ म् इ. थर. रे. जूना मैं. शूना स. रिट्र परेनी. डिटा वहूर हैन रे लरे नुस्र दस से पर्रे रा देना स्पर्ध सर वहूर दे.चर्चेर.वंश.योट.दुर्चेत.लट.चस्चेर.बुर.ची.परेंचे ।स्ट्रि.ज.सम्पेंव्ह. मरेटा टाकू पुंजामसामी मार्बा क्षेत्र भागेशासर नहें भीतर लूट् वे महा तस्ति है महित सर्वेश के महिन मिर्ट हैन महिर ने हरी हिंद क्षे.अर. ५ में २ श्र. में ७ में ने में ने मार्च र ट. चै ट. भ्र. ५ टे ने । सिंट. ज. में भर्जेष्.कं.वेट कुं.जुब्.चोट.बच.बे.ट्र्स्य.वंब.वंबाच्याव.तेचा.वे.काटचाक न.केर.प्राप्तप्राम् भारत्यां मार्थे स्त्री स नशुःलु मानदः नगानः ह्यूरः नाष्ट्रेशः दूरः ह्योटः नन्तारः ने रेषु र ह्यून । सुः केदः ह्यूनः **बुर्-८८। यम्पर-पेन-४४। मूर्-ल-मेश्ल-हुर्-सिन-४-रेन-मे-मे-हुन** दे क्रुमान्द्र पर्देशिवस्य साचुदा चर कुर्याप्तव होते विवासी क्षुक्ता " तार्द्शायते मु क्षेनाम दुर विशानहिताम देता ने नामहे वार के वार्षा **यत् प्र**बृद् क्रूट क्रूट क्रुट मान्य र दुल दे क्रेट पा ने य देना य कुर ।

त्नाराह्म व. बंचन वर्षे त्या प्रतिर केष वर्षे र वेष व्याप्त वर्षे व नदः अदः विद्वा देन विद्या मिल्या मिल् दंशामेर तेना असरा महेर मिंदिर ने जिसे हमाशास्त्र प्रवर दंशका गुँ देश मिंदास्य वर्षप्रा सर मिंदास्य प्राह्म प्रस्थ देश देश स मोबरायान्त्री मोटा सदार रहेका मार्थिका व्याप्त कर है यह है है हैं हैं ह्मान । खानेहरे ने तमान । यह । सन माने विकार । हम हमा बुधायकेन्त्र सर्वे अत्युर हुन तु वे रक्ष व सुन र्वे रक्ष इर्रान्स इन्स्मायर्नेन्येयसस्यासहस्य सेन्यहर्साहर त्र्रे हिंद्र नार रहे देशकार्य देश हैं यो प्रायम । विवाद रहे हैं मर्भ्यानुपर्वेर्षेर्वायान्ययास्य वृष्टायाः । हेर्प्यस्यायाः प्या स्रीयमारेत बीत्यत्वित्यस्यक्त्रे स्थाने स्टिह्न वर्षे दे वसमान्दर प्रावाप्ता नाप्रावारीयात्राहरी हिंदा हिन्द्रीयामान् क्षेत्रपति हिन्सरानु स्ट्रीत । वहुर्योत् सार्वेर दर्भा र **ब्रुंभानिह्नामाण्याम ब्रुंभाग्नमानुक्रमानु** राष्ट्रीसामानुसम्बर्धाना । द्यात्रा महार विद्या क्या है। विद्यार प्राप्त में पहला करिया रेसरी नेत्र क्रामहर्तित हर्मातन प्रश्व कर्र संस्ट्रा

स्त्राधीयरामरास्यकामान्त्री हिर्देश स्त्रित्रिक्षा स्त्राधीयका विद्याप्त स्त्राधीयका स्त्

म्ट्रान्त्रस्य चर्ट् द्रान्त्रीय स्वार्थिय विकास स्वार्थिय स्वर्थिय स्वार्थिय स्वर्थिय स्वार्थिय स्वार्थिय स्वार्थिय स्वार्थि

म्नीसानहर्ने मिट हुं हिरे रहा हु ते महानाने हुं होता साम हुं तर्मा हुं र स्था हुं र स्थ

बहुर शक्ष ग्रेटा टे.बर रूपिश रमः चेट लट नेश मासूट तमः नरी विरास्टा अंश्वरी टाष्ट्र प्राया होते हुन श्वर श्वर प्रायम स्मार विरास्टा श्वर प्रायम स्मार विरास प्रायम स्मार स्मार

मुंबालयामा है विद्याला में मटा वेशानिंद हिंदित। वेर्देर तर में विवत तः चेंचाश्व. कुर. उसी. चढुर पटेंचा । लट. मिट्. वश्वा श्रीर. पटेंट. चार्ट. माता. खेर. ग्रीटा ट.कूर. मार्बेर्. प्रमाता के. च. होमा मीट होर हो. राष्ट्र हे. श्चेर-श्चेम्बर-उद्-मु दुब्र-य-सेर-यश्चेम्बर-महिंद-य-१९देश-देर्-सेर्व-सेर्ब-इरायामार्रे हिमा वर्षायाक्षाप्तायानानु मार्थे वर्षा हिस् प्रामी देर माद डिटब्रुमा से सद दमा दमा दें से हो र पर कु के द र मों नहर मड्स यर द्वाद में भे हेर सम्बर्द के दे नाबुद देश नावा त्रमा दीर दम्बा लेखरा । से सार हैं से हिंस द्रीय दु के से र से न्निन्नित्वे ह्या मिल्हा केत्र रहेंका न्निन्निन्द त्रम केन्सि के के कि सम् भवेर तथा सुचेश सुन्दे होते त्यारा क्षेत्र हो का मा हेर हिन हा महार सर होत दे. ५५ में १ बेर दे सिंग अयस विंस द्यीय दु सु मालश यह समें केंग हेस दिन् ल्रे-इंचर्स.च्र-वंश.डे.ज.चर्च्च चर्ड्स.उच्चेज.क्रयंस.च्र-बुचा.वंश.उर्चेच. त्ते.चर्चभभःतर दे.ज.में.भू.ध्र. ह्यू. हु.चर्च वैदःल्ट्रे.में.भः J51 3511

मार्ट्रामाहरा चा.कुटा ने.कुटा ने.कुटा ने.कुटा ना.हूरा मार्ट्रामाहरा ने.कुटा न

म्राप्त नर्शेर् ने मुने नयस म्याया सार्थे व्याप्त सार्थे स

भूर.त. रूरी।

भूरे।

यसमानी क्रुचीशात्र में केंग् विचा प्रस्ता प्रस्ता विचा विचा प्रस्ता केंग्री विचा कें

सूर्य प्रकृत्यक्ष्य स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान

डेश.रटा लट.पूर्ट.कूश.राश्या.रिकर.राष्ट्रें मोश्या रूर्ट. ग्री.पीया. र्र. दे.क्स्थ. त्र्र.के.द्रभना स्र. प्रमा वहा स्वर हे के अपूर र्र. क. . . . त्रहुंग्रस्त्रात्वें अत्तर्हें प्रमा त्राप्तरम् कु से दे र क प्रहे र ब नेंद्र दसना नी रायन के रेदा दे खर बुर व रें के वें बेंदि नी रेदा डेस:दरा दर:करे:भूर:स्र्राम्चीर:भ्रवशःग्लाहरायहा वेर्-र्-कु:मैसः वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष के स्वरं वर्ष के त्राचे वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष के त्राचे वर्ष के वर्ष वर्ष के वर्ष के वर्ष के वहूर्यन्त्रक्षेट्यंभेर्यालेग्रेर्। केलिग्नीसर्गयायह्यस्ति वी वर्षना वस विनास वश्रमायर व्यद् स्त्रमास ने दर तर तर से हमें हैं व ल्रा विवश सेर वासर रेर हें स वहेंदे या देर की से विविधि हैं के दें लटशानिया हैनानाश्चिमार्यमाहेसार्द्धनासात्र पर्दूर क्रिन्सा है परिकार है । क्रिन्धातर्भियातर्गा

त्वुकाको कॅ wc पश्चर कॅ र पहें सका श्रमका दसना देवे र स्वर सेट. वेश.मी.विट.तर यहूर्.नोश्रणा हिंदे.वेश.वर अट.चेशिटश.राष्ट्र.च्याप. भूम.यट.बूर.अविजावैट.भु.४२ेची.चम । ७४.४चूट्स.मुजा.वै.इस.इस. तर्। मी. चि. तर्रा हुर् सानेर जिस नहीं र पहुरास परेट परे हुर्ग. मह्र्नम्बा मार्था क्षार्या स्थार्था द्वार् महर्मे के तार मार्था स्थारमार्थः लुबी चूरे तिर ह्रिस्मिश श्रि.मी श्रूश पद व सावूब तिश क्षित सीट ते साधा वुद्दाय देश वर्ष सेदे हिं यम से से प्रसाय ही कारा देश मारा है प्रमा য়ৢৢৢৢ৴য়ৢ৾৴য়ৢ৾৴য়য়ৢ৴য়য়৸৻ঽয়ৼ৾য়য়৸য়ৢঢ়য়৸ৢয়৸৸য়ৢ৸য়য়ৢ৸য়ৼ৾৾৽ श्रीसद्भागिदः देशः प्रचीरः द्यः तानदेवः की र्पट् कुरानह्रि । प्रेची

ने भार्यमा ने प्राप्त अपना मिंदा मिंदा में ने में में मार्थ प्राप्त मिंदा में

क्या संस्थान, विनाध, वारान

व विस क्षेत्र वर्ड् १ हरा अर हरू है। व व रहा मुहिर या समाय हर ब्रुट तर्ते र त्र्रेश द्वेश त्रुपात्र व्यास्तर व्यास्तर व्यास्तर व्यास स्त्री विद्या तमा र्रे.जर्र.चे.यस.टस.र्रेट.पचित्र.चेस.च.चाज्रेचेस.स्ट्र.च.जस. त्यर यस झ्ना य र्सेन गुम्म निर्म ने सेन ने सेस में सेस में से नगरमारम्प्रेर्वेष् मुश्रुद्धायन देर मूद्दराशुक्षायर प्रक्रेट्य मुक्षायह देश दिशा यर्की: दश वर्डे रिर्फायम् वर्डे र प्रतिम वृत्त स्वस देव नादर दे केर महामार्श्वेर मानवर लग नहेंद्र पहुना किन्म पहुरहेर देया भवेरे.चाट.लट.भवेट.चट.गूज.च.ट्री पट.कुट.लेश.श्रेयक.ट्रेट. र्ने नामाकृतानु मन्द्राप्या दे हेश स्वराय क्षेत्र लु लेना नन्दा वर्जेन वरा शुःस्यायम् वर्षान्यक्षान्य वर्षाय वेता वेता वर्षाय वर्षाय वर्षाय वर्षाय वर्षाय वर्षाय वर्षाय वर्षाय वर्षाय मूर.गु.जमार्थ हर हुर उनुर रचूक लियात त्रेक परेंचा हर। ट्रे.श्रूर र्नोद्रस्यानु पद्भाक्षाक्षाक्षात्रस्य द्रायाच्यस्य द्रायाच्या क्ष्म रे हे सदर वुना ख्वस र गर हिनाय कर की समागा ने गरीर रेज्यात.वैटा श्री.घट.तथ.क्षेट.क्रुंचस.क्षेत्र.क्षेत्र.क्षेत्र.क्षेत्र.क्षेत्र.क्षेत्र.क्षेत्र.क्षेत्र.क्षेत्र विश्वादा र्रेट स्वर् पट्टि अहर्ष १ कर् में प्राप्त में मार पासी मिरायासी. भवेर.जस्मानुरावहनाक्रिरा लहात्वे भूत्राचानवराक्षेत्रात्वेद नेत्मुन्ने मार्ड्स रेता।

त्रात्म श्रुम दे मिर्ट मे हेर्न मदे दर महम केर पर प्र श्रुम श्रुम मेर्ट दे में मार्ट दे हेर्न मेर्ट हेर्न हेर्न श्रुम स्थान

लुब.य.चोशज.चू.श्रबूट.चु.लूट.च..श्रुश.वचश.के.कूचोश.चुचा.टुट.चै.

न्द्रः मदर्दे ते क्ष्र्रः दुष्यः अद्दे ते क्ष्र्यः क्ष्रः क्ष

दर्यः चर्रायम् दृष्ट्यास्य स्तुत्र कुर्मा हिंदि हिं यश्चरश्रायी एत्रिं, एतिया मेर क्षु. एकर , रक्षार्य स्वर लूर में ७ री एत्रिं, परिवा विद्या सक्त्र १ क. ने द्वा क्षेत्र परिवास से ने वा ने मुँदानुबु अँदानी देन दार्केरारी त्यसामार्चे ग स्पर्धायापी मुँहा सम्बन्धार मिश्रामुरे.नेश्रातप्र,ट्रेर.क्रेरेसेने.लेश.मे.लुचीश.मू.क्राच १४४१.म.सूर. मार्थाः लूट.च.चुर-गुर्माया लेशा रे सिमा है में विश्व प्रत्या ए क्रिया लेशा रे इरायेष्ट्राध्ये खेनच्यात्रिया ने चेत्रा हेया ह्या हिया वाबमालेना मरा द्वराखरा बदा दया व्या व्या में मालेना व्या मारेना दे लामार बिय हे हिया गुरू की जी नरा सहस्र ने प्राची ने ने केराम वैराय कु पर मूल मिर विरायमा । रचार् हार मूल समा हार ट्रेन्सं वृत्यायात्रावत्। द्वार्यम् रात्रायाः संस्वार हिन् मेत्र हिन यत्रे. ययश्राच, दु. श्राम्य मुश्रामु क्रिय दि । प्यार । स्यार । स् दे त्याच्या महारहे के सामा है हा असा स्पेरा सामा असा हिसा महासे ही. क्र्यालियायावियान्त्रीतित्र्ये त्रियं त्रियं देवशा दे त्रायक्षे त्रेह्या भारिका सवु सेन प्रेवा द रहें न्सन निवयम निवा से में में में में में में

यक्ता, के. वीर . वीर . वीर . वार्ष्ट्र . विष्ट्र . वार्ष्ट्र . वार्ट्र . वार्ट्र . वार्य . वार्य . वार्य . वार्य . वार्य . वार्य

टस.म्. तस. ८८. चयाय. तया. मी. यसस. पकर. कर. हीर. हीरे. चीडेश. पश्चात्मर दर्गेद्र लु नु दर्गेश पेंद्द र है दा श्रे द से दे मा है स द से सर ८स्र-प्रमुद्र-भेवश्राय-पर्याश्र-दर्। ८२.पर् रेट्शःभेशः चन्धः मिन्य भेषा दर्भ नामस इदस है स्प्रें के विंद नामस मुक्त च्येर्-पना रेर्ड्य वेटा कु सेरे नहर १२ रेन्य केर् खुयानु सुर हें श्चैर स्त्रें त्रें स्वर् सेर स्वर सेर स्वर श्चर स्वर्ग ना सर पा त्रें ना वना स हस तर तना निर्मात निरम् निरम् निरम् निरम् निरम् निरम् निरम् ले व वर्षेत्रे वर्षेत् इत्येग्राम्य स्थित मे देत देहेश मुन्दा य मी.चर.रे.कुंचरा हे.हुर.मेर्टा लारा रेसीट व.सह.चरा देट अंचरा द्वीर्यानुसायसामेर्पुत्राम्सार्यानुसार हिर् र्पुत्रस्याय मेर्द् ल्ट्राहेश श्रेन्त्र वित्वा वर्षेश कु सेश वर्षे १ वहन नीस कु नेस धुन से प्रतृता र्ने नार रे धन स्र्रि मुद्द स्वर मु से द्वार स्रा हे टाक्टर देश त्वीर हेर्। हेट शास्त्र स्व देश हेर में ही । **श्र**ा मी श्रेश सामान न्या.रे.चस्रमात्रकर.यहूरे.चास्रमा.री च्रे.ग्री.चावेट.विवसारेटा ची. रिनामा केंद्राया देसे रामावर दमामा प्रमुक्ष से केंग्र या विमा सुरका न्यन्दर्धे क्रियन्तर्दर्द्दर्भात्त्वर्द्दर्भात्त्वर् य केर ए कूरानिश जुरे में शक्त प्राप्ती पट्टे शका मोर्ट विश मिट कू में. दग र अर्भर दश केर लेना हेश र अवि 'जेना पर्रेन पर देना कु" स्त्री ने में तिहित हैं श्रेश में स्टार्स स्त्र के मार्थ में रा

दे.हम.संस्कृत्यानुः संस्कृत्यानुः स्वर्त्तानुः स्वर्तान् स्वर्णानुः स्वर्णान

क्र~~~क्र~~~क्

पिस्ता निका प्रति क्षा प्रति । विका प्रति ।

मृतिः देन सं ते देन ते ते ने क्षा क्षेत्र ने क्षेत्र ने क्षेत्र सं ते क

नश्चमः नेतृत्ता स्वान्त्र स्वान्त्र देन्य स्वान्त्र स्वान्त्य स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्व

द्वाः स्वरं त्वां त्वां

चिनाने द्रान्ते स्वान्ते स्वा

मेने त्राप्ति विद्यो के त्या है क्ष्य प्रमान के क्ष्य के त्या के त्या

प्रकेर् वस्रा उर् सन्ति । या रेस ने र्वस्य रूप्ति न्या सम्बर्ध वर

मःस्रीयःक्रीमनाय्युवःबीटः। नाहुशागादःस्यटःश्चरः स्वतःसःस्यः नुदेः नुसः रवश्यवश्चरविद्वात्रेवर नुप्ता क्या सुन्त्र मान्येर मी मिर नु मते मु स मार्थ केंद्र हिए। पह केंद्र रेश पद्मा होद्र मु द्वर हिस रामुरी तुर्वे, मुच्नेसत्रा क्ष्रापेचासकी ह्यारिकार्या हरित यमायेनासार्याय्येन्यानविद्वात्रात्राये व्यानाना यह विद्वारेनार्या के जन र्श्वेभवं सन्याची वृत्तको हिसारवरा यसके वर क्षुत्र हुन यहेल मार्यदे हुँदा समायर हिरा हियाँ २०२० वट निसेश चेर्ने नवंद भद्रभाजिलाके सम्बद्धमान्य मुन्नार पुर्वेदवन्ति वृत्ताहरू । नुष्यवे द्वास्मान नुष्याय वे जिल्लाकरा ने यह यह है। हिन् । हरसाहहेर नन्यन्तुःह्मार्भेर्द्रा श्रेद्रिंग् श्रेष्ट्रियान्तर्भवहेंगः श्चीरपुरायर यहेश्यक्य स्पर्यर में जिन्हा सा हिन्हा में जिन्हा से जिन्हा में जिन्हा से त्रोत्रेयास्यास्यास्य स्वत्रास्य द्वार्यास्य स्वत्रास्य स्वत्य स्वत्रास्य स्वत्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्र स्वत्य स चॅत्र, रक्षुत्र, वेदर, देव्य, ने र. वेदर, हें दवा सीय, क्षेत्र संक्षा शी. दरेस. <u>૱ૠૼ૱ૡૢ૽૱૽૽ૢૺૺૢૡ૽૽ૺઌૻૻૼ૽ઌ૱ૺઌ૽ૹ૿૽ૺઌૹઌૢ૱ૹ૽ૢૺઌૹ૽૱ૢઌઌ૱</u> मार्थाक्षेत्राने प्रामिलि मुहितेर निर्देश स्टब्स से मिला मार्रेश म्युरा इसरायरा ग्राम्बर्भरावि के देशनासाध्यासारम्बरायरा च्रिक्षेक्ष्यम् मे बन्नस्य स्वर स्वर्गन्द्रा स्वामा १० वर्षे । स्वामा मन्यार्थार्थार्थास्य स्वार्थात्र मन्यार्थे । व्याप्त हिर्मामार हेर् मेर्या है कुं वेदे द्वार द्वारा अठमसारा त्या होता नु वितायेत्वा कुं के दे रे रे रा य नुनाश हे हो व्या १०३४ व्या ह्रा १८० के द्वी दे १८८ महनाश हा ले द्वी ६ सु'ना वेनास' दर्गा

न रक्ष व्यापन पर्यापन के समित्र में प्राप्त के प्राप्त के स्वापन के स्वापन के सम्बन्ध

मानुद्रान्तित्र अर्थान्य विकास स्ट्रान्ति अर्थान्ति अर्थानि अर्थान्ति अर्थानि अर्यानि अर्थानि अर्यानि अर्थानि अर्यानि

१०४३ व्या विंद द्राद व्या क्षेत्र विद्या के व्या हु स्वर स्वर सुन

त्या ने ज्या श्री यहा सक्ता सुर्या सुर्या हैन वि के जी दहा महिमा सहया हैटा भूवरादेर वग्रास्तु र प्वीर पदे परा है र उस स अ अ । कु से दे र विर इन्बारामुद्दास्त्रम् विद्वानीय्याद्दा न्तृत्वयाया क्टायर यहेर बंब गुर्जे खेन स स्वायम में सहर होर बेवश गुरा मश्रास्त्रान् क्रिक्ति क्रिक्ता महानुनावनाय सहासे ननव द्वे हमः त्र मुद्दार्भित्र मिद्दा स्वास के दे त्र दित्य पार हे त्र दे वे हे स्व द्रा त्र अश्म के य भूगवा के सँग्यान्ग्वा पर्ते परिष्य यहे गर्वेग सने " सहयात्र्य रे वरे स्रेर्वना चेवल मेना मह ल हु हिन रे छैर सद् से विश्वस्य हिंग से त्रा हितान विश्वस्य त्र्रियान स्थित है? क्षर रेस्य मान्येया समय रेस हर्य मेर्डिय लेम हेर् मार लेग या हैर बिना स्थानी नायका केटका प्रान्ति विद्याती नायकी के सामिता म्यायायहारहेन्द्राचेर्रम्ययम् सर्वेन्द्र्यादेन सर्वेन्द्रम्य मनकानु महिन्द्रित द्रिका प्रदेश महिला महिला महिला महिला मिला मान म् वर्षेत्रमः हेर्ने मेर्द्यमायहरम् वर्षेत्रहरा मि व मे नश्यापर नवि ने स नहें श या अपने परे र द नवि न में इन्स्यायायले अर्द्धयायेम् अर्पे प्रमायादः। इस्यायाः कृत्यहें अ मेन्यस्यवस्युप्तवनान्तुमेस्यन्तु वेन्द्रस्यायः स्याप्ता स्राम्येन श्रिर हथास्य मोबर मी प्रीमश्रम सुरा।

त्रिः पदश्विकासप्रवेदः स्ट्रास्त्रां स्ट्रास्त्रा स्ट्रास्त्र स्ट्रास्त्र

हर यद से समुद्राय मुद्राय देर द्राद्राय अद्भाव मु से स चिंद्राचार्स्नेदार्स्नेदास्त्रुदारेतुदार्श्वी चिंद्राचारायहे दासूरामी से सामुदाराये. " ना इंश दिया नहें र र न देवा मिर्ग के रेर न शक्षा मा के तर्म । माया रे मिर् द्रा विराने हेश प्रवास क्यार्म नार्या नार्यो क्रिं सेर् सेर सिंहे अना वा चारटार्क्ट्र र जूर्ट ने मुद्राददायदे ताथा वेट दशाल्ट्र हुट। मी सुराधाः रवश मेंद्र सदी नुषा हेद्र साधुवाय इससाद है दे से रवसादिर होद है भार्क्ये हिना दासस विद्रासी किंगी देनी विदेश महिना मी बहन हिना न्याचिराक्षेत्रियामञ्जन्याचेनाञ्चित्रिता**कुरायश**चित्राक्षेत्रा**चेतायहिरायन्** मानेत्। वित्रणुमानारकेत्रकेत्राचे के सकेलायाने माना नामायमा सेत्। हुन कॅट इटर्स **ब हु**ना खालेगा की गुण्याम**्त्रन्यः वे**ला प्रकर केंद्रसा विभाग देश स्था देश से ने स्था है अप के दुर्ग के दुर्ग के दिन के स्था है अप के स्था है अप के स्था है अप के स्था वसान्यानी के सार्चे रे रे रे रे राज्य स्था के के ब्रिट्स के देश महाराजी के साम स्थाप त.र्था.लट. भुरी ट.कू.पुर्ट.टर.टे. अवेश पहूसश.वैट. हु. डिर.टे.चु. केटमा केर नामेरा ये केट ने पर्वेट क्षेत्र मार्के प्रदेश महिरामा पुनि इत्। श्रेन्ब्र्न्यातु छान्यवी दे से इ वे केट मानुद मी द्वेंद दे मान

मिल्रान्ना अटासे प्रकार्य संक्षेत्राचे राष्ट्री हा नारा प्रकारी रामान मालर दमर दे सिंग सुना ना माले र दे के ना रामा सर पेन के ना विनानी पहुं सं से से नार रेंद्र। विर हें सं त्या वर्ष स्ता द्वार पर्वर् नेर की पर्वे पर्वा विदेश कर में विदेश के प्राप्त पर्वे देश विष्यु : ले मा क्षेत्र प्रमें अपनाप्त प्रमित् चुट के भक्ष स्था केट चुट के हेत् स्था च.वैट.लट.। श्रेश.मेट.च.मेठ.च.मूर्ट.चोट्ट.भाटव.भुट.क्वशाहःट्र्चेश व्यूर् स्रें । श्लवरा पर्देर मुं सेदे रवें र रेग्या की गार्वेर मुं मुंद मार्थक हेन<u>, स</u> है र ट्रे. सु. बुच प्रास्त्रीट भूज र प्राप्त र विश्वासी साम् सुर विद्या म्बिना इब्रामी १८ अहा मीटा मार्केन मार्के मिटा या नुमान महा मेटा ष्ट्रीय ने अपन्दिस सामुसानिस त्यात्मना पर्व प्रशास स्ट्रिस प्राप्त स्ट्रिस प्राप्त स्ट्रिस प्राप्त स्ट्रिस स्ट्रिस स वैदार्श्रे खे. चक्रिमा या देश देश विदास साम साम साम है नि से स वर्माम्बर्देशयम्। भैरेशक्षेर्ये वर्मायहर्पमा विवस्य सरेः के जुन्हर प्यार के रिनेश है जुन के तुन के हिर के तुन कुर के विज्ञानाश्चर पार्देर द्वाद प्रमान नुमानेरा कुमे देशह्यामाश्चर प है:ॐ**द**:र्नेश:पर। व्रेन्श्ने:र्नेश:मुं:श्ने:अग:श्रेट:ल:ट:क्रूर:लन्।पर्नपश:मुं: चिता.चार्यर. बुचा.पंत्रे.पंचिता.चैट. बुदा वंद्या.पंतर. त्र्राचितात्मा हूता.पेश ने त्वीन्यायम् प्रदेशक्षियः प्रदेशम् विकास्य प्रकास्य प्रकास्य प्रकास्य प्रकास्य प्रकास हे दुवास्त्र द्रा पह के र हे दे हो के र गु ५ दे र मार्थिय हे द माइवा मेश्यत्रियश्चरम् मेर्यादशः श्रेशः वर्गे स्ट्रेन् श्टरं व क्टामः मेशः निर्वेषशके प्रशान तथा पर्या मिता हुन हुन हुन में उहुन क्रा क्षश्र श्रुक द्वा न स्वा पश्चिमाय तर्जुमाय तर्जुम केटा ट के सक्स स्व श्रुक् क्सराव्यान्त्रामित्रेकटार्यम्याक्स्यसार्त्रे स्टासान्या गाउद्राव्यानश्चरा

मी,परेच,पर,र्र,र्र,पर्य शावेटा। क्रम्भ,मी,पर्य, प्रमान प्रम प्रमान प्रम प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान

केर मोकेश मी हिंश मर्ते हे निरार्थेमा सर सहया प्यति मित्र ने त्यम्बर्भार नहेन् स्त्रेषुन प्रतिन रेन्। सहयात्स्त् लु खुवादी सु मुभन्भे द्वाके मिनार्के मुजना नमर में दे नहिंग्दिर नाम स्थान स्र वेदाख्यामु प्यसामदादे देव सर्वे हे दूरासक्तादु द्वेव देवासा न्विर्द्रन्यस्य वर्षेत्र्वास्य विद्राप्ति । स्रित्रा में न्यूर् विद्राप्ति । स्रित्रा में न्यूर् विद्राप्ति । के प्याप्तिन । स्वर्पाय सक्तानु स्वर्णे प्रवेद रेग्य विश्व देन प्रेर् भर्ते. कु.रेट. म्री.मिश्चट.भूज.यटा व्रट्. मुश.मेर्ग.यटा हीर. जूना विश वर्दा दसमुद्रमानीक्रिक्टिन्द्रेन प्रदास्मानुस्य वस्ति वर्षिय न्ता कुर्वना वका वर्षा तर्दा त्या र दा विवासी समुव स्त्री व देस का वेद हुँदि स्त्री का वॅद् प्यर मुक्ष नार्दे स्कु प्येद खेट । गूट हिट खु द्रा यद यद मिर मार्देश ८.२८) च्रें में मर त्यारें विश्व रमा होते होते में विश्व में में क्या में में क्या में में क्या में में वर्टावारेन मेट् के वर्टावालिटार्टा के सट व्याप्तरामधुर के न क्षेत्र य स्रेत लेख स्त्रम्स यहूर हिरा ५.२ र विर वस ग्राट सव मार्डेस त्य क्रूंस.टवु.उर्दूर.तर.क्रु.चयस.तवु.ऱ्यास.विस.स.वैट.टक.वुर्टी

द्वैत्वस्रस्यस् देवैद्गाव्यम्द्रदेवेद्ये विग्रदेद्द्श्रस्वेद्

ब्रैं क्र १००१ वर्चर में क्रिं मुल पर कर में निया पर कर में निया में क्रिं मुल पर कर में में क्रिं में में क्रिं में क्रिं में क्रिं में क्रिं में क्रिं में क्रिं में में क्रिं में क्रिं में क्रिं में क्रिं में क्रिं में क्रिं में में क्रिं में क्रिं में क्रिं में क्रिं में क्रिं में क्रिं में में क्रिं में क्रिं में क्रिं में क्रिं में क्रिं में क्रिं में में क्रिं में क्रिं

य.लट्। क्रेचकालुचीकान्त्रेचीजालाचान्त्रेचान् इटी। स.च्ये.श्रुक्षान्टान्यक्षान्टे.केट.च्ये.लुचालाच्येकान्यन्त्रेच्याः स्रोत्राचीश्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्रेच्याः स्रोत्राचीश्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्रेच्याः स्रोत्राचीश्राच्यान्त्रेच्याः स्रोत्राचीश्राच्यान्त्रेच्याः स्रोत्राचीश्राच्यान्त्रेच्याः स्रोत्राचीश्राच्यान्त्रेच्याः स्रोत्राचीश्राच्यान्त्रेच्याः स्रोत्राचीश्राच्यान्त्रेच्याः

रत्यक्ष, च्रिट्ट्रम्, अविश्वान्तान्तार, लाट, सुरी टे. टेट्ट्रम्, अविश्वाद्य, स्त्रीट्रम्, सिंद्रम्, सिंद्

द्भनाः अर्दः वः दनावः च वेः त्रः त्मार्वः स्थान् चे विद्रं प्याद् चे व्यादे । व्याद्याः विद्राः विद्राः विद्रा

यर-ग्री-चार्य-ट्रिंग् हु क्षित्र-च्रिंग् हु में ने देश स्त्र क्षित्र क्षित्र

म्हिर्म म्हिर्म मुक्त त्याना मित्र ने ने स्वर्म मुक्त मुक्त

मुन्त्रस्य स्त्रम् ने द्वा स्त्रम् स्त्रम्त्रम् स्त्रम्यस्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्र

मंदर्। विश्वशंबिरके अर्निमी इशंविष्टर में वित्ना वित्नीश मानमहित्त्वराभामिन रत्य राज्य भी राजेश भित्र या द्वा । वित्र वी मर्थसार्श्वराबदानादाल्ये देशसाह्याचर स्मृताहुव कुःरेन स्रुसायि ध्येद्रकेश नुद्रेत भी पद्मा विद्राह्म प्रमुक्त देवा हिर्देश सर्वा निर्देश द्यानसम्भागम् विदायस्य प्रत्यं विष्यु मान्या मान्या विदायस्य विदायस्य विद्याल्या श्च नहें शक्ती मारेद्र प्रथम पानुदा। हिश खु मेंद्र वद कु मेदे दिलि दिर्द क्रुंशनवर्षः निर्देरं नी श्रेन् नुष्यायना नेष नेन न्या अन्य सम्बन्धः नेते नयस स्रुत्यः ब्रुं प्रिष्ति । प्रत्याप्तर प्रेराणा । पर्य नार्ष्य ग्री न मुर्दे र सर्वे हैं। नुदः रदः मी पर्देर् स्रें अन्दः। मुनः सुरः रहेः स्रें अर्दः क्षु सः यहेः हुन् सः यानः न्दार्भेत्। सीरेवेरवेनायानीर्डंनायाकेरवेशामुखास्त्रायकारेत्। मूखा . स्वरं त्यरं ता त्रतुं असूर व्यामा तर या हो गा चुर ग मिर स्वर्ग सर स्वरं विस् ननशः द्वारश्चार्यश्चार वेद्रास्त्रम् वर्षा वेत्रा वेदा वेदा दे हिराः म् रगार् ह्र्राख्र रेट वेट यात्र नात प्रात्ना वना तस्र ह्राट हिट । अवश्राने ग्रायाचर के स्ट्रायने अर्रामित वश्रास्त्र स्ट्राय है व सर चे विश वैट.यपु.यट.यूर्.लीय.र्.चीट.अग्रिचीका.लर.वेश.चीर्ट्र.वी.चीया.ष्टु.लुय. ८ क्ष्या ने अप्ती क्या सेन सेन सेन सेन साम अपने हान अपन संस् म्री द्वां मा में प्रकेश मार मुका मार्डे में में मार कर मेर हिया दे **श्रॅ**र.संश्वश्रामिद्यत्यं प्रश्चित्राचित्रात्त्र्री र द.सैदारश्राचीड्रेर.सेद्रींद्र **गुः अर मु**र्भ महिंद नाय विना अर द्वाय द्वेर मुः देन् अर र अद्वेश क्षेत्र-सून्यं सः यहूरे ता सूत्री।

येथे क्यर त्यर व्हार्केर ने तह्या में नाहा की द्या त्यीर तहर की तर्ने नी

स्राम्या स्राम्य स्राम्या स्राम्य स्राम

त्राचाःशाविचाचयाम् न्याचि न्याचि न्याच्याः स्वाच्याः स्वच्याः स्वाच्याः स्वच्याः स्वच्यः स्वच्याः स्वयः स्वच्याः स्वच्याः स्वच्याः स्वच्याः स्वच्याः स्वयः स

इशक्तिस्तर्वे स्वर्त्त्रस्तर्वे स्वर्त्तः स्वर्त्तर्वे स्वर्त्तः स्वर्त्तः स्वर्त्तः स्वर्त्तः स्वर्त्तः स्वर्त्तः स्वर्त्तः स्वर्त्तः स्वर्त्तः स्वर्तः स्वरः स्वर्तः स्वरः स्वरः स्वर्तः स्वरः स्वरः स्वर्तः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्

मुन्द्वर्भने देशका मुन्द्वर्भने द्वर्भने द्वर्यमे द्वर्भने द्वर्यमे द्वर्यमे द्वर्यमे द्वर्यमे द्वर्यमे द्वर्यमे द्वर्य

त्रित् निर्मा अर १८ व्या दर्गिया वापा अर नाय अर्थे द्वा अर १८ वा विर्मा वाद्य द्वा अर १८ वा विर्मा वाद्य द्वा अर १८ वा विर्मा वाद्य द्वा वाद्य वाद्य

मि.भु.देशसर्थात्रराज्ञेराज्येराभुर्येर् सर्ट्र सर.च्.चेसन्दरासरल.मीट त्रं ग्रे ज्यामर दि सेवस वर्षेचास ग्रेस वास्त्र हुरं द्विवा सेवा द्विर। १८ स. चूर् में लिया चूंससाचीचुंसालचांसार्टा सम्बेरातर विसाय लोगी के विसम्बिन विनादा समुद्राय सुद्राय विकेश दर् के सम्बिन विनेदार *बुद्धःदेश्वद्धः कुश्चःवर्द्धः द्वश्चःवर्दशःवर्द्धः वर्द्धः वर्षः कुः श्चः सुद्धः विवाः* ।। लुरं स्थिती टाष्ट्र तुं स्त्रियीया रेशा यक्त ये त्रेशा करे ता क्षु हुया सामिता सामिता मुन्द्रनासामक्ष्रमञ्जूद्रन्याप्टा। मुन्नेसामुद्रन्त्राच्हेर्प्यदे स्रोहेनासामप्रद्र्य म्रीयार्टाम्या अनुकारा भेता भेतरा देरा अवे हे पुटा सेन्या सु अवे नविंद्ररेग्स्यस्टिं सेन्संनुटिंदिः। विंटि के वे श्वेंन् द्वारन्ता विंटि र्टिनेयाल्यमी नहेर् १ अया पर्याक्ष कर् द्वीट विद्या मुद्दा दे अपरा द्वा की मह्द से नार भर से प्राप्त है द न ने वा की भी करा मुनानान्त्रमान्ता वर्रानुन्यायर स्मानका केर्नुन्य वर्षेत्रायका मिन्नका मिन इनास्त्रतम्नेनास्त्रान् वेशःभूतः। द्रन्यन्ति । स्यान्तिस्यस्यु युत्र निव्यक्ष अर्द्धनाय त्युयायदै अर्द्धन स्वाया सुद्धे दः नु कदः वर्षे दः ः श्रुमार्थेत्। सन्त्रामार्थेमार्ने सर्वे के नुष्या महित्रमास्य स म्रेट दु नहिंद किया दे दशमिंट दशक्स मित्र के स्तु कर किया दि म्ने अस्तर वे. स.जवट. चेट्र-स्ट्रा

शर क्र्या शामी पर्वेताचारे क्रिकेट त्राचर त्या मिक्ती क्रिका प्रकार प्रवेत र्द्धमाराक्षेत्रमिर्द्धमारायनु मुत्रदेशस्य द्वारास्त्री देवीय द्वार ब्रीद्र देव क्र्याय प्रदेश अयह क्रिट क्र्या या प्रवा स्माय देर प्रवास क्री ट्र-रट.लट. वची र्यट.ची प्रचील त्यास विश्व प्रचिर प्रची स की स टक वट कर रे रे रे विस्ट केर में अव्यक्त किंग्या पर दे पर्यो खर देश मि. भुनु जिया अ. केर . लूब . केंद्र श्र प्र . या या श्र म् . लार प्र क्री . भुनि ने या मुं के के वि वे त्या मुदार अन्वोंक राफेश भटा। द्वे व मुक्ष नु र्फेर तप्रे प्रमुक्ष से प्रमुक्ष स्रा दे द्रम् दे दायका मुद्द दिया से प्र क्रिंचे क्रेट.। मिट्र कू वे क्रियतमीर जानाबिना क्राय है नहूर्नाके दे दे के अ मुै खे व्येन् क्षम य पनुनामर। इन्त्रामु नुस र्वेन् क्षेत्र सम्बद्ध र्वेन् H.MLML, 나를, 다. と. 다. ま. ふくまい. ふくいかいるしているしているしている व्यतः कृतः दुः स्परः मूर्ने कु भर्मा ।दे स्रेकः र्क्षेन् सः पर्नु मालकः द्र्या । स्प सट-र् क्षेर् पत्र अर्घेट द्वा प्या केर नहिना पर रेता विट के श्रीट स्थ ৾**ৼ**ঀৢয়৻ঀ৾৾৾৻ড়৾ঀয়৻ঀ৾৾ঀৼঢ়৾য়৸ঀ৾ঀ৾ঀ৾৸য়য়৸ৼঢ়য়য়ৼঢ়৾ঀ৾৽ড়য়ৣ৾ঀ৾৻৸য়৸৽৽৽ मिश्रिस्ताम् मिर्मित्रमिर्दिन् मिर्मित्रमिर्द्या प्रस्ति विद्या विट के से से दे प्रश्म क्षिय है पहेंद्र या बन बुरा नाट अट सेद्र या दिन नायाने त्रष्टु राक्षे प्रनाद न्या मुराय राष्ट्र प्रकार में प्रता के प्रमाय राष्ट्र प्रमाय स्थापन वैदलदासहमार्थे पर्वेशक्षर्भन्यरास्त्रीयात्वेषाः मुद्रानश्चरात्वरः विरः यालेनायम्दरी देशमधनकिनायाद्वीयारियान्यायदेशमहन पर्स्त्रश्च श्रीयश्च ची शामिश मेरे मी स्वाप्त शामित है मों सार्या नी प्रहर् D'WT'47511

्रकृत्रायम्बरम् में द्वारा करता वर स्थान साम में प्राप्त से साम स्थान स् वेरणे वर्नाणाः। रसरमें वेमानुम्मीवर्राह्यारेरावगुरायः ल्ट्राचनसान्त्राध्याः सेद्रा स्वार्थित्र के कुरासुन हेर र्द्वेन्य प्राप्त ने क्षेत्र देव स्वर्ती दिने स्वर्ति स्वरति स्वरति स्वर्ति स्वर्ति स्वरति सिंदि से हें वाकी सहेद बिर मुर दास अति विश्व से सद हेत. वान्त्रमुर पर्वेद्धा महिंद पर्दे दे गुद्दा महिंद स्वय श स्याप क्षेत्रा कर पर्दे मा ल्.चेड्चे हुरा के .चोर के .कूचे शर ५ टेंडे अंट ५ चें अपरा क्या ८ वीर का तर्नान विना सर्वेट मुटा। मुन्यामी श्रेत तें नित्सूर हेत स्ट्राय के श्च्रित विद्राह्म मी. ची. परिवास मार्चे विश्वास मार्चे वास परिवेश विद्या स रट.ची.चश्रश्र श्रेयाचाट.लूट्. बट्गार.चहुट्.रा.चटा। चित्राता श्रेर चहुट्. प्टा हिन्यहिन्द्राहित्द्राहरू अवेट प्रवेट प्राप्ट सके र प्टा प्याप्त र्दुन पर्दे पर्देश नन्ति ग्री द्वार ने पहिंद रा भीती विंद वरा ने सा समा मन्द्रात्तुंभावदे द्वाराये केराव्य क्षात्रे हेराव्या प्राप्त क्षात्रे हेराव्या प्राप्त क्षात्र क्षात्र क्षात्र डेक्ष'बेर'वरुवा

कुर-वरात्रसर कूर्न स्त्रीय स्त्रीय सुदान्न मानु एव स्तर प्राप्त हिए। मै। मोर्ड विदेयम्बिर यान्समान्वेर देन भी मार्ड सम्बन्द किमाश्वन दशः सुरात्र मिराने सुरात्र स्टा विटाई स्टानी स्पर्त सुना सा हेरा व केर.चीरश.वट रे. स्वयंश्वयंश्वर क्रियालात्री येवितश्वर जयात हुर्य अर. लूट हु सेर भर भर ने प्राची त सूज निया है । देश ही हैं सामादश देवे दशमा सर मी केंगशामद विना व्यक्तिमा पर्दे र मार्से दे र पर्देश हेर भ्र.चोट्र श्रीस.चर्चे.चर्छ,चर्चे.चर.४२ची.चर.चूट्र रक्ष.मेर्.भूष्ट्र,श्रीक्च-----क्र्याञ्चारातर्नेरात्मनात् विदालियात्राश्चरात्रेराव्यात्रेत्रात्ने विद्या विकासूर्। स्रेचका चुना कु क्वेजा की नाबरा रूब स्रूच स्रूर होरा नाया छ। नवर, श्चर-पहेर्-र्रेश ह्यंशायर्ये, श्चराया ह्या स्ट्रान्य स्था स्वार <u> इत्तर्सर वितारता प्रत्य भ्रम क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क</u> र्याश्चरित्र्या सहयार्ग्यात्रम् मिल्राम् मिल्राम् सूर्याका पर्कत्याका पहुर्त विकारी साधिया पर्केश सूरा। कूर्याका पर्येरा शिक्ष्रे किश्यात्रम् कुटा मुटमूर्ममुर्मे द्रात्र्र्म् कुरानी न्री मिंट नी स्त्रोट सिंश नी हेना पर्नी नहीं नहीं न स्वार हैर हैं हैं , यन वह सार है नह्र्यंश्वरी ब्रिटार्स्यान्द्रटार्त्रं हे खु अन्ध्रेनशान्त्रं मालकारमा निट वंशस मि रेर्द्र दस हुस मि त्र्ने । विद्रश्या १ विद्रश्या १ विद्रश्या । ्रसर क्रिं मिल्रिक्ट प्रीय स्वार मु द्रमा मी क्रिम्य के दर सर्वेट सिंट यदे प्रमुख के यमे स सेंट कें भू सु स रेंद्र । सर्वेट बूट या मिंट कें ज़ेंद वट.कर्रतपुर्वेशतम्बरमाटालट्कात्रेच ।मिट्कू पुर्वेशतम्बरायः मिल्रिक्तरम् व दिन्देट समारा शास मिल्रा स्ट्रिक् मी पर्ना

की.यची.स.विपात्यर भूत्रीचची.पा.के.चभूत्र. टे.ठच्यू श्रेचका श्वा श्राट ह्यू यसम्बंदियानीहमानु पर्सु र मी व्यन्ति र मि विद्यान इट.मे.बे.बे.पिल.स.चोर्सांचची.ची.रे.चेर्यंत्य.देट। यञ्जां अस.मेरे.क्रूंडे. या बिटायसाम्बर्भा नेत्रा श्रीतामान्द्रा सर्वे रेश श्रीतामा श्रीमान्य वा स यश्चर विश्वासर। क्टाम द्रार र प्रहें देखा भी से वी सबूद विदा प्रवे है र द्भानीसन्तर्भातः वर्षेद्रायः न्युटः यद्भानास्तर्भानी । स्राध्याः नेसः क्षकार्वेद वर्षा हिंद द्वाव वर वी श्रीनेद्व वेद स्टब्स श्रीव हिंद मन्यास्त्र्रिन ।निविदः मार्थानिद्ध्यस्यस्त्रेनातह्रेन्स्यार् न्र पहेंत् केर वें तर्ना शिर वर्ट अस हैं या वर्ट र वर्ट्र वा विदस्य व अन्तु सर्वेट हैट । वर्के निर्मे स्पट स्रवश देर विमेन्स द स प्यूर निया भियाप्तर् कराष्ट्री के के के निया नियाप्तर कराय के राय के मुक्ता हिना सर्व मी पर्ना । मीट सर् हट सिनास व्या मी वर्ग यस्पर'मुरु'केर्'वेर्यमुर्'नर'र'सब्दिहर"नेर'सेपुरा लर क्यार्टा देवे रेव घट क क्रूंब चे लेग दर्गिय गुट लर क्यार्वे र्नेन न में रहार हर से से वे सेवा बहा व्यवस्था हेन से साम मानु से हैं विहा मिं वे वे श्रूट व भारे वे रेव पट के विव पु वंद वक्ता के वका मिंट के वंट थ.बूच.बट.चेज.च.४र.श्रेंशश.श्रीचैर.कुट। संब.चोट.टे.सुव.बीट.च्रिट. कें क्षेत्र विश्वसन्त्राची । वें में वे में वे में वे कें वापा में वापा में वापा कें वापा कें वापा कें वापा कें ब्रियक्ट्रिया म्रोटम्प्यानह्र्र्यं मृत्यान्त्र्रायान्त्रायान्त्र्रायान्त्राया वक्सान्देनान्तु। वसमाक्ष्माभटान्द्रामक्ष्ट्यम्मक्ष्यम्भान्त्रा स.चर्ट्रेचिस्त्र्र्ट्. वेचश्रमीटः भ्रदे ला चिट्र प्रश्न श्रद् हित्र यहे से विका

म्हिन्द्रम् । मुन्त्रम् स्वाप्त्रम् स्वाप्त्रम्याप्त्रम्यम्यम्यस्वयः स्वाप्त्रम्यस्त्रम् स्वाप्त्रम् स्वाप्त्रम्य

में स्वादित्या प्रिया अस्ति अस्ति स्वाद्ध्य स्वाद्य स्वाद्ध्य स्वाद्य स्वाद्य

तिनानीयाणुद्दाद्द्वान्त्रात्त्र्रेश्वान्त्रात्त्र्वे स्थान्त्रात्त्र्वे स्थान्त्रात्त्रे स्थान्त्रात्त्र्वे स्थान्त्त्रात्त्रे स्थान्त्रात्त्र्वे स्थान्त्रात्त्रे स्थान्त्रात्त्रे स्थान्त्रे स्थान्यान्त्रे स्थान्त्रे स्थान्त्

त्रश्चान्यः द्वेर्नान्त्रश्चेतः देशः स्वरः त्र्नेनशः नक्ष्यः न्वः त्र्ने। द्वः व्यान्त्रः स्वरः स्वरः

द्र त्राचा के र क्राचे वित्र क्राचे के प्रकार के प्रकार

लायम्बर्धान मुक्ताने वर्षा मुक्तान क्रियाम्य स्थान स्

क्र्यायायानेत्राव्ययाम् द्रम्यान्याः भ्रुयातम् विवान्ययार् निर्देश ववियाधित स्र वे प्रायश्विकामे पर्वे स्र विष्ट में स् क्ष्याध्येष हुट। दे, वृत्यूर्मा बिटा ट्रा सारी क्षा पड़ मोडुमार मुर्थित दा है। हमा रटा क्रुस.सिर्चा शास्त्र मारा चीर्चाश.स्ट्रेस.सै.चरश र्रा मि.शुरास्रितः वश्चेतः वृर्ते स्त्रीतः वृर्ते स्त्रीतः वृर्वः स्त्रीयः वृत्रः ल्रा महिमाक्त सर् नहेट सन्मिर द्वर हैं महा कर कर हैं। चूर-चर-ब्रुचेश-श्र-वद्धवेश-व-र्-र- हुच-शर-वद् व-पह्ला-वेश-वेश--च्र-मिल्टायासुरार्स्न्य चुटासेरायारे थिया मिर्डमा यह केयास्र क्ष्मिश्रामा हे च्री मुन्दा सुनाश हा नहना शास्त्र। दे ता मह के दे सु मॅर्र्स्स्यानु स्नेन्यवे श्वेन्यन् स्वर्त्त्र स्वर्त्ते स्वर्त्त्र स्वर्त्ते स्वर्त्ते स्वर्त्ते स्वर्त्त्र स्वर्त्ते स्वर्ते स्वर्त्ते स्वरत्ते स्वर्त्ते स्वर्ते स्वर्ते स्वरत्ते स्वरत्ते स्वर्ते स्वर्ते स्वर्ते स्वरत्ते स्वरत्ते स्वर्ते स्वर्ते स्वर्ते स्वरत्ते स्वरत्त सर स्रि प्रते कु सेरे द्वेंद रे रे रे से वा कर सर में मालना छे र पर मी.रेचा.चिंदामी.चयांत.प्रसिंतार्च्यूश्व.ता.इटी चोश्वर.टे.च्ड्रश्व.तपु. स्रिक्ष क्षित्र क्षित्र क्षेत्र क्षेत् दर्ग द्रुत्मदेश्च सदीद्रदरक्र नसुर वर्ष्ट्रस्म नेतुर के सामदेश होद रट. पंचाला है। पर्वेश कु.रेची पर्वेशका वर्ष्ट्रे चिवन होरे केटल है रट. वसायस द्वामी तम्मुवायदी स व्वायत्वा केवा केवा विवागुदामी क्ष्यसःवसःनवसःव्यान्तान्देवायः उद्गन्दः त्यन्तः न्यः देवः वदः वसः बेदःगुदःदेःवःवम् सेदः वृद्यमसः वृह्तः वेदःदः दः दः। दसः गुदः

हेर वहेर मि में रूट खुम की मार्स खुम मार्सेश। देन में भ्रमा संख्ट जा खुम की मार्स खुम मार्सेश।

শ্রের বির্বাহার বর্ষ বির্বাহ বিরাধিক। শ্রের বির্বাহ বিরাধিক। শ্রের বির্বাহ বিরাধিক। শ্রের বির্বাহ বিরাধিক।

इस्त्राच्यायदे वहेंद्राद्ध्यामि दासामहिन्सावहेंद्रासादुसायासहेंद्रासे "

र्वे ग्रम्। दे मिलाद्र्ये मालिना वर हा सारमार प्रश्नर पर्वेश वर्गकेट। विट के सेसस विट केंद्र में वर्ग कि सेस हमारेट **बिट.लस.सकेस.पंग्रेस.मी.लस.पेग्.यद्यसम्बन्न.स्यान.स.** दमाय केंग्रा दे त्यां हैं वित्रा मार् व वहा है दे ही हो ति हो हो है है प्रकर देव इसरा मुन केर से वस या केर नव व नविव हे सुना पु निहें क्षु त्यद्भारत्य न्याद्भारत्य देश देश के त्र न्या विश्व है พู.พะ.ป.ชปู.ฮูะ.ชปช.ชพ.ปะ.พะ.พีร.พูพ.อิะ.ชะ.๒ฺะ.๛ฺ मीट बर्से मी प्रकृष प्रमाल प्रमाल प्रमाल स्थान मी. भुप्र, रेत्र्य, रुपाश कू.रेट में यो तसर अपना प्रक्रा पर्में राष्ट्र रायर .. नुर्ने नुर्वेद्धादाण्या। मुर्वनानु हिन्दुद्धानुर स्मा सेर समिल व्यवहासेर हिरा दे स्ट नर्वन्युनाहा क्रिस क्रेन सर द्या सुसारी सामित्र होता र्मेशायासाम् । सामानसारी मार्यानसार्द्धयानमा से के दे पे प्रस्मा क्षित्र मित्रीक्ष स्त्र मार्थिक स्त्र मित्र मित् मिट्रा दी.वट.वस.समार्ट्याची.स.मोवस.ट्रेर.ल्र्स्ट्राची.रेसर.ट्र. क्रु. मुर्- नाजुशार व बुरा संभय तिर करा नर नरे व स्व स्व स म्री मार्था श्वे.मीरा प्र्टर कु. थे. श्रामट मी. प्रथम विकाल पड़ी पहूर्या सर य प स्नारेत र रूप कु र्वेद महिनादश रहेर् मास्य के सह मी.पर्रे. प्रवस लूर् सुर मार क्रें लार । प्र्स प्रमुर तमा बेर प्रेर

क्रेन्ट्रिंट् मिलान्ने ने स्ट्रिंग क्रिया में क्रिंट्र क्रिया में क्रिया में स्ट्रिया क्रिया में स्ट्रिया क्रिया में स्ट्रिया में स्ट्

मिंह है ते हुँ नम्मिय है ने मिंह स्वा नकु स्वर के निहार का स्वर है ने मिंह है मिंह है मिंह है ने मिंह मिंह है मिंह है मिंह है मिंह मिंह है मिंह मिंह मिंह मिंह मिंह

क्षां मार्चे मारा प्राप्ता विद्यास क्षेट्र प्राप्ता क्षेट्र क्षेत्र क्षेत्

चार्त्र्वं सेत्रान्त्रान्त्रां स्त्रां स्त्रां स्त्रां सेत्रां सेत्रा

स्टितात्रे हुर मिष्य इत्यो स्ट्रा स्ट्रिस ह्या स्ट्रिस स्ट्रा स्ट्रिस स्ट्रिस

च्हार महर् भ्रम्भ म्या के स्वार में स्वार मे

पहर्नियाली।

पहर्मित्राची सहिता है स्ट्रिया में सिना है के हुन का स्ट्रिया की।

प्राचित्र सिना कर सिना है सिना है सिना है से सिना है सिना है से सिना है सिन

च्रुंत्रे कुं लूद् केवका श्रष्ट्र प्रविता वेट श्राम्य लाट हुं व्यक्त स्ट्रिं त्यक्ष स्ट्रिंत् स्ट्रिं त्यक्ष स्ट्रिंत् स्ट्रिंत स्ट्रिंत् स्ट्रिंत स्ट्रि

स्राक्ष्याः स्वर्ताः स्वरं स्वरंताः स्

म् अद्राप्त निर्मा क्रिया मुं अद्राप्त निर्मा क्रिया मुं अद्राप्त निर्मा मुं अद्राप्त मुं अद्रापत मुं

वुदासामुक्तारासंबंदान्ध्रे द्वादांवादा रदार्मासाम्बर्धारा मु.चानुश.मिनास.समश.स.कुर.चडीटारिया ४ट.सीम.मी.चझ.बुर.लट. हु:शर्<u>चे, हु:शर्चेर, श्र</u>ंट.कुं। अवर.में, रेथर, लट.पें.वेंची, मुंश-पैंड.कुंट्र, द्यामाओं दे स्त्र्रियामां यारामा मार्के मराया वित्याया द्या वित्ती यारा वित्ती रे.चरेट.र्जु. इंश्र श्री. च्रिट.ष्ट्र्: प्टा. प्रिया. रे. जूचा येथा वेचाय. वेश. श्रे. श्रर. कुं मेरी वर्ष वार्षेष त्यार क्रिया भ्रायम रहा स्वान दिर वर्ष । रहा वर्षे १.पे.सूर.मु.म**ब्र**.वे.मु.माशर.क्षेट.क्र्यंश.ख्य.पचाठ.पश.मी.चर. न् नव क मुँवान् । प्रदान मुँचा कु प्रमा क्रा में कि । में ने मूँवा म्रेत्रे बट्च्र्रं स्वामि म्राप्तायस्य महिल्याहिल महिल्या स्यास्य स्वाम् मुर्खे दे खनश मद्दे दि दिन्ने सर्खेन मुन्ने मित्र देना देनि दे देन स्तर् ने '२व**न् क्रिंग'र्स्न**'न्मु'मुस'गुर-म्**नुव**'२व्रस'२**र्न्**र्भिरस'मुर-सर् मन्त्र वर्ष्युनार्द्धसन्द्रसम्बर्धनङ्गायन्तराध्यन्तरहेसामन्तरा रदः कृत् च्र्न के प्येष पर दिया अदस कुर के के सिनास देर हैंदर दसमारेसप्रहेर्नुरेर्निक्रपर्नुमा स्मिन्दर्भ न्तरनुरमी स् कुँ खुनामुःर्केशःगुदः**देः नत्**षदःदुः रदःनीःनानी**सः श्वन्यः**नाहेशःश्वदः नुदेरः मु : व्यद् : व्यदे : व्यद् : व य प्रदे द्वा य पदे द दश वि है साम के वे द द कु मेस पर् सुना सेस दश्यान्तर्भात्नात्नावान्यस्य वस्यास्यस्यानाः कुष्मानु वस्ति दे रे विद्रस्य मीट संश्रुची स्प्रापन र स्वयंत्र होत् की स्प्राणित । र स्वेर कर मी रेशर मिश्र सेचरा पृथ है .केर .चेश. मेट निटश .चेरे में .चोटश .करे .चा रेच **ૄ:એન્:ત્ર્મ:ખદ:વૅક્રેં**:એ:યુવ:વર્વ:ક્ર્યું: ક્રૅન્સ:ક્રેુંસ:વિલ્ન-ઍન્

ची वेची वेश न्रेर वर रेखनी लग्न चेशर पार क्रिंग र हेते अथ. वर्षायायानेशामाळेशयावर्गासे। करात्मुखाळावरारा यमार् य.दर्.रटा. चनःर् लटालटावर्जनालटानी वर्ग विवासेनार् कर नवस के बिट खुर्य रामा प्रेमिया अस य बिना कुरा प्रिटि है पंबीतार्म्याकाकूरमास्य प्रचाना र्ह्ने ने से प्रधार हु . ल्या शावशायन देर मु देनाम के दे भ्रद् हर मुस्य कर वहन प्रदेश हैं पर हर मुनाम मु न्त्रम । वर् भे दस्य दे प्रदेवस प्रति र र स हिना उद दर नि पर्दे व पर्येश पर्वता पर्य प्रमा है पर्य पर्या के प्रमा पर्या के प्रमा प्रमा के प्रमा पर्या के प्रमा के प्रम के ष्टाने नसाके न विना नुस्तान दश्यम् । दे दे अस्तान सुन्दि चाडुचा:श्रुर:सूर:स्पर पाडुचार् १२व्रं अवशा असपारे साची श्रेश वर्जे वर्षे अ मुद्दे वर्षे दे दे वर्षे के यमूर्ने मिकाहर में हर दरा रहे हिंदा कर हो है के किया है के हिंदा है के किया है किया ब्रुं पुरा पुरा पुरा ब्रुं विश्व पुरा है र पुरा पुरा है र कि य.ल्र्ट.श्रर.चक्रे.चर्ड्य.चर्ट्र.चर। वि.चेश.क्र्र.चर्चेर्.वेच.श्र्टा वहित्रसाम्बेना अस्त्रेना पुरन्ते पुरुष्तु सुरुष्ठ स्वास्त्र केरा स्वार्टि स्वरूप अस्य यवु.भूर्.च.कच..हु.क्र्र.ड्रिट्स.सूट्.। वहुवस.दुंवु.चि.लू.चस.देटदश. तक्य.ग्रेस.मैच.चर्चेचास.चेस.ट्रे.रट.हेट.झ्रेच.सॅट.सेच.स्ट्रालटा वहिनसन्दा विवर्षित्र व्यक्ति नार्ति मादसासुद् भ्रमान्त्र सावतानु र सवा है र भूम. कू. रटा चश्का थी. बरा होंचीका शि. शिका वा पुरा होंचीका शि. हेर् यदेश रूर के वे दरावकर वहंता मुक्त मुक्ते अर्मे दामर देना नु नार विर मधुद मुद्दे मा कर निर्दे दर दे द्व नर्द् र पर्ये ।

नवस्त्रसः चैटः (बेटः । वृद्ग्णेटः नवस्त्रः व्यस्त्रसः वृत्तः वृत्तः वृत्तः व्यस्तः स्त्रः वृत्तः वृतः वृत्तः वृतः वृत्तः वृतः वृत्तः व

दश्चर क्षेत्र पाधित।।
प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त

पहें चीका हो दे केंद्र केंद्र

क्षात्तक्षमः म्रान्तः भ्रतियो विश्वस्त्रमः भे स्वेत्त्रमः भ्रत्यः भ्रत्यः भ्रतः भ्

दे देशका क्या सर्दे प्रश्रुटका प्रत्येता से वे प्रत्येता से प्रत्येता से वे प्रत्येता से वे प् सटा से बार्ष्ट्र ची सामिट्सा बंदा है। ची है सामा मी मेरा मर्मेर चित्र मेरा निर्देश निर्देश मेरा मेरिया मेरि वरेत्रादेनान् केश है वहूर्या कुव क्षेत्र के नेत्र यह अरे देन। विव गुट क्या सर् वे व्युष्य से व्याव व्याव द्वार स्वर के नाय में विद्या दे क्रु.लस.चुर.रबंदश.र्वर.वे.रचा.चु.रूरी चि.रूचाश.रवेश.धु.र्जे.वे. च्ट्-भ्र-भ्र-भ्र-प्राचमः पदि **'मैच-भ्र**- मि.ज्. पश्चिमः च.ट्रे स.झे र. क्ट्मिश-ट्रेमः " च्रं भुष् स्राक्ष्य त्राचे सर्वे र स्राप्त मा स्राप्त हिं मी र्या र देश क्टामाकुम्भागवहरास्पर्या नवेरावा मिले सदी सूर्यु पुरार्करामा मि.रेशर च्रेर जब र्रे अवेश क्र्येश मिट. रे. मैनाश त.रेश चर्मेर वैश वेदानुष्यद्वार्वेदा। केवारायादेदावद्वार्वेदार्वेदायायायाया क्टार्टेषु र्मासामार क्रूस स्रूस नस्र नस्र नर्स भावर हिरास्त गार्टे र्देशनाथा केंद्र वि वि दिनासाथा नाटा स्मर होने से भुवा स्नवस ने विंदा कूश चर्सर वें से देश होरे हिंद मा कूर में हुर है। मूर न्यायार्क्षेत्रायान्यायम् वित्राचित् <u>कॅट्य.ची स्रेच स्ट्रेर स्ट्रेर शे.ची.चर्तर मी.व्याद घ.चेयर हे.ची२व रचेयय</u> नुरार्न्स्य निरा क्यांबापर्रे दे क्रूराचल कु परामि श्रीटक स्लूर मी व्यर् स्वर त्या वर्षेत्र की न्या का व्यर् प्यते द्वार प्रत्य प्रति देवा प्रति हैत रे. चोड्र् रेड्रेड्र मे क्रांट ब्रेन पर्चाया स्थापा स्यापा स्थापा स्यापा स्थापा क्षानु प्राप्त म विमा रेता।

क्षान्त्रेस: द्वाक्ष: वैट. कुं क्वे. मुक्षः क्र्रिं विकालक्षः वोट क्षाः विकालक्षः विकालक्ष्यः विकालक्षः विकालक्ष्यः विकालक्ष्यः विकालक्षयः विकालक्ष

प्रमुद्र दे हे मुखया दु खेद दिया पद द केंब केंद्र दर दे द माल् ए. यनसानमी. वैंस. हेंट. मी. मी. हीं मा. हैंये. हूरे. मीशर. म. देर. मीया. ब्रेंश होर होर हो अर की सर नी के नाय पर हैं के नाय है। विर है दे मूँ शकें द भो में में में में भेदे पर्में में दें र में दें र में दें र में दें र में इर वश्रास्ति करा हीर हिंद हैल हिना र्पर पर परेव के जिल्हा मु हिं नि क्ष त्रक्ष राष्ट्र मु होना इद केंनाय निक्र मादन सेन राखा क्षेर नहीं में रे देश समाय महाद मीय नहें रे प्र ग्रामा में से सरे प्र सिनास मध्य प्रवाद प्रवाद माने मिन प्रवाद माने मिन प्रवाद प वमुनाश मुक्ष भीटा। देश गुद्द सार्केना पर से सद केना साम हिना सा इ.क्रुची.चोशर.त.बुची.चूच्र.त.ल.संवे.वंश.लची.चेर.शु.उचुर्. वंतरा. श्चर वृत्ति दे द्वर श्वे अट र्ह्मास तर् पद् में नह में कि सर्वेर यक्षेत्राचर्टाक्षणा। भ्रास्तानात्रसम्भान्त्राच्यान्त्राच्याना ग्राम्यायम् ।मिर्ट्रेस छेर् वन्य म्बर्वि म्बर्ग द्र्या द्र्या पहिंचात्राचित्राचिता इत्यत्त्रयाता क्रूम में हर क्रान्नाव प्रमे त्युर दे हे केर मुष्ठिय दु प्रवेश है। मिर के वे श्री दे पर मित पर्मास्त्रम् निस्तानिकः स्त्राप्ति । ते स्त्राप्ति । ते स्त्राप्ति । ते स्त्राप्ति । वेद त्यक्षर बंदश त्र क्षर स्ट्रा माट सट मेर पर्व के खल या न स्मा देना मिट हैं शेर दें रामिं विहेर भेर खनस वेहर या नरे राम सुन मुन्सायव सूर रे ने मन मन नार्स क्यार प्रार् रे हरी मिट हूस हें किया ने ने देश के मिट मेर केर पर ने में महर मेर मेर ने मेर

ब्सः नुनासः स्वन्यते नान्यः स्वरः स्वन्यते स्वरः स्वरः स्वन्यः स्वरः स्

क्ष-दे-क्र्य-झ-सरे-स्र-सट-मी-अम्-असि-दिस-शे नास्याः स्ट्र-**४.भुै**.त्.स्या.श्रु.कुरु.चीत्रेश.सिनाश.केर.चिट.क्र्.२८.झ.सट.चक्स.तर. सिट सिंदे र टा निवस प्रमान से दायर मिया हे दार हिंदा है संस्ति है । श्रुर.चर्याथ.चेचा.वेश.टचु.षह्यूट.क्षेत्र.क्षेत्र.ची.क्षुत्र.टची.चीचाश्व.ज.तर. मूल नुर मैंर ट्रं तवश शर रा शहर है अंगरा र श भट हैं रेट हैं ब्रोट छेर र्नोश प्रदार व्याट मी व्यार पर हा विदाई दे छ ब्रेर रे र्ना इ.च.र म्मे.चर्दर होर ज.च.च.चुर टिश्च च.च.चुर्म क्षेत्र मिटा रेट्शर्ट्र र नु देव सेन रहा की मुना सामक सु सु लिना नु क्षाचुर मु र्वे र्वे न सूनका ने " बु्चिश्व.चान्नुचा.वश्व.च्रिट.क्र्य् द्र.पट.चल्चिश.ची.शह्य्ट.क्रैट.टे.चयाठ.खेचा... ৰ্ষা বৰ্ষ বেইন সাদৰ দ্ৰী দ্ৰীনাপ্ত ক্লি বৰ্ষ দ্ৰীব দ্ৰীব হিন হা বা ক্লি দ্ৰা কৰিছে। নী ल्रिंदारेन संस्टिंदेर्न्य ने वेदानी क्षेत्र मिटार्टे दे दिना मूज नुर मैं न नश्य श्वार रे नम र्र निमार रे ने श्वार नहें ना लेग रे व. च्रिट्-क्र्-पर्टेर-वनशाचीट खरे-चना ग्रीटा रेश. चनशा श्रीची प्राप्ते. न्य मुद्दान्य विद्दार्द्ध स्वर यानुसाय है के रो दे द्वादा नक्ष्य या हे । दे देशका स्वर र ट ट्रंस कु निर्मेश लिंद लार ट पहेंद् पुराया केंद्र हिटा स्य.रे.ज्यु.मे.अर.ट्य.पवीट.नुय.च्ट्र्य.चीय.पक्ष.ट्रे.ट्रे.चेर.च्ट्र्झ.

द्रम्थानुन्यम् द्रियायानुन्यम् स्वर्थात्र्यम् स्वर्थान्यम् । विद्राह्यस्य द्रियायान्यस्य स्वर्थान्यस्य स्वर्थान्यस्य

वैदा ठम् रिष्ट्रेट ज्ञस्य हूर ट्रेस्य निर्ध्य स्वास्त्र निर्ध्य स्वास्त्र स

त्नी तिहित्ते के के के कित हुं भारे का हुं र प्रका ही न का क्षेत्र का कित के कि ग्राचार्या क्षेत्राचे त्राचार्या क्षेत्राचार्या क्षेत्रायमा श्रेन र्ने मुं १ वर्ने सु से ने १ वर्ष हैं ने १ वर्ष हैं में १ वर्ष हैं भी हैं । वर्ष हैं भी हैं हैं रिज.इ.११८.भश.इ.पुंश.त.इर.न.के.वर.मीरा ची.त.पर्येश.ष्ट्र्येश. कु.चनु.श्चेर्,जश्र.श्चर मेर्र,चर्र,कुन्थर श्चेनश मुंट मुर वट रिजासट सर हुर भेग सर वे विं परिता भी ने दे हैं दे दरा श की की हैर विना होत् दमांश वेद् दे वेदं सेदे अदे । देश हेश अद्रार अद्रार देश देश म् सिद् प्रमा हेर हैर दिस् प्रकर का मी हैन मा से प्रहा में प्रहर पार्रा दे २ १ ४ दश पुर स्नित्सारणय पन स्नि स्नि र वेर् जै साम नार्थेना दशसः यणवःचनानुःवनोवानीः भेदा स्रवसःदेरम् अस्सः सरावने विदित मोर्ड्, म्.मिस्सि.मी.कु.म्.८म्.२४.५.५ मधिस.मी.मुंचा.सेब.क्ट्र-पह्र. मुर दि में में में दे नामक निया श्वर प्रेम प्रमा क्या मान निया मान निया में ल्रे क्षेत्रकाचनाय निना वस हिटा नाश्चिम पहार नाहर नाहर नाहर 9:1 सिंह. क्ष्या ट. क्ष्य दी सियया प्रचाया मारा अप से प्रचार । यह क्षरायहर्याचेदारा प्रीकार्यामु क्षरायहर्या प्रवास विवास मिल्ट्र प्रीक्षरा ल्ये अर्थ सर्वा तहूर सेवस चिंद क्ष्म रेगाय सेंग के त्या है तय सेंगु

क्षद्भायन्दित्। महिमाद्भेदोदास्य सुमाद्भानु स्विसा। स्वत्र क्षेत्र कुर्ति स्वादा स्वत्य स्वाद्भानु स्वत्य सुमान्य स्वत्य स्वाद्भान्य स्वत्य स

इ.वेट. तर्श्याता विदेश त्याता प्रमेत प्रत्या प्रत्या त्या विद्या प्रत्या विद्या प्रत्या विद्या प्रत्या विद्या प्रत्या विद्या वि

द्यात्मसन्ते द्वा प्रस्यात्म प्रस्य प्रस्यात्म प्रस्यात्म प्रस्यात्म प्रस्यात्म प्रस्यात्म प्रस्य प

स्त्राप्तान्त्रा विकासस्यामा स्वाद्धान्त्रा द्वाने द्वासः स्याप्तान्त्रा स्वाद्धान्त्रा स्वाद्धान्त्रा स्वाद्धान्त्रा द्वाने स्वाद्धान्त्रा स्वाद्धान्त्र स्वाद्धान्त्रा स्वाद्धान्त्र स्वाद्धान्त्य स्वाद्धान्त्र स्वाद्धान्त्र स्वाद्धान्त्र स्वाद्धान्त्र स्वाद्य स्वाद्धान्त्र स्वाद्धान्त्र स्वाद्धान्त्र स्वाद्धान्त्र स्वाद्य स्वाद्धान्त्र स्वाद्धान्त्र स्वाद्धान्त्र स्वाद्धान्त्र स्वाद्य स्वाद्धान्त्र स्वाद्य स्वाद्धान्य स्वाद्धान्त्र स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य

जुन्न तक्ष्य विट्ट प्राट्ट साट्ट स्माट्ट स्माट स्

त्रस्ति द्वारा त्रस्ति । त्रस्ति ।

वित्तं ते स्वर्त्तं स्वर्ता स्वर्त्तं स्वर्ता स्वर्ता

चीट.कुर्न.चोरंस.कंटस.जू.चंस.जूट.जश.ष्ट्रस.केंची.चे.कुरं.जूट्.च.

देर खर दे प्र ठर में प्र हुर विरा से दम् न से प्र प्र प्र दे पर प्र वर्षुर भेर मारे प्रमा**खेर ४**य हम्पर्मेट्या **9** भेर यहना वा दयास्र ध्यस क्ट्रें ब्रेड चर वसम में जिंद मारी देवे दिय हुमादा नक्स र हिन लट.चस्रेर.७च्.क्येश.चेट.। ट्रे.चर.ध्रेग.मीट.क्ष्मश.खे.चठु.षस रकार्यमुचीका राषु त्यर् राष्ट्ररे हि.सेकाला मीच, पर्रकाखेट कार प्रीट. (वेटा) मेरासमानु रहार् हुरामा क्षेत्र के नासारे प्याप्त प्राप्त नामानु शहर, तर व्या व द्वारिट अधित स्वर्ता विर । वर सुराय सार्विया या प्रवास्त्र विकासम्बद्धाः स्त्रीना नुना स्त्रीय स्त्राप्त स्त्र स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्र स्त्राप्त स्त्र स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्र स्त र.लट.सम.ष्ट्र.तस.रेच त् हु. धून.नुर केंद्र श्रम्भ वच नाहरू.... मानवाहे सारा नु गुरा स्वराया हैन के र नि नि माने सा हैन के र नि र मा ୠ**ୣ୵୲୶ୣ୵୕୲ୣ୵**୶ୣଌ୴୶୲୶ୡ୕ଽୡ୲ୖୄଌୣ୕ଵ୕ୄୢ୷୲୷ୄୖ୵୷**ୡୖ**ୄଈ୷ୡୖ୵ୢୖୡ୕ୡ୲**ୢୖୠ**ୣ୵ୄୗ बद्दायम् अ.स.च्या प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्रमुख्य क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र हीर भी पर्के पर हीर पर रे रियार कार विस्तु प्रयाद स्था के भर मेश रेने मूत्र मुर पर रेर रक्ष क्या हीर मेरेक के गंका देश वर्षा वर्षा वयसाम्प्रितिन्त्रसार्टानेरास्यादे स्रायटा मुख्याहि विदे श्चीर देव ने में रायक्षिर की बुक्ष मुनाका कुट र् मिर्नेट वनकारी क्षेत्रा क्या वुरामु र्ल्य पर्टा दुस्य सर्वटल प्रया है स्टरमेस द्वा म्या सेर पर ८व्यानीमुर्दाहास्थान्यातार् श्राम्ने सारामेशास्त्रात्राम्यायहानेराया श्रेन् च च च कुरे कु श्रेदे त्यम द्रेम् कु मून्य स्वर नु तम् नत्र स्वर स्वर केराल्या वर्षाती क्षामान्यसम्बरायाच्याने वर्षात्रितानु मुकामहै स्रेर्फाण्या नायाकेवे केंस्राग्ने प्रतिराधित ध्येत प्रवे रूर् नुस्ये नम् ना विवस से रा ही र देना स में र में दिर से महित था कर नहीं स

प्रमा शुर्द्र, प्रविन क्रिक्त मुक्त महिल्य प्रमा विद्रास्त स्था स्था क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रय

_____ক

लेख नित्र मा के निर में स्था हैं।

सिर. खेल, रेटा, चार्य, हेर् हिचा, जायरेचा, चार्य, खेरा, चेर्य, खेर. चर. है. चार्टा, खोलरे कु, ख्रांचरे वे, खेर का की, चाट्ट खेंचा था चारा प्रचित्र, खेरा की, खेर के चार्ट, खी, अप्रया राट राटा, खी, देश, टी, चार्च राट खेंचा, थर राट प्रचा, देश, चेरा, खेरा, चेटा। अप्रया प्रचित्र, खु, ख्रांचर के चार्च प्रचा, खेरा, चेरा, खेरा, चार्य छ . चंत्रा कुबे स्तर कुटे. चे सचीर तेत्र चार ता कुब कुटा।। कुट कुश स्तर में स शिर केट तर्म में कुश हुर कि तमी तेत्र चार प्रेय कुश होरे सिमर में कुश सर प्रमेश में चोर में तिर क्या कुश होर हो हो हुए।

क्.चे.लुशा क्.चे.लुशा क्.चे.लुशा क्.चे.लुशा क्.चे.लुशा क्.चे.लुशा क्.चे.लुश्ना क.चे.लुश्ना क.चे.लुश्न

 म्या कृति स्त्रीं स्त

सर्वे, तंत्रेल, तंत्र व्याप्त स्था की। सर्वे, प्रत्या क्षिण, तंत्र व्याप्त स्था की। स्था प्रत्या प्रत्या की स्था की स्था की स्था की स्था प्रत्या की स्था की स

पहर्ति के तर्ते के स्वास्त्र क

दे खर द भरा वर्षे वर्देर स्त्रेर न द नहिना सुस वर्षे न स से न

माथाने मु स्रिये प्रेट्र प्रवासासा मुद्दा क्रिये प्रमाया प्रिये लु प्रमासा स्रियं प्रमाया प्राप्त क्रिये लु प्रमासा स्रियं प्रमाया प्रमाया प्रमाया स्रियं क्रियं प्रमाया प्रमाया स्रियं क्रियं क्रियं

द्रे.रे.मे.रेस हुन् कर उत्र क्षेत्रा थरा तर हुर्। धरमार्टर च्र्रिक्टक्, वना निवेट नु.से. १४ वन् निवेट ने निवेट स्वाप्त कर् भूट.ज.टश.ट्र.श्रूर. ५ट्ट. वर्बर. वेश.व.लुवी मूट.चुक.सूच् अर वर्ह्ट्. मामाना पक्रमार्थना मुनाहमा दसायसमाप्रकामान्त्रिमानु भैरुवाबेरायम। द्वानुपर्वश्यात्रदाक्रादेश्वामसायेका इस वरश से गी देस तमुर माया में वर्ष मी वर्ष में प्राप्त मिर देश ही. मार द्वादी वहनास ग्री वना व विषय है जिस् काया वक्रा वस से वस ... मिमानवर्दान्त्राचीका द्वेष्टा विकारता न्येष्ट्रस्य स्टार्स्ट्रिय मुन् क्षेत्र.क्षे. प्रमान्त्र क्षेत्र मारा स्त्र क्षेत्र मारा प्रमान क् मुचीश,तर,चन्नभानी,परेची विश्वक्ष,बुर,बुरी मूर,ची,ब्रीर,भूत्र,ई.केर **इस.त.रट.स्वेश.**रे.टर्ड.र्ड.स.इ.क्ट..रे.कुरे.स्ट. डे.रंका.च्रिं.चुस. वहमामान जैस पहेंद्र देवा दायम नि नार नि नादर नि के के के क्ट.टे. धुना भानीरूना अ.सी.चीर.ती बेट. ती.चीर वे. ती. सुर कें नशास क्रेर.... मर्वेट्राणे व्यवस्य द्रमासु उत्य केना यन्द्र दे नास द्रमीनास द्विया केर 95मा

ल्ट्रमु सेच्यपु न्यंद्रम क्ष्य भाष्ट्रीय तर द्रा है यो निका क्ष्य क्ष्य

म्बे स्ट्रे हेस १०४५ ह्या पढ़ पदे हें रा न्तु या पारमा निर्देश देस हते. ह. क्या क्षा नाम का नाम नाम का न वें हिंद दुर महिंद र में साम प्रमान कर नहेंद है। पर महिंद म्. च् ्र भ्रुं. श्व. क्र्यास. तर् . रची. पबियास. श्व. त्रार स. तहूर . भ्रुं. पवित्र प व्यक्तम् मेर्ने मेर्मेन विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र महिला महेर हूरा पर ता से स्व ल्ट्रकुं नहूर् मेशला में मेर में बिट वंश में वेची में बिट ल हैं हैं पड़ वर्षः भ्रम्भानिक्ताः भ्रम् स्ति वर्षः रेक् चर् के स्थरम् सुस द्व म्यू दे दुस के के मी सु सर्चे द दान्त वु द्धम.सन्धम.रटा मी.रचा.चीट.म्रीश.स्मिमाट कुर्यु.चारस.क्ष्माम. विश्वावहर्तितर्मात्तर क्षित्र निष्ठ विश्वाव मुक्ति मान्य विश्वेष्ट निष्य मेर् कुरासुर स दुष्पर मासदान नेद्र हरा भेर हेर् गण्या स्मार देर कु सेवे दसन दर्भ कुर खर या स वहेंद निर नार्थ द्वारे सेर के. र्रे. में. चेर अं. १व. तम . चूरे. भु. ८ चे ७ . खेचे जा नहें रे जूरे . कूरे . में म म्रीट.सूर् ने अंट. वैट. बेचश मूट्र क्ष्य वची चाक्ट क्षा कुट स्वच अपने वैट. म.के.वेर.भट्या चोट.केर.चि. च्.एची.चक्चेर.वे.चो२व.भक्षक.के.क. श्चिमा मु मिय में से सार देसस दिनाद र्स्ने हे दे से दिस पर्या

ध्या.वेश.वैट. ड्रि.ज.ट्स.४८.ट्र्.केट.कुर.च्.वैट.ह्री मैं.भक्ष्य.वु. इर्यतंत्रत्त्र्य.क्र्य.वेय.वुच.लुय.लुय.त.के.वेपु.श्रूच.ह्र्य.ब्रिट.भूज.इट.च्. योथ.क्र्र.भें.क्य.कु.पंत्र.योट.वुर.ली.में.वि.यंत्र.वेल.वेपश.क्र्य.वेट.में.पर्ट.

ब्रिक्नर दे देव त्रमाय भेद मावट द्रमा है।। इट्टेश्य समा मिं व्यापट प्रमा हिट द्रमा के स्था भेच श त्र्या मावश द्रिया इट्टेश्य समा मिं व्यापट प्रमा हिट द्रमा के स्था भेच श त्र्या मावश द्रिया मार माविट या प्रटाम स्था मावट द्रमा है।।

स्ट्रिंग्वें क्रिंग्वें क्रिंग्व

पश्चरः मुस्र निस्त क्ष्मा विष्य क्ष्मा क्ष्

देशस्य सक्स्य पर क्षेर नाक्षेर जाय पर्मेर वर्मेर क्षेर ने ना क्षेर ना क्षेर जाय पर्मेर वर्मेर क्षेर ने ने ना क्षेर क्र क्षेर क

मान्नी-तिक्षक्ष स्वात्त्र क्षात्म क्षात्म क्षात्र क्षात्र क्षात्म क्षात्र क्ष

मीलक्ष्र-देना-स्ट्रिस्त्र-स्ट्रिस्त्र-स्ट्रिस्त्र-स्ट

३. १८ में त्याँ दे क्रियं स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्र

स्य-वृद्ध-प्रमाय-प्रदेश-भ्राय-प्रमाय-प्रदेश-भ्राय-प्रदेश-प्रदेश-भ्राय-प्रदेश-प्रदेश-भ्राय-प्रदेश-प्रदेश-भ्राय-प्रदेश-प्रदेश-भ्राय-प्रदेश-प्रदेश-भ्राय-प्रदेश-प्रदेश-भ्राय-प्रदेश-प्रदेश-भ्राय-प्रदेश-प्रदेश-भ्राय-प्रदेश-प्रदेश-प्रदेश-भ्राय-प्रदेश

 दे वसामु मेर्दे वर्णेद वुसे वेद मान्द सेद वेद । मिं दे वेस परे मोर्भास्त्रास्त्राम् मेर्ट्रा सेटास सेटायने देनाव क्रिंग्रेट रेट्र हेटस विस्वस विटी ट.कूश.ज.ड्र.र.लंड्चोश.श्रेपश.ह्या.शर.योशम.योश्वराचीशज. इदस वेनास स्प्रिना गुरा रेस नविश्व सुव हर कर हैं र गुव हु लेबेचस.रे.सेच.२भ.४८.वर्सेर.इट.। भवंत.भन्न.त.व्हेर.भक्.क्र.क्र.क्र्य.क्र.क्र. ब्रिट्रत्वना,यन्त्रिन्धन्त्रभ्यः सम्प्रम् निम् अस् विद्रा निप्तर्थः कृषः त्रस भुष्-रे.पक्षजायपुरम्बानि.श्रूर.लटा। इ.३४.८ट्स.पंगुजासहप्रस्थस प्रमृत्य हिटा मुं सुरक्ष भी पर्य देश प्रमृत मी सामे द्राया देश टा रूर. र्याय राज में द्वार पासे अप हिरा राज्य रें राजे द्वार पासे है के राज सा वैदा। साभक्षस्रस्रीतेट.त्राम्स्ट.वाड्डी अवसार्ज्यस्मिनस्र भक्त्री,र्साभक्षभत्त्री, है,जुर्गानेरा। श्रीभवेट में मोरानीवेट रेस. क्रेर्-वर्द्धनास्त्रवर्द्धस्य ब्रिट्स मिता होर हुर् जस्त होर दश में नार ही होर वहेंद्र यनो समालेंद्र दर। श्रेर केंद्र। मुम्मर मालुर यहसा मीद्र क्व.मे.ह्न.वस.मक्भस.उट्ट.चेबट.विटा संबे.ज.च्ट्र.जियास.मे.पि. न्त्रम्थः दृद्र्य मु न्त्र मु त्यु त्या वर्षे व्या यहे वर्षे देना में खेट न न ब्रुर् दे वसामर र्यम मृदायमें र ग्रेश शामादे द विमानु खुद दममा मीसा हे । नब्रें निश्न हे हे दे के अभे में दे हों में है जिस हो हिर से खें निश्म हो है मर्के वर्नेर र्व मार्डेना क्षेत्र स्त्रित सभा

क्रे के ब तर्म कूटम कुर म कुर म कि म कि म कि म कि म कि म कि म नि

मी नार विर मिनाश से तमा भाषा रेम विनाश स्वराश मार्थ से वस म्राजिर मी रनार नशु ने रामान्य है सर रे स्राजित में सिर् यश्रम् यर हेर् रहारहासुयानु स्पर् या मृत्व यश कु मुका न स्पर् यहै इंट.च.चइंट.च.कं.चैर.चैर। शताम् चवः ६ शत्रावहः क्याचहितः मलना है निहे र निहेर निहें चित्रह्माराक्ष् द्रायम्बार्यस्य शिक्षिताः। सुराष्ट्रीरामी हरास्य वसारवसार्केटलाकीमान् रा। जि.मास्त्रेत्र क्रुं स्ट्रेलेकोलेबानेबा हैट. यश स्वातह्यात्रिर वशाचेर ने विरानी के स्वात्रिर वराहर पुष्टे क्षायाम्बर्गे देश्वराम्बर्धाः स्टब्र्वेमाद्वरायात्री देवेहर न्हेनायायद्यार्श्वेच्याद्या हराम्हेनायार्वेदागुरियाहायहुद्या पर्वाकेरा पर्के में र हि पर्के प्राप्त के वातु के के विकास के वार्य के चित्रातिहर तिर पर्ते कारीयातर वियो श्वारम् अराधर श्वासर श्वासर मर सं क्षेत्र श्वमका उद्देश पर्वेड र देवे हेर क्षेत्र हेर पर्वे रहा। मिक्री महिना सं द्विनायान् ग्रीयावसाम् सिनान् स्वाहीसाहुमाहुमाही देखानमा व्यागुप्तराक्षयाचे नुष्मेर्यप्तराक्षेत्रायद्वन्यस्या। प्रतस्यार्थे मिमाहर ने प्रमुद्ध स्थाप हुए मि सुन् में स्थान मिने र क्या है। भू ते. श्रेर वर्षेर वर्षेर वर्षेर तथा वित्य श्रेर वर्षेर तथा वेश है। हसाय द्वेन से क्षेत्र वृता है या कुनार के स्नाय विवास कर हैं र्हराचेर सूर्। चोरंश क्षेत्रात्त भक्षेत्र करे, ने मि.चेर चंत्र ग्रीर मर्ड्र न में बेर्नाय में कुर्गा

मचन मने लम लमुल है। दमेन स नसय में मादम मु लेन दर

युरे देव के जूरे से नाम स्वयं स्वयं स्वयं देव हे कि जूर स्वयं स्वयं रह रवट. खरे. मी. मीर. मीशर. तर हीर. राष्ट्र मीया श. बुडि. ही. पी. मींट. ही मी. के प्येद : नु : वेद : व : दे : दम : क्यें द : वु द । माइक मुदे : वद : नु : श्रेद : दे हर : कु मिल्रिनि ग्रेर र ग्रामिर प्रेन मर्केन दर। श्रेर मेरि से लगर ने उ इस्रामाकृषान्यात्राचस्रमाळे राज्यायस्य । स्तर्वासक्रमानु मानस्य मुत्रेष्ट्यूर्यन्त्रम् सेर्मनुटाळ्यायस्थ्रित्रहर्मे स्मान्रिया <u> १८। सु मिन मीर व्यक्त स्ति मिन में भारतिया स्ति विकासी स्ति मिन</u> मी तर्म । मिरवस है परित्र के सिमार सर से दे रे वर्ष हाना हुं हूं हैं है अर इ. में इ. के इ. इ. इ. हे ने हैं ने की हैं ने से से से से हैं हैं ह्मेवस १८५म । मिर्ने वे दे रमसम सम जिस्ते सु तव व्यक्त दम से न ल्रे.व.र. भटेर श्रेचक शेचक चोर्य क्षेत्र हुन हुन ल्रें ची ल्रें देश ने रेमार्ड कंग नरे हिन्दि रहे यहे पहें न स्टब्स के माउद नाम के न व हिगारे रहामायद्रारम्। कुन्नद्रामानुस्क्यासम्मा सिकान्यस्य हे ह ब्रिडिंद बार्य केर पर विवासी का पर से है। यसेया मालेगा ही करूव रे.चलना,४२म अन्यर,र्र.में.चर.के.उच्चत्राजयानित्या के.क्षांख्ना महिन में १७ व्या है १५ दे कार दे में बुर देन नारे द हे वह हैं हैं । 급성. 칍다. II

चय.कश.चोशीटाची,पेटीचो । जमालेटा क्षेत्रला शे. टेचीटा खें पु. क्षेत्रा चाप्त केंद्र. क्षु पु. तो जाता चीता प्रत्य क्षत्र क

स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्थान

स्तान्त्र भ्या। स्वान्त्र प्रथा। स्वान्त्र प्रयापाले स्वान्त्र प्रयापाले स्वान्त्र स्वन्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र

स्मान्यन्त्रः स्मान्यः स्मान्

वेदःमाम्बरः वः स्वाः न नुमा । विद्रः क्रिंसः दिः खुत्यः वदः नुः क्रीः क्रदः त्यः मूरिः वर् तम सेट हेर वनस सेर पर्टा कुरसर ही द्वा हुर प्रस्थ वर्नेन में द्वा है। ५ पर वेंद्र वह में ले वह सरम वेंस है हुस वस्यामेर.रे.वर्तीर.की.लूर.श्रर। मी.वर.व्यामामवव.लट.र्ज्य वना ने में मारानी वर्ते देशक्षम समय वहम में देर ने प्रमान कर कर के हुन का ने र त्रवुर न स्पेट से र ग्री रे र क्षेत्र य वुरा।

रेते क्रें- श्रे र बेर के उर कर क्रिय लेग होट लेग हुट क माट हेर र्ने यक्ष के स्वया विंद् मी वेर् सर् हिंद न वेर्य र निर्मेश माल र र्ना स्रीत्यर मिनावद दार्से महता सूचा सिना सर। मी नर ने रहार सार्व स गुःहुशःदर्भामास्टार्ययः पर्यात्र स्वीतः सुर्वात्यः सुर्वात्यः विद्याहरू। वरः त्मअ.च्र.तर.क्र्याशावराष्ट्रीया.म्.चावशाक्ष्या.ह.विर.टर्। र.टेर. सन्तर्यन्त्र, देवारे विकार कुण है. लूट हैं बेलाट कु खेला चे भूस. टार्ड वे के ब्रान्टा हेना नी हुट प्रदेश खु हुँ र क्री र प्राप्त के ब्राह्म ल्ये. तथ्यमं साम्राच्ये तड्डेम नये तड्डेम सक्ष्यमं महिन् हैस स्त्रे तीय सूर, चक्र , धुच, बेंब, हूच। सूर्य, मु. क्रूब, मु. चर्य, क्रेच, म.मी.चीर. इस्मेम् विनार्डे दुरा टार्डेर ले चरी विना क्रास्ट इसटा मार्चेन . यर कु मर नु श्रेर १९८ म्प्र यह मात्रसाय मात्रसाय मात्रसाय मात्रसाय म्रीट म्यून विश्व न स्वेश

मूट.रेश.टे.रेभश. वच्टे.शेर.टट.इट.चुश.चश्चर.श्चट.वर्ट.भवर. मेशिट,जर्,ो तेत्रम्,क्र्ने,चोर्ट,रचश्क्र्य,क्र्मे,ची,पग्नेजाय.ष्टु. नसःचर्-नु-न्नुस्यःद्वयःवनसःदुनःहेचुदःयःव्वःयमःन्नुदःस्रेशसःद्वेःःः

स्यक्ष प्रेक्ष कुष मूर्क स्वर् हुर ह्व महाम्य हुर मार्ट हुर मुं मी मार्ट हुर मुं मी मार्ट हुर मुं मी मार्ट हुर मुं मार्ट हुर मार्ट हुर मुं मार्ट हुर मार्ट हुर मार्ट हुर मुं मार्ट हुर मार्ट

स्त्री स्वर्षास्य स्वरं स्वर्षास्य स्वरं स्

मृषःशुःनिर्दः वनसः।मसःभेरः ५देःभेदःसः ग्रुटः।। मृषःशुःनिर्दः वनसः।मसःभेरः ५देःभेदःसः ग्रुटः।।

भुदः मुद्रा <u>इत्रा पानु । स्त्रा प्रमान</u> कुदा मिटा कुदा । स्त्रा । स्त्रा प्रमान । स्त्रा । स्त च् विच वर्षेत्र वृद् वि देहा मिना ज्या प्रत्य मिना मोश्य देश मिला प्रत्य वि मिला र्श्वे विगःनुः अर्मेक्कः प्रेचे । मिंदः माक्रेशः नदः। यादुः ध्यदः व्यवः सङ्सः तृ ब्रीट क्रिंग तुट देश खर व टेंदिग र लैटा मुख्या मार देश या दुट म्रुन । नहे रचे नहेश मर्डे दे नहिम्मे सम्हेर माने स्था मेर् वर्त्रोराह्ने गृह्य चुराया महें शाक्षेत्र सर मावत्ते न नासाया संस्थत हुश श अपश्चेर श्रीट भूग इ.वैट स्थेरण पहूरे येशली र्सरवस्त्रराय्षेर्राच्यावस्त्रामुक्तात्माया हेरे वित्र रहे प्रमुख स्यादेगानु पार्टे प्रदेश द्वापा । प्रकार्ये प्रमानु से हैं शास्त्र से इमस्मान्यते नहें चें देश देश हैंन सन्या मिंट कें स चेंन वट सिट <u>र्</u>ग्यायक्के त्वर्षेत्रके वास्त्रात्नात्माचेर् हुर्ग्णेश वर्षेत् हुर्ग् प्रदेशासमा षर कुल ने रेंट बुन सम्बन्धी वेंन्से कें र मनना क्रेंन्स कुल मैंटा न् रामे केर्राचार हर है रामें कर्ता स्थान साम में ने स्थान स्थान केषाञ्च नियास्य स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्व स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्व स्वापत स्व सर् दिन्द्राचाराकेद्राचर देन्या पर्वेद केद विक्रान स्वास्त्र नी सर्वेद केर्न्या वर्षेर लानावर् क्षेर दर। दर्श रेव तयः छन् सर्वे प्रशानित् म्नाच में अल्लेन अल्लेन विक्ता में दिन स्था में दिन में अल्लेन स्था में दिन में अल्लेन स्था में दिन स्था में स्था में दिन न्वतःवश्चरः वेतः वाते रामः वर्ते । वाते प्राप्तः वे वित् मे प्रवाद विद्युष्ट्रव रेम प इससमेद पर वेंद्र में सद द्यु राम इसस भेद दुन कु सेदे

द्रमन्द्रमुद्र वर्ष सुर प्रमे द्रम्मूर सुना स्वर दुव प्रम स्कृत्राच्चित्रात्र्याच्चित्रात्रम् वित्रात्रात्रम् वित्रात्रम् क्या बेर सम्बद्धाला से सर हैं भिन खना वें गुर के सदी बर मी मे बे कें अप्रे अट में प्रथम देव दिए वेद में अदि से प्राप्त के में चाशकार् ने स्वत् ने निया विकार में स्वत् निया में स र्यातः स्थान्यः मुद्दाः भदा द्रियः त्युद्दाः स्थान्य देवः वित्रान्य द्रियः प्राप्ति द्रियः प्रापति द्रियः प ब्रटाकानहर्नेनाश्रामा दूर्वादे म्रायदे द्वारा के दे दे दे दे त खुट न्त्रिय म्ब केन मेन सेने निर्देश्यम सेन प्रति से मेन सामा स्पट न यह के द न मन के द न मन के द न ब्रैन्यनोक्षयर्द्रार्डे अन्ता महिना निराय सामावस क्रियस हैन वश्यान्यस्य द्वायात्र में नियान्त्र में नियान्त्र प्रतात्र नियान्त्र में नियान्त्र में नियान्त्र में नियान्त्र ल्रे.सुर.कुटा अ.शर्ज.यटानी.चचन.चक्त्रे.द्रवाश.सुवाश.चक्र्य.नुर.सै. **८८। वर्ष्यास्त्रं कु. जसार्यः राष्ट्रा** स्वरं वस्त्रास्त्रं स्वरं रिवेट रियम इस्रच्हेर हुर प्रेवे र नुष्य प्रमुख नावका हुत्य इस्रका सर्वे हे र्नुर या र्रेट्रिं विर्वेश नहर्ने ने अला ट्राह्म लेव ने अरा के अराहि केनी इस. मेर्पर त्यना व्येद रूपने व्यन्ती स्थित। हिर्देश मुन्नर रूपने वा वर्रे अर् के चल्वासद वर्षीयास द क्रियामा वेद हे नुसाय माहित. र्याश योषा ने टार्ष्ट्र सामना के दाह प्रकेश सामिश दे मी दे मा में बिटाया אַ רחבריביםרישקיפאיםבין אפין אפין अवर विंदः बीश वहेंद्र देव दश जादा होदा हैंदर रे पत्तु वा कु वा हे वा स्पेद।

गाउ.स्बर् तत्र विचारखर हुरा त्रा की.चार वट विवायट गाय है छूर त्रिक्ष्यी विश्वास्त्रिक्ष्या विश्वास्त्रिक्षय विश्वस्त्रिक्षय विश्वस्त्रिक्षय विश्वस्त्रिक्षय विश्वस्त्रिक्षय विश्वस्त्रिक्षय विश्वस्ति विष्ति विश्वस्ति विश्वस्ति विश्वस्ति विष्ति विश्वस्ति वि र्द्धराव व के स्रोति है। मुद्दान के दिए खना व दिए। कराद्यर द्यादा चार्ड है रे रेट खनकार्देन पकार्देर चेर मेर रामे तर महेर महर स्कर् व्रिन्तम् भूनामरः भगूरः विदा है नाकेशः ग्रीः विदायरः वैः यशः गाः चढवः वसुभानुदायद्या राज्यस्यद्वान्त्रामुक्षनुदायादे रेता मि विदे तम्बेससारम् या नकर मृति मृत्र में मुनार दार स्मृत्य मृत्र मिनार प्राम् क्र्यास्त्रीम्याम् निवास्य क्रियाम्यास्य निवास्य निवास व्या सर्वे । व्याहर ता सारा है हे निष्य स्थाय है है निष्य स्थाय है । चाडित्रं के केर त्वर वित्निव्यक्ष अर्के गृद्ध अस विव सहत्य चेंच नुके प्रस्ति वसर में प्रदेश में कि नुके में प्रति स्ति हैं में प्रस्ति में प्रस्ति हैं में प्रस्ति हैं से प्रस् पक्ष्यक्ष.च.र्.वेश.र्.रुश.पश्चेर.वेश। चोवर्ष.रचक्ष.ची.चेर.ची.पञ्च. च ग्रिन्देन। इतः इस्यासः प्रीत्त्र व्यूना च त्र त्र वा वा स्रेशः में छित् व्रूनः दे.रेचाल.क.रेबालश.रूचाका.पटे.भुरे.वट.पिका.पेम्रि.पविचा.चीका.भेशका क्रमा.चार.पेक्षका.वैर.परेचा.वेर.। ब्रे.वार.रट.रेवट.ब्रेच.ह्या.इ. मिमस्यदः द्वेश्वम्य कृदः मर रद्द्द्दः माठ्य प्रवेषसः पुरुषः प मार-मी-मानस द्वार लि-मरेने से मान सुन्मु र मान स्वार प्राप्त मान

म्भान्ति द्र्यात्राप्ति त्र्यात्राप्त्र त्रित्ते त्रियाः त्र्यात्र त्रियः त्रि

मानका केर क्षे दर। हिर सर हैं है महर दे केर सरे के क्षेर केर स्तित्। बट्टा क्ट्र शक्र हें हैं निर्वे के क्रार्टा केश रूना निर्मे कः वृक्षः क्रेक्षः भीवः पुः संकेरः पृष्टिवः यः प्रोत्ता माव्याः सक्रेना प्रदेशस्य स्पाप्ति प्रेतः स्य क्र दिने प्रायुक्ष स्पेत्। दे स्पर। वज्र दि दि धुनाका वक्कित पुका ब्रङ्कीर तथात्र में गीर विर किया कुर स् वे मिता शर त्योर संवे में र नहीर हरा वर्रेर.व.क्रेर.व्र.क्र.वर्षायरानाबर.वी.वी.वी.वीर.वीर.वार.वीर.वार.वार.वार.वार. नशित्राम् कूर्वाद्यात्वाकेश्वाम् हिर्द्यात्रान्त्राम् क्रियात्राच्यात् मर्द्रियर हिंग्रायर श्रद्धा मुंशाहे। युन्य हे के द द दे नाल द द्वार र्मुर यदे अष्टिश्यदे स्वरं के अन्तर्भ नियः निर्देश संस्थित स्वरं स सन्त्रिमःमु द्वार मु द्वार गुरुष्य गाव वर्षा नायाय स्त्रित हे तम् गाव र निका क्रेन्प्रिमिं विषद्भार्य स्थानिय स्थान मर्टेन देवे ब्राट पक्ष नाट ने मर्ग दुर दुर र के नासुम नुष्य प्राप्य पर्य पर्द मानुका प्रति भ्राप्त देर क्रिंग प्रति स्पेत्र ५५ ५८ । मासुर मी प्राप्त देव स्नायर द्वर यदे रद मुक्ष मुक्ष स्व मुक्ष मुक्ष वेद न विद न विद न विद न त.शटश.मेश.मे.द्वेश.प्रेचश.मेश.क्ष्रश्रशतप्र.हेट.त.टैट्।

श्यः व्यवस्ति वश्यः वर्गः वर्गः वर्गः वर्षः वर्गः वर्षः वर्णः वर्

वृद्द्रद्रः न्युक्षः द्व्याः स्वा के लिया स्व क्ष्यः स्व क्षयः स्

द्रेन श्रीट सूर्य स्ट्रिय स्ट

वर्देन्द्रः वस्वदं दशसामित्रिम् से होदाया सर्वे हे नु र नीकायान्द मेशकात्र्र वैदार्शका बुर हिर्। चिर वी वर्षे सुन् साथ विवेशका च्रिक्षामु सेर म्नाव वश्वास नुपर्य नावस द्वार नुपर्य सम् वर्षे अत्र रे. परेच । हिंद्र देश नहेंद्र नाम्या । गार्से ने हिंवा देश हैं वर्र मद्रावु अयम्पद् द्वेदाया म्यादेर वेद् मेश ह्वेता ह्वेद नुर वहेदा स प्रमुद्रद्राचेनास्र द्वानास्र द्वानास्य ने देशा द्वानास्य प्रमुद्राच्या प्रमुद्राच प्रमुद्राच्या प्रमुद्राच प्रमुद्राच प्रमुद्राच प्रमुद्राच्या प्रमुद्राच्या प्रमुद्राच्य द्रमायसामानहूरी यासैनानु में नार निरानकी र नूर् में शासक्ष्मा लुवी चियादेर वेंद् से माट प्रकास स्पेर् पर्टा विमाय सम्मा सेवे द्वर हुर् के वर पहुर नाशला में नार में रेत्र रूपाश नेपाव नेश के छट भना चे भूरे गिरा नेनियं नेश भाषा भक्षे क्ये भूरे से नश मुंब रें निर्दे च वेदर्भिश स्मास नहेद्र दे खोट स्मा वन नहेद्र द्राव व वुट लेट्र देखर खेर विनामें प्राप्त भेता देव के के त्र हैं के दन के दिन क्र्यायेवसःश्चेत्राव्येत्रं मार्वेद् पार्ममा द्वेद् के खटा हेरायः स्वर् स्वराधाराधाः द्रद्वर्व्यात्र्याः र खेर लेना र निस् स्वास गान । स्वरं भन मी स्वरं र दे.लट.चक्षेर.चेश.चेट.बुटा ट.टेट.चूट.चूश शृष्टे.चटश.काचारश. ब्रस्ट्रेन्ट्रा सेट्ने ह्याटान् वयस व इंडिंट्रेन्ट्र हेर्ने हेरा हस वर्षे हा भूत्रे निरंभ देता क्षेत्र त्येर निरंभ ता स्तर देश त्ये विरंभ विरंभ विरंभ देश तथ ब्रीट हेर् जेर पर्रेट स नुदा दे स्नवस दस दे उदे ही व र दे दरा गड लय लय वंश हूस दर्। हूस मी चे वे बू बिर ल प्रिय जुब नुस् त्रिवः वैदः श्रवसः दे देदः विसः येदः नादः यः द्वसः स्ट्रं स्नाद्सः स्ट्रं देः

ल्रे.अन्यःयहूर्त्रात्मश्री

ঐ নাষ্ট্রধানাধ্রমান্ত্র ক্রিন্তর্ভার প্রাথম নাম্বর্থ ক্রমান্ধ্রন থার্নির্ **अ**र्-म्यान्धुर-रुबाध्युर-रेट-स् विना-तुस-स-प्रेश म्यान्धुर-रे-दे-६-ग र्टा क्ष्यान होते वृत्ता विद्यक्षामा सुर्वे के विद्यालय इट.स् उ.र्ह्न्य.वश.मे.वचा.मी.क.चश्च.भूचा.भूव.लटा मी.वचा.मी.ब्हट. कुर डि.वेर ट्र पहर नुर कुर कुर कुर का कार नियम कि र का कि र भेदायदे सामाद सामाद सामाद स्टिन्स है प्रति सामित सामाद स मन्दरमेत्। देरायहेशम्बद्धाः वद्दान्याः निर्माद्दारम् स्वर्षः विम् तार्सा तहें दे हैं दे हैं र हे सर्टा दे दे हिंदा में साम्रह्म साम्रह्म मि.रेज. चूंश. चूरे. ह्यूज. रंभर. चूं चूं. इंट. लिचाश. रेरे. ह्यूज. चुंटे. की. लूरे. राजु. मत् खुयासुदाद्वर द्वार में दे रेट स्यान्य वक्षेत्र दे स्ट्र हिर हिर में मुन मिंद र्हेर दे पद्वे पद्दे पायर व्याप्य स्थान दे । विकाय दिकाय वहुर वर्ड अ वेद १ देरे अदाय देर हे अदा वि वे मि वे मुना वसर वुर श्रूर.वे.व्यानाश्रद्धाः माराया श्रूपरादेर.वे.व्यवे.वे.म.लट.वर्दर.लूरी मिट्रिट्र मात्रमानु स्त्रोट स्त्रमा स्त्र मिट्र स्त्र मह्त्र-गून्या भु दमात्वीर दर्। यूर् गु दर रहा रवहाया वर्ड पहूंचा नेरमेर्भामस्याम् निसाम्बर्भान्तिः स्तित्तान्ति । विसामेर्भा र्केर भेर केश मार्दर र गेंश मेटा वर ने रर र प्रार हे द्वार ने दे

मश्चिरश्चरम्।

पश्चिरश्चरम्।

रप्रे.चोड्डरं म्ब्रुं क्ष्यं क्षयं क्षयं क्षयं क्ष्यं क्षयं क्षयं

वस्य द्वार् भी प्रदुषा

 व्यन्। यदी प्रविद् यञ्जय छे द श्वीद की रे द द निर्देश य के नार श्वीद की र वैचाशकार्याम्रहरूत्रेच ।प्रिंदरवसा मी.चार.वु.रट.रवट.ची.लीका.सुर वर वरेदाना सुना नी से हैं दे प्रशंस हैया वहूर मुद्र सुका गुरा दर्नीना । में वृत्र हेशन्ता नाय श्रीन्द्विन गासुनानु खेनश पर्ने प्राप्त न में नार निविद्युक्त सुर्मु सुद्र न्यू सुन् निक्ष देन विद्युक्त रहत हित् के रहे दि के रहे सामिश्वर मी न्त्रन । ग्रादुःस्वरः त्यरः श्रीयः स्वरः त्यः स्वरः ग्राटः । गः स्वनः तृः त्रे न कुर वना नहिंद नुस य केवा दे दना श्रेद देंद मिंद स प्येद पर। मिं वे वे खुभ कु मे मह रहे वे सर वर्षे द्रेष पर हैं स स्ट्रिंग्स के लिया वनाव विना खर त्या व्यक्त विश्व निर्मा गाँउ त्या विश्व स्थित स्थित निर्मे वृत्यम् विदेश स्थादेर दिवर्त्तित् के स्थाह्य देवे वेद् में के ... विचारव्यन्तिकायामाञ्चन क्षामान्यास्त्रीमानुदानीकायान्यासा नश्चर संस्था द्वा अपरामा सुना नु मुन्द दे वे वसमायर मि दे मुनार नु नक्त व तोनास पर निर्देश प्रकर पतुना देव श्वर श्वर हिन **ब्रु**र ख्रोट ख्रें अंदर स्थान नाट खेट ख्रें क्र की नाव कर खें कर खें के कि कु.धूरा वि.वेब.वे.बिर.लूर्.स.दे.केर.लरा वि.वेब.चिर.सुका तिश. तुर्य. तुर्य. तुर्य स्थाय विषय क्षेत्र प्रत्ये क्षेत्र स्था द्वार स्था । स्थायके सुर्या क्षेत्र स्थायके स्थायके सुर्ये क्षेत्र स्थायके स्थायके स्थायके स्थायके स्थायके स्थायके स्थायके स चेश.र.रेट.जर्मनेश्च.चेर.मेर.सुश्चराधचा.चेर.पक्र.चेश.त.जुशा

निम् न्यासेन्वंद्रद्राद्राद्देश्या स्वाद्धेत्र स्वाद्धेत्य स्वाद्धेत्य स्वाद्धेत्य स्वाद्धेत्य स्वाद्धेत्य स्वाद्धेत्य स्वाद्धेत्य स्वाद्



ज्यात्म् अस्ति । अतुः दन्याः वा अस्ति ।

मार्यक्षश्रस्थान्य स्थान्य स्

दे ः कु ऋरे दमन दर्वे (लेन) दें या नशु सरे के दक्षु गर्श्व रहा वर्ष मिर्देश्यमाष्ट्रिमविष्यरे स्राप्तार व्याप्तार विदेश केद'रवें रहा होरावा**नु से**दी शरा होरायदी दर 'द्रश'खु हो ही द्राय केश' . स्ट्रेन्य्रेन्यू अप्ताप्त विकास स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्र स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रेन्ट्रिय स्ट्रेन्ट्रिय स्ट्रेन्ट्रिय स्ट्रिय स्ट्रेन्ट्रिय स्ट्रिय स देन ने न्यूक मिंद नाके ग' सु मे र न नालर द्या गुर धुना तस्त गुर छिंद णुरा मिर रर हैं नम रचे वे भ्रेग नईन एन स नहन ही वेंग नु हैंन हर्नेशः यर यहेरः चर्डेरः **य**रार्चेन्श्यः सरार्चे हो दे । वर्षः से द क्र वे जास नाहेना है। १०४८ व्यार क्र वे पहन नमन मिर्स निमास है से न.र्मे.यु.रूट.भ्रेभ.रे.मी.र्भर.ज.र्म्य.मूज.वेश.पुट.। र.क.मी.मर. बट. तब्ब. तुर्भाता नुसारी द्वारा स्वीर स्वीता स्वारा स्वीर स्वीता स्वारा ५-१ मुभःही मिन्सणाहिस्राणाहिस्तिरानुहानेरान् नर्रे हर वहेर हैस लेरी वेद के लेर महिर वे रेटा देश लावस ल्ये, तथ चत्री हशा शुक्ते, यदा और भूग देशशार दार देरे हिरा निश्व से स्त्रीत्रमः विषु र है वर्ष विष्या वस्त्रम् श्री व्येत् स्त्रम् वर्षेत् पुरः वरः वर्षेत् श्रामोदेश.नु.मोश्रिय देट,। क्रे.श्रम.म्रोट.भूज.पेश.व.कू वृ.वट.रे.७७०० ज्मे वना वस न्रे रे हुर ज्यून वस प्रश्न वह दस के मद रदा में त्रें प्रशासित क्रूर दश कुर ने नहेंदे दें देर के क्री मार क्रिया दिया न्यर महीर हो र मामक सेक मार्टा टाईट मिंट ई के से सेर सेक खरा ८.क्ष्र-१४८.ची.४८.४वर.ल्र्स्-रावे.४८.क्ष्र-क्ष्रिटश.पद्देवाश.चेत्र.प्रश.... लेब र्लेट खुन स.ट्रे.ट्ना लेट चर द्युच इनस व उंट सस द्वट चहुँदः नेद्र द्र्येश वस द्र्ये क्र प्राप्तित क्र में च्रें वस नेद्र श्रम ग्राम्

श्रीदायुक्षादे दमा त्यना त्येदादु प्रमात्या हे मा है व मानुदानी त्यक्षा देवा है वद्वेन नुसं मुद्द न्यूर सनुद्दे क्रिन न्यूर प्रमान वद मी.रट.रेवट.उचेट.अचस.जा.पेचरे.चड्ड्ये.चीट.बेच.रेश.च.कुयी ह्यू. सर्वे कर मुं सेरे देस प्राप्त राम्यार नार सर मुद्दा अटा हेरा सु मुं सेरे यश्रमःक्षितःर्रे,ट्र्याताःक्रीःमिताःतीः वीच याःमेव रह्यायाः तरः हात्वप्रस्वव्यः । ली न रा. इ.स. च बुर मारा पर हुं मारा हुं मारा दे हुं दे प्रमा मारा हुं हैं पर हैं र भुःभरःवशःमिःभुरःपुर्दात् पुःदशायनीरः हुवः द्वरश्रदशः द्वाः वृः वृःवरः नैः वियापम्या विदायम् हरायमा नेशह्याया विदाविदा। देवीम् अर्थना नार्ड. स्.ड्रे.स्.चर.चर.ख्रेच र.मे मु.म्मर देन.ख्रेच शासानद्व स्ट्रेस रे.लू मीर्लर् व देवे मुक्कि भेकि भेकि । वर्ष के मुक्कि व में मिर्म स्टार्म के स रदान्बुद्धुद्धुत्रिन्जुद्दुद्दुद्ध्यान् के क्रिरानु क्रिराक्ष्या कर्मा कर लूर् नार्र्रा वर्षे,क.चर. टक्रेर.चूर्र्माश. श.मिल.टे.के. शूर्र्डे.हेर् यना भेत्र मुद्दे र केदायश्चवश्च उटा श्व कर् के हुँद् यश्व द्रश्य हैं । । विद्याप्तर हु तु. श.वंश. पुंश हुत्यंश विद्य हु। इद्यूर, श. हुंश तर पूर् यानियर्नातालालार्दे निवियलन्तियस्य नुसार्द्वे केटास्य क्रिनालेटा केन व विद्या दे दर में भर वी में वर्दे पत्र परा मुं में वर्दे नर्षेत्र-पेचोश.क्ट.ह.अर्बे.ह.शर्बेर-पंचेर-श्रेचशामी.श्रुट-देश-देग-देग

च्र. न्यान्य स्त्रात्त्र स्त्र स्त्

देशसम्बर्धतिन्त्रीत्वर्भति। इस्यापायश्चराने विश्वर्भति। इस्यापायश्चराने विश्वर्भति। विश्वराम्यास्थर्भति। विश्वराम्यास्थर्भति। विश्वराम्यास्थर्भति। विश्वराम्यास्थर्भति। विश्वराम्यास्थर्भति। विश्वराम्यास्थर्भति। विश्वराम्यास्थर्भति।

म् त्मे नरमी तक्षेर इस हुश से (बेनश दे . देर के अर मेरिक हिंदे)

क्षेत्रसेट देन दुर्ग दुर्ग प्रेता देवे मुं अर्द्ध युद्ध युद्ध युद्ध मान्य मार वट हिंद । मीयाङ्की खेब नियामा नियाना नियानी है है नियान नियानी है है नियान नियानी है चूर्यदामितामी, नोयशाक्षिताक्षश्चा मिटानीशासरामारामा हुनाशः द्वाराष्ट्रय प्रतिकेत निरम्भेता मिरमीय दे ताल्य वले सम्बद्ध विरा मुं केश गुर में ना सदी कर दे ता पर्देर प्रवस और से द है हुर द्वान क मट,लट,चेश्र.थ.वैट.। ट्र.ज.मे.श्र.क्यश.कु.मेज्य.मी.श्र.क्र.ह्य.ट्र. मामरादे रीमाशामिर राष्ट्र दे न श्रुर्ते ताहेना क्वा नेता न मामा श्रेत्रह्रेत्राह्रेशासु हे खुर नेत्रित्रे स्रेरायस ४ स र्हेन्द्रम् सम्ह्राया द्वाता हिना: ऑर्-राय: इन वित्र मेराय: नुय: सुरस: मानुमाय: दशाय: मु: सरायहर् मसया मिट्टाया चेर्र सेया द्वादा प्रशानित से के के के के के के के कि का के कि के कि के कि के कि कि का कि कि कि के स. इश. तश. मूट्. ची. पर्टे. पेहचीश श्रेर. पेचीश प्रिंट श्रु. श्रेयः बुर्टे. भ्रम्भिद्रायाचेर् भ्रुत्र सुद्राम्भाष्ट्र द्वे तर् ने मा क्री भारता निर्मा मर बि.मैं.लट । में.मुर्च नक्ष प्रमायका कु.में अप राम कि. स् र्च प्रमायका वनान्यर सेन् नु नार्केन् न्नोंक कुरा।

दश हूट संगायक गेटश से दशायक गेटि हो हो हिट कूर में अप , दशा हूट संगायक गेटश से दशायक गेटश प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त

न्तुत्त्रम्।यानुसाम्भवसादेशामेन् गुः त्रवनान्यि हेत्साम् तसामात् चैशाल्र् हुर। में भुषु रिवेट रेशनी चीशाय सुरारेट । हैं चरे शक्र्य कर्र-रेनास-र्-ात्राचेर-ब्रेर्न-ग्रीस-प्रध्यन-राम्य-४ मार्च सार्-ास-इता हिंद क्रूर वर्षेत्र मुन्नस वस्य पर हुन्स यह मूट द्वा मूट महेन। द्वार ियो.चे.चोबकायतु.सुरःश्चे.सु.सटाबचीला.कुंबालूट्.सुट्.क्ट्रा.सूर.स्चा. . मार्के से नजर मानुसार नुमायर नहेवा मोदामासेन रहा। नुमें निमा क्रि. संस्थान के प्राप्त में में में स्थान के अंदर में तिया प्रिटिन सी वॅ द्र्या य र्केर द्रम् त्रवे यस द्र वर्षे र वहमा सुरा है रेम विदे मदर चार्डर् गुरु र् सुना नार्यर् मन्द्रा राष्ट्रिय पर्यं न द्र्येन प्राप्त हर हे के सु चिश्वर मुन्य देन देन देन पर्देश मुन्द स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्व क्षेत्रद्रायानाकुन्र महिद्दारमु नहिन्। सानु दुन्। दुन्। सानु हिन्दा सानु सानु हा। सरशःमुशःवर्द्धमः**स**रं ५८सः वृण्णः मुनःच र दः हेट स्वा हुनः वः स्वेत सूर्याश मिर त्राप्तारा। वाशर सूर्यापिया सूर्या हुश हे हुए दह्सेचाल मी. कु.विश्व.चूर। श्रुव.चौ.रचा.वेरट.झैक.ठचेंश्वराटचेंश.वचेर.इव.वच... चिस. पेरेचा वि. इंतु.स. रिज. दे. रतर परे पश्च विश राष्ट्र चीसर प्रेची. ट्रेक्ट्रियंशर्ट्श्यरेटा ट्रियवेशत्वावाचिश्वेशक्रिशरावेर्ट्रेक्ट्र नन्म पदे ह्यू - नु - नु स्थानकु - के - रेन् स पदे ह्यू दर्भ कु नु - नु - स्थानकु - स्थानकु - स्थानकु - स्थानकु परे भग दु स्रेर् पर पुरा हे प्येर् भ्रवश गर्श हु थ हे व्य वेर् से हैं पर्देर् चयस सेर् पर्दे दस प्रमुर हेर में प्रमूर राग्य पर्वे मुख्य सा में महेर्पन में विषे महिरासु मुर्ग स्वराय कर महिर्ग महिरामाय स्वरा है दे श्चर्रात्यीर वेशर्र्येवश्चेश्चायरम् अरु मानिवायरियामानिर मूर्टिन म वंगानाबर स्त्री क्षेत्र सुर वर्षे वेच ववस में केंद्र ने नाबर स्त्री हर.

म् भूतु,रेथत्रस्त्र्र्य्त्ति, स्त्र्र्य्त्रेर्येद्र्येत्र्यंत्रस्त्र्यंत्रस्त्र्यंत्रस्त्रित्ता

चक्र चक्र संश्चीर मी क्र ची ची क्र च

विश्वात्त्रीत्त्रवात्त्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्ववात्त्रवात्त्ववात्त्रवात्त्ववात्त्रवात्त्ववात्त्रवात्त्ववात्त्ववात्त्रवात्त्ववात्ववात्ववात्त्ववात्त्ववात्त्ववात्ववात्ववात्ववात्त्ववात्त्ववात्त्ववात्त्ववात्त्ववात्व

्वत्रास्त्र प्रम्यान्त्र स्त्र म्यान्त्र व्यक्ति स्त्र म्यान्त्र व्यक्ति स्त्र म्यान्त्र व्यक्ति स्त्र स्त्

क्षेश्र : तुर् निर सिर्गामभाष्ट्रां ला भर् दु स्मानं दश्वितः सर्वर मि.डे ग्रेश लूट पूर्य रूप रेश वेट पश चुना हूर टिट्र में र हूट रा. समास्त्र हे दे नायर वर्षेर परद स्त्रियान मा सूना भेदा M1.M2.1 मु सर द्रम च दे दे द म्या दर्ष दर्ष मार देन सार मार मार पर पर पर मार मार पर क्रिं बेरस्रे रे ने ना मानी भेशानि । जर् वे सार्टे ने सामित हिर हिर हिर लूट.चंब्रिस.मु.भट.वेश.च्याठ.चेसा.चे.शेव.ठवेल.वेश.चुटा। मी.मुप्रे. ৢয়য়৽ৢৢৢৢয়ৢয়ৼৣয়ৢৼ৽ঢ়ৢৼ৽য়ৢৼ৽ৼয়ৣ৾য়য়৽ঢ়ঀৢ৽য়ৢ৽য়ৄৼ৽ৢৼয়৾৻ড়ঽ৻ৠ৽৽৽ वुर्ताय मिन्ना भन् मुन द्वार विष्य द्वार मिन्न स्वार मिन्न स्वार स्वीर ने में नुरकेर वर्ष ज्या विद्र के के निया कि कर के निया वर्ष ने विद्र ने विद्र ने विद्र कू तु.मुं.चे अटा ते श. तम्म ब्रि. वयमा सा चैटा चर पड़े स पह ब करे हिंदी नुम्मस्य स्यास्त्र दे से साराय हे स द्वीय से होन्य दे स्वास सहुद निस्त वे र भी ने नि मि केरे र द स वे स में मी मिस ने स मा द नि नि द नि द परेचाता में भूशक्ति मुंदे के का मोर्ट पर हो गामिय पश्चे नाश है श <u>৽৽৾৽৽৲৽৽৾য়৽য়৾ঀয়ৢ৽৸ৼ৽ৢ৽য়৾ৢৼ৽৾৽৸য়৾য়৾৽ৼ৾৽৸ঢ়৾ৼ৽৽য়য়৽ৼয়য়৽৽</u> लूर्में बुरामें अक्षेर्याचीर वैदार दर्यार वर्णेर् हे विद्याप्रेर में लिया मञ्जूर्यारेर्॥

चर्त्रने स् स् पृ कर्षात्रका के स् विच हिंस चर्त्र के स् ते निस्त के ने निस्त के निस्त के

षा. भः पश्चर में प्रचार में खेर या ता है केर मुरावर मा विद्र के प्रथम यर दे दे पहर नहत मुर्ने अवस दे र मुर्जे मारा विनाय नहेद र का क्षा सरावहर्त्तर सुन्दावयस सेर् छेटा। नार सुरायना वर्षे हैं रार्से राहेर हेरा व्यथा सेत्रप्राचे सक्स सा अदा अदा स्था के हि ऑट सा देश स्वरा दे यश्र मिन्त रक्ष के र हर् दी के र अंश श्र श्र श्र श्र श्र श्र हर हर हर हिन हिन यद गरा विदा दिवाद सूर हूं किया हूं किया है हिस देश देश हुर मील रे ल. उड्डाय १ ने प्रकृता वन वर्ष वया वया वरा के के प्राय अक्षा प्राय के वि परेचा । सदः कु.च.बु.हुसः ह बे १.पहचारसची, सिट्र खेन स.टु.सुर खुन यवर क्षे.शर.वेट तेश.श्यालश.धुरी ८४.मे. मु.मु.हर हि.रच.रे तंदर, देनम् रापनापु द्वीरावस्त्रस्य व्यावद्वा नादस्यस्यारे स्ट्रावस्य वरावहेरास्त्राभटार्झे.चोल्राटाङ्गावरा है.वे.चोर्ट्यासेटाक्री.चे.चे. क्रुन्या ग्राम् हे के हे स्थान निर्मा क्रिमान स्थान हे मान निर्मा स्थ पहर्यन्मना समित हूर हि. च पु.सर्बेट क्षेत्राच बट हे लूरे है। हिट हूर रू पर्टा स्टालील स्रुप्त वेच वा श्री स्टार्टा सुस्री मानी श्री वा सुस्ता गुप्ता ब्रॅंशनिर्देशस्त्राचे क्रेटस्ट्रेंटस्टेलिया वेद्रान्य स्ट्रेंट्राया हुता दुरा ववै मु सेवे हुँ र दुं या दर या दे दमा सु विमा मीस हैं सागुटा र ट म विद ही स *वे*ॱध्रनःक्षेप्रच वे श्वेरः चर्टा २ व्याचा स्नेरः मुदः क्ष्रायः स्वेरः या **वे**षाः स्वेरः या अ·코시 [전도·꽃이 글 '대리'편'저도 '플 '됐고' ' 도·통·너무도 한 ' 다 문 비'교 도 ' में.चंडर.हं.में.कुर.स्यारहंदस.हेर.ग्रे.लूर.चर्टा सर.वूर.सेंट. भ्रुं व वेद्रच व दे दे में मारा खुया हाय के दिया हूं या दे का मारी के वा दे दे व णुरारमः हेर्नु हो स्मिन्ने होन् स्वस् सेन् पुरा।

न्याणी नियार पानि के विदेशान्य मान्यार प्रायत है साम्राय विन्नामार प्राची वर्षा क्षेत्र विन्नामा र स्ट्रा है मि वे वे स्ट्रा है र प्राची र वे स्ट्रा है र प्राची र प्राच र्'उ'स्'्रे सुन्धासु'अट'अट'स्ट्रि मि वे दे'नशस'यर। मिं नीस र्ने रात्रे से र में प्रमार ने बन सर्मिस वे स र्ह्ने में बर हमा स्था केर-देन्द्राम्बुर-देश दःर्कर-विकेषा देन्द्र-विना मुद्दा-अदा नेवे विनान त्रे न्य नुरादाना द्वार प्राप्त का स्वाप्त र्ट्य मुद्दारा नावि ग्राय पाटा। वर्षे से सम् क्रिंग हु साय वर्षे प्रमा र्खु र स[्]त्रयाया मु से स सर्र मार्चेर क्वस हे त हे स्ट्र स्ट्र स स र दे र हि र र विद्याञ्चना सुरुष्का क्रमसामा अद्राप्त है स्वाप्त विद्याप्त है स्वाप्त है स्वाप है स्वाप्त है स्वाप है स् स्रिमः स्रु ग्राथ नविर्द्धनातात्त्र नद्दे ग्रामी नार्षा द्वातात्र स्रामी नद्दे द्वा त्वनक्षात्त्वत्वेन वेन में देश महें का क्षान्त तान ना का के के क महिरामुर्का में प्राप्त प्राप्त प्रमुख्या स्थान मित्रसंदिर वर्गे है एक रेट्र के वर्ष हुवा में रहें देश वहें र में हरा सन्त्रसंभीता वत्रप्राप्तराय्देशयद्भीत्रम्मानीयम् देति द्वित प्रश्नि क्षेम के रहेर सेर से न माइस राष्ट्र के निष्ट्र में के संस्तर प्रमें हैं: कुट वि । मिं क्षेत्र इस प्रदेश । २ इस दुसमा के दे में सर्वेद रहस दहना येशव में युरानार भर यु नेर र तु रिश लेश मी र में र जर रटी नेरस वर्त्रे राषदावर्त्तर परेत् कु सेवे प्रसारे के रेवे में रेव वाहिट हैं म् सर्क्र् राम्नानवम् बादे त्यकातहत्या मुत्री हमात्वीरा नहें के जिला मि जुन्ही वि । सरे रे रे रेर्ट् भ विर्दे प्रायक से एटे केर विश्व हैया प्रस्थ रेवाय क्षेत्रे ग्रें अर्के र व्यट्स हैं नश्चर हैं अर्थे हैं अर्थे दिन में अर्थे वर्षे गुरा मिस्र र रेनास सु २५ लेगानी य गुर दे त्या ही संस हेर इसर सर

यत्मान्यस्थान्त्रान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्

भी ततु दूर ने सिट क्रा पिश्व प्रवेश प्राचिश प्रवेश प्राचिश प्रवेश प्राचिश भी देश में मिट क्रा प्राचिश प्राचश प्राचश

शाम कु. कुटा ता के. शक् .चट् .वहचाका बेट. ट्राची के. ट्राची वार .च्यूका चान .च्यूका च्यूका च्

पह्ना सबि सुर निर्मा।

सुर न्यार निर्मा मान नायर कुन न्यार कुन स्थान स्थान स्थान सुर न्यार सुर न्या सुर न्यार सुर न

मिन्न के स्टूर्य निकान के निक

५-५८-मायाके नदे मार् दे देवाया कुष्यहर संदर्शेय स्था हिया क्षः श्रें श्रें श्र रापते 'द्ये **'दि**न' कुं श्रे राप सुत्र' स्प्रें । दें से स्प्रें से द्वा से दे वर्षेट्यावर्र्यायन्दावित्यामिट्यामुर्थित्यम् ग्वित्याम् वर्षित्यम् कुं ल्या न न कुंद्र न ते का त्या न का चुंदा अदा अत्यान कुंद्र न ते कुंद्र न हेंद्र ह्नायर्नाका हेर का वर्षाम्बर मानुका मेहा। विहार दे वे सुदे वहर्ष प्राप्त हुँ । ब्रीट दे अर अवत सेर पर हैं दे र र विद हे अट र सेट । दिर दा यगवःवनानीसः लेना हुन्यानिक्र द्यारा नाटा स्टासः द्यार्था स्टास श.चोदश.लश.सश.मी.मी.शहूरी चो.ल.शेंट रेशमी.हु.टड्डिश.स.टडेंची.... मश्राचित्रा होत् मा क्षेत्रा गुप्त मानु । महित्र गुप्त गुप्त मान् । महित्र हा की मही । द्रवासटाचे ते सुरा स्वाप्त स्व यानदेवः निम्नामि द्वास्यराधेव कुष्णेवा बेदार्सेन्यः नहेर्नि द्वा । द हैं दे से सर या मुक्ते र के दे खुवा नु दुर्गे र मिर से द या दर । मुक्ते য়য়२ॱॿॕॣॱॕॱऒॕॕॕॱॱक़ॗॗढ़ऀॱज़ॕॱय़ॱॸॱॱॶॸॹॕॖॕॕ॔য়ॱॸॸॱॱॸॖऀॺॱय़**ॱ୴**ॺॱॶऀॱऄ॒ॸॱॿऀऀऀ मुश्रेशराई देन्नुरायार्श्चर्यहर्न्डिर्यार्याट्टमश्रीम ।इत्यादश क्रिं पहिरूप्टर्स अर्थे वी अर्पे प्रवस्त अपस्ते र विद्यापात विष्युत्त इट जिनेश सपुर्वेश स्वेनाश निवेश वेश खेट स हु या तर स्वेश स्वे ग्री है। मु नर नु खर् यते वर् भे तन्त प्र वह वह मुल रेट सुन स परे शर के बे ने किं र के श के ने देश के ने कि ती हैं ने ने के के लिए हैं ने कि के के लिए हैं के कि के के कि के कि न्निंशकेरा वहेंद्र देव दे त्यादेद दरा वनाय शना वहा के त्या दर्गामा हैन

टकाखट, बर्स लट लूट मी. श. दुर श्रेष्यता विटा। क्षेत्र, में में श्रेष्ठ प्रश्नेत्र स्त्रा स्त्रा हुर श्रेष्ठ प्रति स्त्रा स्तर्भ प्रति स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्

दे व श के शक् निवाद श दे या ब्रेटा विधिन ने ना व कना वर्गे के दे श व र दे र् स्रेवश वर्षावीत्त्वार निवारता के सर्रितर विवारत ह स्वी इ.क्ट.सूर्ता मे.भूश.चूर.कू दु.बे.वर्ष.जश.चुर.तर.लट.मू.शकूर.मैरी मुँदामुद्राद्धाः में पहेंद्रश्यः प्रमानु प्रमा में सद्य पुरा में प्रमा स्रविताविची दे.लूर् तर्ष्रमी सुर्टा विचैतात्रमा सुरि हैं ये होर हैं तर् दे-भेद्र-पद्रे-प्रह्माक्षानी 'अकाद्द्र-कट' कार्यद्र-मृतुटकी 'प्नाद्र-प्रद्र-स्राप्तिय प्रस्ति हिंदा श्रिय में मिना रिट । सामार्था मिला हिंद स्राप्त मट्यं नेत्रविष्यं में में मट्रहर। यावानविष्यं में हुर्वायर विष्य नेरश्मित्राधित्वकारे १८८२ द्रम्यापि नेरिने हिर द्रोव द्रमा वहेर या रेटा अवश्रारमें भ्रारमें यावनरेरी मिट्क भ्रायदेर में वहरे मैं भुरी भ्रमान्त्री, हिंदी, ने हिंदाना हुरे किया ने का नी कर नी हुरे होता हुर। र्मनान्त्रि वदान्द्राध्यद्राध्याः इत्यर वद्राध्यन द्वर वद्राध्या व द्यानारानुभ्येत् जारानेराधुरासान्यिरामाध्येता होन्द्धिरान्द्रासान्येत् यान्त्रस्य मुद्रासदे हुनाक्षास्टर्द् सेन्। डेसप्टर्ट् पर्वादि सूर स.इसस.उहत्दरभवासाम्बर्क्ट्रेरटा चि.द्वत्र.द्वत्यावस्त्वा वासा हे मेर्दे (अबेर-रामेर्दमहर्मा पुरा

ज्या क्षा क्षा स्ट्री के प्रती

भ्रीत्र, १७१.७ मि.च स्थानंत्र, कुरानंद्रचा भ्रेत्राच्या मीश मी कुरावर्त्रका डेर्च वे.रेश.कुर हुन में सूर रिश.चवर रहिने नधु हुँ जिस ही सहर मुर्चेर्र, रे. संग्रह, कर, नाइना जना हिट. रे. लूरी सेनक र्रेड ट्रह, सुमस. मु मानस हर हे अर्थे र श्रेय नवे "नट र्ने है मा रावे श्लेय श्लेट मी मुमास " मूर्नियायाप्रेया एकेन्स् मेन्निक्वीक्विमादहरसान्मद्राद्याप्रेयादे श्रेचशःश्रुःभारत्वे के ह्यूचःम्हेरःश्रुःभव्युरःगुरुःचेत्रःदिःभ्रवःचन्नदःसूचः हरा विपर पहुँ के सुंश हो अधार्मर वकर हे र र ध्येष पास बहा र-दूराष्टरने रूटाकेश नाय हो र ने स्नित्स मुद्दा अट र्सेश मार्देश पर चर चर्य स्थापन चर्य द्वार न्यू निय स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स् महेर प्रवत विग विद पर्देर स्प्रें। प्रमोध मन्द हैं दहेंद हेद पर्देश क्यू राष्ट्री राष्ट्री साम्यामा प्रदा**म्या**चा सक्या प्रमाणिक क्षा क्षेत्र पुराष्ट्री स् स्राराकेरायाक्रानुगान्यकेषिमा क्षेरायान्या वेदाख्याक्रीत्रद्या ने प्रकेर देन नुसाने र नमायदे केंस के प्रमान मान माने माने प्रकेर ने ७५.९८.९%.सॅ.प**चट.ज.**भट.८%.सॅ४.म्री.पुश.मैंट.लूटश.शॅ.ट्र×्४.. #1:8xx.तर,८वर.च.३८%,५४.त.वैहः॥

मह्दः र्श्वर्यः वे । विद्रानिकेश के त्रास वेदः के त्राम के त्राम

न्चर्यस्यर म्रेरं अत्र मीस मन्द्र खिगसा बेरामी प्रत्म । सिंहा दसा मी स्थेरे नमनाञ्चर दट होंबानर लेगा नष्ट्र होते मृष्ट्रिमा श्वरा पर्टे या स्ट्रर देते. र्स.ष्ट्रस.मोरेच.रोम्ज.वुर.रेम्स.बुर। ४८.श्रूर.बुर.परेट.म्.मुंस. म्रेट बिन १९३ वनादे स्वार्थ स्वार्थ । अयस देर द्वाना १८ नाव १ मी श्रूर प्रथम में नेर्ट क्रिय के वैद लेट । मेट ने केश ता केर पढ़ श्रूर हुस.भह्ट. सु. हुर. टर्सेन. रेश. प्रथ सैंट. उर्धेस टहूर. तर् । जिंद. चीडेश. भारतेर्द्र नक्सा मुद्रि गु से तद्वा गुर । भार वहार अहंद ही मुलाय म निर्मास नुसार्द्धस निर्देशियां में मुना द्वार रहेर् महरा १ ५ दरे रमना द्वरावरान्य सरामा तिहर कु के स्था तुरा स्टा दे दिर स्ट्रिं तिर्मा र दे दे ता मक्ष्य हो देश मुदादमना द्वित मिट र्ट ट्वे अर ऑट ब अ महिम् अ यद द्वेर द्यय द्वेय छेर ... ह्यै.लश.वेंद्र.च.चकु्द वर्त्वेंद्र.चे.ऱ्द्र। इस.प्युद्रःसहः ईन्याकी सहदः म् तु क्षेर् शर, इपाया मार्च कु. व. झे. च. चंचे दे वशा श्रमा लट व ही. विव.मानवार्त्.रचाराचरायचीर बनाल्टरचूला

मि. भूर ही . रेव : प्रचार कूर अभय हो : मैं चा त हा हो दे तिरा

श्चीत्राच न्यम् कु त्र गाउरका गुगस्य न्या महन्या मान्य न्या मान्य माय

ल्हा न्यक्ष क्षात्त्रीय लग्न ही ।। स्यापा गुर्च के न्यापा हो ही हैं। में श्रेस स्त्र हैं। स्यापा हो स्यापा हो ने स्वयं प्राप्ती में श्र प्रेस हिंस हो स्याप्त स्वयं हो हैं। स्याप्त स्वयं स्ययं स्वयं स्ययं स्वयं स्वयं

मान्त्रित्यान्त्रिः मुश्रापाकेत्। देवे ीतस्य वि हे ते हु हूर् पर्ये देखा. मान्त्रित्यान्त्रिः मीश्चेत्राक्षेत्रा हु देश असः वटः हु रः नर्यो हु के छ्वारमा हु व कृत्भः त्यमः श्रेटः भूकः मुन्द्रः सुन्वित्वास्ति न्तृ स्तरः स्तरः

व तंत्रमः अभ्यात्वेदः स्त्रां । नाद्याः द्वायः वदः स्त्रमः भ्रीः पुन्ता । नाद्यः द्वायः वदः स्त्रमः भ्रीः पुन्तः वद्याः वद्याः व्याप्तः वदः वद्याः व

पहें . ते सी हे अप उसका र सार्ट्र त्या की ता का की निष्ठ हो । यह है . ते सी की सार्ट्र ता की सार्ट्

मुं दुः सद्द द्वेदं वा दम गुद दा मे वद मते पाव पाव दे हैं दे र मन्द्राच देश हिंदा था हैं तहन है दे प्याप्त हैं हर हुद है। दे अदा हैं चय.ट्र.यु.यो.भुट्र.ट्रं सन्। हिंद्र.यो.लस.पिटस.ट्र.थट्र.थयं अथर अथ्यक्षता व ल्री व्राधीतायमानियामान्यात्रात्रात्रान्यानु क्रिक्र दे द्वा वद् से माले र साम र हैं दे पर्दे हुर से प्रवस्य पाले न स्पेर " केत्। व्याण्या क्रिक्तराचे कुमे मिटार दार्देश वेदार्श्वेद विदायाया क्षु सदे में मद्दिना दिन में मुद्द या में दिन में दिन महित हैं विर प्रेड़ इटा द्रायदे हा संदेव दटा सेवस द्रेश्य पर्व प्रसम द्वार देव दे । भामक्ष्रात्वे गासे । दे भामे सामाने सामि प्रेंद्र प्रवस्त से हिर्पा के हिर् रदानुसारीकायं देतान्ये हैनातार ने लट रे जर् में शिव बेद'यर खेवकद्विमा के **फेर्**दार द्रादा दे रामा कुर कर फास हत... त. हुं च हुं। जिर्च ह्यू जा केंट्र चेंद्रा दे र जातु. में साचीट. टे. हुन द्रा पिट. श्रीतार्थक्षत्र, हे. ते. इ.जि. क्षेत्र, तकर हुन्। ख्रतमा तम्म विमुखा तीवा ने निमा भू वर्जीशक्ष वहीं वाक केंद्र विश्वा वाक सुर वर्जी लवास है देवा सिंहर . र् वश्चर वर्गना छेर र में शर्र दे हैं अस्तर हैन से अस्तर तर दे महर्रद्वारायर वर्षा क्षम हे सुर्द्धा सर्व रवद् में स के मेरे रमन न्वेंद्र'यः कु सर्वद्राह भेदः नाहु इस नादर भेर्द्र य ले श लुस न्द्रना हि र्देद दे रिना केंद्र भरे .के वेर .हु स.मिट मिट .ला . होट म्री नहीं नवि .चीर .हे...

त्वाव त्वा ल्या र्वा साम हुं अन्य क्षेत्र व में त्या कुं कुं लाम व कुं लाम कुं लाम कुं अन्य कुं लाम क

मर्चे. त्स.लुर.झूर.लूर.कुट.। वर्च्य.क्र.ट्र.देस.सूर.विय.ट्रंय.सूर.स्

देव.भट: ३ेव:ची:वेद:म्राप्त्रवाकट:लट:क्रेट:र्च: अशायर अंशिट. र्मन्येत्रमें संस्थित हो निष्येत्। के सार देसरा गुटा हें अ**सामन्य** र्शःभावम् वर्ते प्रकर मिन प्रभावि । त्रम् में भ्राम्य मार्थिक त्रम् क्रिक्स देवी भ्रेष नी द्राप्त क्राक्स दूर देवता हैं . ये. वर्केर कुमिश वहेंद्रिश के हैं रहें अस वर वन्य है वन्य में के खालर वर्जी सम्बद्धिर भ्रा. क्रमी र पुं. र भ्रमिश सम्बद्धि विश्वसातियेश रूरे गा. वर्डे ... र्के वे वस्रअयर क्ष्म गुद्द वे द के हैं अम वक्ष वक्कि के के नियमित ग्रीटा श्रे भटावेश रे.जमु.से.अ.शहल.बे.वू.कुट.कैंट. मुर.वर्चा तसीर. वानु समानानानि विना नुसारे मुँ उर मुँ र दर वुट हैं नस कर ना पश्चामे ने दिन से नश्चेर हैं श्रम्भ नश्चार देता ने रणु हारे ने प्रमा वु नै ने न पु दे न माम नि के सर्वे मुरा कु मेरा स्वर पहें न पहार है द मैं १. ५ कर निष् सर् तिनाम मों ह हिर ४८ मीट नी नाम कुर व है। रटा वस्तावश्वाहाक्ष्यानुष्याहाक्ष्यानुष्यान्याकः वशाद्भाक्ती, भूतु, सूर् हर २ . २ . ४ तु के दे . २ ता ह . के र . २ स. १ ट . बार्गा नी पर्वाचा निर्वे वीर असस समा है के से से दे पर पर पर पर दे ।।

स्ति हुन् म्यू क्रिया में क्रिया

लार त्यर श्रु श्राट क्षा र टाविश मी श्र श्रु श्रु श्रु स्वर त्य ने ना में ट्रिंग् त्य श्रु र प्रमें त्र में त्या ने प्रमें त्र व त्र में त्र प्रमें त्र प्रमान क्षा त्य प्रमान क्षा त्र प्रमें त्र प्रमान क्षा त्र प्रमान क्ष

पहिर्मे में भूते में भूते में में भूते में में भूते पर्मे में भूते में भूत

स्कृत्राच्ना मित्राचे स्वाप्ता स्वाप्त

क्र. प्रदेश श्रेष्ट्र व्या अस्त प्रदेश प्रति । प्रति

लत्। सर् मान्नियायदे स्यान्त्राम् । त्राम्ये मान्यायदे । ताबुर्तार्मा वृश्वास्यायर नार मद्भायक्रिं मिर्सेश्वास्य मुन्दूर् न्या हैं , खुर जु. से देशर खुर दे नियम खुर । वासुर देश ही हैं हेट दट हैं न बट में शामान सुरूप ने के हें रे ऑर द्वा फुट स कीट प्रसेय ... स्थानवार त्रिट्रार्ट अरम श्री देर त्र्या वर्ष । मान्द्रायदे माद्रायां माद्रायां देव विद्याय माद्रायां द्रायां विद्यायां विद्यायां विद्यायां विद्यायां विद्याया त्रम ।देर कुर के दिने हुर देर देश देश हैं खूस रहे "दर मेट प्रक्न **ीद**-कुर-कुर-मूब्रकार्क्द्र-च-देर-क्ट्र-त्निवश्वस्थानुस-स्व-दि-विह्न-स्व-मः वर्षा अनमः देरा त्रामा मान्या वर्षाः नामा छरा मरा प्रति । प्र रूत्र, े. अस्त्र, सेच सिम्सिन्स् क्रिया सम्मिन्ति । वेर विष्या क्रिया न्दर्देते'युना'यर अर्द्धस्य श्रेष्ट्रिप्त्यर सेर्ड्डा अत्रादिनायायदे""" कॅट. ८ चंश. सैंटश. ग्रे. सैंग. इं. रंग. रंजु म. मूर. सर. केंग. मो ट. सू मा सर ... वर्त्वरायेटा वर्रकेट्रेट्रेन्स्इस्याव्हराकेस्ट्रेस्स्रीट्रेस्ट्रिट्रे मिटा**राबटार्ड्र** राजेर्से च**ब्रिश** लूटीया। भ्रीटी व्यामी स्थितिका गीरा राजीटी ये गु.र्वम.लूर्ने निस्तवस्त्रभारम्बर्निर यपु.हट.क्ष्म.ही साम्बु.समस् बर दें हूर जे मैं भी मैं सार दें दें ने बड़ हैं है है ए पर या में से में 교육도와,다,난군, 고상,등도, 최도,당도, 남고왕,생도, 최도,왕도,스도, 성급성. स्यानितः द्वेत्र त्यात्र्वा द्वस्यानास्य द्वातात्व्य द्वाता ङ्क्षेट-'बर'पड़ें स्वयं बेंग्यरे अञ्चिति विकास के ना होता । मन्नेम् इन्द्रम् राष्ट्रे वे वित्र राष्ट्रे वित्र हो । या वे वायत्वान कुन् वित्र या वर्षिवराद्यक्रिक्षे अर्डे हैं। रूप, रड्डिमी मी प्रमुर हैं निराय सेंट

देन्द्रवे अस्य द्वादे सुन्य स्वाद्य सुन्य द्वाद्य स्वाद्य स्य

द्र-श्चीट श्चिम् स्र र्गिर ख्रु स्मिर श्वी स्मिर स

क्रिंट्र वे.क.क्रूट्रमी.व्यात्राप्ताप.त्या.मी.पवित्राध्यापत्रिंदर. **ङ्केतुःभरःम्कृशःइञ्जानः**३रः**मु**ःशेषेःप्र=ेषःप्रिरःपरःवरःवरः**म्र**ःनुःपर म्नन हे केर में रे मिटा नगर में रे में है सर में रे में प्राप्त कर में बर दर दे में र ने प्रताय कर में र के र में र में र में यशमान्त्र मु श्रमाञ्चर प्रदेशिंद्र रदानी श्री हेर वदाविंद द्रा मु **য়ेवेॱयसःनेदः**चन्।सङ्गःदुःदन्नेरःपरःपदेवःसःसरःकेः बरःबेरःदुःः मुर्। नक्ष्मार्च दे हे कर नगत में र नु नम्भेर न कर दिरा विहर मिनासु प्रतरावरामर्नामाला। श्रामा क्रियास मानरास र्रे दे मु भेरे अर्याप्या मु भेरे अस मेर दे दे र स प्रें प्रायम मेर मान्याभिताना न्यामा है हो निहन नी साई लेगान विद्यान स्थान निह दना नेस गुर दें अर वे ना कुम दें निक्रना नश्य वे वे अर्गे वेर वेना ब्रे :५१:मे**र**'5'मुर। मिंर'ल्वसंयर'ठु'हें 'वेस'य'सर'यें रूट सेर्डेंद्र गुरान्त्र मः नेशक्षप्र देर दूरायहर्म मंत्राम्य नियम नेद च विना दश से सट ने स देर तिम्य नुस स में स महमस से दमाद चंत्र.मेंत्र.चिंट.में.चंर.कूट.ट्र्य.घट.चु.झॅर.घट.टे.चश्चित.एटेची

दश्रास्त्राक्षारक्षम् अत्यत्त्रं स्त्रित्तः वित्ता विता। व्यत्त्राक्षारक्षेत्रः व्यत्त्रं स्त्रित्तः वित्ता वित्ता व्यत्त्रं स्त्राक्षाः स्त्राक्राक्षाः स्त्राक्षाः स्त्राक्षाः स्त्राक्षाः स्त्राक्षाः स्त्राक्राक्षाः स्त्राक्षाः स्त्राक्र

ची श्रुम श्रुम प्रमा निर्दे क्रिय पर देश क्रिय प्रमा मिट क्रिय क्

में स्थानिक स्थान में स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

यग्र निगमी प्रमुख के के दर्श सर और झवस देर के सर मेरा मह्मरामक्ष्मरापहेंचार्दा की.मूश्रार्भायते.सामवित्तराकराहे मुकानेरायामळम्बारवर्षार्वीयास्यासामी रेपर्रे मुकायादियाः र्त अर् से में व्राप्ति शामिश में स्टामी द्या प्रमुद् महें पाह मानु मि. म्. म. मिट क्रू दे. द्वाश शु: श्रेषा प वित्वा क्षेत्र मृत्यश मिट क्रू दे · · · · वशमःद्वायायमःदमःनेशःह्नीशःवृतःवेदः। भ्रवशःदेरःमेःमदःनीः नमम द्वारी न्या न द्वारा वित्र मेर् प्राये र द्वित स्वा दि रहे । नुदानकी क्वामर्रावयम्यायाक्षार्मकेवार्ये हेवे सुस्केदाधेकाया त्यन्यारा तास्ते साम । किटा बेर वासेर से विदे रिवेद् रे मारा भीना हो । मद्देश दे दे व केश नम्त्री दे प्यता मे दे केर केश के दमन दर मक्रमः नुः मञ्जरः वर्षेत्रभावेदः ग्रीः व्यन् द्रान्यः मीः सदः वर्षः विश्वः ग्रीः व्यन् चैदा। देवे सुद्धार्द्व मिदा**द्वर** सद्द**र सेंदा स्वे**वरा स्पर्दा या स्वेदा स्पानी सा श्चर भरा में अक्षा नाट हैर लट है हैं राष्ट्र महिना देश मार्मेट देश में क्य होरे १ स मिय पुरा में यो पुष्य रेया मुं में यो भी भी भी भी पूर् नुर्ख्यास्य। विरुधार्गराचीम्या से सन्य विना चर्षास्य भटार्जिंदर प्रबुर, गुंदर श्रीट ख्रेचीश ख्रूट पर श्रु. शट र पीठ प्रशादश

ट्रक्षना, नृत्य, त्य, क्षेट्र, त्येत्र त्यूट्ट्र, त्ये न्या, स्वा, नृत्य, त्यूच्य, त्यूच्य,

याम् स्थानि । प्रस्ति । त्रित्र । त्र

त्रामाद्द्राहर्षा न्यान्त्राहर्षा वर्षा क्षेत्र क्षेत

6्री.स्र्ची.रे.लर्.। शु.भर.स्वत्र.कु.चका.कु.चंर.कु.स्चाश.वका.कुर. ८.चंर्ट्र.टु.लर्.किय.पुर्चे.चंर्ये.चंर्ये.कुर.क्चर्याकुर.खुन्यःच्याक्ष.ख्या. ८.चंर्ट्र.टु.लर्.किय.पुर्चे.चंर्ये.किय.पुर्चे.कुर.क्चर्याकुर.खुन्यःच्याक्ष.ख्या. ८.चंर्य्य.पुर्चे.चंर्ये.चंर्ये.किय.पुर्चे.क्चर.च्या.चुर.ख्या.चुर.खुन्यःच्या.कुर.खुन्यःच्या. ह्या.चंर्ये.चंर्ये.चंर्ये.चंर्ये.किय.पुर्चे.क्चर.चंर्ये.खुन्यःच्या.कुर.खुन्यःच्या.कुर.खुन्यःच्या. ख्या.चंर्ये.चंर्ये.चंर्ये.क्य.पुर्चे.क्य.पुर्चे.क्य.पुर्चे.चंर्ये.क्य.पुर्चे. ख्या.चंर्ये.चंर्ये.चंर्ये.क्य.पुर्चे.क्य.पुर्चे.क्य.पुर्चे.चंर्ये.क्य.पुर्चे.चंर्ये.क्य.पुर्चे. ख्या.चंर्ये.चंर्ये.चंर्ये.चंर्ये.क्य.पुर्चे.क्य.पुर्वे.क्य.पुर्चे.क्य.पुर्चे.क्य.पुर्चे.क्य.पुर्व ल्या.बेर.के.स्य.परीया

कुर्कर्मक्रमार्थमायार्थरम् नाम् राष्ट्रयः नासुमार्क्यमार्वयः प्रदानामा सर सर द्वीर ने नार ता से नार दे देश र रहें में देश रा कर नात. मुर्थंत्रश्रहर मिः पाविः मुन्हें ते मुन्दः भेनश मिन मुन्हें दे हैं। भेजद तर्वेद के र वि गानश्र देख लद से न से दे हैं दे तह न की मेर क्रिया क्षेत्रमाक्ष्रसाकुष्यसम्बद्धायमाने हेसाले वित्रामिन दमा श्रमाया वुदान रूना र्देश नाप हो श्रम्म ग्रीश मे मह या देश द सेहा त्यों में क्षेर वर् सेर में सर नार स. लें र वहूरे तर हुरे दे ने र दिल. (वेच.यहूरे.चेश.तर। भ्राश्चर मोश.संब. प्रटस.र्यूर. वट.स्रस.र्प्ह्टे. २ अ. १ वर्ष अ. मी,परिकाम, ब्रमानका पहुरी, योशा हर्म मी, भूमा पर्वाप्ति दिने मी, श्रीट. रिधू श.मी. कुरे. रे. कु. भट. ची. सिंटे. येथ. श्रीट. रेथची. रेट्रे भवा रहींची.... म् व. स् संदर अवत नम् र. पहुँचा मैं नारे व. पेम् म. तारे व. तीय म. पहुँचे . हुरा नग्राञ्चर् द्वसारे स्ट्रास प्रमास पर्वास पर्वा स्ट्रा स्ट्रा तर पु प्रमास र ज्या प्रमास प्रम प्रमास प्रम प्रमास प् पह्नाला वश्रास्ट्रमा

पश्चिर् श्रेपश में बर्ग प्रमुख्या पर्य में से वे नियम क्या साम में प्रमुख्या प्रमुद् श्रेपण में से प्रमुख्या में से प्रमुख्य

लबा चर्चार खुर नुस्क हुं सकेश रे वैदः भुर्चेरचा इ. वेब. चर्चार खुर कुर ख़ेयस किंट खेश र ट. चर्च स खे. च वेचा शतः च्रिरे. टे. घरेभ. टे. लूट्टी ब. कुटा । चिंह हु यु ख़िट खूल चिट्य खुटे च

डुस.चग्रेच.मूच.समशःगुरा हरा श्व.चंश्वरमः चैटा। मूट रचा स्वेमके चश्र.चण्ये. मुर्थ. क्रूश.जाटश. ट्रे. चेश. व्यंत. वेश. वर्येच । श्रेर. भ. चंचेत. নধ্য-হ্ৰ: ট্ৰিট্ৰেন্ড্ৰ-জ্ৰু-ব্ৰন্থ-ব্ৰন্ধ-বৃহ্ণে ব্ৰহ্ম-ব্ৰন্থ-জ্ৰু-জ্ৰু-জ্ विवासराम्बर् हरा। मात्र ब्रिंग क्रिंग मान्य यात्री हिर् क्रिंग देश समा सेन् यदे सुक्षः सु वग्निन् सूर्यः वन्तेषः य तुरः विदः वसः सूरेः वन्ते यद्धः ... रे. बहूरे. चासमा रे. जार अ.च. इ. प्रांची साम ने हुन स. खूर से प्रस अ.वीच.तार्च.चोचका.पीचोका.रेटा टेर्बोट्का.सुका.ट्राइट.तर.ट.कू.चकर. बुटा र अपन मिर्म स्वेनम नर्रे हेर हेर हा लर् ग्राटा के मह मेस ट्र.च्रज्ञ विवाश कुश मुद्देश प्रश्न प्रवेश द्वार विवाश हुन विवाश हुन विवाश हुन स्राचालक, चाक्कावका मान्या स्राचीय स्र क्रम.र्भर.सेर.सेर.चेर.चेर.चेर्न.चेर्न.चेर.स.चेर.स.चेर.स. रमन्। र्वेर्मिट विर्म्य पुर्वर है मेना हरा। विर्म्मर्टशः तिना भट्ना के विर निर किर। येच कुंत्राश अस प्राप्त हे किर पर दे दि बट.लट.घट.पट.उक्च.विश.शक्षक.पुना.बस.हैच.पर्वे.चेश.टी.

के.वेश.लट.चक्षर.धर.चर्तरं.ट्रं.टंज.वेर्य.टटा वर्धर.ध्रुर्ध्रू. वर् से स्वन हुर पर हर सर भी नाम रेना वस नि नर र 551 मीर्ट वर देन वर्ष नहा मिट देश मिट हि दे देश वर्षीय वर्षीय वयक्ष.वुरे.तर.भटूर.लट.। ये.श्र.रथक्ष.रट.यंबेर.येश.प्रेस. के.ह्रेच विष्टिं विष्ये विषय देवट, वे.स्टावव देवट, वृक्ष अर वि.ह. क्षेत्रा हर् केन ना हुवरु चेर में भेर पर देश द्वा गुर में दन में बद चेद हुँद में छेद यदे हूँद हैं ना सुना में मद में बन्द कर कि न महर् देव श्री र चे के चेर ना बिर वस सेना नु से सर सेना पहिनास चेंस हे मु केद दर्ग हे द केंद्र हैं केंद्र हैं केंद्र हैंद के मुद्य मान है हैं ल्यां पर लट र्यास रश विश्व खेनाश व्रे गु र प्रे र देव र देवा स र स स ल्रिन्मस्ययि सर्वे र करवार्षे ते न्यानी में भूते र ना नार्ये र प्रवे ही रा श.वेश.चर.दे.क.ची.भुरु.देव्द.चर्चैर.चीर्ट्र.चैष्ट्र.वेषर.देश.हैंय.च्. मिनामी स्त्रित्वा संस्था महित् हेटा दसना द्वेर नावर ना है सार्यः किट हे रेट हिंगेश अवेष के व राहर परियो निकृत में स राहर मानवा ल्बा हुर न दरा अहर के र के र नियम के र मीवेट वेश पार्ट सेंस विश लेंद्र ग्राटा दामाश वेद हिंद वे दिश श हे व्या विश्व सर परेव ए द्वार मार्ग वनाय विर कुर हिंद द्वार मुक्त मार् ञ्चना से देवा देश नहें दिना

वहूर् वनसरे र्ना भेरा नित्र हुर हैं शर्भ से सर ने हिं हिंग कर के सहित कर कर के सहित कर

दःश्लम्बराद्भिनाचेत् पुनाटाष्परास्त्राञ्चना पार्केटा सुने प्रम्य स्त्रा ह्या दिल्या बुरा मूर.कूश.चब्र्र.अपिर.चुर.वयश.ग्रीश.चयाथ.ख्र्य.चर्योश.च्. न नर् हर तस रसमार्ये रेर यहर्मा समा हिर केस वेर् के रश्रदश्र-र्णुश्र है वे न्युक्य खेनार वेश हेनाश्र मुद्दार हो द र्नोक्ष वेद । हार्सेचार्द्रास्त्रप्राप्ता विश्वस्त्रप्ताप्तिस्याप्तमायार्दा स्राप्ता में रे मूर्या कूथ में रिशमी पार्चित पहिंद्य में रे अभय परे रिन है **४=४.लू**ट.च्रीर.चयार.चेच.वस.चाट.वेच.क्रेश.वचश.पुश.टेश.एवेंश बुक्राम्य मुद्र विद्यापर्ये ची. मी. भुद्र र समा र मुद्र कूरा र द्या प्रते न र्टा अव रहे र दे द्वा रटा भेर विकास तिवा मिट हैं हो केम शास स्वा त्रक्ष्याळेदाचे वे पदम निर्मे हे के हु के दाखा हमा के ब्रोट मुक्त प ल्च-विश-र्नेटी स्थेतस-देर-ध्रु शट-विटश-स्र्रीर-जून् के .लटी श. द्वर केद वी बेना ने श स ज्ञर ने जुर के प्रमान केद में पर्यो ट.क्रूस.इस.श्र. चंश.द्रेचेश.ल.झ.सट.क्रैर.सूच.चुरे स्थित द्रूस.चूट. मिरास्सालसाद्दाक्षेत्राने स्तासदानी द्वेषात्रात्रात्म् साद्दा कुश्चर दे स्मानुर कुर मुझेन तुरा सर्राय देन सार् रुद् म्रोतासपुर देर्ताळ रायर या वाया कुलिया यहास्याय वेनासाय हा खनासा न्या मुख्यार्ष्यभारम्यायकायहर्यान्या ने किरासम् स्व दे कुळ्या द्वार्यमा मनु । लग्या एयद देश मल्या स्यासी स्टार्सा न विक्रिक्स् निमा विकासिकारिकेस्य महिलासिकारिका त्रित् सु यु : दमन मेरे प्रवु अ शे संनाम वस दे ही : वद केन मा २५ विग उसने में मिर हो स्वेर से अट में श दर्ने नमून स उस दें

भूत र्यट पश्चिर किस जे दे भी जेर पर माश्रम पश्चम स रिश पर्या देहेश मुं खुट दमन में के दश गुट द क मु मेर्वे पान पर्ने द पहें ... रिधर मुद्र में अर क्षार्टा में अरा मेल्मीयाराई में क्या बंधना स्रीत्र म्रीक्षाम् म्रीक्षा नार्याक्ष्य है। इससानी व्याहिकारः हरी नार्या द्वा ह र्मा केंद्र में प्री र्मा हे समा न से प्रमा निकार मास नेमन्द्राचर्तितिमः स्ना वित्रमा हैरमा स्मानान्ति। विविधित हर निर्मे अटमाश दिस पा भेद गुर । अवश देर में सट में निर्मे मि मेरे मेरे प्रतायमा वा कर हैं नास मेर मेर हैं के बर बहे कर सि में किं भाषात्मवर्षुका सेदायाक्षेत्रामुर। दे १३१ दर्ने हार्<u>च</u> द्वार दर्वेद वर ग्रिंश्य दश्य द्वाय भे ने विना पर दाय हरें पुर विदा दे दे हैट रिस्ति, द्र्या क्यां व्यापवाट ला. मी के हिल मिश्रिस मिट्ट इस तिस पड़ च्रे.रे.बुट.र्विचाह्रस.लुचाक्र.टे.रचाचे.स्स. व्यान स दे भेडा ट्रैल. वर्श्चे ग्रांस. स. केंद्र. कुर. तर . परे वस क्रेस. पर्ने मश्र. पर्श्चे वश्र. कुर चॅडिशने। द्रशक्तिभेदे नमाह्मर वर हिंद भेद हे न प्रताहित है वर्त्राच्या मान्या मुन्या मेन्या मान्या मान् रटा। अवर ट्रे प्रिंद् यवश सेर प्रिंद सुवा मी से विषय मी मार २.पर्य अधिर विश्व तिवास क्रि. ित्स क्षेत्र सेवास श्राचेर ब्रिट विश य.रूटी नावशाक्षित.पट्ट.रेना.मे.स्र.नीट.सेव.ज.रेनाव.संस.ज्येट. तपु.सु.मुलानायर न्त्रा तमाय प्राप्त न्त्रा मान्या ल्.चेड्चे.दश्च.मु.हश.से.देनुवे.हतु.स्त्र.इश.मु.कै.बुचे.चोश.चेंस.क्रे दर वहूर पास्त्र दस में इस मुक्ष कर प्राया दे दाना दे पर द

मार्चिशःशिशःग्रीटः नेमाश्चरं ने मीन्यः अन्ताः भारतः भारतः । स्माः केषः लूनः चः सिः सष् अभारतः स्टाः स्माः श्रामः स्माः स्माः

बिर. तेम. त. ज. ट्रस. वंश. चंथे स. चंट्रं श. चंट्रं मी. ट्रें ची. ट्रां पे. खंटा। च्रिंट. क्रा. वंश. खंट्रं मी. खंट्रं म

त्र के क्ष्य क्षेत्र क्षेत्र क्ष्य क्षेत्र क्षेत्र क्ष्य क्षेत्र क्ष्य क्ष्य

स्वत्रान्ते स्वत्रयः स्वत्यत्रयः स्वत्यत्

कुर्तालुबाबुदा। नावाजुरानुःश्रेशारीःरनाःसुरावह्रवानुरार्वाशानहरू वनसः दै व्यावार नुपार दिना मीसः र् यद्ये श्व सः विदेश वर्गः हेत् । द्वमाल्ट्र हसरटा रेरेट्रेट्र क्रम वहूर मंग्रम मेश्र वंगानविता. लम्। पट.मु.सर्व वर् १ वहेटस र वहेस स्र र पर्टेश में पट हर. गुन हुर्- नेर अध्य र वर्र सन् स वर्र हैं । एना ने हर् निवस हु अर दे तब्दे . वस . लूट् . से नामा ची . शुक्ष . ट. स्ट् र सूना का खेट हिंद . की . के ट. टे . टे केर.वेस.क्र्याचा झे.सड्.धु.भट.चुस.ब्.वट.बैट.बैट.बेट.वट.चेंचा. कःलूट्ट्र्यहरूषे । बुंबर्ट्रे.च.स्ट्राचंश्वराचंशाचार्चाशा वर्चे विद्युत्र दें से व अव से सहा नार स्मार नुसार सा नुसा। मु से वे सी मो देवे त्र स 3. E4. E1. SE. \$4.4 | E4. BE. B. E. धु.भट.बुर.श्रुच वुर.कु.२८.जुर.भ.चेहा च्रेश.जम.२८.स्. मेश्राक्षेत्रात्राहर। क्रियाहितास्य मेश्रास्त्रात्राहरक्र महित ड्रेन्च्राह्म द्वार न्यानित्र न्यानिया । हिल्दर न्यानिया । हिल्दर न्यानिया । लट.जू.चट.बैट.बेंच.अष्धभ.८हू.ग.श.वेंट.तथ.बेंट.पसेंचेश.वेंश.... 357

स्त्रीत्र-वार्याः स्त्राचाक्रीक्ष-त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राचः स्त

न्यायाः भेरतः मान्यः भेया।

रमना र्वेद वद ल्वं सद में सवद में सवद सदे प्याने नहास पर दे खे मुश्रुम् पत्रे के साम्ब द्वा के नियं मार मार्थ प्राप्त है के र टार्ट टा हेस अनु सेस भे मो रे मा रेस गा पर १८ रे यह रु स १८ मा गु ट । स्मिन भेरित्रे निर्देश्वर प्रस्ति के स्थान के स मूर्माना भटारहर् मे पर्मा विश्वामी मान्सा द्वापान रिमान कुंगसाम् सामवृद्धाः स्वित्रामान् भूगाः मैकिंगसान् दूराम् स्वाधाः स्वाधाः वनमासानुत्। मिट्नी थे नोदी वट्न के ले ने प्रें पिट्नी मेनस मुर्तान्त्र वि. वृश्य रेपा कुटा विट मी तशम तक्ष्य ता मुचा हिर पर्य. नकर दूव इसस महूर पनीयास मार् ट निम्स मार्ट । मे सदानी निम् पित्रिर्द्धर प्रमेता वचा चक्रिर्देरचो सामय मञ्जूता साह सामुद्दा प्रमेद मुश्रानहूर् माश्रया शु.शर.मुश्राट्श.ब्रूट् श्रीट.ब्रब्स.टर्ड् रिप्टि.च.मेंडू. प्रकर मिले दव पार्थेर् केंर्'वरेव केंर्रे वे भेव पु के मि केव पे रेर् नालर नर्भेर ख्रा-त्नेन केर मु केश मु क्षेत्र मु क्षेत्र अन्तर उस लर् अन्या <u>र्दा म्याने द्रमञ्जूल वृत्य द्वयाय श्वेत वालदा ने दानुका क्र</u>या हुने नारका क्षेत्रावरी के वीत्र वर हूं का तूर्र हैं . वेर लूची विश्व कर कर की में विश्व के का जा ५२1 मिट्रवस्यायाश्चरस्य अटम्बरम्यः भवत्राद्धारम्। सुर्श्वटस्य विम्यानात्रम्यात्रात्रम्याञ्चम्राह्रम्यात्रम् वराम्बुम्याद्रम्य स्यान्यस्यान्यः भवत् न्यान्यद्वर् स्वरं गोद् स्वरं ता देसः नास्याः नश्चिदस्यः र ने व्यक्ति त्यूर से प्यार यानि के साने न है सा प्यार श्वमाय लेखा या नि **95**ना

टार्के दे नवस्र केंद्र अराजु से शासें इटा**द**ा के सामेंद्र से शासेंद्र प

द्रा व्यक्ष वेश्वव्यक्ष्य श्रीता श्रीत्र मा वृद्य प्रेत्र प्रित्या । विद्रानी श्रीत्र विश्ववाद दिस श्रीता श्रीत्र मा वृद्य पर वेद्र प्रेत्र प्रेत्य प्र

सम्बद्धाः में भिद्या

त्रमान्त्राप्त्रम् सळ्यामा ह्रमान्त्रम् स्ट्रम् स्ट्र

द्रेत श्र.क्र्यंभूती भुश्चार्यक्षाक्षात्र्यक्षात्रक्षात्र्यक्षात्रक्षात्र्यक्षात्रक्

श्चै त्त्रामार्ड्यायपे के सम्बद्धात्त्रा के बाले प्रदेश स्तर स्त्री सा मायशानी मा सा स्रामित मा हिन्ती अर्दरमे र सर क्षेत्र सी मार् शत्मीमान्यायात्मान्यात् प्रमानु पहेंद्रिता ने वह देश कुराया हर है या है री की शुरा के अपने मोट हिर दर। केचा बर रे बुर ही टाया हो ही चाल में में हो के के की ने हेर में बेर खन रहा। अरहे पर सेनास अ.जु.चवेर अम.ब्रिन्।म्टानां बनाविन विन तिम.ब्रिज्य के प्रवाह विनावका... मृह् रामाश्रया वयाग्रयाद्रीतिका हार्नु हार् विह्ना रहे से से से सिंह इता के जैब खब में देनक है जु ह न हर दता दसन के दर्दर केश यक्का केश यहा प्रविदेश तुवा की क्षेत्र का विवास के मूक्षा कुष्या हु। "" अर.चेश्रट र्रेड्स. १ व्या शियोशी लहा झे. इ.स. से.चेर से.स. हेंस हेर्. सार्धितानु तस्यानुद्राचावसाग्रीया। है। यह स्नासद्वी प्रवस्या है। यह क्षेत्रक्षे, मूर्यक्षेत्र क्षेत्रकाचार व्यवस्त रहेर् ४२म । ब्रुका वर्ष संबेधारिय. म् रा साम्युर्धितायक्षराद्वार्यात्राम् क्रिके मूलकाकुराकुर्वान्तरान्याः श्रीमासुरारे सास्त्राचे मित्रस्ति स्त्राहिर है। ब्राम्ब्रिटाल्स्टान्स् वे हे त्वाम नुष्त्रीर यन्ता विद्वेर्द्धाम मह मुक्ष बियारेचीका नेरे मा अक्टा वस्त हिर रे किर हुन हिंग हा अट.

म्यान्तः स्ट्रा व्याप्तः स्ट्रा व्याप्तः स्ट्रा स्

स्वाह्म त्रिक्त स्वाह्म विकास स्वाह्म स्वाहम स्वाहम

गु.३१.म.२.३८.वर्र.स्र.च.५८। ट्र.४८८। चर्याय, पर्वा ग्रेर.पड्स.

क्रमान्यस् क्रमासामीना प्रसायर में नसूर प्रासू वि नावर दें वि वि हार इर वर्ष्य वर्ष्य प्रवस्त रहा अस्त हर स्वा सह दे देना हिंगा श्चित होत श्वत्र हैं व्यत् हैं व्यत् हैं न्या कर निहें ना मुद्दे निया होते होता में स वनाम्ब्रिन व्यसागुराम्बेमा १० सामे देन देन देन तम् १ देन मे भट क्रिम (बे.पहचीस क्रिर जून) पर्ते विषम श वर्गीय तर हिट क्रूर ... ट्रमामिद्र स्मा क्रिक के प्रमा कर हिए समा र्वेद्रायालु पश्चित्र केरे दे रहा हैर पहेंद्राचनात समा दहा है। वस्तार स्निन्ता भी मी निन्द र देव देव के अस देवस मिट हि दे न्वराद्यमार् सुराहे खेराहना साम्री संबंद हुन्य साम्रामा हिंदा है विवह स दिर देना नु वर्में सुवे रे वासेन पासेन देश सु सवे **ब्रिक्ट म्यान्य विश्वास्त्र प्रमाण्यान्य स्थान्य स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्य** मे अट दश से इट अहर न में र हु अ के द हिन से दे कि द कि है द म्.ल्र-.२८। .८.क्र्य.मेट.४चर.पर्ह्य.चट.देव.नुर.चे.ल्र्य.समा ब्रियानहेंद्र याद्रा व्यानी दे द्रामा अवन्ति विता यश्चर हे र विंद् वया नवस अव महिंद हायस हे अपने हेंदि देशीय या यहर् निर्मा । भी मी दे देर मिर्टे पदि में महर् में में में दे दिना र्वेर्निट सेम्प्र इट वर्नित हेर्ने प्रवार केर प्रवार समा देर वार्यम् मेने मेने मेन मेन ने निया है निया है निया है । रर्द् श्रे सर श्रेम स्रुर् न निर्दे में दे ने निर्मा सनस श्रे दे न नर लूट नी स्रेर बर्टिश व्यामु केवे यर सुव हे नुर्ने स्था खेल ह र्श्व है ।

चर् श्रीनिक्ष स्तर्भ निक्ष श्रीन निक्ष मित्र मि

र्वेश पर प्रथम थ केटा ह. केट नेट ट्वेस प्राप्त दे श्रिम केटा स्था ने स्था पर प्रथम थ केटा स्था ह. केट नेट ट्वेस प्राप्त दे श्रिम केटा स्था केटा स्था ने स्था

बार्ड्-अ.हेव।

देवे अव दे देवस दृष्टा वना नाहर ने दे चे दे अस देन दिन मंद्रमान्तर स्त्र व सार। इंद तिमार वस् प्रमीर क्यांश देह माना र्टा पहेनाहेदान माननापदे देनासाय का अंश सिंहानार भार सेद र र भेरायके माया बहेमाया सूरा दे हिं सामा मुरा है र दे हैं के या प्रदेश सहयासराप्तके कुन्या दे प्यान्य द्वार्षे वे देव के विवान प्रतिक व वारी वर्ति माने देव हो । वि व वन मेर देव ने महि ने देव में नियारमारोद्यानमार्थेद्रादे वित्राहेत्राहेत् स्वर् नियाप्ति हैटा विश्वासक अदान में अपने प्रतापन निया कर के दूर में सिट वर्त द्वार तथा स्वाप्तर वर वर वर वर वर के माने कर । वस वर्षा नश्च मेर केश वर केंब्रस वर्ष के रवा केंब्र के र खेर किर के र यर बिर में हे साहर ह में वर की र महर निर्मे के साहर है केंद्र सा इंभाव मुद्दा देव है। देव प्रमा द्वार ने निवानी देव रे देन सद्दा शु. भर. ची. उट्टे. क्षेम. दर मुं अवेश. च. कुम. देश हैं । सके मु अना के ने कर नु स केर पहें के पार्या रूपार के विदेशी यम्। नायास्त्रीर् १६वे शिकास्त्रीना मु सर्वे १ वर्षे १ वर्षे १ वर्षे वेर् कु स्वाक्र कर वर भेर के स हेर व रेशी

देर वहेत पके निर्मा केना थ दिने में भेटे से महि से भेटे हैं देना वस्त्र में ब्राइट विम् निर्मा केना थ दिन से भेटे से महि से भेटे हैं

श्रेंर.श्रु.शट.ष्ट्राथपु.चश्रभ.श्रुं चे.ह्यो.शरी ट्रंश.में.श्रुंचा.श्रुंचा.हश. तर वेर ने मूर पर्टा स् वर वर वेर ने के राम मूर हिर पहेंचा निर्मेश यर तसम्मा दे दे प्राय प्राय दे तिर्मेश महिंद् हो द या वे र्ने नावन कर ह लेगा शेव करा म बर्स पर्वे चे र की मावर रहेर हे ता मुना अर् इतस र्रामान मेन मुना हु के में हिना के मा सर दसर र य अद्भा नाम हे झ स दश में स देश में मान मान है ने से स्थान है है ल्री ट्रें मधर मक्षम् मुं का निर्मा मेन महर श्रुट भ्रुप नमा सर द्में मुभावेगार्भुवयायहर्षामार द्रावेषा नाय श्रेर्टिश केरियम रीका इ. कुरे ज़िर हिर है हिर पड़िक रहा। शे अर रमर व करें चहिर क्षु १ हे मारावद्धमस मेनाया श्रुमा क्षुवायुवा के को स्मेर्ना हे हा दुवे व्यवः न्द्रेन्स वना नाहेर् द्वाद नवे के देश मार वे राष्ट्र प्राप्त के के के के वै.। श.ष्ट. मर में शुक्षांश मंस्ट्रें सूर पर्टेंग पंत्री हैं नक्षां में देश. र्शे र अ अ र जे र जी हैं निर्देश्य देश मार्र र निरम्ब र स्था से द स्थि निष्य हैं ... श्चेनश चालार्स्य, तस्त्र नस्त्र नाम्य वास्त्र अत्य मार्थः मूनिक् है दे हूँ मार्भेट हे सुन दु दर्मे मुर नहें व देव दम मी पहें नका या विवश्यानिक्षान्तिः भटाकेन् दाश्यक्षान्त्रः विवशः केन्त्राक्षान्त्रः कर्मान्त्रः त् कुर्देश प्रशिक्ष पर्दे पश्चिम से जन्म से ता जेर पर्देश साम श्वर प्रस्त चर्र व्यार्णोर् सक्रेन त्या नास्त्राचा चन्त्र हो त्यों कुर ध्या नाहेर् पुर् यास्त्री वस हेंब लूट नने हिंद वन में ने ने ने नहेंद देखें रा से दे गु

भुचात्रस्थात्रमा सि.भ.ते.२५.वे.च.५.देर.४ चैच.सेव.च.वैटा।।

अरक्ष हेर मार ने वर्गे च रिया मार खेवर र कुर्याम सर्ष्य न्दिन्से दुवाणुदा ढदा समादा द्वारा सामान्या अस्ति विदेशी विदेशी। लूट्स.पेह्रदे.क्स.चे हेश.देटी चेगोठ.ह्यूचे चेश.चडर.क्स.हेर. श्रे श्रिटा वटा से हे वेंदा हे प्रिंद के प्रिंद के प्रदेश के पर सामित भुभामार्क्र मुद्दा निद्याप्त भवशायेतमा मुद्दा महमानु महिद्दा वें हिर केंग दे प्रित्र नदर प्रमा मिर दे में ए र हें सार दे से स में के अर्थ राष्ट्रिया में एस दे अर प्रस्त में के प्राप्त हैं राष्ट्र दे पर भुंशुद्रास्त्रत्रद्रिं में स्तु स्तु में मूर्वास देश के मोठे द से अदा अदी महेद प्रचार्रेशाला इ.र्टरी चार्रुचा में मार रे. लूरी चीर्टर में धूचा हूर. ग्रीट श्रुंच मुर प्यें दे हिर हैं बाव मिर के व में प्यें हैं हो दर्द मुन्या हुन्दर्भायत द्वरा नेन्याय पुराष्टा मन्दर देव देवना मि मेरी में ने बार देश दें मा मेरी हिं से हिं हैं हैं का है। हैं का भर नाबर में नेर्निस पा दुर्ग के कर मेर् रु में केरे खें का लेर परे र्वेन्यायाक्षां कटा सर जिंद् पर्वे विस् विश्व में विस् विकार विस्ति पर्वेद त जेश हेताश वेट व शिट हैं के हैं व के हैं तेन अह से हिर से अह ती अह से भवेश.पेर.मीश.ल्ट.हिट.हटा। ट्रे.केर.मैट.वे.मे.कुस.कूर.ट्रे.कुर. मार्क्स दिना के ने प्रति । के ने प्रति ।

२स.दुरे.चोट्ट.कुरे.चठु.तर,चूंच्या अव.रेंदे.ट्स.चैट.। ट्रायंस. विच.चश्चेचाल भु.२ट.चटु.चोरंटे.चालज.च्र. अहंट.कुं.च्रिट.कुंस.ट.कुर. २स.चर.च्रिट.कुंस.रट.हुंटे.उंड्यस.चंड्चोल.चुंटे.शिंटर.च्रे.मु.शट.क. ट्रा.टंट. च्यांच.चुंश.क्र्याभाषाटचा.उंच्यंचे.विहें.कुंर.च्रांचक्रैर. त्त्र्रम्मित् सक्ष्यक्षित क्ष्ये मार्थ क्षेय होता त्रेय ति स्ट्रम्मित होता स्ट्रम्मित स्ट्रम्मित होता स्ट्रम्मित स्ट्रम्मित होता स्ट्रम्मित स्ट्रम्भित स्ट्रम्मित स्ट्रम्म

च्यूभेनसभावेट॥

च्यूभेनसभावेट॥

च्यूभेनसभावेट॥

च्यूभेनसभावेट्याच्यूभ्येच च्यूभेन्यभ्येच च्यूभेनसभ्येच च्यूभेनसभ्येच च्यूभेनसभ्येच च्यूभ्येच च्यूभेनसभ्येच च्यूभेनसभ्येच

इ.स्.स. त्या श्रम् स्ट्राह्म स्ट्रा

न्त्रियालेगानेश्वे अर्द्रत्वेगाय के स्वत्र मान्य प्रत्या के स्वत्र मान्य प्रत्या के स्वत्र मान्य प्रत्या के स्वत्र मान्य के स्वत्य मान्य के स्वत्य मान्य के स्वत्य मान्य के स्वत्य मान्य मान्य के स्वत्य मान्

क्रीतर्मा स्वास्त्र स्वास

स्थाल्या व्याप्ता व्यापता व्याप्ता व्यापता व्यापता

क्ष्यूट्ट्र प्रश्चीयाम् देश्चेताम् हृत्याम् हृत्याम् । वटाक्षेत्र म्यूट्ट्र प्राप्त हृत्याम् । वटाक्ष्याम् । व्याप्त म्यूट्र म्यूट्र

श्चें दर सर दसना से महिना दरा श्वें यर पर दसना से महिना यहसा हर्म स्मान स्र्रे अस पर्ने व स्रिट कु पु स प्राम्न सर्व रहत सरिय विद्या ब्रिट्स द्रम द्रन न् नाम ने द्रमन मेदे क्रम नहूस कर्कर न द्रमें इसना में देंश दारे हैं शासु परि । दे में के दे वह केर मानदे हैंद नुक्रानि हेर्डिं इतास्मारम्बद्धार्मि सुन्द्राप्ति हरा हिन्दे वेर् श्रूम अम्म म्यूरिक विम्तान मार्च मेर् केर विम्तान मार्च मेर् मुकालकार ह सूर्टा है तर इंदर अप सूर्येत तर क्रिये वर्षेरं नीश्र वर्ग्ट श्रे मिट रट श्रेर्न्ट वे वे वनानार्टा रेहे शे न वर्ष मार्थित मित्रा से मार्थित पर्यु दिमास्त्र स्था स्था स्था मार्थित विद्यु श्चेत्रसामक्ष्ममानु दुराणुमानुसान्दुराञ्चरायमारे उस। श्वेसाहर र्टा अगुर्के श्रु श्रु श्रु श्रु र मार्थ र प्रेर् प्रवस्त अनुर खें मारा र । मि च्रिन् द्रम्नाम् निव्रामीके मनुन स्निन् सुन सुन हिं पर्के पर्के पर्के पर्के चित्रे बदायश सुरस दे पुर में अवे सि पनान नु मुद्र बेट । से अट देश देश में नेब प्रे केंद्र द्रादि भेग नेव हुद्र अद्दर्श में देव विकार चक्कार्यकार्युका ही ना प्रदान में प्रमाणका विकास की प्रमाणका विकास का वितास की प्रमाणका विकास की प्रमाणका विकास की प्रमाणका विकास की प्रम

नेता.सू.रं.में अंतातरेता.चंर्रे मुं.सूना। मेंता.सू.रं.में में तातरेता.चंर्रे में सूत्रायां कुरायां में स्थाप दें तातर हिंदा कुरायां में स्थाप दें तातर हिंदा कुरायां में स्थाप दें तातर हिंदा कुरायां कुरायां

सद्द के दे द वहे अ के के के के दे प्राप्त के प्राप्त क

वनानानुः दर्शेत्रायः भेता। वरः क्षेत्र्युः क्षेत्राक्षः क्ष्रिक्षः क्ष्रियः क्ष्यः क्ष्रियः क्ष्रियः

त्येतु पद्ध मिर्ड मा सर्व मुँग

चैना-शृश्मित्रमुश्च स्त्री विंट क्र ब्रोट स्त्रमा नाद ट त वे स्त्रमा नाह त स्त्रमा नाह स्त्

स्रम् दे तिम हेंच्या नक्ष्टा है। मी द्वार विभाग क्ष्रमम पर्ने ना से स्रम् दे निम् क्ष्रमम पर्ने ना स्रम् स्रम् दे निम् क्ष्रम् पर्ने निम् क्ष्रम् दे निम् क्ष्रम् विम् क्ष्रम

देशन्त्राः भेष्य द्वार्त्तर्यक्षात् व्याप्त्राः व्यापत्राः व्याप्त्राः व्याप्त्राः व्याप्त्राः व्याप्त्राः व्याप्त्राः व्याप्त्राः व्यापत्राः व्यापत्रः व्यापत्राः व्यापत्राः व्यापत्राः व्यापत्राः व्यापत्रः व्यापत्राः व्यापत्रः व

टार्क्स म्यानित स्वानिक्टा श्वानम् वास्त्रीत स्वानिक्टा स्वीन र्देवानु विद्वीर स्नायश स्त्रेन सार्वेन सान्देर दिवान सामिक वहन स्ति। लूट्श.चंद्र्य.देश.त.रेटा चयाठ.चंद्र्य.स्योस.मेट.चोट.अमे्च्रंश.ज्यस उत्राचित्। प्रित्वमक दु दूर मितावक मित्र केवा प्राचित्र केवा प्राच मुक्षाचर्यानाः (हेना दरानाच दक्षा महिरायम मिना हेना भर देवस मुक्षा यहे मुर्मिट्रिक्र विकामित्रमा के त्रमा करा करा करा विवस वट मीमा सेवसा कि.स्टर वीय देवाद तक मोरेय रहा। तक्षेत्र तर्र मुखा क् के में स्तर वद्गे.मिर्बिरे.वे.क्षेट.क्रेंचरा क्षेट्रका क्षेट्रच्या क्षेट्रका क्षेट्रका क्षेत्र क्षेट्रका क्षेत्र क प्रमुद्र-मश्रिभार्टा | रिश्वशाद्ममाश्रिभारः श्रूर-वंद्मारः कु श्रिमा हूर् रिश्व वर्षाकृता मुन्तात्र के त्रामा के त्रामा प्रति के त्राम प्रति के त्राम प्रति के त्राम त्राम प्रति के त्राम प्रति के त्राम त्राम त्राम त्राम त्राम त्राम त्राम ह्मर विश्व पर्दे वर्त के मिल्न वर्दे माश्रास्त्र हिर। व्याय बना कु वना नु र्स् लिश्-इट्-म् अने अने सिर्-सिर्-हे सिर्-हे-दे-देना नेश-पट-सिर्स-स-? क्रेर-प्रमाना पर जेर-प्रते म्यूर-प्रकायि माल्ब कु मुक्त सर् र जु यं देन किया के व माके शहरा ने सम् क्राह्म में में स्थानित पर मानित स्थानित स्थ गुर दन्गा

यद्वार्यक्षित्रम् मा श्रीमा मुक्षायद्वार्यात्वा श्रीमा श्रीमा स्वर्थः स्वर्धः स्वर्

मान्याने देशके मान्ये निक्र निक्र के निक्र में निक् वसर्य कि निक्र में निक्

म्बर् में दे हे १ वन्य मारे दे दिन्य वस में हुन में सामाः यद वर्षे दे लभ ते. मू. बुच, लश मुरी हता. हें हैं सी लश ही बी श श में हैं हैं हैं सर में कुर से में ने ने देशका सं तथ कर अब्द में र ने म च्रुं मिर्म्यूम् मुर्म् स्राप्तर कुर्न्समारे हिट कुर् देस हिम् दुर्म खुर द्या र क्टाम्ट हैं दे द्रमा में स्माय है स्प्ट ट हैं या है द्रमाय या पुन पश्च स्थापिट विटा ट.कू. पश्चेर त. चिट क्रूस पेश वे अस श्रि होर. पक्षतम् मुन्देन न्त्रुंदिः द्वारा निक्षतम् मुन्दि निक्षतम् मुन्दि इनारुटा है निमानी देशसा हर वहार ही र प्रायस हो र हुना देर हैं मुश्र-चिरश्र-विक्र-कु.प्राक्ष-वर्ट-कु.र्.ट्रिची-त्र-जुबे-अक्ष्र-क्ष्य-----नेर्यालेगाक्षरात्रुमार्केटा नातारे केट्रा निर्मेर रे नर लेगार्केट वर्ते ने होंग न्युने वर्ते द्वार ने सामसास्त्रेर स्वर्ते देश वाम ने ने न्युन नुःवर्त्तो नुसःवर्त्तेन् त्यसः पटाहे विदेशसर्वेट नीसे तिनुना । स्नवसः विनाः इ.जम.ब्रूर.ट्रे.लट.चम्चर.क्वेर.जूर्या.चुर.रम्ब्र.व.लट.वैट.। वेत्र.मून. डिमास.र्. रीमारीलाक्षेत्राञ्च क्षेट्र त्रेर.पेर.पेर.पेर.पेर.पेर.पेर. केन वटा भटा। इवशासे विनाम महत्ते व के अर हे भटा मास क्षामलेट के सर स्निर से हे केर मुर २ १ मा । दे के सुर ममुनिक श्रिकेत्रेन्त्रेम्भस्मार्क्रत्वम्युटा देत्सार्ह्यते विवर्षेत्रसास् लना नलुरे मूर्वि न्यूर प्रमर प्रमायमा मेन न्यूर स्मारी स्मारी में हेस शुः भेंद ने भेंद्र यस है इस व नुदक्षे दे दन ने वेंद्र दशन भेंद्र

पर्नेत्रचर त्यर त्यर स्ट्रें से ते प्रकेश स्त्र के स्त्र त्या के स्त्र

द्याम् प्राचित्राक्षयम् प्राचित्राच्याम् प्राचित्राक्षयम् प्राचित्राच्याम् प्राचित्राच्याम्यम् प्राचित्राच्याम् प्राचित्राच्याम्यम्यम्यम् प्राचित्राच्याम् प्राचित्राच्याम् प्राचित्राच्याम् प्र

त्मातः निकान्त्राः नेकान्त्राः नेकान्त्राः नेताः निकान्त्राः निकान्त्राः नेकान्त्राः नेकान्त्राः नेकान्त्राः निकान्त्राः निका

भूर अश्राप्तिर मुंश नार्द्ध में श्राप्त प्रेम् खूना साही स्टान्ति । यहा

ब्रामीट ब्रामुद्र प्रामुद्र । वृत्यास्य तस्य नुन्य म् वद्गार वर्षे कुनै वसम हैस नार अर बेर हैर। वेर स नार देश शर्ड्, मैंरु म् न र रेट बुर न्ध्रेस्त्री चेट कर लट हैं अप हैं वि . त्रे गरावश्वास्त्राचीय के. चर ने त्रे चर् महेर जन्मीमन दे में नवना वर्वः हेशःवाना वर्गेना वुस्र भेदास्यस दे हैं दश्य वर पदे रे पास्त योजुशा झे.शर्ड झें.रेटा झें.येर हियांश प्रश्चेर हुटा पिता ट्रेर जन वर्ते द्वार परे दे स्थानु के द्वार में द्वार में द्वार का का कर रेट पर कुर न्याय कें या करें ना रेता वहें इन वह द्याव वदे अ स्या दे द्या निश्चर रेन्या द्रा द्रयुक्ष महिद्र से रेन्या स्ट्रिन स्मानिद्य कुन्स यह दे नाम अपनि नहिं रे हिना पीता है सिया है है दे दे हैं ना पन्ति। हे स' भ अवे दे चकुर महिं में र्निम मक्त व न वुमार हों शासक्षत्रशास्त्री न्या वर्ते द्वार प्रमास्त्र स्तर वर्ते वर्ते वर्ते न्या दे न्नादेनुसारवसामार वे दे दिर वेद् त्रवुनानी र्द्धराय र्द्धसाने हुन नुन्-विवर्भन्-हिम्। नेन-विवर्भ-हिम्-विवर्भ-हिम्-विवर्भ-हिम्-व के वे मुन वेना स सु न में यदे त्यम लेना न स हना न स्पेर पार्थिशा म् च.क्त. क्रि. च्या. मे. भर भ वर्ते दे . में द कर भ दी येवश नार द क् 5= क्रेन् क्र वर्डे भ चवे क्र केर वक्त भ वर्जेन केर ने विषय केटा देवे वि नु त्य ब्रेर वर्षे त्य विनादहेन्यर द्वाया मु स्यार के सुर द दे सुर द विर दे हैंया वर्तन्तुनाशके व्यटन्त्रन्त्रन्त्रम् केन्य्रम् वस्य नाहर वि दे वि त्याना

सर्वेत्रभावनायान्त्रं हेर्नान्त्रम् सर्परायस्य

ब्रेसेट्स्ट्रिट्स्ट्स्ट्रिट्स्ट्र्स्ट्र्य्स्ट्र्य्स्ट

4.2.4.4. ALL & STAN B. STAN COL. M. A. MC. & A. L. E. CENN. 34. तुर्यस्य वरायात्र्या द्रात्रे हिलासाम्बद्धात्रामहेत्रे हेरामामा लट.सुरी चिद्रट.कुर.स.र्ज.वे.सुर.चेर्ट्स.हुर.चर्ड्स.हुर.चर्च्य.चेर्ट्स ह. बुच . तर्चे । मी. जि. हर . टट. क्या श्रीचा हूर् हेर र मूक्ष विट . बुटा अवशादेर मध्याम विशाहे खेनाथ शु.मुर। उटशाविट श्रृ वा हिट. म्भानि रे प्राप्ति के रू अपिया में यो प्राप्ति के के रे दे व प्राप्त के अर च् बिनावना वटाटेर टार्क्ट नशुः श्रुना ने रहेट तर्नुना च सर्वेट । दे वस टाक्ट्र-बीर-बेचारा-ट्रे-डिर-डे-अर-४ बेट-ड्र-बीर-श्री-धराश-र्थनार्टा मूट्नेश्वनम्मुर्म्थान्यः न्त्रान्त्रात्रा व्यायान्याराम्याराम्याराम्यात्राम्यात्राम्यान्यान्यान्यात्राम्या १८. बट्य रेमचे ब्रिट्स विट्य विनेश राष्ट्र में स लुद रे ने मि सू क्यों. मी.वस.ह्य.सपकान्नाचा र.ह.कुन्नाचार.हुन्ने मोर्का क्या.कुर्ट ता नर्मना हे न उट हो से सस ही नदे दस प्राप्त में में दे हैं है । ट कें में हिं में है महीं अवस्त्रम् सट्वंस्यकेस्य वर्षेत्रम् वर्षेट् वर्षेत्रम् देर हैं विया मी मूँदा नांसे दा सर्वेदा या से बा स्मा स्मार प्रिया स्मार मुद्रम् सुर्वर्मः सुर्वर्मः य देशा स्तर् मुद्रम् स्वर्धः र मुद्र स्वर्धः र क्रुम.बीर.टे.बुरे.च.लुरी मि. च्रु.चश्चरम.बुट्य.कुरी.चीर्यरम.कुरी.चीर्य न्येत-देर-द्यार्यस्यस्यः व दे दे दे दे ले पर्मा र् के मर्रेर प्रेंड मिन्दि स्वादि का मिन्दि स्वादि के कि मिन्दे स्वादि ल्ट्रे.चर.चसमा ज्व.हे। श्रेर.भ्रे.अक्चे.रशब.क्.म्.चे.र.चे.र.चे.र. य.म. स्वार त्या विया के स्वार प्रेची संस्था में विया में निन्न । १ मार्च निन्न मुक्त से का सार्वेक पर र दार्शिन से का पहर

मेंस-वहंब-होर होट हींच छेर के प्यन समाच ने में के लेंग हो प्यन

देन्द्रम् ने के के निन्न के ने मान के मान क

देवै द्रमें दे द्राप्त भागी श्राह्म हैं ने मान द्राप्त हैं से द्राप्त हैं के स्थान हैं स्था स्थान हैं स्थान हैं स्थान हैं स्थान हैं स्थान हैं स्थान हैं स्था स्थान हैं स्थान हैं स्थान हैं स्थान हैं स्थान हैं स्थान हैं स्यान हैं स्थान हैं स्थान हैं स्थान हैं स्थान हैं स्थान हैं स्थान ह

देन्स्यन्त्रीयक्षेत्रहरः। द्वार्क्यत्वर्गः प्रवा व्यक्तियः विष्टिः विष्यः विष्टिः विष्टिः विष्टिः विष्टिः विष्टिः विष्टिः विष्यः विष्टिः विष्टिः

श्र-दिन्द्रम् स्थितः स्यतः स्थितः स्

स्ट्रिंग्-वीलस्यस्य ट.क्ट्रिंग्-इत्या सेन्यः नेतृत्यस्य स्ट्रिंग्-वित्रः क्रियः वित्रः क्रियः वित्रः क्रियः वित्रः क्रियः वित्रः क्रियः वित्रः वित्र

श्रश्चीटारा तर्ने । भिट्ट हु मिन्द के म म्मर्सरेने नहार हैर दे नियम कर्म स्ट्रिन र निर्देश स्ट्रिन है के द नर्टान झे.सर दीर जूनी भारीत हुए। वसर सार्डर टे.मी.रेसची स्रीय वंत्रव. पहरमा वेश तिवाश श्रूर देट। हुश स्तूर हूब कुथ पकर झू पक्स.ध्याद्भामीट.भूम.वैट.। ई.यथ.धमाश्रम.उद्भूर.यश.माट.बुद्धः न्यंसर्थता. लेपायक्रें र हुन् विष्. रे. ह्यू त्या ही नावंस र्षेता हु हो सर म् अष्ट्रेन मी देन मेर्ट्र में पत्र देन दिश हुर सिमाश हर निरम दिला ने दे बिंद जै भर हुं भर दश में हैं से पुर न छे द वि न दशास्त्र-द्रमार्सर हे यार्ट्य होर मिन्द्रर भीना मान्त्र कर दे र पत्रे थी. म्. खुना तम् हुर है। मिट के अर अस मित्र विन विन विर विर हिर को है अर तायश झ.सर.रेची.चार्य.सराश.रेच'अ.श्री.चीर.अक्षश.झे.रिजाहंश शुः भॅ : वै : भमा देश भी में दे दे श्री र न वि स्था दश देश रा विना रेरा ब्रिट र्बर ब्रिट वट ब्रिट्स अवस से क्रिश्य की सदेवा से प्रस् रहना मीस ... श्राभवार्त्र । विस्तर नेता । हेर निवार नेते विस्तर निवार नेता असेट हुसा मुदानदे से माल्य द्वा भी सामसादसा से प्रेय देवे दिन दिन समाद स्टार विसाग्रीटार्ट्रेश्नस्मानुटायके मार्थस्र द्वेता श्रास्त्र हैं प्रमाद्वियामाह्यस्य म्म, ह्रस-चेट,॥

मिटा 3 श्रूर. रंगुर प्रचायक्षायर क्र. श्रुपमार्थेट्स खेर देना कर. इ.च. अस. पुटा स्थाय देर द्या श्रुप्त श्रूप्त श्रुप्त श्रुप्त श्रुप्त श्रुप्त श्रूप्त श्रूप्त श्रूप्त श्रुप्त श्रूप्त श्रूप् चबुर्वतंत्रास्तरेचे । झै. सपु. मु. मर. इ. १ म. चरा दे म्थ. चैर. च. श्रीम गुट वहूर्य द्वाद अट! दूर हीट ने के दर दु के रे बूट ख्वाद न्द चेश्र श्रवूट, में . लूरे . उरेच विर मीट वट निट च . च . च . च . च . च . च . र्बेर हिटा। वर्र मीट नश्रमा नहट वर् हिट की खेना सन वर्ष हैं िट्ट चड्डिया दी स्मानिर्मिश हे च्रिटश श्रद सर में र नचे नश के खट के. क्र्यमाचिदास्ट्राचा इरी च्रीटा हिरावटा मिटा चर्डेरा वर्षे माशानेटा भूर. पर्मेच अ.श. त्. चेश्री विद्या. जना. विट. लक्ष घर . ग्रे. के. कुर स. व. विमार्स्यायन्द्रां के मेर हैं मिट मट से हैं के ने के मेर हैं मिट मेर से हैं के ने के मेर हैं वर्षे त्यव विषय विषय विषय के वर्ष विषय विषय विषय विषय विषय नुद्रश्तिः प्रति क्षेत्रास प्रमाद प्रशास मुद्रा मिल्ट में क्षेत्र मुद्रा मिवट ह्या । रिक्षमा हि तका मिट्या ल्या वट में मिट रा मिल्य रेमा पडिस तर हूर चर्वनाश कृष त्त्र नेशतरेन । हिंगस सर्वा नेशन हे से नेट वक्ष मुख्यायदे मुर्केर र्क्षेट र्योद् विवे स्थापट देर खेन विदे के स्थ पर्दश् श्चित मु अनाश च रे के प्रमेश प्र के प्रमेश हैं के च प्रमेश दे पर्व के र के निर्मा अन्यामिट दिन। से र दे दिन्दि नदे वट र अट देवे. मेर् हिर पर्वेम रे हर विश्व मेर् पर रे रा।

स्तित्त्व निर्मित्तं क्रिया क

यर पदादेवे सर्वे ज्या हैर हिंगा लेप प्रसाय सर्वे प्रदूत हैर देव इसास पदादेवे सर्वे ज्या स्था स्था स्था स्था सर्वे प्रदूत स्था प्रदूर प्रमा

द्यापसर सम्ह मुद्या द्वीपा सेर्पा मास्य वर्ग पद्ग रहेर द्वी हिट क्र्याट्य सुर पुर पुराया मेया प्रेस प्रे हिस सु प्राप्त प्रमु स सु र मूट हिर दर। देवल हमा भारे हिंग शाद्य सारे राष्ट्र दे के अर वना में र्रेन्डुना दर। में अर्द्ध में करा है रहा वहा वहा करा केर हैं रा रहा हैने सुन् श्रद्धान्ता विक्राम्याम् मिन्नामान्त्राम् । स्त्राम्यान्त्राम् कटा हुं : स्ना अट राज्य अट के नियम मार्स् : नियम प्राप्त विद्यामा र्टा अ. वर्षे के त्वर्षा क्षेत्र वर्षा देवा स. व. दे . देवा च्या हरा विटा प्रस्ता ह्यू चि अक्षरमाद्यां क्रूं तानेश हूनाम हैट यदी यद्य एईम हैट. है व व व तुरसंद पर दे दे दे ते दे दे हैं खर दर् । द्वर प्रदे सामन क्रॅ. व्याया त्राये व्याय प्राप्त प्र प्राप्त क्षायक वर्षप्रतात्र्र वर्षे र से र भने विष्यत् मुराम्सव वर्षे प्रत्र प्रत् दशर म्बिन् महाराष्ट्रे वि कि के कि प्राप्त केन प्रति कि कि कि कि कि कि न्यर वसुर दृर ये व हे प्रदेश वर्म विकास का मार्ग प्रेव।

तत्रीतर्। भवर वि. कुस हेरे तहर नहर वेरे तर हुस । देहे कुर । हर र र निर्धा र स भु र वि स्वस स्वर त्या र स्वर् कुर । व्र र र निर्ध र स भु र वि स्वस स्वर त्या र स्वर् कुर । निर्ध व्या र स स स वि स्वर स्वर स्वर स्वर हिंदा भ्रम् मान्यात्रे स्वर्ग स्वर्ग

लेतु कहामा है सारा हिन साम के साम है साम स्टेस है साम साम स्टेस है साम स्टेस है साम साम स्टेस है साम साम स्टेस है साम साम स्टेस है साम

में त्रित्त के त्रित के त्रित्त के त्रित्त के त्रित्त के त्रित्त के त्रित्त के त्रित के त्रित्त के त्रित्त के त्रित्त के त्रित्त के त्रित्त के त्रित के त्रित्त के त्रित्त के त्रित्त के त्रित्त के त्रित्त के त्रित के त्रित्त के त्रित्त के त्रित्त के त्रित के त

אַבַּקיפֿק יקאיעגיאַשַניפֿרון אָביצַ פֿילעקיבגיקרין אָּבי ह्रेचमा हुम.रट.शैट.भैच.चेश.च.चश्रम.ल.सेचोम. हु.कु.चहूरे.च.म.... त्रद्र। दे हुर नविट ने नगर में निम वट में ट कूर कूर में हैं र पर है। ह्मायालेसाधिराववर् वसामादे द्वागारा कु से वे वर्गे द्वार द्वाप तर श्रेमक प्रहार में प्राप्त नाय नाय नाय मा मा मा हिंद वर्ष सा ना हिंद ... य भेवा दे अवस्य मिंद के सरदानी या विस्तरदा वि नुवादवा केन **ग्रै**:वर्ळें वर्सेन् स'लें **पदे र** ह्येंदें प्रदे मि यद हटा स मु से र दि में व्यक्ति । श्चिं रहें र नु मु र नु स व्यक्ष र भिया हिंदा सिंद र द र र से स गु द सु र स नु र र रमनात्रवत् नुः कुः।विष्यः मार्नेनासः स्वयः। नाव्यः सेद्रः परः सर्वेदः दःः लटा हिट् हैं निवसलियार निवित्ति मिनार हिटा है हिटा महु मेर मान्ति। देश्वर्षा ने विद्यान निष्या विद्यान निष्या विद्यान हुर. चेश. चेट. डि.स.रंश. चुं. चुंस.ये. वंस. क्य. वंट. ये. धुंस. विश्वरा द्राना नार अर् गु रे हिला दु द्रमा द्राव हुर वकर अर् व दुना मीमेश मि. स्त्यम्पर्येट्रमे हेर ख्रिय इर तस्य रट स श्रट वर्गामा क्रेन के स्थ्न क्षा के बार के स्थान के स्था के स्थान के स

क्रिन्द्रकार् वहंत्राम्न द्वार प्रतित्व विद्या विद

त्या स्वयस श्रित्मस्य ता यक्स ल्ये ने प्रत्य प्रति हिंद्स त्या निवास विवास ता विवास

त्रुंत.ग्रेश.श्रुंश.भश्यः श्रुंजा.टे.ह्र्यं.तप्ट्र.श.नोयंश.ट्रंस.भारक्तं हुं.... वृष्य.च्रुंप.ग्रुंश.पीट.र्जूट.पुं.सज्जूं स्वायंत्र.ग्रुंश.स्वायंत्र.ग्रुंश.स्वायंत्र.ग्रुंश.स्वायंत्र.ग्रुंश.स्वायंत्र.ग्रुंश.स्वायंत्र.ग्रुंश.स्वायंत्र.ग्रुंश.स्वायंत्र.ग्रुंश.स्वायंत्र.ग्रुंश.स्वायंत्र.ग्रुंश.स्वायंत्र.ग्रुंश.स्वायंत्र.ग्रुंश.स्वायंत्र.ग्रुंश.स्वायंत्र.ग्रुंश.स्वायंत्र.ग्रुंश.स्वायंत्र.ग्रुंश.स्वायंत्र.ग्रुंश.स्वायंत्र.ग्रुंश.स्वायंत्र.ग्रुंश्रेश.स्वायंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रिंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रिंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रिंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रिंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रिंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रिंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्र्यंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश.संवयंत्र.ग्रुंश्यंत्र.ग्रंश्यंत्र.ग्रंश्यंत्र.ग्रंश्यंत्र.ग्रंश्यंत्र.ग्रंश्यंत्र.ग्रंश्यंत्र.ग्रंश्यंत्र.ग्रंश्यंत

वयी,रि.वयी, १ थ. बुचा, स्र्रं र रेचा स.चवस. वर्तास स. बुट. पर्देवस दर्मुलानेपाठ बुटा। ई.मुटा झु.मीयोश बिशता हा. घट स्वार हुन. ल.मी.बूर.थ.वट.वर्जेश.ब्रट्स.मुना.थे.ल्र्ट.बर.ब्रटा प्रवे.गोट.ब्रिट. कूशामीयमाजीयमा द्रेरायजूर जिम्रारी कूर्या जेसायहे ये विष स्वयः ज्ञामसः स्वयः क्रियः क्रियः स्वयः स्वयः स्वरः ब्रूर.लट.**रच**४.वसी.चोट.चय.येश.यतु.ब्र्च ।ट.**ब्रू.चं**.लेज.पीट.वर्ट. के.चेर,च वेचास.तर.वेचाश, हु. १९ ७४. केट. ५ हुर्, वैटा। ८४. प्रमा स्त्रीचास त्यार विकाम मिट्या दि । संस्टर चर सुन स्था स्था निया ना स्था । ह्र्यक्तिविद्यात्र अट्रम्पर्के क्रिया विद्यार हर् दे स्था तम्भायान्त्रात्रा कुन्त्रा । कुन्त्रात्रा । विकार् क्षे.शर्व, ब्रुटा प्रिचिन, म. म्रुट्स नोज्या स्त्रीर त्रारी द्रव्य, स्त्रीय स्त्रीय हिं मायर विचीर मरें वे जेंचा हुन वहुर तहेर तर्दा मार्च हरा छन है निता ल्रार्च निवानी मुक्ता मिता हरे त्या के श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ हरे हरे दे न्द्र हेर के ल्प्रे पाट है वे शक मून्या शुर अट सर्वे वससा तिहर नम.चैटा नंभाने नं सूर्य राष्ट्रशाची साथ लटा शिल्ना नंटा लटा मक्रम-१-५व्रेथ-व-देर्ध्वम्स-मेर्-द्र्यस-नु-११वस्य-वार-प्यट-सेर्मा

मुराया रह्शातवेत्वावहूर्या ह्रिट क्रुश विकावस्त्र मुशाया क्रिया मह्रिया महर्शित क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिय

णमाश्चान्त्रभः श्रेभः चैट्।।

े. प्रीक्र्यं प्रस्ति क्रिसं क्रिसं श्रेभः स्तर्भः मिल्। विना मार्थः प्रहिन् स्तर्भः स्तर्यः सत्तर्भः स्तर्भः स्तर्भः स्तर्भः स्तर्यः स्तर्यः स्तर्यः स्तर्यः स

महत्त जुर तिर्मे त्या के निर्मे त्या के निर्मे हिंद हर के निर्मे के निर्मे निर्मे निर्मे निर्मे निर्मे निर्मे के निर्मे निर्मे

दे हिसाहर के दूसरा केद दर सेर झ दर्दे रेन स दर। स नादस

स्थान्त त्र ते देश्वम्यम् । भ्रिक्त मान्य मान्य मान्य मान्य । मान

यत्र दश्यत्र द्रिक्त विदेश क्षेत्र व्यायम व्यायम व्याप्त क्षेत्र विद्या क्षेत्र व्याप्त क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र व्याप्त क्षेत्र क्षेत

मे. भुरा. इस. उट्टे. चट्ट. वें नु. चर्स. शिचस. लूट्. संबस. कट्टे.

मस्या केव में दे हिंदा मिट नु स नहाद पर दें हु हु स दर्भेव पर हुवा देरायराक्ष्यात्र्वना नुसानेता अनसादेराराक्ष्यादे ह्वार्से खुव वामेर्पवे र्देश र्देश में मादश लमाय मेना दृष्ये द प्रवेश पुरा देने मिं में विद्वर देर दे हिया यव देव द्वर प्रमू व की सेश हे स प्रदे र मिर्टि कर्दा देद मर व्यत् सर द्रमम द्रियम स्तर मार्के का श्रु- क्विन के देव न ने के दान ने कर ने कर में के र ने के की का कर दा र्मोस्यामाल्यापर पुरासे। दार्के गुमार नुपर्से रहेन त्तु श्रेर श्रेट बि. हुट स. शक्ष्म श्रे. जन्म वेट त. ने टूट मैं र मूँ म. वनी... यदर् । मे. चर च नेट देश चर्या र र प्रिंक मा नेट तर र ट मध्मस में स म्म् मूराम्द्रियामेद्रा टाक्रेंदे राम्द्रुत है के कर कुमार्टि मुक्साम्दर मा सक्सरा में में नार में रिवर रेना मा धना हे में मारे र ना दस खना स खे.सर्येस.भ्रम.जय.संबन्धः है.वैट.ब्रैट.पिट.पे.टे.ट्यूस.घटट.चेट. म्रा हु दे विवाक हुर वह नह नह हुन हुन हुन हुन अप भक्षम मा मिर हुने चिमा वर् मार पर्दुस द स महममायर मन हा रैंचा हि. ६ म सूर. गुद्रा वसामुन्नास्यावसाकरादेगारुमारुमारुमारुमारुमारुमारु व्यक्त ग्री देशा

 त्रु. में अक्ष. हे में दे हे र जिया के सार् के स्था के सार के सा

सर में देर नम्बाद में कि त्रिम्प के त्र में देर में देर में के त्र भी देर नम्बाद में कि के त्र में के ते में के त्र में के ते त्र में के त्र में के त्र में के ते त्र में के त्र में के त्र में के त्र में के त

मान् १ ले गान् वृद्ध द्वान मान् १ ले द्वान १ त्या के सामान भाग १ ले द्वान १ त्या के सामान भाग १ ले द्वान १ त्या के सामान भाग १ त्या के सामान भाग

र्शिकु वुर व्यन् यारे ना

हिर रुष् भाभर वसार क्रा राष्ट्र र देनाव वशानार बाबव देश है. है व है. द्वे के केंद्र निव नर हुंबा दे हुंदे र हुंदे ना हुंबा न में श्रिक न में ल्र्नान्देवे मिट्सान्सना केन्दा | मिस्रशार्म सार्के आट ल्र्ना खुन दशः रूट् निर्टा नर्ति र ने पर न्ता ला हर वहून श दे हुन न वश्वानि श. न्द्रसः वे वर्ना गुरा दायदास्त्रवे पायसास्तर विवादसासह वे विद् याक्स्याक्ष्यान्त्रम् केषाय्याने देने देन देने विष्य देने में विष्य ८.कूर श्रीची चेजालूर ता केट दि जा अ. खुर सेवस चीटश हुर जेची केर रसन्दर्भ श्रुर्दर वे र्द्ध श्रुस मन्द्रम् व मन्द्रम् । १०१ हे दे र दर के दे में सिया रे मेरे हुटा में प्रक्त में पर में से मेरे हुन में में से रे वर्षातामाश्यामा मिर्दे विष्ट्र हेश कि विमार हु वे लया से विमासामार द द्वैरशः वक्कदः भेरते व । दः कें से दं सदा वादसः कें दि कें ल्ट्रायिक्रात्र्यं स्वसायमास्ट्राय्येट्रायुवा क्रायदेवा देन्राक्ट्रामान ववसः हे स्वयः क्रेरः च्रमा ह्रमा कृदः कृदः वर्डः दृदः वर्ड्यवसः हे स्थ्यः श्ववसः हे द विद्विता दसनामें के संभागे सद्दायन में दाय दे हमस हिंद मेर पदे लीय बुना म बुन क्रूम मा क्रुम हो मा हो र मी पर मा हो र में हो निका हो र त्रपु.चारश्रानीमाश्राक.क्रीभावचा.वृचा.त्रुच्। पहंदी.ता.ह्यूची चार्षभाची.र्द्रा श्चेर गुनि भोर पर पर के वे सेना नक कर पश्चेर हुस पर परे व द मास है। ल्रेट. दु.श्रेश.पीट. श्रवूट. म.रीवा

स्त्री त्या निक्षा निक्षित क्षेत्र त्या स्त्राचित स्त्राच स्त्राचित स्त्राच स्त्राचित स्त्राचित स्त्राचित स्त्राचित स्त्राचित स्त्राचित स्त्राचित स्त्राच स्त्राचित स्त्राच स्त्राचित स्त्राचित स्त्राचित स्त्राचित स्त्राचित स्त्राच स्त्राच स्त्राच स्त्राच स्त्राच स्त्राचित स्त्राच स

७ ना. द्रा ७ ना. द्रा ७ ना. द्रा ७ ना. द्रा ७ ना. प्रा ० न. प्रा ०

म् स्ट्रिंट्यं प्रमान्यात्र स्थान्यं स्यान्यं स्थान्यं स

देवै उत्र सं दर्के में द्वार प्रमुद्दा द्वार है शर्में दिन है से स दयायान्त्रिनारानुद्रिकरायायुर्ध्यराष्ट्रयायायीद्र सरामरादे वेद्रने सःक्रें'लेन्। भेदःलेन्। देखावर्गेर्, यमान्दिन। यसामेर्मारेन्। महासः यद्रा रसमाम् तम् स्वार नियात नियात स्वार स्वार दिन्निया मी मा स्वीता नाट व्यन्भर्ने पर पर ने बा र किंद मु मेस म्बन्भ मेन बस प्रेम से मि मे वस्याम ब्राचिरानार्ट्यक्षित्रवहरान्ता वर्त्तात्रमाना स्यस्त्रेद्री श्राम्बर्धाद्रम् नायसमानिश्रास्त्रना निमानुमानिया वर्षाय वर्सेद् नदे रेशकु मुर दर अयात अदाद दि वे किया कर विदे के वस त्वे मुरक्ष के न्या ता मुना नी वर्ष मार्थ के के दे ना हुक कर कर ना है द विगपुः श्वी है शामुशागुदा। विश्वाची विनाश्वी विनुमा संशादी मार हिमा सुर र्ह्रोद्रन्त्राक्षर्यः वृद्दः वृद्दा वृद्दः नावदः द्वर् द्वानदः द्वरः स्पटः द्वावदः व्यः दे.चलुक् विटापरेचे कि.ट्र.क्.क्ट्राअक्ष्मका स्वरापविटालका स्वापने च ·· ୢୡୖ୶୲ୖୖ୕ଌ୕୵ୢୡୖ୵ୢଌୖ୵୴ଡ଼ୢୢ୴୶୰୶୷୰୷୰୷୷୰୷ଡ଼୵ଡ଼୰୷ଡ଼ୢ୵ୄୖୠ୰୵୳ୣ୷୷ ENST.

पश्चिर्भुः विदादाके वे तर्वे । ह्या बिया श्रेमा में के या दानी निष्मा मार्केर भू विदादाके वे तर्वे । या के या के या मार्केर भू विद्या भाषा मार्केर भाषा मार्केर भू विद्या भाषा मार्केर भाषा मार्केर भाषा मार्केर भू मार्केर भाषा मार्केर भाष

सर्वत्यः चेट्ट्यं न्यान्त्रः वृत्तः वृत्तः॥

हे त्यक्षः स्वत्रः स्वत्यः व्यत्तः वृत्तः वृतः वृत्तः व

ल्यान्त्री।

बारान्त्रीयान्तियान्त्रीयान्तियान्त्रीयान्तियान्त्रीयान्तिया

७ मे. मे. १८८. दे रे ७ मे. ४४ . ब्रे ४. पश्चेर. येस् । १५. हु ४. प्यार स्थान्य स्थान स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान स्थान स्थान्य स्था

भृष्टीर-य-यद्धानीश्वामश्वाक्त्रं वे या विना-विदः॥

या ना नविश्वाक्त्रं त्या विद्या विष्या विद्या वि

ज्यात्रक्तः विश्वस्य । ५.के.८८। भ.सूट्क.च

मुक्षर्वाच स्तु विट विट । दे हिक्स क्षे स्वर त्वा के निर्म नि व्या स्वर त्वा के निर्म के निर्म के स्वर त्वा के स्वर त्वा

चक्रिरं का च्रेरं ने अनाक्र्रं सिनं क्रेर क्रे में बरके इट श्रुके श्रक्षक क्रेरं का च्रेरं ने व्याप्त सिनं क्रेर क्रे में बरके इट श्रक्षक क्रिक्त क्रियं ने व्याप्त क्रियं क्रिय

ल्ट्र नेद्वविदाल्द् द्वा वेदाल्य क्रिया केदा केदा केदा केटा ने होटा वहर्ष्टिन वर्षे वरा रूपि के स्वी के रायहरी क्षमान्द्राक्षमान्द्रा नहूर्रे द्वाष्ट्रात्रे हर्षे हर्ष्ट्रा सम्बद्धाः चीट च क्षेत्र क्षेत्र देश मिट के बे न्यसम सुन सा से र संब से स्र से व व्या हुँद्र य द्वेश प्रतिर अनाया न्रियनी होट पहुँद् वे स्वर वस पहुँद्र य सेव यक्षं मित्र-इट. सर्वा थायक्षं वहंता श्रीहर हु दु यश्रम क्षेता द्मसादेवीवा प्रतिविद्या विद्या यद्रवामितार्टातियोशारात्रा मी.पश्चेरार्टातियोशारा वेशाहरास् यदे द यर क्षायहँना सा नुसा दादे दाना यदे दाय होता सु हा सहेंद होता में नार नाविद्यानिक नाहर् ना ब्रिना वहा है और अब नरे नक अन्व वर वुकार्यद् यारेत कुं क्रेकार्द्र दाया प्रतिया पर्दे हेर्द क्रें ना हुवा के दे व्यन्तित्रा नेत्रायर परेष् दे वह विश्वी हिंद वह हेत् रह हिन्द ह नुवास वहिंद स्रेर्न्तुरम् स्रेस्प्तर्देश्यह्र्यं म्यूर्न्न्याद्रेर्न्तुर्भ्याद्रेस्प्रह्र्स् दशन्त्रासर सम्बर्दे होट नहें निकेशन नुत्रित है लेन नुरा है होट यहूर् हुन्। श.रे.रेने एरे. ४ ट. बुश यहूर् यर ने शकायसँ ने श वेशता... ध्येया

मबिट, ज. पर्मे ज. पर्पे में दे हो दे ता प्रकार पर दे अ. श्रेपका पर मुर् हैं कू में क भी में मोर सबिट। यूर ग्रेप्ट पट पर्से के प्रमार विश्व पर प्रमार पर स्मे प्रमार विश्व पर प्रमार पर स्मे प्रमार विश्व पर प्रमार पर स्मे प्रमार विश्व पर स्मे प्रमार पर स्मे प्रमार विश्व पर स्मे प्रमार स

मुन्द्रम् प्रमान्द्रम् स्वर् स्वर् प्रमान्द्रम् स्वर् प्रमान्द्रम् स्वर् प्रमान्द्रम् स्वर् स्वर् प्रमान्द्रम् स्वर् स्वर् प्रमान्द्रम् स्वर् स

इ.स्.स.पादुत्व.६ भ.चर्न्य.हुटः। ट्रे.१४४.मे.च्रेय.चेट.स.चिग.चे.लूट्. दशभावाचुनां अत्यादेशां विटानां भरायरानां अत्यादानां विटानां सी मार्थ्यां सी वित्याद्वे साम्याद्वे सी वित्याद्वे सी स्क्रै हः रमः सः त्यर 'सुन् र्ह्यूर 'तुरा त्रुव्या व्यावहेन दे तः सा त्वरे नार र्ह्यूर '

ट.ष्ट्र्.भ.ब.इ.र.विवेर.हे.भ्र.इट.तर.मे.चर.होर.ब्रुव.ब्री.वेरश.हे. ॐॱदेद'र्युनास'त्युद'**र्**-यंवयाने**विँद-द्राः अदावश्चरः ब्रो**दः **बॅद्याः प्र**दः देदाः विज्ञेत्र स्थित्र दे मदिनाद स्थित । के देन वर पराय स्थित है है . क्रेन् यद् प्रश्च वस्त्र मिन्नियाय द्व प्रश्नेश मुँ स्व्या हैना देश मुर चैरःश्चरःकुः**स**ःश्चे श्चे त्वः चुनाःयदे वरःनासरः द्यारः साम्बरः व्यामानुस्य विद ब.चेश.चर.टूटं.वंश.में.भुटाचंबेला श्रीट.चंह्र्टं.टूल.चड्रेंडे.चोट.लट.. मुक्ष या खेद गुप्त वर् द सुक्ष पर द सुक्ष खंद के का कर के दिन के का चूर् भी नायश क्षा इ. लेश ह. हैं मो री मीर क्षित मी. हुं स मीश तह माश द्रात्स्य मुद्दे प्रमा मु से से दें प्रायस्य मिद्दे मु मु र से स्म वनानार दायर के दाय अदि दाना श्राय है के र के दारे दिस दस हो दारा महिन्द्र द्र के के के देन अबु के न बुटा विकेट मिल्ट द्र के खु **क्रवायम** हे नेदादातुराने कार्देश्व मुद्दाकी व्यदाहरूमायाद्वा अर्दे हे सका वर् नाम हे मिल है के में का ता लेना दश में के निर्म कर ना निर्म क्षेत्रात्मार्ट्न लियाने र मुद्राम्बरास्य स्थापन समुद्रामा स्वापन निविट वेश, प्रिट क्ष मह नहें रेज मुस भवेष ने र में दे नश्य क्ष जाता ... पर्देश्याली रेनेटालटाटाक् वार्यराख्या ख्रिमार्के वार्य वार्ये सप्तुदः देना प्रहेन्। पर्देर् पुरुषः मान्दः पुरुष्टे ग्राटः **नुः मे**रायसमा द्वया दे व्या इट वेद नाइदादशास गुरु या रेदा।

मासर प्रमुद्द साम्बर मी क्रिमास प्रमुद्दे र दिद वस मोस समुद देव

द्र-श्रु-प्रहूर-व्युक्ष-दे-प्रविश्वाचेश-वृत्त-वृत्य-वृत्त-वृत्त-वृत्त-वृत्त-वृत्त-वृत्त-वृत्त-वृत्त-वृत्त-वृत् याम् द्रवृत्त-राज्य दे हेश्य-श्रुम् स्तर् कृत्य-वृत्त-वृ

मार्डर् निस्तान्त्रमा विस्तार्द्रम् मुन्दान्त्रम् निस्तान्त्रम् मार्डर् निस्तान्त्रम् निस्तान्त्रम् मार्डर् निस्तान्त्रम् निस्तान्त्रम्

म्नेत्रान्तिः द्वान्ति स्त्रान्ति स्त्रानि स

मु स्था में श्रामध्य देव स्था प्रता के का महिता स्था के का स्था के का महिता स्था के का स्था का स्था के का स्था के

मार्थे ते. मार्थे दें संस्था त्रीं पहीं नास मिश्रा मिश्रा

क्ष्मिश्च निश्च न

खनाशः) क्रेर-व-दिन (क्रे-देनः में क्रेमः क्रेमः क्रेसः स्थानकः) क्रियः विवादः क्रेसः विवादः क्रेसः विवादः क्रेसः विवादः क्रेसः विवादः क्रेसः विवादः विवादः क्रेसः विवादः विवा

दार्हे दे से स्मर स्ट्रेंट के प्रश्न स्वर प्रमा स्वर प्रमा के द्राप श्चर्नास्त्र, चेश. द.रेट. हिट. कुस.रेशर. चू छु. इट. क्षेचेश क.ट. चूज. विशः देन् सः सन्धः दिशः दुरः चासना वहून। देशः चवशा चौरादः नवशः बेटकारुखा लटाची कियास्य वटसाने वे मनाटालटास्ट्रेनट दसर. हिटा मुख्यक्र महिं वे है। मिट ह्या हिंस हिंस मान दर मि मुन्मीस ध्या विंद के दे हैं जिस्ते मुक्ति समस्य पार सामेद पर। पर्टा पर्टी । यिट कुट जार शुक्राचा मुक्क पश्चेता के प्रदेश इस परिवर्ग है. वर्गन । क्षेरवहेश । क्षेरवर्ने निका हुरवाम्या वहर वा निक्रव स्वता वर ह्मान्द्राता क्षेत्राह्मा अवाशाम्ब्राधिमा अत्या हुमा शाहिका वयदायाळ्ट् हरा देरवा बराच विनाई साहिष्य दर दर नी अर द्धनामान्नी महार प्रमानकार पर देश महिन्द हो महिन्द नावेद चर्दे हा मुनाब दर्ग हो समहेद के बड़ र पहला है। स्पर् देश्याचार्दरान्त्रसार्थयात्रमाम्बद्धात्वरान्त्रेमा • व भूति है। तुर क्षेत्र अपन देव तर है कुर है वह देव न मार्टी चुवार्डेशर्राचीयक्षरामे वाचेशकीशमासन्यद्यापवराचुरावनुष विनासम्बिक्षं क्रिंस्यवन मिड्ने देना च निर्मित्र निर्मे विक्रिया होरावी मि साक्ष्म होत् पश्चिर मानेमानर भाषा हो मिटिल होर होना रहे हरहा. वर्षेत् द्ववाबेर हिटा सामार्के दरा हमायर मुक्यापुर वेद वेदेर वर्त्र वर्गे श मीश कूर अरेट से ब्रेट से व्याप के श बरेट से ट्रिट से चे चे च विषेत् वहनायद्रा विष्टिं र देवित विष्यद्रा वहायदेगां हेर य। दे श्रेष प्रमाहिना नी त्यम वस महिंद से पुन प्रमे हैं दे हिंद प्रमाह क्ष्या मुक्त द्वाव विवय द्वा महर मार्डे हुना हुट मी राट द्वा अर मार्श्याका क्रिकाला त्या ही कार्यात प्रति त्या है क्रिकाल है क

स्याद्वासामी मेन मुन्याद्वासाम् म्याद्वासाम् स्वाद्वासाम् स्वाद्वासाम स्वाद्वासाम् स्वाद्वासाम स्

तुष्व गार्वे तर्हे हुं देश अपने स्थान के स्थान हुं त्या के स्थान हुं देश के दे

त्रीताक्रात्ता स्थान्ता स्यान स्थान्ता स्थान्ता स्थान्ता स्थान्ता स्थान्ता स्थान्ता स्थान्य स्थान्ता स्थान्ता स्थान्ता स्थान्ता स्थान्ता स्थान्ता स्थान्ता

यर नवर द्वेचालव में केर हैं प्रेम्प्य प्रेस प्र

च.श्रुं ग्रेश्वर चार्थर त.च्यी. संगा. भट. च्या हुं र तह ना स. च्या श्रुं र तह ना स. च्या श्रुं र त्या स. च्या स. च्या स. च्या हुं र त्या स. च्या स. च

द्याल्या। स्थाल्या स्थालेया स्था स्थालेया स्था

पर मुद्रना देखें र खुन र्योद पदि के देव पदे द्वा य देव। विकास के स्वास के

स्राम्यूर् प्रथमानी ते ते प्रथमान्यूर्म स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

में दूरिया देशका पर्देर पर्वेर प्राप्त पर्वे पर देश में हैं हैं हैं। सा लियादेवसानु नामा वयरामा यानी से न्या हिंदर को वाय देशा क्स.लिचाल. इ. चर्तेरा क्स.मुर्के. हे. हिंद. हिंद. होण. चंटका चेर हिंचा के श्चरात्र्व्दरम्बसम्बु विवस्तर्यात्र्वे नहीत्रस्य द्रमात्सानी प्रिंद्र व्यम् द्राया में प्रायम् स्रायम् विष्य देश । विष्य प्रायम् विषय देश हैस से द पा माराया पे ने सा है प्या मिट है वे द समा मी देव म है। इनस गु पन्ने र हैर पर्वे र लेर पारे । ले पर र म है जिंद हु से स वेर रे.पश्चात्रं वा ह्या अर पुर क्षेत्रसामिश्यक्षा कर्ता हर हिट हूं वे वस्रमास्त्रयान् स्पर्नाचर स्पर्ना हेस स्पर्ना हिराहें सा हिससासपुरानुत्रहरू देश वेरा वेरानुत्र देश मुन्य सामुसा हारह हिन सर यमश्रिमा श्रीनादमा दयवायहर है यसी में रदमा हैंद यहर इ.श्रेर.लूर.ची.लूर.मीटा सूर.चु मैं.सक्त.च श्रेष्ट रता हैना.तर. माश्चमायादिर परेत वशायस देव परे देना सना सेव महमा हिंद हेरा **न**न्स्य **उ**टाच हेन्।

पद्राक्षां स्टार्टा की स्वानी से स्ट्रिंग की स्वान स्

ब्रुन्न स्त्रुं मुन्न स्त्रे क्रिस्त स्त्र निर्मा मिट क्रिस्त मित्र क्रिस्त स्त्र क्रिस्त स्त्र क्रिस्त क्रिस क्रिस

दल.कु.चर.लश.म.त्र्यूज.चीर.मीर.मविट.येश.र्माश.रश.मवट.... भ्या की म्या म्या विषय के के कि कि प्रति के कार विश्व के स्वर् त्रभारवह दे तथा हुवा नेदाय विदाय प्राप्ता ने खा खा कर के हिंद के सरादा**र्क्ट** में मिने भी के प्रमासनायेश हुई भी में राद्यात राह्य स्थान इत्यामु न्यारम् वृत्यकादे वाद् तिम् न्याद् हे ते हे ते पुतार्द है मीट मिर वर के व्याप्तर राष्ट्री सामान समान मिना मुलिस के लिट स्ववस नित्त्वकर्णना देशायायारे हैं यहवसा शुर्भेन यवे हैं में हिन्दा क्रायात्रवर् स्रेर वर्त् स्रेर्त् त्रेर्त् स्रेर्त् क्रिन विद्यान पर्द्याया सप्तेस्र द्रा खाशसम्बद्धा के चल् स्ट्रिट र म न स्थि . कना स न स सेना 17. दूर में स में देश मान स मान स न्ना प्रकृत प्रति स्प्री क्रिट्य प्रदे से निवाम् या केर मेट पर्छन् वा स्रेत वर्षे श्रवमनी प्रथा द्रा रहेता यस हेत ह्रव स्ट सुसा महिंद तु. व्यत्वर्त्त्वित्वस्य व्य के.मी.इ.जि.चर देशस्य मारे हिंद ए क्रूर मेरे.चर पर्वेतात्रिक्त्वे.श्रुप् श्रिट्स्चेट वे स्त्रुप्ति ।

क्.चड-देना.भरे.चे.च्रे.तैवा.क.क्रू.केवा.क्.म.लूरे.स.ड्रे.हरे.जर्षे वश्यानी स्थार रियर है न हैन की वी सुना देसस र ए खुन रिय **५५.भू.**लेक.रे.स्.वर.स्.वहर अवश्चित स्त्राच रे.च.स्.वर.च.स्.रे.च.स्. के । या है व भें : वो व्यर् हैरा विवासदे कर महस्रमा विश्वन्दा अस ह्में अअवुदायां विद्युना सदाविद्यानी विद्यु दे ल्बूर्वचर्रेश्वतान्वस्यान्। अस्त्रुचाचर्त्रस्याच्यास्यान्। द्विशाह्त नाया हो । वृत्ता ववशा ने सा हे दुर्गारा मा नदा विहा है दे श्चर हुर्द ने मेर र नामर नाम हेर वें जेना वेंद बर केंद्र पर से सुन क्रु. गु.ब्रुश.व.श्र.इ.श.र श.र ब्रूच.व.ड्रीट.चेर.चेर.चेर.चु. हुमाश.स.माश्र. क्रिट मीय वर्ष से बदाय से श्वा सुन्त सुन्द व सुन्द व सामे सामी प्राप्त वर्ष स् १ द्वार में भेरे व क्रिन्ट त्येश साम्य स्थान में स्थान ने नहीं केश करा बिरास्य हर अना सार्थ र हरा नाय हा बार्चर से ना करा है हूं सीरा = 4.34.14. BE-4-1.4. AER HER RIME, HE, Q. AE = 24.2. 2. न्युरक्षमः वर्षाः रेत् से इरेन् देरामहेत्र सं रवस हेश सदे स्वर् देन दुषा कु जार १२ व्यक्त समे स्वर्ता खुन के नामद्रानाय के शब्द व्यक्त समुद्रा कु 5=1 मिंट के ने टाउँसामिक साम्ची : अ वेस सवे के साम्ची : साम्या : के.वर.प्रवीर.वी.र्सा

प्तरी क्षेत्र, क्षेत्र में स्ट्र क्षेत्र प्रदेश हिंबा क्षेत्र में प्रदेश के प्रदेश क्षेत्र में प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प

सान् नेर्के तर्मा स्ट्रा सेर्के स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्य

मट्चे वेद्या वद्या वद्या वद्या व्याप्त व्यापत व्

नाश्चर,रेटा। रेटिज,श्चरत्नी,श्चेशश्चरवे, हुन्नश्चरपुर, पुरेश्चरा मुब्रम्ब्रीम, बेबर्ब लार। ए.रेटा एवं मिवेट, बंबर पश्चेत्र, पूर्व होता पूर्व हो. न्दा अविदेशपते विन्कु देव पु प्रविश्वमानि स्वाप्त विश्वमा स्टिश हैं? झंटश.त.भुरी चोरंभ.लेज.पर्र.भुरं.चोट.सर.पर्ट.शेट.पेंच्.संयस.ज. ं दें नावाक्षेत्र वर्षः नवादायाष्ट्रमः देद्र दृष्टा । यह वर्ष्युवा वर्ष्य विकास विकास हिना दशादा के वे के समार् नावा के दार पर विद्यानी व्याप के सहित की इम्स नेर् पु व्यक्त ने दे के कि विद्या मा ने कि स्वत हिम हिम कि त.व.पचेट.श्रु.वेच। कर.सव.ट्र.मेंस.व.वट. मो.मी.स.कुस.ट्रमास.चस. २.७.१८ वर वितर्शितिश्वातिश्वातिश्वातात्र्यात्रे रेथा श्रेषा हरे स्था रदानी क्रिंग की खेंदा खेंदा खा बार्य की सामित्र विकास दिया है दा ें स.पेह्स.मुॅंट.ची.चेरस.ले५.देशस.ट्रेच्नस.कुरे.टेवेर.कुचा.लटट.लेट... वर्डेन नार वृत्र छेर के प्येर्। दे हिंद कु नर र प्रेर अवस सेर देंद केन २नदः नीसंभारसः स्रूरः पर्त्ये खिसं मुद्दारा के रादा वासामा स्राम्य स्थाप स्रुद्धा स्थाप त.भ.भ्रा ल.सी हुर.री उहरास्त्राका.में क्रि.मट.उचे र तकाशासीर. व.रटा कुस.ले.चंस.चंदिर.ची.शु.श्रे.पंचंत.खुच.रटाच्रीट.शुल.संचरा. क्ष्रायमान्यवुद्गार्वे ने स्त्री मिलि हेद लिया स्प्रिम दे मान वर्षे चुरा हेर न्तर्यद्वा सर्वर न्यंश्रम् वर्षा स्थान्तर द्वर कु. में इ मेश नके रदः वुना छ रोमा हैस न हो महिंग सु नहीं न सा दे वे दे दे दस नहीं व हिंग है । ततु च्ना मान्त्र। देटार्स प्रेंतर्भ स्ट्रास्य स्मिन्ने सामिश्वर प्राप्त हर्स **ल.रेशरे.पेग्नस.मुर्.पेश्चीम.मुर.तप्र.भे**चल.पर्टर.सरस.मैश.मे **८५५ मु** के संन्त्रस्य निवादि साम्यान्त्रस्य स्थानिक য়ৢ**৾৾^৸ॱঀৢয়৾৾৾ঀ**৾৾ঀ৾৾৽ঀ৾৾৽ঀ৾ৢ৽য়ৢ৾**ঀ**৽ঢ়৾৽ঢ়য়ৼ৾ঢ়৾৽৻৻

द.कर.भड़न.मी्नेश.शट.इ. धु.ऱ्नेश.रश.फ.टड़ेबेबंश.हर्दिट. भभ्य.रे.वर हुंश.वैच.च.कू छ.वंडू.वटल.चंग्रेचक्ट.वटा.वेट.वं.लटा वेद्की खवा है वादुश हैनि दु वर व्याय सुवादय द क व्यापदी ने अवसःचयःहो है स्याया लाई क्विय खेंनीय की वह है रहे बाहु रहे सार हिटा चर्त्र में समीस अवर चर्त वर्ष्ट्र र खानुर नीया देन का विदार वे मम्भातिचात्रानाहरे दे भारति विकास श्रम्भाति । स्टे. स्यवन्द्रम् अयामनानव्यन्त्रम् स्याम्याम् મું. ચંત્રસ જ્રિલા કું. ખૂ. મું લ જ સા. ટે. લે લા. શે. જું ટે. તંત્ર જા સોલવે. ભૂદ . જીંટે... गुरा वेद् दे प्रदेश ब्री र पद र में बेंग पु स्पर् हेरा वेद महें अह वर्त्ते वार्ति क्षान्ति निष्ट व्यानिक क्षानि विष्टे विष्ट विष्ट लुरं त्यमः वर् स्ट्रियाशास्टायात्रात्रात्रेमः हुना गीर्वास्त्रिं ववटाला बट.द.जूरी प्रिट.पूर.सैची दर्जजा.ह.वैट.लट.मुश्यसैटी देशची.पृष ત્રાકુ**શ.તતું.કૃ**શ.શે.સુ.સુ.કુ**.કે.શે.હુંના.તા.ભ૮.બટું.તટવું.ટે**યા**ત.**ર્જીનો.વૈદ. खे . बेर्ड दे प्रत्याय हुना देवे कुन सकर पर के नर्ट प्रवेश खु अबुद् के 'सेंद् 'दा रेदा के से 'दा के दे पुष्प कर के 'दे र 'यम साम्या वर रम अर वा वेद्रामे देर केश है न सर्दा वर्ग समेर मेर पुर वर खुना वर्थ भारे रना कुंब कर खेर घर खेर छी है र विदेश र छैं। वर्षे मानर र्भापर रमा मण्य प्रतियानीय हिन्स सा प्रति पर्दर ग्रीस वर्षमञ्जाद्यां स्वत्या द्वायस्या द्वार्मा दुः दुर्ग वर्षे वर्षे देश

त्यस देश पद ना है है जिस होत देश है र देश है र है के ही । नेस प स स स है र है प्रस्त में स पद के मानक हैं स कुट में स प सान्य भावेटा। चर नाय मार्चे नाय का वेटा ठेटा। ट्रांस की नाय मार्चे मार्चे मार्चे मार्चे सावेटा ने का नी मार्चे सावेटा ने का नाय मार्चे सावेटा ने का नाय मार्चे सावेटा मार्चे सावेटा

मिट्रम् मिट्र शुट्र निम्मेश्य निम्म मिट्र शुट्र निम्मेश्य निम्भेश्य निम्मेश्य निम्भेश्य निम्मेश्य निम्भेश्य निम्मेश्य निम्मेश्य निम्मेश्य निम्मेश्य निम्मेश्य निम्मेश

देश ५'खेद'त्दंश'ब्रीट'नी'नादस'र्द्धथ'त्देर'दे'खेर'स'ब्रुट'वरस'सेद् मिट्। देट्रातमुलानिस्दर्दे लेर खुर रज्ञानिश पार्व स्तु पार्थ स क्षात्मानिवासाना वर्रान्यत्मानिवासानिकानि माश्चर्या मा अपन्तर में अपने सेर माविद मोट स कूर मारी दावर र दिल र्टा चर्य नहीं मा हैन वर्ष हैं स्वर्थ हैं सा निया । १००३० वी मी से दे निया मीबिट.मीश.ट्र्.जर्चश्राच्याक्षेत्रेर.त्यु.चव्यत्र.चेश.च्या.चेशा ची.येता. रबर वृष्ट जून वृर् हुंबर पद्ध व वहंबर है रेन ही अधिबाश वर रेटा वॅर् केरे पर्रे हिंद का प्रकार पा है केर क्षेत्र पा देश भेश्रातम् ताम् वितास्य वितास्य वितास्य वितास्य । विवास्य । विवास्य । म् अर्रे नु हुर् भारवर्र् नवश मुद्द वर्ष भर्त हेश सेर्द अदा। मु मे न्मर वर कुन हुँर में के ने र अबु मेर र मुना में श केर देर कुन श्चर पर्वर है द्विय पर्वेश हेर रहार्मित हीं है व वर्षे कुर व प्राप्ता देश कुर्व, जैसायहार वरमा मुर्ग कुर् हे. रेना मारे रे उत्तर श्रेयश. मिया मेरे मियर देव भावरा पर्व केंग्रस पर्व हार वि नाहिस चित सेर र्वेचरा मित्राष्ट्रचाका जविकाशुः प्रकामि भूतृ वि.स्रि. भाविद्याताल्या ह्यामानामान ह्यामा विट से दे द्या । मान विय हिन दिसस ह्य ह्या पहराप्तिशास्त्रवाकामुद्राप्तिकार्स्यन् यासारेत्।

स्वी हुंस शिक्षर जर ५ ५ ६। लाम सर न मूर वस मिट अके म रथ मुक्ष रेंद्र मोर्थर उर्दे रेना सके स उन्नेम मैंज कू में स मिर में स्व २००० म्लास इ.ल. पेर कू में स मार्थ तर वेश कुर मूर में में में

क्रि. बिन हुंश श्रीचश्च प्रथम, दे ख्रिंच प्रमें प्रमें क्षेत्र हुं । व्राप्त प्रमें श्री प्रमान क्षेत्र श्री प्रथम प्रमें ख्रिंच क्षेत्र श्री प्रथम प्रमें ख्री प्रथम प्रमें ख्री प्रथम प

द्वे औ सट रूर माट मुद्द में दे विष्य दे दे अर्थ की दे द्वार के स्टार में मान कर के विषय में दे की मान के किया में की मान की की मान की स्टार में मान की की मान की स्टार में मान की मान क

स्वर्ति नस्यापर मोस्य स्वर्ति स्वर्ति

स्याम्याम्याम्यास्य स्याम् कृति स्याम्य स्याम्य स्याम्य स्याम्य स्याम्य कृति स्याम्य स्याम्य

म्मा नेद्रायने वितावनाभेता नगात हिंत नेद्रायनेत नेद्राय सामा निस्क के बना ने प्रतिक प्रतिक केंद्रा है । ते त्या है सर्व स्वास स्वास सम्बद्ध माधिति। है। है हिन्स मह सर्वे नेया ग्रीनमसं देवान नहें बनाय श्च. श्रम् हिंद दर्माशा श्चाम्य वृत्ता निर्मा क्षेत्र क नक्षेत्रहेन्य विद्यास्त्र हिम्बर्टी हिस्स्पार ने विद्यासना निम्मान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रम **ब अबै अन्य तरह के अबैक छेऽ विस्**षेत्रि**र की** लिए हैं। तरह स्थापन पर्यम् वा मुल्याना विकास स्थापना विकास स्थापना विकास स्थापना विकास स्थापना विकास स्थापना विकास स्थापना विकास स नित्रापालक्ष रेखिति वेश तिष्टिमिनु जिन स्पानि जिन हुन सब् । रेस्ट्रिक्ट कर्म है अने स्थान है । इस ह नन्ति नेर नविव भरे गुरा अधन मन् नाइन प्रवेत्स भरि गुर् भगारित स्थाप्त्र के क्षांत्र के स्थापति के स्थापति के स्थापति वर्षेत्र प्रस्ति के स्थापति वर्षेत्र प्रम्भ स्थापति वर्षेत्र प्रस्ति के स्थापति वर्षेत्र प्रम्भ स्थापति वर्षेत्र प्रस्ति के स्थापति वर्षेत्र प्रम्भ स्थापति वर्षेत्र प्रस्ति के स्थापति के स्य अह-स्वर्धना स्टूस्ट्रिसी न एक लिए हैं । जिस्सी स्टूसिट स्टूसिट स्टूसिट स्टूसिट स्टूसिट स्टूसिट स्टूसिट स्टूसिट केंग्रान्थित वर्ते कार्यकृत्य के निवास के निवास की के निवास के न्निम् रमायानदेश निम्ना सहस्रोह हे अभिवृद्धि के कि समाने सह 山之之之是是自然的中心自己是卫上中中望是有1822.当日已AC.

रे.जे.वे.चविट.ब.ट्याप.टक.कूटश.शे.कुक.टे.ट्रेट.टेक.ग्रे.टंड्य.मेट.. वर्वे सेना वावसायवे तर् वासर यादर सर सर वर् वर् विनास शार्के तत् निवस स्वतं से वे वे ने ने में ही ने ही ने हैं ने ही ने ने निवा निवस वा लिएस श्रुर्भिर्द्धिया के . हे हूं मा से दि है हम साहै सार्य द सार्य है मा भेता वर्षायवे मात्रमार्थाय मालेनायात्रात्रकासेर ले यदे त्या होत सबर अस्ट्रिया विशासा देश से अस्ति का श्रेता हा के श्राह्म सहसा हिन पश्चरावत्राक्षराहिता क्षाक्षरादेशदितामात्रमाहितामा त्रै म्रायमा येव प्रसार्थेन वर्षेत् नावस द्वा यथा येवास दसः विष्टारीत टार्के द्वानावसाद्धवादीवनाया केसाने राटवे मे लिना सूर श्रीटार्भना भूशार हूब पडिटारिसाता के में भूषी भू है वेसा पेनाश कुर त् ब्नार्ट्युना प्रदेश स्वरक्ष देश क्रिक हर् . धरागुट . द्रवा न न्त्रात्रा दे नमामार्चान् के में देरानदेव के मिरस में भारत्या सकर विभाज्ये न जूट के लादा चूर्वर दे के मुद्देश सदेश हम स्मार्थर ग्रे.म्रेनमा म्रा.क् प्र.के हैंरे.नुक्र वितर कु वेत राष्ट्रक्ते वित्र हरे. वुर सह . पश्च द्वा ह्वा द्वा प्राव . यर . चुर . पर देश

कैंस दर्यान है सर्वे समारे मु पु तहंम ही द वयद हो और हमाया स्मर मुद्दा द्रम् दे दे दि त्या स्मा मु द्रमा दे द दे द न मा स स्मा ब्रा टक्ट्रे दे द्वादे के के देशर वे विषय विषय मेना करें। वेद दंद में क्षेत्र **ड्या व**वसं हे **होते । त्या वै क्षिया में कि जी प्रतार के और प्रति** हो हा श्च.वटान्यसाम्बन्धसान्यसान्यसा मूट्दू दु.व.श्चर्डा के.य.भे. रैनास यथा में केस मेरा दे मेर दुर्दे के पर पर पर है दि स्टर नेश वनशर्के, नमारेन। मिट केश हिमस प्रमाय है 5 स के त्या रेने ह क्रमागुटादे पति राष्ट्रियापनाया नेदासी उटा। टार्केस यस मे प्राथ्य ष्ट्री र केश मी मिंट के की का नालक पुर के प्रवाद प्रति एक प्रमें र स किट "" बर-मा त्रायदेर प्रमेर् प्रयोगीयाय वर्ष स्थाप प्रमेर परित क्रामी स्था विष्यः भीता मु अदि द्रार पर्वे वे दे द खार द्राय व व व व व व व महिसादाद्वा दाई देश्यदशामुहामी प्रमुद्द पाई से व्या है सासूद एएं वकु द्वन र म नाइष के के ति प्रतान द स्थान द विकास ना के ति . ब्र**चेत्र.च.लूर्.च.चर्बेर.चर्च.**चोष्ठा.क्रेर.श्रट्स.चेश.५८८,क्रेर.चेस.चणेच म्बुस-मोर्ट-व-र्थ-मुस-नेप।



मि:र्रेड्रिट्टा वट.ततु.क्र्य.ग्रे.च|वश्चःश्चन्द्री।

- १ कें भरेर केंश मुद्द केंश द्वींस या
- व क्रि.सर.क्रेंस.ग्राट.क्र्य.ट्रांस्नॉस.च
- ३ क्स.स्याया.श्री.रेटा वेट.तम् हेर्.तम्.श्रेरा
- वर्रानुदाक्राद्राद्वा
- · अस्म के द्व न नद पाद्दा वदेव या विषे के केर अद्र वस्व पा
- इंग.चर्रेश.विष्ट्र.चवु.व्यंत.टर्। वर्गे.चवु.क्यंत्रक्तिरचां
- η र्राष्ट्र.यतु.मैं.ग्रेश.ववैदःयथरं.य
- ८ वर्षेत्राचात्रर वर्षे हैं वे वर्षर य
- अम्. पर्दे व. जग्न. मुन्ता-देशव. पन्तरे. ता
- ०० हुन। कुब हुर निर निर ना
- ११ द्वानश्रर वदेव ना केस वन्तर वा
- १३ रूस.३सस.श.जुर.व्य.श्रीर.चन्द्रता
- ३८ कूस.अभम.श.जुर,व्येंक.चु.यं.वे.वं वर्

1 3L0)

इ. ५८ र. हेंस. मेट. क्र्यं र स्तानी

रटारेश देश हैं र दर्शिया भेर यह कुम कर है। के पर्दे दे दिस र्वे लर मुराहे ४ म स्रेर गुरा दे नहिमा स्रामान्य मी मरे व से के देशन्दरस्य भूगन्दर। वहेन दूर मेश हेद मळद भूव हे हिन् नम्स नापर्दे रदार्दी द्वाचाबर कुं ज़ंबाल्या लर में बाग्रेबर्ट रद्या में **अ.र.सम.रथा.भैदश.सरिश.शे.रहार.तर्.चि.यप्.**चिट.चंचट.**सू**चीला.**शे**. मर्सेर्भार्या त्रामिर्भयानुयान्य त्रामिर्भयान्य विकासा र्दर विवस मनेना सानु वदे पर दुर गुम्बसूर या पर श्रीर गुमा दे रना मीशास्त्रत्भावहंशहीरानी द्या निष्यारा देना विरायर प्रें विरायर न्दिन्द्र प्रि. प्रदेश प्रमा वयम गुर्का मे म्हम सामा नाइन मु पर्दे पा प्रमा क्षेर्या वैग्परा मार्रकम्बाय विग् स्टाइनब्रंक्स स्टासेरा दे न्ना दे हैं खेरा की दें र नायरे वायरे दें ते हैं प्रति शासिद यह देश के द मुश्यम् स्थान्त्रे वि.इ.स्रम्बर्डा प्रविदः लटा चित्रं क्यायात्रः माद्रश्र भे मुद्राः देश द से स्था मिर्ट मी में दर् न नदे न विना नरम मु चुदाव खरार्वे के दवा नुवानु हानु विची विवाद केर्ना हरा केर् रेर्। रे.इ.व.न्यूरावादै क्रिंग ग्री खरस दी स सना सेद पना सा है से अस वायम् रायम् मुन्दे रायम् वर्षे व विगाप्तवुदायद्दार्केशवायदेशप्रसामिदार्मिश दीप्यदा यदे सूनाके क्ट. ह. पर . बुचा स्पेर ग्रीट. पर्सन मी ब्रेचे भेर रे, ने कुचा से श्रीय तर ... दर रु अर मु विष भर्द दर्गिया य दे दे के येत्र होत दु द्वी के द्वी के त्या

मानद्देशक्ष वर्षश्च से क्रियानक्ष्म मान्य स्थान स्यान स्थान स्थान

हें क्षे सर हें श मुद के स द में स प

म् मार्थ भूषा।

क्रमाम् र जम्म मुर्य प्रमा।

क्रमाम् र जम्म मुर्य प्रमान प्रमा

द्भाः शुन्न्न्य या स्मरः या स्मृत्य प्रदेश हो। देवै : स्वाप्त्र स्मृत्य स्मृत्य

श्रास्टा मिनाब्र्स्य्यायातातामि मिना द्वारा देशका हेर् मे हिं दर हूँ र त. शून श. गीब अधिया में सर त. ब्रिंग जा जू में अ थट से पश. इ.क्र्स. अंद्राचा तत्र क्रिक्ट हुर्ने में नावशा क्षेत्र वेट वारे शिक्ष क्रुट । यंदी पर्माया भीत वासेना सा हैंसा सन्माया हैं सहत यें होता कुटिया यर **मुन**्य भीता श्रीर देर दुश के अपने देश में भेर् दुवाबरेश रेश सेर्फी हैंसा या हैं सक्ता सत्तुवा मेर नाया है। दे **लट.र्बट.शुमश.मुश्र.भा.मुश.रु.री भेश्य.भवेद.नुट.**न.**ट्र्य.क्र्**य.जीवेश. यक्र मन्द्र में निवासिंद पास बदा हर्षा सेदाय हैं र पर पद्मा सुन्ति यद परे 'सूच के द प्येद दे। विंद के दे सह देंद्र महस्य यह सम्बद श्चीयामा स्थापा दे माद्र ने पाद्र के प्रमान प्रमान प्रमान के प्रम दशः द्वेषा खान्त्र व्यवस्था द्वार । दशः द्वेषा विष्कुः विष्कुषा । यद्वेषा स्वर्षे । यद्वे । ये । य मिर्श्रम.वि.मी.मुर्ग क्र्म.जियाम.च.तर् व्ये.पेश्वम.मी.म क्रेट.तर् व्ये. मायका खेला नेस हेनाका ध्रमा देवे हैं देव है। मिर वस मेर् ही व्टायवे क्रिंस में रामान्य द्वा सर्र राम्युया मेना वह राम् भा दे लामायका अमाया महिन दे में माया लेगा दे ए दे राज्या करा मी र्ह्म केना कर साम्बेन भीना नुः वर देन वहुं र वर देना नि वर् नार्रेस गादी केश व्याद कर्त सर्वे नार्रेस प्रहास र क्या पर नार्वि हैं। विच मार् गरा **छेन रावे हों नस्तर मार्ट मार्ट ग**र हो राज्य सर्वे । वन हैस माट वेन्स गुट वस देव ४ मार् देव मार् ट अप वसूर विभामाधुवायर मर्दे लिया दें दागुया सुदे कर द्राप्त यथा नदे द्रा देश शेष मुक्तामि व स्नामी केंश की मि देव मार्टिय महिता मन देश र निवेश भेना विनामदे त्रमानु नहुर त्रेश पुन नदे रे न भेरी दे दे दे ते नादश र्द्धयादिना द्वेषाञ्चर पदी रचा गुराद्वी गणिना पुः हो यहुर पदी केर जी न्तुणु वृत्ताके नम्नियाया १ देद स्थारक मुका हे दे र स्पूर् पार्ट विदायका चुड्ना.क्ष्य। शदश.चेश.ट्र.ईयश.व्र्ना.श.दश.शटश.चेश.ध्री.तर. ८.कू.मे.चे.द्र.सुभक्षाक्ष.लुर्ग जिसास्त्रस्य चीर्ध्रसात्रसाम्यूक् हो शिकारमा है से सब में मिलक रियर उद्यापन पार्टी तर् दें भ्राम्य सम्बद्धां सम्बद्धाः सम्बद्धाः वर्षाः वर्यः वर्यः वर्षाः वर्यः वर्यः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर मु रदः निष्यं दे दे सम्बादा दहाद या द्वा या लेना की वा क्रेंद्र हैं स्था देखा श्रेमरा कु तिम्र क्षेत्र दे दे ते हे व स्ट्रास्य स्मित है व मे हे र देशस द्रियानविद्यात्रेयां मुद्रायुर्गान्य प्रदेश द्री स्वाद्व स्वाद स रा.**ट्रे.सटस.**चीस.त्रुर.तथा ह्रे<u>ची.भ.</u>देश.शटस.चेश.तप्.शटश.चेश. नुना वट रामान्य भे लेवा दे तर्दे महमानुषा दे सर्वा है से दार ८म् पद द्रमान्त देशम् मुन्त्र प्रमान्त मान्य मान्य प्रमान बर वृश्यक् क्रि. श्रर क. इर . लट वर्षे . वर्ष . वर्ष श्रे श्र वर्ष श्रे दे . व सहरी पश्चमान, पर्टूर, श्रद्धा में श. श्रद्ध्या मी श्रीमा श्रीपु, थू, प. २४. टे. में से साट्टर. क्र.पर्वता है हुर हित्त सक्या मार्थित में में में मूर पहेंग रामाशर राज्ये लूटा वश्रमायानु स् नेन पुराना सामा स्रीमा क्रिया सास्य में साम्ये ता में ता में ता में ना पर है। यह साम में या माल में में में पर है ने पर दि ह्रन्य अद्। विद क्ट. ह्राट. हर द्राय १ स्ट न्याय स्थाप द्राय द्राय द्राय झेंश्य.श्र.बेचेशता अॅं.चंदेशकाता च्रा.ला.चंदश.ला.घंघशता

चर्षरास्त्र पु.र्पाप्र, मुक्र, रूपाया द्यायर प्रचियाया द्याप पार प्रस्ति या वेट.क्ष्य.क्ष्रेट.सूर.चोचुचशाता चरेट.क्रं.चब्रूश.च। शरश.चेश.चा कुरा गु. तिप्र . प्र. तश्चर . या श. त्य . प्रश्च . पर्य . प्रश्च . या च श्वर . या च . या नाकेशानम्या सद्यान्त्रियात्रहेनाहेन्द्रानुर्वेत्रायाने त्रम् त्वेत्रान्त्रान्त्रा टे.लट.ष्ट्र.पर्सेण.चंश्वराजश.चंश्वट.म्.ष्ट्र पर्सेजा.मंब्र् .च्.लुब.हेरक.... ष्ट्रश्रायम्बर्गान्त्रम् क्षेत्रात्रा ब्रुवायान्त्रणात् वेषात् वेषात् वेषात् वेषात् वेषात् वेषात् श्र.पविद्यान्ते से.क्.हेर्.जा.केया.सेर.चसिट्या ने.वया.हेर.वर्ज.हेर. **१९८ विश्वक्र करे सेची वर्जल मी.४ ८ वर्षिय ?** वीच्चेय हे मील **होर** सेट्य. वश्रान्त्रात् व्रुचाता लुनाहा अवर हेर नान्वान अद्वासर हेन अरार . शरबासीबाक्षेत्राचर्त्रेश हे.ज.र्टेश.रट.तूर.लेज.स.र.५.श्रर मोर्टेज. वि.अब. मुंस. मी. इचाका वय स्थाना जा चाकू चूर र मीट्रा प्रा प्रमाना परी चर्दराया चल्ने वासा वहस्र सामी देश में विष्ट्र से वहूर। दूस वर्ष तर विस्रित्रर रागर्ण विष्ठिम हे बिक्र रामि राज्य र ना हे बिक्र र यान्त्रें वर प्रांद्रिश वसार दाविव सेद प्रांद हैया यस पर से हैं हैं ज्यरायाम्बर्धा र्यास्त्रत्यर सरायात्रत्यत् नित्तिः श्रेषा कुर्-मी:रूपामा त्व र्वाट मूं एचेट अवत दश्याता मार्के मूर् रेप्ता रेश जीत्र ज्ञ.स.भ.चित्रा हे श्रेर चीचीश कर मी. क्रा पीत्र रहा ता चीशिष वश्चर्। क्रेर.च.श्रदश.मेश.ग्रुश.र्र. ह. तकद.ग्रे.श्चर. वर्षुदश.ट्रे. कृत्राक्षाक्षेत्रक्षाक्षाक्षा र के तुर् रे वर्षे त्ये त्ये वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे पर्वीर (बेश श्रेष व्योप कर मी पूर्व स्वशास हा मीश मीश प्राप्त प धृना भेग। वर्डेम स्व न्द्रम ने नाम मार्ने सुनाम इसमा हो हुँ न मुस्स रटा र्वित्राची रूत्रास्त्र देशरा में र रें प्रवेर हो पहर पर्टी लट द में र हे.

वर्रानु वर क्रियान्य दुवा

वदायरे केंब्र वेर् पुर हे क्र चुर व वी वदानुद नी खुया वहा पर वरे वृष्ट्रेशक्ष्यक्षाक्राचराव्यर्गनुन्द्रामिनावृद्दाविदः। नुसाराक्ष्रेयदायन्तर श्चुय वेद पार्थेद्। २८दे वेद्या सर ५ उट कुर य विषा सेद प्र रा बुक् चुर्. रे. मी. वर रक्ष रेट प्रदेश मी. कुर रेर र पु. से पर र पु. में पर र पुर मी. है... स्मार्श्विर्पयरे पत्रेर स्मारायद । ज्या कुषा सु देवर स्मार्थि वर् मु दूरामुला झ हें रे मा १४ पर द माना ना दि । पहेरा हेर्मा सर दर। दे दशर्ममानुबाहे प्रदेश र् बेर्स दबा मुनार मुन्यहरे र दिया पर्के प्रया स्थास्त्रन्थः स्वान्यास्य स्वान्य स्वा र्यट.गर्थ.जवैट.चोर्श.स्योश.ग्रेश.चेर.इंट.सूर.लट.सट.व्.वर्हेर. मुनामह्य। दुव्यामिटार्ट्राक्षेत्रकानेमहानु जू पश्चास्त्राप्तापार दुवा दर निर्धानिता शर WC. तुर्मेर सुनिश्चरा हुर हुन्। अपना यर्वरे.त.इस.मुक्ष.चीश्रूल.टे.यर्वरे.त.सु.टर.मु.उच्चू.व्याक्षा जू.व्.त. रेर्'केर्'वहर'वें सेंग्रायं वर्'ग्रेक्ट उर्'सर'वेंस'कु'म्र मी'स्मायः मुव न् न्या हे. व. सट. त् दे. ७ नशाया न नृत्या स. ने. नश्य प्रथम हैं स. पर्या ... चील, पर्वेश, पहुर्श्चेस सहंद, कुटा। त्रिष्ट्र, रे. रे. राज, श्वर, श्रु. शहंद. स्चित्रासट. मू. चूरे. टे. खुनसाडे सर् मैंट. चर्रेरे . चर्र्स सट. मू. चर्रेरे. सुन. सहरी रेश.रचश.रेट्रे. १४.१ वंश.च्ट्रे. ४८.३ टे.की.शिटश.च. भट. ट्रे.चैट

हे. चुर्-पर्मेम अर. चू. शहर. तपु. पर्मा क्षेत्र त. तालु वी वेश मेर. पर्या हेशक्श कुमार दर। वयार्व ये मान्य पान्न नाम के व वेर दु सेवस यक्तर मुद्दा से पतुना । दे भूर विद् नु दर मुद के विद के विद नि न्र नी वट पहें दे सामित पादि र दायमा वर्षे में समारेन पादी न्दा हिंदामाल्य न्दान्यसेस सुन निन्दान सेन केटा निन्दान निन विम्तान के के बर के अपने के किया मानि किया मानि के अपने के किया मानि का किया है। शरश.मेश.४८.३८.मी.मशिट,टश ट्रे.शुर्य.मी.मार.शिवश.मेशिट, इटराने नाइक्या खवाया नासूना भेषा केरा निष्नु र प्यूर् या नाहेना या द्रान्सरमी मुम्मर प्रास्तु दरमा केसमादि विरस मु सम्सप् रहे. र्ट विच मोट मेवश केंस केंग मर वर वर्षेर रणे ये वरे मार्थ र पर्ने नार्ने विंगा अपर तो प्रमी स्वा अर वे वे हेंब बहा प्रह्में प्रमे वे प्रमे क्षेत्राबद नी देश मी नम्द यादि मिंद किंद मिंद में मा रह मिंद देश महिंद कु. ८२म १८४ स. मर् में में मेर न श्राम्य त. ८ मेश नहर रू मेश श र्टःशटःशटः श्रु:५२:अर् ह्र्चा व्यान्ति नाव प्रते नावटः प्रमादः प्रशः वर् भर् विम् दस मध्या है मुद्धी न भवस में म केश खुल र पुत पर केंद्र भी पर्मा बेरा माद्या द्वार पर्दे में में द्वार द्वार में में में में क्र्याम स्रीम रेश्व बोर्थ व्याप्त प्रिम रेवट चुर्थ में चीर च रेट सेर में मेर र लूरे.य.मैं.शक्र. रे.वेश.टे.वे. शपु.क्र्यापी नेश.बुंश.वेट.व.पर्वेर वर्ष् बुरिय विचारि हुस्य वहर बुरियार किया वेश बुर्य मिनियार । नहर्ने में नाडमा नडमा निष्यं दूर तिमित्र कर हो र नहा देवीं दश देवीया मेद्रायाक्या दानुदे दुर्या स्वयायदे मा वटा यदे होना या कार्क्ट त्रेश्न्यान्त्रीयाः स्थान्त्री।

स्वान्त्रीयः स्वान्त्रीयः स्वान्त्रीयः स्वान्त्रीयः स्वान्त्रीः स्वान्त्रीः स्वान्त्रीः स्वान्त्रीः स्वान्त्रीः स्वान्त्रीः स्वान्त्रीः स्वान्त्रीः स्वान्त्राः स्वान्त्रः स्वान्तः स्वान्तः

्रेश **के देश मन्द्र**या

नर् हे स्ना नस्य नस्मारा पर्ने पर्ने । वर् हे गुर द दु । तर यवै मन्द्र यवी । वदे दे विनाय त्यन्य यदि मदेद यवी । वदे दे जय. पंत्रचास. राष्ट्रचंद्रच्यात् । सिंचा चर्त्रच प्रस. राष्ट्रची वीद्रविद. मिट तर वी जे मूर्य ता भट्टे नि जम मुरा तर वी मैं ने मिल जे भ तर.वे.कुं.पुंधातर.वेर.भुरी विष्यविदास्टासर.वे.कुं.संट.यर. वर से दा पर्वोत्ता या अदेव पु वु हो अदेव पु वर से दा वस हो से यर वु हो स्र्यायमानुमान्ने साम्ये प्राप्ते साम्ये वित्रा वित्रा व्यापा व्यापा व्यापा व्यापा व्यापा व्यापा व्यापा व्यापा युन्दायरुरायात्ममञ्जूषायदे यदे वयायि स्थे। वदे वस्त्राया वद तपु मीच सवत वस्त्र वर्जी वट वंश सक्ता विषा वधीर चर्ज सी माला चुर् यूर यहूर तर वे.ही दे.ज र बेच वर्ष का वर्ष के जा ही के जहा हुंद त्रश् वैदः (बेदा विद्रायश मध्याय श्रुकाय दे ह्र साथ हेरा गुकार वृद्धार पदे त.श ज्रा मार्च सेना नरे र रे छे र छे छे र छे छे ता छे र र से मार्च र र मार्च र र र र र र र र र र र र र र र र र रादी मिंद्राची पर्देश सादी मात्रिका अद्यान दे स्वाप्य दे काया केरा विकासी यदेशया की दे ख्रा चेदा चिदा चर्मा दिता पर मिलेना ता नेरा दे । भारा ग्रांक त मुद रक्षः स्ना नदेव ततुर नका गुवाय तुर स्वा नदेव स्वा नदेव स्वा उन्ना अम्सूम्यरम् वर्षेन्यायार्थेन पुरिष्यम् व अम्बून्यप्ता २ में मा निर्देश हैं अप की मा निर्देश हैं दे पर्देश में के पर्देश में की मार्थित क्रमान् रेमारे म्ब्रिंग वशामश्रीर शास्त्री दे दे द्वार्मा रामे वर्ते क्षेत्र च्.ल्ट्रेडी ह्या अर मेचा वर्षेत्र पुरु य वैदाय है पुरु हैं में प्रश्ने मह्र्यस्य गुरु त्र्यम् दे ह्यू र द्यार दे ह्यू व्यास व ह्यू देश वर्गेग्यार्थेरापुष्ठावर्गेराष्ट्रया। देवै केरापुरि दशक्ता क्रेंग्रावर्गेराया ववुदःदशः वस्यावदेवः वद्रा।

त्रिंद्र पत्रे द्वेस पत्र पद्दा त्र्रे प्रेन्स पत्र प

म् रात्तारान्त्रा स्थान्त्रा स्यान्त्रा स्थान्त्रा स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्

तस्य वस्य तर् क्रि. सेट. त्रुं त्रि. त्रुं त्रि. त्रुं त्रि. त्रुं त्रिं त्रुं त्रिं त्रुं त्रिं त्रुं त्रिं त्रुं त्रिं त्रुं त्रिं त्रुं त्र्वे त्रुं त्रिं त्रुं त्रिं त्रुं त्रिं त्रुं त्रिं त्रुं त्रिं त्र

श्चर्नरत्रे.मृणुराय वृत्तः वन्तर्ना

त्मिर्पार पर्दे हे भी स्पार हर भी द्राय हाम व वस हैं गाँव पर्दे हैं मीरेशरे. छेरं. सूट्रा. यु. सुम्रात्मा यु. तू तु. चीश्रा भूतं. चर. सुम्रश्चीट. ची... वरःस्वाध्येत्र। वदाणुरासेस्रयानुराक्षेत्रसंदर्भाने प्रादेशन् सर्देशनु सुर भ्रम्याम् मिर्ट में सेस्य प्रेने देशम्यात्म प्रमा पृत्य पुर के मिर्ट स्टिस देश म मार विदिर रे क्रिक्ट रे तकार के मार विद्या है का है के हिंदा है के क्रिक्ट का मैक नुःसदः भदः। नार्दे वे विदेर् कम् श विद्यदः। दक्ता सना व सन् श लुश दुव वट वस मिट पर्ट्र हिट निकेश नार् न्त्र में में हो हुन सर. रट.ज.कर्यंश.राय.रेयट.बीश.रट.ज.बु.टर्ट्र.व.चंकुवी.वैट.रेंश.ट्र.टेट देवः में दे दिर चे कथा तर हिर च 'व व व र । अर र र अ क न श व पे देवर . मुक्ष-४८. ब्रेट. अध्येत् सूर्-चहरा चतु-१८ कुषा चुराना दे अख्रा र टामीश स नेश पति हें दे से राय से पते लें माने हें चुट य परशाय है. वर् देर। दे वर्ष र दाया क्या शाया स्माशानुनाश के दार्च व सुदाया दे। रत्ने देश्यां शास्त्रेर्याद्यां व्याम्ब्रास्त्रे द्वताम्बर्धाः से त्या सुद्रास्त्रा स ट.ट. बुंश.रेश.बुंट.बुंट.बुंश.चंडेट.चंश.टुंचु.चेंबंश.कुंश.वेंट.। टुं.बुं. रट.म्रेश.चेश.वेष.वेष.वेचा.स.म.चेश.तश.पर.व.लुरा चुरा.वे. अवतःर्नार्टायलेशक्तिशः वृद्धायलेशः देर स्ट्रिंशः हे प्रदायलेशः मीसः

म्युन-धर-प्रहेद-धन्दे त्याद्वे केद्द-क्रिक्ट क्ष्य-क्ष्य-द्वेत-स्वर-धन्त्य-तृ-प्रहेद-धन्दे-प्रहेद-धन्दे केद्द-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्षय-इस्रक्ष-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क

यश्की क्रिंट वी

※5~9000 C 3版

वर तर्र हैं. च्.चन्तर वी

यम प्रति क्रिंग निर्मित्र प्रति क्राया वहेट साम ते प्रति प्रति प्रति प्रसा के प्रति । वस प्रति । व

*~~~** \$99.284.042.01

त्त्रस्य अस्त्र व्यक्त अस्त्र क्षेत्र क्षेत्र

तमा श्रीर नमा भर्ते क्ष्मा श्रीय मान हो हो । विहे तमा श्रीर नमा भर्ते क्ष्मा श्रीय नमा स्था निहे । विहे स्था नमा निहे क्ष्मा नमा निहे क्ष्मा नमा निहे स्था निहे स्था

इना के ब न न न न न

स्त्राचनकात्री, क.शु. तथी हेत् चर क्रेश तथा के का क्रम स्वरूपा, माक्रेश के का क्रम स्वरूपा, चित्र प्रमान के क्रम स्वरूपा, चित्र प्रमान के क्रम स्वरूपा, क्र

द्भवः स्ट्रित्यर है। वे दे से मा द्भवः प्रति प्रति । वि स्वर् हे से प्रति । वि स्वर हे से प्रति । वि से से प्रति

कैंगे.चर.र्घास.जा चेट.र्न.चढे.ल्ट्.च.ख.रच्या.स.रथस.जस.ख्ट.स. शक्त.रे.मेर.प.कार्या रे.ज.के.हे.च.ठर.व.वे.व.घट.त्.लूर.चर. मेशिटश भूटा। त्रेम्, बेटश में नदे नद नहेंदेश ४८ र र रेशिश होता. क्रियाश्वरद्भेनासास्य प्रति दे दे विद्याप्त मान्य प्रति । दे दे विद्याप्त र्वट.कुस.वैट.ब.कूट.कपेट.केर केट.कू.संशंस.रेब.भ.सेव.वस. विट.च.लुबी श्रेशस्य वि.चवं विवशः दे अंश्रेशः हेत्। दर् व.च.श्री.व.श. पक्ष्मातर पत्रद मुल्ला होर पद प्रवस ने स महिमार । रे र् ट र र पर केमा असायाम् वर् पुरायक्ष विश्वतसानिसानु दाव कुराहर सेर् लट श्रम्भाश्वराथ वहेद पदे मद्या ग्रीस सी दि लट महि दे हिन रटा हि.च। 'विटामेट में चर्च स.स.इ.स.म.म.चर.रे.चर्च र.टा.मूर्य ्ट्रे.च्यार्थमसालेकाताचाल्.चार्चिटाचीस.द्वेरावसाचिटाकाराज्याचिच्चेर.. यर केरी देव अधिक स्मार केर केरे प्रमाश्रेष श प्रकार ने स्मार पर प्रमा मिल्स म म र विरायक विस्त मेना न के क्रिकेट हरा दे क्रा सर ह हिए में बिट, या बट, वस नेटे. या मार्ट्रे मांसा केंद्र म्यू. कथा ग्रीस श्रव संवस क्रेबस्त्वेत्राचावानात्वाक्तावार्ते तुसावार्द्वस्केत्र्त्विश देवार्स्त

पद्रे च्री, ट्रंस. प्. प्रोट्ट दंश, हुट, विप. प्रवृ की. शक्रें श्राट क्रू लूटी। ट. टेट ज्या . प्राट्ट ट्रंस क्रू च्री संस्त्र क्री प्राट्ट क्रू प्राटिश सूट, प्रते वे। वह क्ष्म ज्या च्रूस क्रू च्री क्रू क्ष्म क्री श. पश्चित प्राट . व्री स. प्राट क्ष्म प्राट . सूट, पर्ते वे। वह क्ष्म ज्या च्रूस क्ष्म च्रूस प्राट क्षेट क्ष्म क्षेम प्राट त्री प्राट . व्री स. प्राट क्ष्म वे . प्राट . व्री स. प्राट क्ष्म क्ष्म प्राट . व्री स. प्राट क्षम क्ष्म प्राट क्ष्म क्ष्म प्राट क्ष्म क्ष्म प्राट क्षम क्ष्म व्याट क्ष्म क्ष्म प्राट क्षम क्ष्म व्याट क्षम क्ष्म व्याट क्षम क्ष्म प्राट क्षम क्ष्म व्याट क्षम क्ष्म व्याट क्षम क्ष्म व्याट क्षम व्य

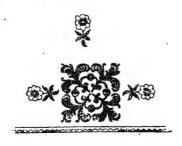
वर्देव निष्टेश कर्मा

वर्द्धराश्चिमा विकावित्रात्र विकार व शक्ट्र्टर महिट नक्षेत्र पदि देएक हा परि देखा में श करो ल स्वेश क्षित निकेश रे क्षर है। माश्रद गुन हून पने दे मनिन परा मधर हुन. त्रुक्रायरे मानमा सम्मानिका मानुना के मानुसार्ग्य रेतरामा खेनामा नार्था वंश रक्ष्री थे। श्री मी.काड्र का.स.स.स.म.नार्च श्रमान्त्रं अस्ट्र स्वेत. त्तु निर्मा क्षित्र र निर्मा र निर्मा द्रा निर्मा त्र निर्मा निर् श्चेतात्रवान्मार्क्ष्याच्यान्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्या नाकेशास्त्र या नते वर्षे विद्यन्ति द्यान्ति वर्षे द्वाना गुवहिन वहिर्द। अवर मुनादर्दि यदै देना नेका कर अवे के र देन देन देन मदेव'यादमा शक्काद्विर यह रेमा नेमा ह्वामक हेर देव दे गाव ह्याम्देशसम्बद्धा दिश्वादा हिंदा हैरायरा वर्षेत परेत वी द्वान्त्वामद्वाम्यवात्वा दे व्यव राम्यवान्यदेवा वर्षे १८ म में १ व्या हुंस देश देश देश देश । वर्षा वा वर्षा **उन्तर**.पंन्युंच.मीर.ज.यहेर.रस.रट.। क.र्पश.ज.यहेर. दश्य वत्ना या संन्था के दार वहे दा वह वित्राय है वह लेना क्षरे. क्षट्रट. हेर्नेचिवरे म. कुंस हे बैचारा भा चीर् कार टा क्वां सामी.... वियायान्त्रिम् गुटासेद्यस्य स्थासः स्वर्षः स्टाय्त्रि केस क्रियारेद् द्र.क.रवटा शक्कर.टे.व.वुर.गीय.ज्यदान.लुवा बर्ट्र.चर्ने. म दिन्दरायक्षेत्रक्ष्यः वृद्धायसम्बद्धाराम्यक्षात्रः नवि १ द्वारायक्षात्रः र्दा। शक्षर्रेर्यस्य विषय्व देव विषय् विद्वार्य विरे हित न भेव वा

कूरा अभग्न श्री कुर प्रचित होत. या प्रचारी

कुर्यातामा प्रवेश या प्रवास शक्य प्रमान में या प्रवास पर्वेष यात्रित्या दक्षा लेका त्राचेरा या विद्या है दे हिंदा हु। हर्ने केदि हराया शुरी बटाकेट. प्रसंखिताताचमान है व हाने विश्वासी हु जुना करा रेस्ता वश्यक्त मेर्ट्ट नेश्वा अलाटमा में मेर्टेट ना कर करा भवेष ने तिह्ना वेश स्थल हैं निर्देश नेश्वा हैं से बेटा ने वेद्राय पर्देश भु.श्. भक्ट किट मा पर्देश ग्रीट तर्देश मुद्रेश हे अर्थ तम्मे प्रदेश नमभाना नाया के नमा दर्गाई महत्त्र नश्चिमाय श्वनमा वर्गा दर्भ वरा वयसाल श्रुष्ट वही नाल्य बर्ग सेयस पश्चित देवस नाल हे ज्या ही ल्हा इर व्र र ने व्रक्त देश देश है सामित का मान कर देश र मान क्रेन मिड्न के मिट्ने मिट्ने मिट्ने मिट्ने मिट्ने मिट्ने मिन्ने मिन्ने मिन्ने मिन्ने मिन्ने मिन्ने मिन्ने मिन् है। कुं निराल क्षेत्र न मुनाय नहर है। दे नक क्रेंक नेन नेद लेना रा माश्राद्धा विसामसम्परा दे.व.र.दा.क. प्राचा चे.च = क्षेत्र हे.दे.वेर हो। ने प्रमार्क्स मेन ने प्रमार के प्रम के प्रमार के प्रम के प्रमार के प्रम के प्रमार के प्रम के प्रमार के प्रमार के प्रमार के प्रमार के प्रमार के प्रमार के दे ज्यार भेती व कर व तरा द क्रिया हैना कुन व क्रिया हैन व देखा पर क्री र प्रशासका है। है 'सूर प्रशासर 'अद 'प्रमुक्त मुक्ते मा के नुकर है। क्रीरा मिन्द्रात्ते दि नश हर्षा भेग के जिमसमा श्रीत्रा पर मिन्द्रा करा हेन्द्रक्रिक्षेत्रेत्रसम्भानाम्यद्रादेद्रक्ष्यः वुष्यायम् द्वेषद्रद्रासः कवासाया ह्या हरा सुपन्ती पारी सामिता मुनामा शुर्मा प्रे पुरापसमा ह्यूर्र रचा लिश च. कुरे तथ सिंह मुक्त मानन हो च श्रह्म च रहेगा

(So3)



म् अस्त्र क्षेत्र क्ष

त्रे में कुर त्राह्म त्राहम त

के मा १७११ में वे में दे हराता है जाते हैं मा ने हैं। में देवा में दे मही

कृतमान्त्री स्ट्रिन्त्यामार मुन्त्राम् स्ट्रिन्त्राम् स्ट्रिन्त्राम् स्ट्रिन्त्राम् स्ट्रिन्त्राम् स्ट्रिन्त्राम् सुन्त्राम् स्ट्रिन्त्राम् सुन्त्राम् सुन्त्राम् सुन्त्राम् सुन्त्राम् सुन्त्राम् सुन्त्राम् सुन्त्राम् सुन्त्राम् सुन्त्राम् सुन्त्राम सुन्त्

क्रिन्तुर सेर स्वस देवे वित्य प्रतास्य स्वर्थ प्रतास स्वर्थ । देर प्रदेश विद्

२०१७ में निमायट मिकाट में मी हेश से वर्दे पट में वस मी वर्षेत्राताकुक्तास्यातान् द्वान्तुःद्वान्तुः द्वदानुः द्वित्रात्यान् काकाक्रातान्त्रा त्रे वृत्यास्य सद्यामधुक त्युटा त्यदग्व माने सामा देट मान र हूँ ना स् " विदार्त्रे नामा में शा १००० हाया वर्ष दा दा दा स्मार स्मेर स्पर् स्मेर हैं। सी क्या कू. तूर् मिबिर मुंबा क्रेंट सूचा ने बादा बंबा चंडर तूर् वंश मि वंचा. निविद्यात्रीयात्रायात्रीयात्रात्रसार्वेद्रात्यात्रात्री विद्यत्रीत्रात्रीयात्री मार्डे श्चापने अ व्यक्ति पुराय प्रायम स्थित अ व्यक्ति प्रमृत ग्राप्ता कु दना नीश वर्ष भी यदे र पहेंचा पर्दे र स्प्रेंद पास रे दे । मु वमा से सार हे द निविद्यान्त्रं निक्षाया व्याप्त विद्यान में स्वाप्त में स्वाप्त में द्वार में स्वाप्त में दिए हैं स्वाप्त में समायान्य मार्चे द्रायम् । वर्षामानु द्रायम् वर्ष्या वर्षेत्र पहेंब निकारे के बना नि दे महिन की का पर्मेन का स्वाम नि वेना है वर्त्ते समिन वर्ते की देव मिठद का इस स्त्री मार वस स्त्री वर्त्ते का हुव या वे स्व समामी नावी तेना के वा गुमा ने वे किया ग्रीमा न वि न किया हिशायना विष्टेर अहूर या अमानमास मिट है वे छेश हुँ द शेद। मुन्नर नालुद्रानी नीना सार साथ पहेंब ब्राय पर् गी दिव नहिंद पा के दूरा। मुंबन नै न बुदा र् वा कु न र नु व्यक्ति पा ब्रिटा क्या द में नहीं ने हैं ने क्या स स्रुर्गाता विंद्र हैं ते दस्य पर सामहिन्स है किर साद हैं र पारेदी कू कर वर्त्र भूक में देव के पर में भिष्य ।

चीटा चा नामान केंद्र कुमा अंद्रां ना दे क्या है से क्या के क्या के क्या है से क्या के क्या है से क्या के क्या

मुत्र भट सक्त त्रेय क्षेत्र क

ट.क्र्स.ची. हेन्।स.चेट.।।

स्तर्यते राम कुर्य क्षेत्र क्ष्या मार्थिया कुर्य स्तर्भ स

त्र्, त्रेष्ट, श्रीट, श्रि. ७ . ष्ट्रांश अत्या । क्रि. १००४० श्रि. १०४९ श्रा. १० वर. वर्त्, श्री. १०४८ श्री.

SAI

-92-

क्ष बश्च त्र्रेय कुथ हैं। कु नु द हैं के के बे हैं हैं न न म के महें न या

ह्यू. ७७४० ^{च्रु.} ७७ **द्रश. ४८ इस.च वर्ष. १४८म. १४. म३**श. पंत्रेतायीत नुवास वर् द वर्ष व नुद वर क्रुंद चहेंद मोद स्मिन निद निद निद द ब्रियदे क्या प्रतीमा केटे प्र श्रेयश स्टि केट्र हिनास प्रदेश में प्रमुद नवित्र विविद्यात्र वहून्य नवित्र प्रवे क्षेत्र विद्यु प्रवेश दश्य विकास प्रवित् मुर्म वर्षक्ष इसि दे द्वामिति है है है र सुक्षि द कार्ये अप्यास हैर में क्या ना रक्ष्या नियम प्रता दिन प्रते राज्यी वार्टी वार्टी वार्टी वार्टी वार्टी 4. - 14 . - 14. - वर्त्त्र मेदे रेग्य द्रा केंस के मेर के मेदे उन्हेंद वे बहु माउट पर विश्व.चर चर्षेत्र अभ्यात्वेण स्वाम क्र्यांश र विश्व चर् देवे से स वर्षेत्र वर्षेत्र विन्यान्त्रम् नावदानान्त्र व्यामान्त्रम् विकारमाव वर्ष्ट्र स्ट दः बेसारे प्रदुव नु पर्वेद किया है के 1000 वामु दूस देश कर मुसस वन्नाय वह ब वहूं थ मुद्दे स्मान स मुद्दे हैं र र स्वार क हर स्वर प्र द्वालीय देशादरा दर्दा देशानुदायमा स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थापत व्यद् कटा द्वानावद वर् दनानी ज्ञान र केर द न प्रमास्त्र वर्ष नाबर क्षां ले जे ज़री।

चंद्र की द्वेण चर्मनामा ने दिन चंद्र की में के प्राप्त की में की में के प्राप्त की में कि प्राप्त की में के प्राप्त की में की में के प्राप्त की में के प्राप्त की में की में के प्राप्त की में की में के प्राप्त की में के प्राप्त की में के प्राप्त की में के प्राप्त की में की में के प्राप्त की में की में की में के प्राप्त की में की

तैश्र कुरास्त्री, हुश्र स्वाचा काई हू तु, येश्वर ते वेश्वर ता रही। वैद्या सामा स्वाचित प्रताम स्वाच्या प्रताम प्रताम प्रताम स्वाच्या स्वच्या स्वाच्या स्वच्या स्वच्या स्वाच्या स्वाच्या स्वाच्या स्वाच्या स्वच्या स

द्रा नविश्वक्रित्स् द्रे द्रिक्ष्मिल्द्रा मुक्षा विश्व क्रिक्ष्मिल्यः विश्व क्रिक्ष्मिल्यः विश्वक्ष्मिल्यः विश्व क्रिक्ष्मिल्यः विश्व क्रिक्षिणः विश्व क्रिक्षिणः विश्व क्रिक्षे क्रिक्षे

W5.0.5 411

मार्के दा। मार्भेद द्या द्वा मार्थे प्राप्त मार्थे दान मार्थे दान

वर्षेत्। द्रशासे द्रशासे द्रशासे द्रशास द्र

श्रुवा कुं महर्मेद वर देंद से दें प्रमेद मिद मार कें प्रमेद ।।

हुनाना इक्षाप्ता मेश्रारमाहामेरामहित्मुनेशम्भानेश

स्थान्त्र महिरान्दे प्रमास्त्र स्थान्त्र स्था

- २ क्षेत्रम्भ सहिवार् निक्षा क्षेत्र क
- द्वाः या मार्थः प्रवेशः मार्थः प्रवेशः प्रवेश

सम्बद्धः ल्यादाल मु लुडा। सम्बद्धः ल्यादाल मु लुडा।

- मेर्ना १८०० हो स्वाप्त के कार्ने महित्र के कार्ने स्वाप्त के कार्ने क
 - भ श्रु ति १००१ रदा १००१ विदानी तु साध्य रेट वि ते द द विदार विदार

 - ८ मात्राकेने प्रमिना हुरे तिना कुरे मी कुरे ही छू ं रेका हु सुक्षा वार ,

द्वा नड्या पत्रे प्रेमा करे मात्रे द्वा माद्य प्रेमा प्रे

- बर्द्रन्त्रदेश्यदे अस्यक्ष्रस्यह्र्य्यदे स्वाप्त्रस्यहे अस्य बर्द्रन्त्रदेश्यदे अस्यक्ष्रस्यहे अस्यक्ष्रस्यहे अस्य स्वाप्त्रस्य अस्य स्वाप्त्रस्य अस्य स्वाप्त्रस्य अस्य स्वाप्त्रस्य स्व
- द्वः दशः न विश्वः मेने स्त्रे स्त्रे
- त्र संक्ष्यं निष्ठे में निष्ठ में में क्ष्यं में में क्ष्यं में क्ष्यं में में क्ष्यं म

क्षाराधीना अपनार्तिपर नेने क्षारामिन पर मुन्तान निवार ने वि वट इसस वेर हिंदे से हेंची

१२ वर्षे में मार के शासि म्मामा वर्गे दे हैट। रुमासुना सन पर्दे र्ने र भेग'नर महिसर्गा वर्षेन प्रमहिस स्प्री।

१२३ समायर थे पुरे वर्स व १००० तु वर् र वर्षे केस वासुम वर् प्रेट. **बेब**. श्रु. के. तु. दे के. यु. के. यु.

ध्येदै ज्दर्र मेनाम ज्दर प्रेद्र निवट क्षु दन

र्नुब म्नुद श्रु कंप कु रम स्ना रुष्ये मुराये द्रम सुना ह्या के र वत् से व र मार्थित । हिंदा के र वत् से व र स से ना व्ययःश्वदशाद्भाद्मी दम श्वना से र निर्देश्यदे निर्मा श्रुमी न्ननः स्वार्मितः सने **न्यः** सुना

मिल लूट्श क्रूचिश कुर मी र म से गी

मुद्रन में बेट द्र हिट्स प्रेन पर्दे र्द्र व १३६ प्रेन प्रमुख स्वस कुटस.लुच.दुचे,वट.लूरं.नर्ट.कुच्बट:क्षेत्रश्ची.वच.ज.श.वैट... 4.541

१५ ही ते १८३० वे दे दे मा १६० रड़े व मा हु । वस्मा मे सा सक्ष्मस शुःदनः क्रेन्य पान्तान्त्र वरः नुष्टे समाया देवा

लट. थरी हैं. मू. १७३० ज. ह. से हिट मश्च मश्च टा से में जेप के मार अवस्तर्ने द्राह्मिस् स्त्रिव चर द्रिंगिहर्ने च लूट वर्ने वर्षेत्र वर्

- महर्नायक्ष्मायते नादसम्बद्धार्ये मुं नार न्दा। यय ख्राय मुंद्दे
- मधुरम्भुशाविर्ताम् विद्राम् मार्ड् देन् मुर्ग्य स्मरम् मुन्न स्मरम् मुन्न स्मरम् स्मरम्स्यम् स्मरम् स्मरम् स्मरम् स्मरम् स्मरम् स्मरम् स्मरम् स्मरम् स्मरम् स्मरम्
- १८ हैं। व्या १८८० व्या की देना मी दें द मार्टे द मार्टे द मार्टे द का है र मार्टे द मार्टे द का है र मार्टे
- के प्रहार प्रमा के प्राप्त के कि स्वाप्त के स्वाप्त के
- स्त्रिक्षः मित्र मित्र

त्रभार्ट्।

क्षान्त्रकृतक्ष्मभान्त्रित्रणमाक्ष्मामभान्त्रभान्त्यभान्त्रभान्त्त

- च्रं मुं कुं नमुं तमा निहर निम् हे स्वार्ट ने कुं नम्हे नि
- माद्र द्रिक्ष्यः, दर्, तर् ह्र्याक्षः लूट् मी। द्रेट्रा मील ह्र्याक्षः मी. लुक्षः माद्रा माद
- क्षेत्र स्वाः मान्य स्वरं स्व

मीवट्रिट्रायट्र सर्वेद्रायद्वेय दसः वर्षः निवः प्रद्रम्।

- २८ श्वे.सं. १०१८ स्त्रं वटा स्त्रं स्त्रा स्त्रं त्या प्रते स्त्रं स्त्

- हेर्नाश्चालाके स्वार्थं के देवार्टा चूर्मोश्चेशानिश्चालेश मोश्चान्यालाक प्राप्त हुर्मा प्राप्त हुन्मेशान्य के स्वार्थं स्वर्थं स्वार्थं स्वार्यं स्वार्थं स्वार्थं स्वार्यं स्वार्थं स्वार्थं स

श्रीद्रायमः त्रद्रा वाक्षित्रायमः प्रद्रोयम् यामः प्रदेशमः व्याप्तमः व्यापत्तमः वयापत्तमः वयापत्तमः

- क् कु से श वर्ष ' दुवर हे दे ने वर्ष प्राप्त के प्राप्त के कि से कि से
- मु स्वान्त्र प्रति हो मुंद्र मुक्ष प्रति मा देश प्रहेत मुंद्र मुक्ष प्रहेत मुंद्र मुक्ष प्रहेत मुंद्र मुंद

मोट्ट्रे. ८. २ ८. मेट्ट्रे होते स्ट्रेस्ट माट्ट्रेस्ट

- पहर्ना स्ट्री।

 पहर्ना स्वास्त्र स्वस्त्र स्वास्त्र स्व
- ১৯ বছৰ নাইৰ, দ্বীৰ, প্ৰচাৰ এই । বুই, এই, তুই, প্ৰায় প্ৰথম কুল, প্ৰতি । তুই, এই, তুই, প্ৰায় কুল, কুল, প্ৰতি । তুই, এই, এই বছৰ নাইৰ, দ্বীৰ, প্ৰচাৰ এই । তুই, এই, এই প্ৰতি । তুই, এই বছৰ নাইৰ, দ্বীৰ, প্ৰতি । তুই বছৰ নাইৰ, প্ৰতি ।

वेदः तीलाक्षः प्रची। त्याः वृत् । क्षेत्रः चार्ष्त्रः चार्ष्त्रः चार्ष्त्रः चेदः चीः च्यूः च्यू

मिन्यः माश्रामा विष्यं मिन्यं मिन्यं

न्यस्य प्रति न्यस्ति । स्ट्रिस्य प्रति । स्ट्रिस्य ।

र्वेर् के अट थ न्विर्देग लेट्स र्ट वर् वर केंस हेर हैं न्विना

चर्ने स्था स्था में स्था में क्रिय में क्रिय में स्था म

्र मोट शर्त्र प्रति स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र माश्चर माश्चर स्त्र स

त्राक्षरम्भः स्त्रा। स्राक्षरम्भः स्त्रान्तः स्त्रानः स्त्रान्तः स्त्रान्तः

- हस्राचर मिर्मेर स्प्रेर कुंस नेवाश कु स्प्रे।। विया वाश्वरा पश्चे वाश की पर्मे प्राप्त क्षेत्र ह्या हिस्सा प्राप्त है। प्राप्त क्षेत्र के स्प्रेस प्राप्त के प्राप्
- अ.क्षुत्र.चतु.कुश्चरता इचा.चीबट.ची.चोवश.बेटश.ज.चड्ड.पड्चा. इ.च्रु.कुप्र.चीबु.कुप्र.चचा.च.कुपु.कुच.वट.चटा। च्रिट.कुपु.वेब्र.कुट्चा.

र्नोश्, बुरा ने नूर्त समुया मु मु भी भी।

मूल, पर्रेर मीश वारेर जात्त्वा राष्ट्र मूलिश स्ट्रिंस मिला चारा ।।

प्रमाने स्वीत स्वार प्रमान प्रमान स्वार स्वार प्रमान स्वार स्वार

मूंशक्ट्राक्षट ४३८३ असूर्यायवेचातर रेथे चार्स् में।। मुंशक्ट्राक्षट ४३८३ असूर्यायक्ष्यवेद्याये स्थायक्ष्याये स्थाये स्याये स्थाये स्थाये स्थाये स्थाये स्थाये स्थाये स्थाये स्थाये स्था

क्री। क्री.चंद्रक्षान्नर्भागिविद्यान्त्रिक्षान्त्र्यान्त्रयान्त्र्यान्त्र्यान्त्रयान्त्यान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्यान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्यत्यान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्यत्यान्त्यत्यान्त्रयान्त्यत्यान्त्रयान्त्रयान्त्यत्यान्त्यत्यान्त्यत्यान्त्यत्यान्त्यत्यान्त्रयान्त्

ने ने त्या के त्या के

- हशायर द्व्या पाले अले शायक्षेर अव के श्वर्ण पहें जी। वियान अलायक्षेत्र शाले प्रेच्ये प्रेच्ये प्रेच्ये यह स्वी स्वार्थ प्रेच्ये प्रेच्ये प्रेच्ये स्वार्थ प्रेच्ये प्रेच्ये स्वार्थ प्रेच्ये प्रेच्ये स्वार्थ प्रेच्ये प्रेच्ये स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्
- कृत्रास्त्रात्रम् प्रमुत्रानु मुगा यते मुश्चित्रम् त्रम् प्रम् स्टान्ता स्टान्त्रास्य क्रिंस् स्टान्त्रम् स्टान्त्रम्यस्टान्त्रम्यस्टान्त्रम्यस्टान्त्रम्यस्टान्त्रम्यस्टान्य

बिक्ष-त<u>र्जा।</u> चिट. टे. तर प्रश्चेष. इंट म्रीट रट ट्वट सर. भे सुर ज्ञान कट में स्माध प्रहेण प्रहेषा

Edited, Printed & Published by at the Freedom Press, Darjeeling.